

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 17]

नई बिल्ली, शनिवार, अप्रैल 24, 1982 (वैशाख 4, 1904)

No. 17]

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 24, 1982 (VAISAKHA 4, 1904)

इस भाग में भिन्त पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III--खण्ड

[PART III--SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नर्ष दिल्ली-110011, दिनांक 23 मार्च 1982

सं 32013/1/80-प्रशा ।—संघ लोक सेवा आयोग की अधिसूचना सं ए 12024/2/80-प्रशा । दिनांक 23-2-82 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के संदर्ग में के. स. से. के स्थायी ग्रेड-। अधिकारी श्री एम. के. कृष्णन को राष्ट्रपति द्वारा 12 फरवरी, 1982 में तीन मास की अनिध के लिए अथवा कानामी अफ़्नों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में के. स. सं. के चर्म केड में उप सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य करकेडी लिए महर्ष नियक्त किया जाता है।

दिनांक 31 मार्च 1982

सं. ए. 38013/6/81-प्रशा. ।।।—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग से के. स. से. के स्थायी अनुभाग अधिकारी तथा स्थाना- एन्न डेम्क अधिकारी श्री बी. सूदरोसन को राष्ट्रपति व्वारा कार्मिक और प्रधामनिक सुधार विभाग के का. शा. सं 33/12/73-स्था. (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्ती के अनुसार निवर्तन आयू हो जाने एर 31 मार्च, 1982 के अण्राहन से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त होने की सहर्ष अनुसित प्रवान की गयी है।

 नियुक्ति होतु चयन हो जाने के परिणामस्वरूप क्षेत्रीय इंजीनियरी कालंज, कालीकट के सिविल इंजीनियरी किभाग में लेक्चरर तथा संघ लोक सेवा आयोग में प्रतिनिय्क्ति आधार पर उप सिचय के पद पर कार्यरत डा. आर भास्करन को 31 मार्च, 1982 के अपराह्म से संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय से उनके कार्यभार से मकत किया गया है।

डा. आर. भास्करन को 1 अप्रैल, 1982 में 11 अप्रैल, 1982 तक का अर्जित अवकाश भी प्रवान किया गया है।

> यः राः गांधी अवर सचिव (प्रशाः) संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

का. एवं प्र. सु. विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्युरो

नर्दे विल्ली, दिनांक 2 अप्रैल 1982

मं पी. एफ. /एच-68/74-प्रका. - । ---केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों मो पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त, महाराष्ट्र राज्य पुलिस के अधिकारी, श्री एच. आर. साल्वी की सेवाएं दिनांक 28-2-1982 के अपराहन से महाराष्ट्र राज्य प्लिस की वापस् सोंपी जाती है। दिनांक 28-2-1982 के अपराह्न में केन्द्रीय अन्बेषण अयुरो, सामान्य अपराध स्कन्ध, अम्बर्झ में उन्हें अपने पद के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया।

श्रुविध-पत्र

सं. ए/19036/4/76-प्रशा. 5—इस कायन्यि के विनांक 14-8-1980 के समसंख्य अधिसूचना के सन्दर्भ में उद्घटित, श्री सरीफुल हसन, पुलिस उपाधीक्षक की निवर्तन तिथि को ''31-7-1980 अपराह्न'' के स्थान पर ''30-6-1980 अपराह्न'' पढ़ा जाय।

आर. एस. नागपाल प्रशासनिक अधिकारी, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यरो

महानिदोशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110066, दिनांक 2 अप्रैल 1982

- सं. डी-एक-4/82-प्रशासन-3--श्री एन ान दत्ता जो कि कार्यालय नियंत्रक व महालेसाप्रबन्धक के लेखा परीक्षा अधिकारी हैं, को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में प्रतिनिय्वित की मानक शर्ती के अनुसार तवर्थ लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर एक वर्ष की प्रारम्भिक अविधि के लिये अथवा भर्ती नियमों के अनुसार निय्वित होने तक, जो वहले हो, के लिए नियुक्त किया जाता है।
- 2. श्री एन एन दत्ता ने अपना कार्यभार दिनांक 17 मार्च, 1982 पूर्वाहन को कार्यालय महानिरीक्षक (क्षेत्र द्वितीय) के रि. पू. बल, कलकत्ता में ग्रहण कर लिया है।
- सं. डी-एफ-5/82-प्रकासन-3--श्री गोरला अर्ज्न, जो कि रक्षा लेखा विभाग के लेखा अधिकारी हैं, को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में, प्रतिनियुक्ति की मानक शर्ती पर, तदर्थ लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर एक दर्ध की प्रारम्भिक अवधि के लिये अथवा भर्ती नियमों के अनुसार नियुक्ति होने तक, जो पहले हो, नियुक्त किया जाता है।
- 2. श्री गोरला अर्जुन ने अपना कार्यभार दिनांक 16 मार्च, 1982 पूर्वाह्न को कार्यालय महानिरक्षिक (क्षेत्र प्रथम) के. रि. पू. बल, है दराबाद में., ग्रहण कर लिया है।

जे. एम. कुरोशी उप निवोशक (प्रशासन)

नई दिल्ली-110022, दिनांक 30 मार्च 1982

सं. ओ. दो.-1595/81-स्थापना—-राष्ट्रपति ने क्रनिष्ट चिकित्सा अधिकारी (जी. डी. ओ. ग्रेड-11) डा. एम. के. दिवेदी ग्रुप केन्द्र सी. आर. पी. एफ. नीमच को केन्द्रीय सिदित्त सेवा (अस्थाई सेवा नियमावली) 1965 के नियम 5(1) के अनू सार एक माह के नोटिस की समाप्ती पर दिनांक 1-3-82 के पूर्वाहन से कार्यभार मुक्त कर दिया है।

दिनांक 2 अप्रैल 1982

सं. ओ. दो.-3/78-स्थापना--श्री एस. दत्ता चौधरी, गूज-रात संवर्ग के भारतीय पृलिस सेवा अधिकारी ने महानिद्येषक, केन्द्रीय रिज़र्य पृलिस बल की नियुक्ति के तहत् महानिरीक्षक, सेक्टर-4, शिलांग का पद 17-3-82 अपराहन को छोड़ा।

> ए. के. सूरी सहायक निवंशक (स्थापना)

महानिद्देशक का कार्यालय केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नर्द दिल्ली-110019 , दिनांक 20 मार्च 1982 - , **र्द-**38013(4)/27/81-कार्मिक---विशासापटन

सं. ६ - 38013(4)/27/81-कार्मिक — विशाखापटनम से स्थानांतरित होने पर श्री एम. एम. थापर ने 27 फरवरी, 1982 के पूर्वाह्न से के. औ. सु. ब. प्रशिक्षण रिजर्व, के. औ. सु. ब. प्रशिक्षण रिजर्व, के. औ. सु. ब. प्रशिक्षण रिजर्व, के औ. सु. ब. प्रशिक्षण रिजर्व, के पद का कार्यभार सम्भात लिया।

विनांक 31 मार्च 1982

सं इं-32015(2)/2/81-कार्मिक---पूनर्नियुक्ति की अविध समाप्त होने पर श्री दलजीत सिंह ने पहली मार्च, 1982 के पूर्वाह्न से के. औ. सू. ब. यूनिट, बी. एच. ई. एल. हरिद्वार के कमांडेन्ट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

विनांक 2 अप्रैल 1982

- सं ई-16015/14/81-कार्मिक—एन एफ एल पानी-पत को प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरित होने पर श्री बी. एन. भारद्वाज ने 16 फरवरी, 1982 के अपराह्न से के. औ. सु. ब. यूनिट, बी. सी. सी. एल. झरिया के सहायक कमंडिन्ट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।
- सं ई-38013(4)/19/81-कार्मिक—-रामागुण्डस को स्थानांतरित होने पर श्री आर. बी. क्रूरूविल्ला ने 8 विसम्बर, 1981 के पूर्वाहन से के. श्री. सु. ब. यूनिट, वी. थी. टी. विशासापटनम के सहायक कमांडेन्ट के पद का कार्यभार छोड़ विया।

सुरेन्द्रनाथ महानिद्शाक

वित्त मंत्रालय/आर्थिक कार्य विभाग भारत प्रतिभूति मृत्रणालय नासिकरोड, दिनांक 30 मार्च 1982

सं. 2480/ए—अधोहस्ताक्षरी व्वारा श्री पी. एस. मूर्ती, किनष्ठ लेखा अधिकारी, बेतन और लेखा अनुभाग, भारत प्रति-भूति मृद्रणाल्यं, नासिकरोड को विनांक 23 मार्च, 1982 के पूर्वाहन से तदर्थ आधार पर एक वर्ष के लिए अथवा नियमित आधार पर नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर लेखा अधिकारी के रूप में भारत प्रतिभूति मृद्रणालय, में प्रति-नियुक्ति की सामान्य शतों पर सहर्ष निस्कृतित प्रवान की जाती है।

पीक्ष्यास शिक्याम महाप्रबन्धक भारत प्रतिभृति मृद्रणालय

बँक नोट मुद्रणालय देवास, दिनांक 25 मार्च 1982

पत्र सं. बी एन पी/जी/7/82—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 24-2-82 के अनुक्रम् में श्री आर. के. घोषाल की तकनीकी अधिकारी (मूबण एवं प्लेट निर्माण) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप् से की गई नियुक्ति की अविधि उन्हीं धर्तों पर दिनांक 13-3-82 तक बढ़ाई जाती है।

दिनांक 28 मार्च 1982

बस्ती सं. बी. एन्. पी./सी./5/82—इस विभाग की अधिसूचना सं. बी. एन्. पी./सी./5/81 दिनांक 19-9-81

के सारतम्य में नी एस. चन्द्रशेकरन् व्यी लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति की अविधि वर्तमान शर्ती पर दिनांक 31-8-82 तक और बढ़ाई जाती हैं।

> मृ. वै. चार महाप्रबंधक

भारतीय लेखा प्रीक्षा तथा लेखा विभाग् भारत के नियंत्रक-महालेखाण्रीक्षक का कार्यालय नर्द्ष दिल्ली-110002, दिन्होंक 3 अप्रैल 1982

सं. वा. ले. ए. 1/101-70---अपर उप नियंत्रक-महालेखा-एरीक्षक (वाणिज्यक) निव शक लेखापरीक्षा (वे. व वा.) बम्बर्ड के कार्यालय में कार्यरत श्री एमं. जी. महाजन, लेखापरीक्षा अधिकारी (वा.) के के. सि. से. (पेन्स्न) नियमावली 1972 के अधीन 28-2-1982 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवा-निवृक्त होने की अनुमति देते हैं।

> एम. ए. सोमहेबर राव उप निद्शिक (वा.)

कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, मध्यप्रदेण ग्वालियर, दिनांक 27 मार्च 1982

क्रमांक प्रणा०-I ले० थ्र० प्रमो०/500—महालेखाकार, मध्य प्रदेश ने निम्न लिखित स्थाई श्रनुभाग ग्रधिकारियों को स्थानापण्च लेखा ग्रधिकारी पद पर वेतनमान 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 में उनके नाम के श्रागे दर्शाये कार्यभार करने के दिनांक से पदोक्षति किया है।

3 o लेo	02/277	5
ि लें	nalass	
द्वितीय —तदैय— ० ले०	02/278	9-3-1982 पूर्वाह्न 8-3-1982 (पूर्वाह्न) 26-3-1982
•		० ले० 02/311

ध्रुवचरण साहू, वरिषठ उप महालेखाकार (प्रणासन)

रक्षा लेखा विभाग कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1982

सं० प्रणा०/1/1173/1/1—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा मेवा के निम्नलिखित कनिष्ठ प्रणासनिक ग्रेड श्रिधिकारियों को उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रणासनिक ग्रेड के प्रवरण ग्रेड (वेतन-

मान रुपये 2000-125/2-2250) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने हेतु, उनके नाम के नामों के सामने लिखी तारीखों से श्रागामी श्रादेश पर्यन्त, सहर्थ नियुक्त करते हैं।

ऋम सं०	नाम	तारीख
1.	श्री प्रेम कुमार सबलोक	11-1-1982
2.	श्री ज्ञान स्वरूप	11-1-1982
3.	श्री सैयद ग्रम्युल रहमान	27-1-1982

सं. प्रका/1/1174/1/1—राष्ट्रपित, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्निलिखत अधिकारी को जक्त सेवा के किनिष्ठ प्रका-सिनक ग्रेड (रुपये 1500-60-1800-100-2000) में, उनके नाम के समक्ष दर्शायी गई तारीख से स्थानापन्न रूप में, आगामी आवोश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री दोबबूत लहरी--1 जनवरी, 1982 (पूर्वाहन)

सं० प्रणा०/1/1175/1/1—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित कनिष्ठ प्रणासनिक ग्रेड ग्रधिकारियों (जो उनके नामों के सामने यथालिखित प्रति नियुक्तियों पर हैं) को उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रणासनिक ग्रेड के प्रवरण ग्रेड (रूपये 2000-125/2-2250) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने हेतु उनके नामों के सामने लिखी तारीखों से, ग्रागामी ग्रादेश पंन्त, "भनुक्रम नियम के ग्रधीन" सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

ऋम सं०	नाम	तारीख	वर्तमान समनुदेशन
1	2	3	4
1.	श्री संजीव मुखर्जी	11-1-82	विस्तीय सलाहकार, महानिदेशालय, नौ सेना परियोजना, विशाखापट्टनम् ।
2.	श्री एम० के० गणेशन	11-1-82	निदेशक, पैट्रोलियम विभाग, पैट्रोलियम, रसायन एंव उर्वरक मंत्रालय, नई दिल्ली। (सम्प्रति भ्राई० भ्राई० पी० ए० नई दिल्ली में पाठ्यक्रम पर)
3.	श्री बी० जी० जोशी	27-1-82	समाकलित विस्तीय सलाहकार इलैक् ट्रोनिक्स

विभाग, नई दिल्ली।

सं० प्रणा०-1/1817/5/जिल्द-1—रक्षा लेखा महा नियंत्रक भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित श्रिधकारी की मृत्यु खेद के साथ श्रिधसूचित करते हैं:—					
नाम	ग्रेड	—— —— मृत्यु व तारी	खा है	तंख्याबल ने हटाने ा नारी ख	संगठन
श्री डी० पी	० घोष	रक्षा लेखा- उप नियंत्रक	3-2-82	(पूर्वाह्न) (लेखा नियंद्रक फैक्ट्रीज) कलकरता

आर० के० माथुर, रक्षा लेखा भ्रपर महा नियत्नक (प्रशामन)

कार्यालय, रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य राँक) दक्षिण तैनाम्पैट मन्नास-18, विनांक 15 फरवरी 1982

प्रशा 11 8317131 अन्शासन--रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक, प्रभारी, वेतन लेखा कार्यालय (अन्य रौक) वैद्युत यांत्रिक इंजीनियर सिकन्दराबाद के कार्यालय में सेवारत इस संगठन के श्रीजी. प्रेम कमार स्थायीवत लेखा परीक्षक लेखा संख्या 8317131 ने चिकित्सा के आधार पर 27 दिसम्बर, 1980 से 9 फरवरी, 1981 तक छुट्टी के लिए आवंदन किया था और आवेदन की हुई छुट्टी के समाप्त हो जान के बाद दिनांक 10 फरवरी को उन्होंने इयुटी के लिए रिपोर्ट नहीं की। उनके ज्ञात अंतिम पते पर प्रेषित ज्ञापन जिनके अन्तर्गत उन्हर् ड्यूटी पर रिपोर्ट करने के लिए कहा गया था, डाक की अभ्यक्ति ''छोड गए'' सहित अवितरित वापिस प्राप्त हुए। उनके ज्ञात अंतिम पते पर प्रेषिप बड़े दंड का आराप पत्र भी डाक प्राधिकारियों की अभ्युक्तियों ''पाने वाला छोड़ गया'' सहित अवितरित आया। श्री जी. प्रेम कुमार, जांच प्राधिकारी द्वारा बुलाए जाने पर भी उनके समक्ष उपस्थित नहीं हुए अत. जांच एक पक्षीय की गर्दा अतः उनको दिनाक 10 फरवरी, 1981 से छुट्टी की भंजूरी न होने पर अन्पस्थित मान लिया गया है क्योंकि न तो वह इयटी पर आए और न ही अपनी अन्पस्थिति का कारण बताते हुए कोई सदेश ही भेजा। उनको जनवरी, 1982 से सेवा से निकाले जाने को अधिसृचित करने वाले भाग ।। कार्यालय आदिश सं. टी./प्रशा./1362 विनांक 24 दिसंबर, 1981 की प्रति जो उनके झात अंतिम पते पर भेजी गई थी बह भी अवित-रितः ही लौट आर्दा। अतः अनुशासनिक प्राधिकारी ने उन्हें 1 जनवरी, 1982 से सेवा से निकाले जाने को सरकारी राजपत्र में अधिस्चित करने का निर्णय किया है।

> एस . स्वामीनाथन रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य र^{*}क) दक्षिण

वाणिज्य मंत्रालय मुख्य नियंत्रक आयात एवं निर्यात का कार्यालय आयात और निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

नर्झ दिल्ली, दिनांक 30 मार्च 1982

सं. 6/668/62-प्रशा. 'जी'—-राष्ट्रपित केन्द्रीय व्यापार संवा के वर्ग-3 के अधिकारी श्री अमृत टी. नंगरानी को जो संयुक्त मुख्य नि'यंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय बम्बर्झ में उप-मूख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में कार्य कर रहे थे, की 28 फरवरी, 1982 के अपराहन से सेवा से निवृत्त होने के लिए अनुमति प्रदान करते हैं।

> जे. के. माथूर उप-मुख्य नियंत्रक, आयात एवं नियति कृते मुख्य नियंत्रक, आयात एवं नियति

दिनांक 31 मार्च 1982

सं. 6/1096/75-प्रशा 'जी'—-राष्ट्रपति, केन्द्रीय सिचवालय सेवा के वर्ग-। के स्थायी अधिकारी श्री जी. एस. ग्रेवाल, जो इस व्वध्लिय मे उप-मुख्य नियंत्रक के पद पर कार्य कर रहें थे, को 31 दिसम्बर, 1981 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत होने के लिए अनुमति देते हैं।

यह इस कार्यालय की सम संख्यक अधिसूचना विनांक 3-2-82 के स्थान एर हैं।

> एे. एस. कौल उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात कृते मुख्यनियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघू उद्योग) का कार्यालय नइ विल्ली, दिनांक 1 अप्रैल 1982

मं ए-19018(378)/79-प्रशासन (राजपित्रत)—-उत्तर प्रदेश राज्य चर्म विकास एवं त्रिपणन निगम लि., आगरा में परियोजना अधिदारी (योजनाए) के रूप में प्रतिनिय्क्ति पर चले जाने के कारण थी ओम प्रकाश ने दिनांक 23 फरवरी, 1982 (अपराहन) से लघू उद्योग सेवा संस्थान, आगरा के सहायक निवेश्वक, ग्रेड-। (चर्म/पाव्का) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सी. सी. राय् उप निवंशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निष्टान स्हानिक्देशालय (प्रशासन अनुभाग-।)

नर्ह दिल्ली, दिनांक 1 अप्रैल 1982

सं प्र ।/1(1171)—िनिरीक्षण निदोषक, कलकता के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदोधक (प्रशासन) (ग्रेड ।।) श्री वी आर. दास निवर्तमान आयु होने पर दिनांक 31-1-1982 के अपराहन से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

सं. प्र ।/1(1188)— महानिद्देशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्द्यारा निरीक्षण निद्देशक कलकत्ता के कार्यालय में अधीक्षक श्री बी. के. मैंत्रा को दिनांक 4-2-82 के अपराहन से उसी कार्यालय में श्री बी. आर. दास सहायक निद्देशक (प्रशासन) (ग्रेड ।।) सेवा निवृत्त के स्थान पर पूर्णतः तदर्थ आधार पर स्थानापन सहायक निद्देशक निद्देशक (प्रशासन) (ग्रेड ।।) के रूप में नियृक्त करते हैं।

मुक्काल राय उप निदोशक (प्रशासन) **कृते** महानिदोशक पूर्ति तथा निपटान नई दिल्ली, दिनांक । अप्रैल, 1982

सं. प्रा/। (917)—-राष्ट्रणित, सहायक निवासक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रुप ए के ग्रेड ।।।) स्वंश्री एम. पी. ग्रुप्ता तथा ए. के. चौढ़ा को 25-3-1982 के पूर्वाहन सं और आगामी आदोशा के जारी होने तक उप निवोधक, पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड ।।) के रूप में तवर्थ आधार पर स्थाना-पन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सर्वश्री गुप्ता तथा चौढ़ा न सहायक निदासक पूर्ति का पद भार छोड़ दिया है और दिनांक 25-3-1982 के पूर्वीहन से पूर्ति तथा निपटान स्हानिदोशालय, नई दिल्ली से उप निदोशक पूर्ति का कार्यभार सम्भाल लिया है।

मुक्क नाय उप निवंशक (प्रशासन)

(प्रशासन अन्भाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 30 मार्च 1982

सं प्र.-6/247(358)—निरक्षिण निद्याक, वर्णप्र के कार्यालय में स्थायी महागक निरक्षिण अधिकारी (धात्-रसायन) श्री पी भी घोष निवर्तमान आयु होने पर दिनांक 28-2-1982 के अपराहन से सरकारी संदा से निवन्त हो गए।

न . म . पेरूमाल उप निद्येषक (प्रशासन)

इस्पात भ्रौर खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सबक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 30 मार्च, 1982

मं० 1601-डी०/ए०-32013(ए० स्रो)/78-80-19ए—— भारतीय भूषैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित प्रधीक्षकों को प्रशासनिक श्रधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो -40-1200 रुपये के वेतनमान में, प्रस्थाई क्षमता में, ध्रागामी भ्रावेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा हैं :—-

ऋम सं०	नाम	नियुक्ति तिथि
	श्री ए० देविंसगमणी श्री के० सी० जैन श्री राम यतन श्री डी० सी० राय श्री एच० श्रार० नरुला	6-2-1982 (पूर्वाह्न) 8-2-1982 (पूर्वाह्न) 8-2-1982 (पूर्वाह्न) 16-2-1982 (पूर्वाह्न) 18-2-1982 (पूर्वाह्न)

सं 1619डी/2339(जी एस एल) 19बी--भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के भू-भौतिकीविद (विरिष्ठ) श्री जी. एस. लांढ़ा ने उसी विभाग में भूभौतिकीविद (विरष्ठ) के पद का कार्य-भार 13-10-77 (पूर्वाहन) से त्याग-पत्र दाकर छांड़ दिया है।

> जे. स्यामी नाथ महा निद्यास

भारतीय सर्वोक्षण विभाग

महासर्वे क्षक का कार्यालय

दोहरादान, विनांक 2 मार्च 1982

मं सी.-5796/579-ए--निम्तिलिखित अधिकारी दिनाक 27 जनवरी, 1982 में सहायक भण्डार अधिकारी के पद पर (सा. सि. सेवा ग्रुप ''बी'' पद) मूल रूप में नियुक्त किए जाते हैं:--

- 1. श्रीवी. डी. शर्मा
- 2. श्री विजय कमार शर्मा
- 3. श्रीबी, टांपो

दिनांक 30 मार्च 1982

सं. सी.-5802/718-ए--श्री जी. सी. अड्डी, स्थानापन्त अधिक्षक, महासर्वोक्षक का कार्यालय, दिनांक 29 जनवरी, 1982 (पूर्वाह्न) से मुद्रण कार्यालय के लिए हाल ही में स्थीकृत पद पर पूर्वी सिकल, भारतीय सर्वोक्षण दिभाग, कलिकाता में स्थाप्ता एवं लेखा अधिकारी (सा. सि. सेवा ग्रूप ''बी'') के पद पर 840-40-1000-द रो.-40-1200 रु. के वेतनमान मे तदर्थ आधार पर स्थानापन्त रूप में नियुक्त किए जासे हैं।

जी. सी. अग्रवाल बिगोडियर, भारत के महासर्वेक्षक

मुचना और प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निद्योगालय

नर्ह दिल्ली-1, दिनांक 30 मार्च 1982

सं. ए-12025 2 80 स्था — विज्ञापन और दश्या प्रचार निदोशक, श्री दीपक कुमार दास को इस निदेशालय में सीनियर आदिस्ट के पद पर अस्थायी रूप से 22 मार्च , 1982 के पूर्वीहन से अगले आदोह तक नियायत छारते हैं।

यतेन्द्र वर्मा उप निदोशक (प्रशासन) कर्ता विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदोशक

स्वास्थ्य सेवा महानिद्देशालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 मार्च 1982

मं. ए-32014/4/81-(एस.जे.एच.)/प्रशासन-। — स्वास्थ्य मेवा महानिदोबक ने श्री एम. एन. सूरी को 26 फरवरी, 1982 पूर्वाह्न से आगामी आदोशों तक मण्डरजंग अस्पताल, नर्ड विल्ली में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

त्रिलोक चन्द जैन उप निदश्चक प्रशासन (ओ. एण्ड एम.)

कृषि मंत्रालय (कृषि और सहकारिता विभाग) विस्तार निवदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 अप्रैल 1982

मि. सं. 1-4/82-स्थाः (2)—-श्री सैयद अनिस अहमद को विस्तार शिक्षण संस्थान, नीलोखंड़ी, जिला करनाल, (हरियाणा) में मुख्य अनुदोशक कर्मशाला समूह ''बी'' राजपत्रितः के पद पर रुपये 650-30-740-35-810-दः रो -35-880-40-1000-दः रो -40-1200 के वेतनमान में 26 फरवरी, 1982 के पूर्वाहन में अरले आदेश तक अस्थायी रूप में नियुक्त किया गया।

के. जी. कृष्णमूर्ति नियोशक प्रशासन

केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला

पुणे-411024, दिनांक 17 मार्च 1982

मं. 602/31/81-प्रशासन—— अधिसूचना संख्या 608/166/80-प्रशासनः दिनांक 23-2-80 और 2-4-81 के सिल-सिले में निदंशक, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, खडकवासला, एत्द्द्यारा श्री व्ही. जी. फडके, लेखा अधिकारी की नियुक्ति प्रतिनियुक्ति पर दिनांक 1-2-82 से 31-3-82 तक ना जव तक इस एवं को नियमित रूप में भर्ती किया जाता है यानि इनमें से जो पहले होगा तब तक अविध बढ़ाते हैं। इस नियुक्ति की बाकी सभी शर्ते उपर्युक्त अधिसूचना में लिखी गई हों वहीं रहेंगी।

जगदीश लाल सहगल मुख्य प्रशासन अधिकारी

भारतीय वन सर्वेक्षण

दोहरादून-248001, दिनांक 1 अप्रैल 1982

सं. 4-3/77-प्रशासन—श्वी जी. एस. नेगी, मध्य प्रदेश वन विभाग के अतिरिक्त सहायक वन संरक्षक, जो कि भारतीय वन सर्वेक्षण, दोहरादून में सहायक निदोशक (पी. एण्ड एम.) के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर कार्य कर रहे थे, को दिनांक 11 जनवरी, 1982 की अपराहन से कार्यमुक्त किया गया है और उनकी सेवाएं मध्य प्रदेश सरकार, वन विभाग को भींप दी गई हैं।

ए बी चौधरी निद्रोक

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बर्ड-400085, दिनांक 12 मार्च 1982

संदर्भ पीए/76(2)/80 आर ।।।—केन्द्रीय लेखा यूनिट, क्रिय और भण्डार, बम्बर्झ से स्थानान्तरित होने पर नियंत्रक, भाभा परमाण् अनुसंधान केन्द्र, श्री केबश्र पस्तानजी वाडिया, सहायक लेखा अधिकारी को भा प. अ. केन्द्र (प्रिफ्री विस्तार

परियोजना, तारापुर) में लंखा अधिकारी ।। पद पर 24 फरवरी 1982 अपराहन से अग्रिम आवोशों तक नियुक्त करते हैं।

सं पीए/79(2)/81/आर ।।।—सामान्य सेवाएं संगठन कल-पक्कम सं स्थानान्तरित होनं पर श्री एल्नगर क्षेषाद्भि नरसिम्हन, सहायक कार्मिक अधिकारी ने 8 मार्च, 1982 को भाभा परमाण् अनुसंधान केन्द्र में सहायक कार्मिक अधिकारी का पदभार संभाल लिया।

ए. शान्ताकुमारा मेनोन उपस्थापना अधिकारी

परमाणु उर्ज्जा विभाग विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग बम्बई-5, विनांक 22 मार्च 1982

सं विप्राहप्र/3(283)/76-स्थापना-। 3866—निदंशक, विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई एत्व्वारा इस प्रभाग के स्थायी लेखाकार और स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी श्री बी. एम. गणात्रा को फरवरी 12, 1982 के पूर्वाहन से आगामी आवश जारी होने तक उसी प्रभाग में लेखा अधिकारी-।। के पद पर रह. 840-40-1000-द रो -40-1200 के वेतन-मान पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री आर राधाकृष्णन, लेखा अधिकारी-।। के पद पर की जा रही है, जो छुट्टी पर चलें गए हैं।

सं. विप्राइप्र⁷3(283)/76-स्थापना-। 3868—निद्देशक, विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बंबई एतद्द्वारा इस प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न लेखाकार श्री डी. एल. गवाणकर को फरवरी 12, 1982 के पूर्वाह्न से आगामी आवंश जारी होने तक उसी प्रभाग में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर रु. 650-30-740-35-880-द, रो. -40-960 के वेतनमान पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति सहायक लेखा अधिकारी श्री बी. एम. गणात्रा के स्थान पर की जा रही हैं, जिनकी लेखा अधिकारी-।। के पद पर पदोन्नित हुई है।

आर. व्हि. बाजपेयी सामान्य प्रशासन अधिकारी

ऋय और भंडार निवेशालय

बम्बर्ड-400001, विनांके 2 अप्रैल 1982

सं. क्रमनि/23/5/81-स्थापना/8692—परमाणु उत्जों विभाग के क्रय और भण्डार निवेशालय के निवेशक ने संहायक भंडार अधिकारी श्री सी. एच. बालागोपालन की छुट्टी स्वीकृत ही जाने पर स्थायी भंडारी श्री पी. सी. शर्मा को रुपये 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 के बंतन कम में 25 जनवरी, 1982 (पूर्वान्न) से 27 फरवरी, 1982 (अपराहन) सक के लिए तवर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त किया है।

सं. फ्रास्ति/23/5/81-स्थापना/8706—परमाणु जर्जा विभाग के फ्रय और भंडार निवेशालय एकक के निवेशक ने लेखा अधिकारी-।। श्री बी. डी. तांबे की छुट्टी मंजूर हो जाने पर राजस्थान परमाणु बिजली घर के सहायक लेखा अधिकारी श्री

पी. सी. जैन को तदर्थ आधार पर रुपये 840-90-1000-द रो-40-1200 के वेतन कम में 14 दिसम्बर, 1981 (पूर्वा-ह्न) से जनवरी 16, 1982 (अपराहन) तक के लिये इस निदशा-लय की कोटा क्षेत्रीय लेखा यूनिट में स्थानापन्न लेखा अधिकारी-।। नियमत किया है।

> बी. जी. क्लकणी सहायक कार्मिक अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 2 अप्रैल 1982

सं. प स प्र-16/3/82-भर्ती — इस कार्यान्य की दिनांक 3 फरवरी, 1982 की समसंस्थक अधिमूचना के कम मे परमाण् उर्जा विभाग, परमाण् सनिज प्रभाग के निद्येषक उसी प्रभाग में श्री पी. के. विजयकृष्णन, स्थायी सहायक कार्मिक अधिकारी की प्रकासनिक अधिकारी-।। के पर पर हुई स्थानापन्न निय्कित को 21 फरवरी, 1982 तक तदर्थ रूप से बढ़ाते हैं।

सं. प स प्र-16/3/82-भर्ती——इस कार्यालय की दिनांक 3 फरवरी, 1982 की समसंस्थक अध्मिचना के कम में परमाण उत्जा विभाग, परमाण सिनज प्रभाग के निद्येषक उसी प्रभाग में श्रीमती कमना सहगल, स्थायी सहायक की महागक कार्मिक अधि-क्य-ते के पद पर हुई स्थानापन्न निय्कित को 31 मार्च, 1982 तक तदर्थ रूप से बताते हैं।

सै. प स प्र-16/3/82-भती— इस कार्यालय की दिनांक 19 जनवरी, 1982 की समसंस्थक अधिमूचना में आंधिक संशोधन करते हुए परमाण कर्जा विभाग, परमाण स्विन्ज प्रभाग के निवेक्त, एतद्द्वारा परमाण स्विन्ज प्रभाग के स्थायी विरिष्ठ आश्-िलिपक तथा स्थानापन्त आश्वितिपक-।।।, श्री पी. ओ करजणकरण को उसी प्रभाग में श्री ज. र. गुप्ट, सहायक कार्मिक अधिकारी जिन्हें छट्टी प्रवान की गई है, के स्थान एर 29 विसम्बर, 1981 के पूर्वाहन से 16 फरवर्ग, 1982 तक 50 दिनकी अवधि के लिए सवर्थ रूप से स्थानाण्यन सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

म. स्. राव वरिष्ठ प्रशासनिक एवं लेसा अधिकारी

तारापुर परमाणु विजलीघर टो. ए. पी. पी.

महाराष्ट्र-401504, दिनांक 25 मार्च 1982

आवेश

सं. टी ए पी एस/2/1439/79—जबिक श्री विनोद दस्ता-श्रेय गावड, बैज्ञानिक सहायक (बी), तारापुर परमाणु बिजलीघर ने दिनांक 21 फरवरी, 1982 को त्यागपत्र भेजा जो प्रशासनिक अनुभाग में दिनांक 22 फरवरी, 1982 को प्राप्त हुआ,

और जबिक दिनांक 1 नवम्बर, 1977 को निष्पादित करार के अनुसार श्री गावड ने दिनांक 9 मर्ड, 1983 तक विभाग की सेवा मे रहना है या प्रशिक्षण के दौरान उनको दी गर्ड शिक्षावृद्दित के रु 5,400/- (रुपये पांच हजार चार मौ केवल) लौटाना है;

और जबकि उपरांक्ता श्री गावड कां उनके अतिम प्रांत पर्ने-पंफरण, डाकघर-दांडी, साल्का-पाल्घर, जिला-ठाणे पर रिज-स्टर्ड डाक प्राप्ति स्वीकृति देये ख्वारा एक पत्र भेज कर उन्हें सूचित किया गया कि उनके द्वारा निष्पादित करार के पूर्वक्षण पालन न किए जाने पर उनका त्यागपत्र स्वीकार नहीं किया जा सकता है:

और जबिक श्री गावड के अन्तिम ज्ञात पते पर दिनांक 9 मार्ग, 1982 को रिजिम्टर्ड डाक प्राप्ति स्वीकृति देय द्वारा प्न एक पत्र भेजा गया था जिम्में कहा गया था कि वे कार्य में अनिधकृत तौर पर अनुपस्थित हैं और करार के अन्तर्गत देय राशि के यापस लौटाए जाने पर ही उनके त्यागपत्र की स्वीकृति पर विचार किया जा सकता है;

और जबिक डाक अधिकारियों व्वारा विनाक 9 मार्च, 1982 का पत्र इस टिप्पणी के साथ लौटा दिया गया कि पत्र पाने वाला विवास चला गया है;

और जबकि उपरोक्ता श्री गावड दिनाक 22 फ रवरी, 1982 से कार्य से अनिधकृत तौर पर अन्पस्थित रहने और स्वेच्छा से सेवा छोडने के वोषी हैं,

और जबिक अधोहस्ताक्षरी मंतृष्ट है कि ताराप्र परमाण् बिजनीघर की अपना उतापता बताए बिना सेवा छोड़ने के कारण केन्स्रीय सिविल सेवाए (वर्गीकरण, नियटण और अपील) नियम, 1965 के नियम 14 के प्रावधानों के अन्तर्गत जांच किया जाना युक्तियुक्त तीर पर साध्य नहीं है;

अतः अब परमाणु कर्जा विभाग की अधिमूचना म 22(1)/68-ए. डी. एम.-।। विनांक 7 जुलाई, 1979 के अनुमार और केन्द्रीय मिबिल मेवाए (वर्गीकरण, नियत्रण और अपील) नियम, 1965 के नियम 19(2) के अन्तर्गत प्रदत्त प्रक्तियों का प्रशास करते हुए अपीलस्ताक्षरी एतव्यवारा श्री की डी गाउँड को तात्कालिक प्रभाव से सेवा से बरसास्त करता है।

पी. उण्णिकृष्णन मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

प्रतिलिपि प्रेषित--श्री वी. डी. गावड, पोफरण, डाकघर - वांडी, तालुका-पालघर, जिला - ठाणे, महाराष्ट्र

महानिद्देशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1982

सं ए-32013/4/81-ई-। — इस लाग्नालय की दिनाक 7 जुलाई, 1981 की अधिसूचना सं ए-32013/4/81-ई-। के कम मे राष्ट्रपति ने श्री आई जार मैनन की महानिद्देशक नागर विमानन के कार्यालय में निद्देशक विनियम और सूचना के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति दिनाक 1-10-1981 से आगे 28-2-1982 तक की अवधि के लिए जारी रहने की स्वीवित प्रदान की है।

विनाक 5 मार्च 1982

मं. ए-35014/1/81-ई-। — महानिद्येशक नागर विमानन ने निद्येशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली के कार्या-लय के श्री बी एन शर्मा, लेखा परीक्षा अधिकारी को दिनांक 26-2-82 (पूर्वाह्न) में तीन वर्ष की अवधि के लिए प्रितिनियुक्ति पर मुख्यालय कार्यालय, नर्ष दिल्ली में लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 27 मार्च 1982

मं० ए०-32013/14/81-ई०-І—-राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित ग्रिधकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से छ: मास की भ्रवधि के लिए या पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, निदेशक वैमानिक निरीक्षक के रूप में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है:——

क्रम श्रधिकारी का नाम कार्यभार तैनाती स्टेणन सं० संभालने की तारीख

- 1. श्री एम० एम० चावला 11-3-82 म० नि० ना० वि० (पूर्वाह्म) मुख्यालय
- 2. श्री टी० के० के० नायर 12-3-82 बंगलूर (पूर्वाह्न)

दिनांक 31 मार्च 1982

मं. ए-19011/103/80-ई-।—-राष्ट्रपति ने महानिदोशक नागर विमानन के कार्यालय के श्री आई. डी. शर्मा, विरिष्ठ संचार अधिकारी का विनांक 31-3-1982 (अपराह्न) में मरकारी सेवा से त्याग पत्र स्टीकार कर लिया है।

स्थाकर गृप्ता उप निद्शाक प्रशासन

नर्इ दिल्ली, विनांक अप्रैल 1982

मं. ए-40012/1 /82-ई. एस. — सेवा निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप, क्षेत्रीय निद्येषक, बम्बई के व्यार्थन लय में श्री पी. जी. क्रियन, बिर्च्छ विमान निरक्षिक ने 28 फरवरी, 1982 (अपराह्म) करे अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

जगदीश चन्द्र गर्ग सहायक निवंशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक मार्च 1982

मं. ए-32014/1/81-ई उब्ल्यू—इस कार्यालय की दिनांक 14 दिसंबर 1981 की अधिमूचना मं. ए 32014/1/81-ई उब्ल्यू. के क्रम में महान्दिशक नागर विमानन ने श्री विश्राम सिंह, वरिष्ठ अग्निशमन फोरमैन को आगे दिनांक 1 मार्च 1982 में 31 अगस्त, 1982 तक छः माम की अवधि के लिए अथवा सहायक अग्निशमन अधिकारी के ग्रेड में नियमित निय्क्ति होने तक, इनमें में जो भी पहले हो, महायक अग्निशमन ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियक्त किया है।

उपरोक्त नियुक्ति के कारण वेन तो इस ग्रेड में नियमित नियक्ति का दावा करने के हकदार होगे और नहीं उनकी सेवा इस ग्रेड से बरीयता और अगले उच्चतर ग्रेड से पदांन्नति की पात्रता के लिए गिनी जाएगी।

> हैं. एल. द्रौसलर महायक निद्यासक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद राथा सीमाश्रुत्क समाहत्तिलय

भज़नेक्वर, दिनांक 30 मार्च 1982

ण्य स. 3/82—सेवा निवृति की आयु हो जाने पर केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाश्ल्क के समाहर्तालय, कटक प्रमंडण मी स्थापित हुए श्री मानिन्द्रा कामार दास, अधीक्षक, दिनांक 31 मार्च, 1982, दोपहर को इस विभाग से अवसर लेगे।

एस. दास महायक समाहर्स्ता (मुख्या.)

नागपुर, दिनांक 16 मार्च 1982

का. 3 '82--पहले वरीष्ठ अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद श्रृंक रोज बल्लारपुर श्री ए. के काँशल ने स्थानान्तरण पर वरिष्ठ अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद श्लूक प्रभाग-अमरावती के व्ययालय का दिनांक 25-2-82 के अपराहन में कार्यभार संभाल लिया।

क. 4/82—उनके पदोन्नित तथा इस समाहर्ता क्षेत्र छे-तुनात के फलस्वरूप श्री ए. के. काँगल वरिष्ठ अधीक्षक केन्द्रीय उद्भाव श्रुल्क प्रभाग-अमरावती ने श्री एस. उद्ध्यू. आगवका स्हायक समाहर्ता की संवानिवृद्धि पर कार्यभार मुक्त कर दिनांक 28 फरवरी, 1982 अपरान्ह से सहायक समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग अमरावती के कार्यालय का पदभार संभान लिया।

क. 5/82--इस समाहर्ता क्षेत्र के अमरावती प्रभाग के सहायक समाहर्ता श्री एस. डब्ल्यू. आगवका ने आयसीमा प्राप्त करने पर. दिनांक 28 फरवरी, 1982 के अपराहन में सेवानिवृत्त हो गये।

> के. शंक ररामन समाहर्ता

उज्जी मंत्रालय

कारिका हिआग

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था धनबाद, दिनांक १६ मार्च 1982

सं. प्रशासन 12(3)79—श्री डी. के. रूज को विनांक 26-9-79 (पूर्वाहन) से नियमित रूप से क्रोयला खान कल्याण आयुक्त के सहायक सचिव चिकित्सा अधीक्षक, केन्द्रीय धिकित्सा लय के सचिव के पद पर निय्कत किया गया, जब कि इसके पूर्व श्री रूज तदर्थ आधार पर नियक्त कियो गए थे।

मं. प्रशासन 12(3)79—-श्री बी. पी. दसींची करे दिनांक 21-9-79 (पूर्वाहन) में नियमित रूप में कायेला सान कल्याण आयुक्त के महायक मिचव विकित्सा अधीक्षक, केन्द्रीय सिकि-त्सालय के मिचव के पद पर निय्क्त किया गया, जब कि इसके पूर्व श्री दसींची तदर्श आधार पर निय्क्त कियो गए थे।

मं. प्रशासन 12(3)79—श्री ए. के. सिन्हा को दिनांक 15-4-81 (पूर्वाब्र-त) से नियमित रूप से कोयला खान कल्याण

आयुक्त के सहायक सिचव/चिकित्सा अधीक्षक, केन्द्रीय चिकि-त्सालय के सिचव के पद पर नियुक्त किया गया, जब कि इसके पूर्व श्री सिन्हा तदर्थ आधार पर नियुक्त किये गए थे।

> दिमोदर पण्डा आयुक्त कोयला खान कल्याण संस्था धनवाद।

नौवहन और परिवृहन मंत्रालय

नौबहन महानिव शालय

बम्बर्ছ-400038, दिनांक 5 अप्रैल 1982

(वाणिज्य नौबहन)

सं. 6 (1) सी. आर. ए./79—नौवहन महानिद्याक, बम्बई एतव्व्यारा श्री निर्मलेन्य साहा को दिनांक 1 मार्च, 1982 पूर्वीहन से अगले आदेशों तक अस्थायी तौर पर उप निविक पाल, कलकरता के रूप में नियुक्त करते हैं।

भा. कृ. पवार नौबहन उपमहानिद्येशक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

रजिस्ट्रार आफ कम्पनीज का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जी रायसंस (टोलर्म) लिमिटोड के

विषय में।

दिनांक 8 अप्रैस 1982

निदोश सं. 2899—3440— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जी रायसन्स (टेलर्स) प्राईयेट लिमिटेड ट्या नाम इसके प्रतिकृल कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विचटित कर वी जायेगी।

ह . अपठनीय सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार , विल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और करैसर्स न्यू हिन्दूस्तान आयल मिल्स लिमिटोड के विषय में।

नद्द विल्ली, विनांक 25 मार्च 1980

निवोध सं. एचं . 777/4154/— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनू-सरण में एतद्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स न्यू हिन्दुस्तान आयल मिल्स प्राइविट लिमिट डे का नाम इसके प्रतिकृल कारण दर्शित न किया 2—36GI/82

गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

> सत्येन्द्र सिंह स्हायक कम्पनी रजिस्ट्रार, दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पटोल यन्त्रसंसः कम्पनी प्राईवेट लिमिटोड के विषय में।

बंगलोर, विनांक 30 मार्च 1982

निद्देश सं. 2077/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एनद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन स्पन्न के अवसान पर पटोन सन्जसेम कम्पनी प्राइविट लिमिटोंड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्ति न किया गम तो रिजस्टर सं कार दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

पी. टी. गजवानी कम्पनीयों का रुजिस्टर

कम्पनी अधितियम, 1956 और अन्टोंनी ट्रान्स्पोर्टम सर्विस प्राह्विट लिमिटोड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 31 मार्च 1982

निदोश सं. 3988/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारील में तीर मास के अवसान पर अंटोनी ट्रान्सपोर्टीस सर्विम प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जाएगा और उक्षत कम्पनी विघटिन कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जयोद्या प्रार्डबंट लिमिटोड के विषय मीं।

मद्रास, दिनांक 31 मार्च 1982

निद्देश सं 3559/560/82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारील में तीन मास के अवसान पर जयोट्या प्राईवेट निमिटांड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिश्ति न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अंधा मेलेबल कास्टींग्स एण्ड फोरजींग्स प्रार्डबेट लिसिटोड के दिस्य सी।

मदास, दिरांक 1 अप्रैल 1982

निवोश सं. 4855/560/82--कम्पनी अधिनियम, 1956 की क्षारा 560 की उपधारा (3) के अनुसुरण में एतबुद्दारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अंधा मेलेबल कास्टींग्स एन्ड फोरजींग्स प्राइंबेट लिम्स्टिंड का नाम इसके प्रतिकृत कारण वर्षित न किया गया तो रिजस्टर से काट विया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर वी जाएगी।

> इ. सेलयराज कम्पनियों का सहायक रजिस्टार तमिलनाड्य

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बालाजी मरचैण्टस एसेसिएसन प्राइविट लिमिटोड के विषय में।

हौदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1982

निवंश सं. 1083/टी. ए. आई. (560)—कम्पनी अधि-नियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारील से तीन माह के अवसान पर बालाजी मरचेण्टर एशोसियसन प्राईवेट लिमिटोड का नाम इस के प्रतिकृत कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री मिलका अर्जन फुडग्रेन ट्रेडर्स प्रा**र्ड**वेट लिमिटिड के विषय में।

हैवराबाद, विनांक 5 अप्रैल 1982

निदश सं. 1087/टी. ए. आई. (560)——कम्पनी अधि-नियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्व्यारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारील से तीन माह के अवसान पर श्री मीलका अर्जुना फ्डग्रेन ट्रेडर्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिक ज कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी। कम्पनी अधिनियम 1956 और जयालक्ष्मी लेक्स प्राइविंट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1982

निविश सं. 2073/टी. ए. आई. (560)---कम्पनी अधि-नियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारील से तीन माह के अवसान पर जयालक्ष्मी लेदरस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकृत कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर से काट विया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> वि. एस. राजू कम्पनियों का रजिस्ट्रार, ऑन्ध्रप्रदोश, **हौर**राबाद

कार्यालय, निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रंज

शुद्धि-पत्र

विषय :--सूचना 269 डि (1) धारा के अधीन सदर्भ सं -1040/ अर्जन क्षेत्र-।।।/81-82 सम्पत्ति 1 बि, लभलक प्लीस, कलकत्ता में।

अंतरित करने वाली—श्रीमती रानी चटजीं अंतरित व्यक्ति—श्रीमती अदिती गांगुली। कृप्या पढ़िये:—

पंक्तिः 9 में शब्द "ON" के बाद 14-7-81, 23-7-81 के स्थान पर।

पृष्ठ 2 में THE SCHEDULE (कार्यक्रम) दूसरी पंक्ति-86 27 वर्ग मीटर्स के बजाय 2 कट्ठाह, 14 छ 38 वर्ग फुट।

> एसः अहसव नि.स. आ. अूर्जन् क्षेत्र-।।।, कलकरता

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

न्नायकर मित्रियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रॉज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 15 मार्च 1982

नियाश नं 90 पी अार /81-82--अतः मुक्ते, विवेक बनर्जी,

धायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

और जिसकी सं. 120 है तथा जो नारी शिल्प मंदिर रोड, बहराबून में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बहराबून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-7-1981

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविश हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत:--- श्री वया नाथ गुप्ता पुत्र श्री गौरी लालव दिनेश कुमार गृप्ता पुत्र .गि दयानाथ गुप्ता, निवासी 18, सुभाष रोड़ दहरादून

(अन्तरक)

2. श्री युधिष्ठिर कुमार पूत्र सेठ समन लाल एवं भीम-सेन पुत्र से. चमनलाल निवासी निरंजनपुरी, देहरादून

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उभा सम्पत्ति के ब्राजेंन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस यूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल संस्पत्ति नं 120 क्षेत्रफल 2281 84 स्ववायर मीटर है जो कि नारी शिल्य मंदिर राड़ दोहरादान में स्थित है। तथा जो कि स्टराज थेटर के नाम से प्रसिद्ध है।

> विवेक बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक नायुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, कानपुर

तारीब : 15-3-1982

प्ररूप आइ^६. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के श्धीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज अमतसर

अमृतसर, दिनाक 29 मार्च 1982

निदंश नं ए एस अार /81-82/417--यतः मुभ्ते, आनंद सिंह, आई. आर. एस., शायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक **ह**ै और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो कटड़ा जेमल सिंह अमृतसर में स्थित हैं। (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता आध्कारी के कार्यालय, अमृतसर में रिजस्द्रीकरण आधिनियम, 1908 (1908 का [16] के अधीन, तारीख जुलाई, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का

पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती

(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-

फल निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक

रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बलारक से हुइ है किसी बाव की बाबत, उसला शृद्धिपदन के सुभीन कर दोने के सुन्तरक के समितक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; शोद्ध/या
- (क) एसी फिसी आय या फिसी भूग या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित ब्यक्तित्यों, अर्थात ∴—

- श्री सत पाल पुत्र बाल मुकंद और बैज नाथ पुत्र राधे शाम कटड़ा जैमल सिंह अमृत्सर (अन्तरक)
- श्री सुरिद्र पाल पुत्र शिव लाल पुत्र मनपत राम चौंक पासिया अमृतसर (अन्तरिती)
- जैसा उत्पर सं. 2 में कोई किरायदेश हो
 श्री गुरिदयाल दास भागत, 2. श्री ध्याम चंद
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपरित है)
- 4. ओर कोइ[°]

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति मे हितबक्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतुर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पवां का, जो उत्कत विश्वित्वम्, के बुध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ वर्ष होना जो उस बुध्याय में दिया ग्या है।

अभृत्ची

एक जायवाद जो कटड़ा जैमल सिंह अमृतसर से है जैसा सेल डीड नं. 979/21-7-81 रिजस्ट्रीकर्ण अधिकारी, अमृतसर में दर्ज है।

आनन्द सिंह, आई आर एस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 29-3-82

प्ररूप आह्रं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 मार्च 1982

निविश नं. ए. एस. आर. /81-82/416—एतः मूफ्ते, आनंद सिंह, आई. आर. एस., आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/- एक से अधिक हैं

और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो कटड़ा जैमल सिंह अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1808 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1981

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

भतः बन, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिति व्यक्तियों, अर्थातः——

- श्री मत पाल पुत्र बाल मुकंद और बैज नाथ पृत्र राधे शाम, कटड़ा जैमल सिंह, अमृतसर।
 (अन्तरक)
- 2. श्री मुरिद्र पाल पुत्र शिव लाल और शिव लाल पुत्र गनप्त राम, चौंक पासिया, अमृतसर। (अन्तरिती)
- 3, जैसा उज्यर सं. 2 में कोई किरायेदार हो
 1. श्री गुरदियाल दास भगत, 2. श्री ध्यान चंच
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- 4. ऑर को**ई**

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें पृयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुसूची

एक जायदाद जो कटड़ा जैमल सिंह, अम्प्त्सर में है जैसा सेल डीड नं. 9790/21-7-81 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में वर्ज हैं।

> आनन्द सिंह आई आर एस सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज, अमृतसर

तारीय: 29-3-82

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

धायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की, मारा 269 घ (1) के म्राचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रंज, जयपूर

जयपूर, दिनांक 18 मार्च 1982

निदोश सं. राज्./सहा. आ. अर्जन/1148——यतः मुभ्ते, वी. के. अग्रवाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसको सं सी-74 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-7-1981

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिष्ठिक के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित्त बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्त से अधिक हैं और अन्तरिक (अंतरको और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी स्राय की बाबत, उक्त झिट-नियम के स्रधीन कर देने के झन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; झौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः प्रव, उकत प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्थित व्यक्तियों, अधित :--

- श्री विषित बिहारी गृप्ता पुत्र स्व. श्री गिरधारी लाल जी गृप्ता सी-74, सी-स्कीम, ज्यपुर (अन्तरक)
- 2. श्री विनोद बीर सिंह भाटी पुत्र श्री बलबीर सिंह व शिव सिंह गुलंडिया पुत्र श्री हिम्मत सिंह गुलंडिया, मूर्ति भवन, शालीमार सिनेमा के पास, अजमेर रोड, जयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कायवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि; जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रणब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, श्री उक्त श्रीध-नियम, के श्रष्ट्याय 20क में परिभाषित है, वही प्रयं होगा जो उस श्रष्ट्याय में विया गया है।

अन्सूची

प्लाट नं. सी-74, सरोजनी मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर का हिस्सा जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1743 दिनांक 14-7-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> वी, के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)** अर्जन रेज, जयपुर

तारीखः 18-3-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रोज, जयपूर जयपुर, दिनांक 18 मार्च 1982

निष्येश सं राज /सहा आ अर्जन/1149---यतः म्भे, वी के अग्रवाल,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ई-1 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूधी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजम्द्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीस 3-7-1981

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार पूल्य उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल के अन्तर प्रतिश्ता से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग को, अनुसरण भैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- डा. ए. के. शर्मा पुत्र श्री बी. पी. शर्मा निवासी सत्यवान भवन आर्य नगर, अजमेर

(अन्तरक)

श्री अजरगलाल कठोतिया, किशोरकुमार कठो-तिया, इन्द्रकुमार कठोतिया, आनंदकुमार कठोतिया पुत्रान स्व. श्री भंवर लाल, निवासी सुजानगढ़, जिला चूरु (राजस्थान)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्प्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्वोगे ।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूखण्ड घोरूम् संख्या ई-1, स्थित सुभाष नगर, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर व्वारा कम संख्या 1655 दिनांक 3-7-81 पर पंजिबव्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हो।

> वी. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जयपुर

तारीख: 18-3-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधिन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 20 मार्च 1982

निद्देश सं. राज. /स्हा आ. अर्जन/1150——यतः म्भे, वी. के. अग्रवाल,

आयकर मधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिसकी सं है तथा जो जगतप्रा, तः संगनेर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्य, सांगतेर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 14-7-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के संधीन कर देने के सम्बद्ध के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; सौर/या
- (ख) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तु अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो- जनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अपीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री इंश्विर राम पुत्र श्री बालूराम व प्रभुदयाल पुत्र हरदाय निवासी कारोल बाग, विल्ली-5 (अन्तरक)
- 2. श्रीमती अभय आर्य परित श्री आर. के. चौधरी व संजीव आर्य निवासी दुर्गापुरा, जयपूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई की भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की लारीख से 45 विन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ग्रभ्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया

अनुसूची

ससरा नं 96, जगतपुरा, तहसील सांगानेर की आवासीय 3000 वर्गगज भूमि उस पर निर्मित गोवाम सहित जो उप पंजि-यक, सांगानेर ब्लारा कम संख्या 392 दिनांक 14-7-81 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

> वी, के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज, जयपुर

तारीस · 20-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन् रंज-।, नुई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्घ. ए. सी./एक्य. ।/एस-आर-3/7-81/ 588--अतः मुभ्ते, एस. आर. गप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं और जिसकी संख्या डी-23, हैं तथा जो एन. डी. एस. ई.-।, नर्ष दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1981 को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफाल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्बेक्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप के कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्षित व्यक्तियों, अर्थात्:——
3—36GI/82

 श्री दोविन्दर सिंह, ग्राम् और पोस्ट भीला, तहसील बर्नाला, सगरुर (पंजाब)

(अन्तरक)

2. म. सिंडीकेट प्रोपटी प्रा. लि. 92-नेहरु प्लेस, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थहोंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बम्स्ची

प्रो. नं. डी-23, नई दिल्ली साउथ एक्सटेनशन, भाग-।, क्षेत्रफल 242 वर्ग गज नई दिल्ली।

एस. आर. गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।, नई दिल्ली

तारीख: 17-3-82

प्रकप धाई• टी• एन• एस•→-

आयक्तर **श्राधिनियम**; 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रोज-।, नष्टी विल्ली

नुई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्ह. ए. सी./एक्यू. 1/एस-आर-3/7-81/ 641--अतः मुभ्ते, एस. आर. गुप्ता, भ्रायकर अधिनियम; 1961 (1961 का **43**) इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/- रु० से भ्रधिक है और जिसकी सं. 34/44, 8 तथा जो ओल्ड राजीन्दर नगर, नर्द दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्द दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर, तारीस जुलाई, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के डिवत बाजार मुख्य से कम के दुश्यमान प्रति-फल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का खिनत बाजार मूल्य, उस के दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से पधिक है भीर अन्तरक (भग्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बाम्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अध्वरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या. कियाने में सुविधा के लिए;

भतः अवः, उक्त ग्रिधिनियमं की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीव, निम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री महिन्दर कामार तनेजा और श्री प्रेम कामार तनेजा सुपुत्र श्री फलेह चन्द तनेजा, निवासी-34/44, पुराना राजीन्दर नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)
- श्रीमती मीरा सिंह धर्मपत्नी श्री एन. बी. सिंह 34/ 44, पुरानी राजीन्द्रर नृगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेपः ⊢

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की प्रविध, को भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिह्ह कर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकेंगे।

स्पव्दीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो खक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है। वही अर्च होगा, जो छस अक्ष्याम में दिया गया है।

अमुसुची

सरकारी बना हुँआ क्वाटर्स नं . 34/44, पुरानी राजीन्वर नगर, नई दिल्ली।

> एसः आरः गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, नई दिल्ली

त्रारीख : 18-3-82

प्रकृप माइ . टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जान रोज, नई दिल्ली

न्हें दिल्ली, दिनांक 18 मार्च 1982

निर्दोष सं. आर्दः ए. सी./एक्यू. ।/एस-आर-3/7-81/ 656--अतः मुक्ते, एस. आर. गुप्ता,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- जा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 15/212, है तथा जो मालवीय नगर, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकर्रा अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीस जुलाई 1981

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्सरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के किए; और/सा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- 1. श्री सरवन सिंह द्वारा अटनी श्रीमती पृष्पा रानी, निवासी 15/212, मालवीय नगर, नर्झ दिल्ली (अन्तरक)
- श्री हरभजन लाल सुपृत्र श्री गुरदीता मल, निवासी -15/212, मालवीय नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

थों. नं. 15/212, मालवीय नगर, न**र्ड** दिल्ली।

एस आर गृप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-।, नई दिल्ली

वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधृति :--

तारीख: 18-3-82

प्ररूप नाई. टी. एन. एस. -----

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मु (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जान रोज, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 19 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्द्दः ए. सी./एक्यू. ।/एस-आर-3/7-81/ 684--अतः मुभ्ते, एस्. आरः गुप्ता, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिस्का उद्वित बाजार मृल्य 25,000/रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. बी-22, है तथा जो एन. डी. एस. इर्. भाग-1, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिज्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जुलाई 1981 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का प्रदेह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से करियत नहीं किया गया है.....

- (क) बन्तरुष् से हुई किसी भाग की बाब्त, उक्त, श्रीभृतियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के सिए; श्रीप्/भा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के नधीन निमन्तिचित व्यक्तियों, अधीत् ६-- श्रीमती मैना वंती, निवासी 21/12, ओल्ड राजीन्दर नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

 श्री अमर नाथ मलीक, ओम प्रकाश मलीक और अशोक कुमार मलीक, निवासी - सी-48-ए, एन. डी. एस. ई. भाग-1, नई विल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हैं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना की राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यस हैं।

अनुसूची

2-1/2 स्टोरोड का एक प्लाट का क्षेत्र 206 वर्ग गण, प्रोर नं. बी-22, नई दिल्ली साउथ एक्सटोनशन, भाग-1, नई दिल्ली।

> एस. आर. गुप्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।, नहीं दिल्ली

तारीख : 19⁴3-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च 1982

निर्वोध सं. आर्ड. ए. सी. /एक्यू. । /एस-आर-3/7-81/ 565—अतः मुक्ते, एस. आर. गुप्ता,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अश्वीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द • से प्रक्रिक है

और जिसकी सं. 6589, है तथा जो प्लाट नं. 121, ब्लाक नं. 9-बी दोवनगर, करोल बाग, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1981

को बॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी घ्राय की बाबत, उक्त पश्चि-नियम के ब्रधीन कर देने के ब्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- श्री राम मूर्ति पत्नी प्रभा सृपुत्री श्री जुगलाल मकान नं . 6561, ब्लौक 9, गली नं . 3, देव नगर, कराल बाग, नृष्ट् दिल्ली (अन्तरक)
- 2. श्री केवल कृशन सुपुत्र श्री हरी ओम बूटा निवासी-52/41 रामजस रोड, करोल बाग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सुम्बन्ध् में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पद्धीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्बों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्स्ची

भ्रो. नं. 6589, एरीया 80 वर्ग गज, प्लाट नं, 121, ब्लाक नं. 9-बी, गली नं. 3 और 4, दोव नगर, करोल बाग, नहीं दिल्ली में स्थित ही।

एस. आर. गुप्ता सक्षम प्राधिकारी संहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) सर्जन रोज-।, नर्ह विल्ली

तारीस : 18-3-82

प्रकप आई० टी० एन० एस०--

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन् रॉज-।, नुई दिल्ली नुई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू. ।/एस-आर-3/7-81/592—अतः मुफ्ते, एस. आर. गुप्ता, मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से मधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-भांती, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उसत भन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भवि-नियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी भन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रवं, उपत ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में भें, स्पत श्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के निम्निजितिक व्यक्तियों, ग्रायीत्:— शी लील एलीयस पहलाद सुपुत्र नाथन, राम सिंह जगली, भीकत सुपुत्र श्री भर्ता, निवासी ग्राम भाती तहसील - महेरौं ली, नइ दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै. आनन्द कन्सट्रैक्सन (दिल्ली) प्रा. लि. 1106 अशोका इस्टेट 24 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यति के धर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी का से 48 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वी कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा घधोहस्ताकारी के शास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों भीर पदों का, जो छक्त ग्रिधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि एरीया 10 विषे और 8 विष्वे सस्रा नं 1433, ग्राम-भाती, तहसील-मेहरौली, नर्ह दिल्ली।

एस. आर. गुप्ता सक्षम प्राधिकारी संहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, नर्द दिल्ली

तारीय : 17-3-82

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रोज-।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्यू. ।/एस-आर-3/7-81/593—-अतः मुभ्ते, एस. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-भाती, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीक तां अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीक राण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के उधीन, तारीख जलाई 1981

करें पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक स्थ से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई कियी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कबी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एेसी किसी आय या किसी धन् या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री लील एलीयस पहलाद सूपुत्र नाथन, राम सिंह, जंगली भीकन सूपुत्र भर्ता, ग्राम-भाती, महरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मं. आनन्व कन्सट्क्सन (विल्ली) प्रा. लि. 1106, अशोक इस्टेट, 24-बाराखम्बा रोड, नई विल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

कृषि भूमि एरीया 11 विघे और 7 विश्वे स्सरा नं. 986, 1611, 1612, 1613, 1621, 1622, 1625, 1627 और 1635, ग्राम-भाती, तहसील महराली, नई विल्ली।

एस आर गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-। , नर्ध दिल्ली

तारीख: 17-3-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

अर्थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थं (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1982

निर्वेश सं. आई. ए. सी./एक्यू. ।/एस-आर-3/7-81/594---अतः मुफे, एस. आर. गुप्ता, आगकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण धृ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी मं. कृषि भूमि हैं तथा जो ग्राम-भाती, महेराली, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नहीं दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 908 (1908 का 16) के अधीन,

तारीख जुलाई 1981 को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्त्रह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक इप से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत, उक्त ऑधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (स) एसी किसी नाय या किसी भून या अन्य आस्त्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्री लीले एलीयस पहलाद सुपुत्र नाथन, राम सिंह एण्ड अदर्स, सुपुत्र श्री भर्ता, निवासी-भाती, तहसील-मेह-राली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैं. आनुन्द कन्संद्रवसन (दिल्ली) प्रा. लि. 1106 अशोका इस्टेट, 24 बारासम्बा रोड, नई दिल्ली (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त रवदों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्ची

कृषि भूमि एरीया 7 बिघे और 11 बिघ्वे, ससरा नं. 1436 ग्राम-भाती, तहसील-मेहराँली, नर्दा विल्ली।

एस. आर. गृप्ता सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (**निरक्षिण) अर्जन र^{न्}ज-।, नर्ष दिल्ली

अतः बन, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के स्थीन निमन्तिकृत स्पीनत्यों स्थीतः -

तारीख : 17-3-82

प्ररूप आहें.टी.एन्.एस.------

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुषना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, नई दिल्ली

नर्झ दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1982

निर्देश सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू. ।/एस-आर-3/7-81/ 598—-अतः मुफ्ते, एस. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-भाती, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिज-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीम जुलाई 1981

को पृषेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में संविधा के लिए;

कतः कथा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों अधित्ः--

- शी चान्वी सुपृत्र श्री बिशन, माम चन्व सुपृत्र श्री बदलु, तेजा, टका, सुपृत्र श्री मखन, टकन, अमर पाल सुपृत्र श्री रामजी लाल, मंगु एलीयस मुंगा सुपृत्र श्री शिशा ,ग्राम-भाती ,मेहरौली, नई दिल्ली (अन्तरक)
- 2. मैं. मोघदात प्रोएटींज, 1106, अशोका इस्टेंट, बारासम्बारोड, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुस्ची

कृषि भूमि क्षेत्र 12 बिघ्ये और 2 बिघ्ये, खसरा नं . 1389, 1448, 994, 999, 1390 ग्राम-भाती, तहसील-महरौली, नर्ड विल्ली।

> एसः आरः गृप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।, नई दिल्ली

तारीख : 17-3-82

मोहर:

4-36 GI/82

प्ररूप आहु . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, नद्दी दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 17 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू. ।/एस-आर-3/7-81/ 584--अतः म्भे, एस. आर. गृप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-मेहरली, नई दिल्ली मों स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मों पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मों रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील ज्लाई 1981

को पूर्विक्त सम्पित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रिष्ठिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करणे का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रुयमान प्रतिफल से, एसे ब्रुयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिये; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

 श्री तिरथ राम आह्जा (प्रा.) लि. 11-फ्रेन्ड्स कालोनी, नई दिल्ली व्वारा इट्स चयरमैन और मैने-जीग खाइरोक्टर श्री तिरथ राम आह्जा

(अन्तरक)

 श्री अजय शर्मा सुपुत्र श्री सत प्रकाश शर्मा, निवासी—-40/1-2, युसफ सराय, नर्ह विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया हत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 9 बिघे और 12 बिश्वे एम. नं. 70, किला नं. 6/2(1-0), 7/2(1-0), 24(4-16), 27(0-4), एम. नं. 81, किला नं. 2/1(0-12), 4/1(2-0), ट्यूब-वेल के साथ, ग्राम-मेहरौली, नई दिल्ली।

एस. आर. गुप्ता सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रॉज-।, न**र्ड** दिल्ली

तारीम : 17-3-82

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण्)

अर्जन रंज-।, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनाक 17 मार्च 1982

निवर्ष स आई ए सी /एक्यू 1/एस-आर-3/7-81/ 585--अत मुभ्ते, एस आर गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पब्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- संके अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु से अधिक है^{*} और जिसकी सख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मेहरौली, दिल्ली में स्थित हैं (और इसमें उपादवध अनुसूची में पूर्ण रूप स वर्णित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस जुलाई 1981 को पूर्वीक्त सर्पारत को उपित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के करनेकाकारण है कि यथापूर्वाक्त सर्पात्तका उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक ही और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अम्निरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उत्दर्भ से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप स'कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्थात् ——

- । मै तिरथ राम आह्जा प्रा लि 11 फ्रेन्ड्स कालोनी, नर्इ दिल्ली द्वारा इट्स घेयर-मैन और मैनेजी ग डाइरोक्टर श्री तिरथ राम आहुजा, (अन्तरक)
- 2 श्री अज्य शर्मा सूपुत्र श्री सत प्रकाश शर्मा, 40/1-2., यसफ सराय, नर्झ विल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सपरित के अर्जन के सबध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजण्त्र में प्रकाशन की तारी असे 45 दिन की अविधिया तत्सब भी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इ्वारा,
- (स) इस मूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टिकरण'--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्षों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-कं मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षत्र 9 बीघे और 12 बिश्वे, एस न 70, किला न 14 (4-16), 17 (4-16), ग्राम-मेहरौली, नर्ह विल्ली

> एस. आर. गुप्ता सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज ।,नई विल्ली-110002

तारीख[·] 17-3-1982

प्ररूप आर्ह.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।, नहीं विल्ली

नर्इ दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1982

निद^{*}श सं. आर्ष: ए. सी./एक्यू/।/एस-आर-3/7-81/ 586--अतः म्भो, एस. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संस्था कृषि भूमि है तथा जो ग्राम महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस जलाई 1981

को पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वो कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्मिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंत: अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ह— 1. मैं. तिरथ राम आहुजा प्रा. लि. 11-फ्रेड्स कालीनी, नई दिल्ली द्वारा चेयरमैनऔरमैनेजी ग डाइर क्टर श्री तिरथ राम आहुजा।

(अन्तरक)

श्री अजय शर्मा सुपुत्र श्री सत प्रकाश शर्मा, 40/
 1-2, युसफ सराय, नर्श दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काइ भी आक्षेप :-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्ट्रीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 5 बीघे और 1 बिघ्वा, एस. नं. 70 किला नं. 15/1 (2-13), एस. नं. 81, किला नं. 3/1 (2-8) स्थापित ग्राम-शहरौली, नई दिल्ली

एस. आर. गुप्तां सक्षम अधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, नर्हो विल्ली-110002

ता्रीब : 17-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

भापकर प्रधितियम, 1961 (1961 सा 43) की धारा 269-व (1) के ध्रधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नई दिल्ली

नर्ह दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1982

निदर्भा सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू/।/एस-आर-3/7-81/620--असः म्फे, एस. आर. गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख की अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपय से अधिक है

अर जिसकी संस्था कृषि भूमि है तथा जो ग्राम खानपूर, महराली, नर्ह दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मं वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्ह दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1981 को पूर्वेक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्तरित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भ्रिधि-नियम के भ्रिधीन कर वैने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या छससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रम्य ग्रास्तियों को जिन्हों भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम वा घनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- श्री रमेश चन्द कथुरीया सुपुत्र राम चन्द कथुरीया निवासी ए-47, किती नगर-नई दिल्ली (अस्तरक)
- 2. श्रीमती क्सूम लता पत्नी श्री विरोन्दर कुमार निवासी-भे-63-ए, किती नगर, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का जो उक्त अधि-नियम के ग्रम्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

कृषि भूमि एरीया 4 विषे और 16 विष्वे, ससरा नं 375, स्थापित ग्राम-सानपुर, तहसील-मेहरोली, नई दिल्ली

एसः आरः गुप्ता सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नर्ह दिल्ली-110002

अतः अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः~

सारीस : 17-3-1982

प्ररूप् आई. टी. एन्. एस. ------

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के घडीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज ।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1982

निदर्भाः सं. आई. ए. सी./एक्यू/।/एस-आर-3/7-81/ 621—अतः मुफो, एस्. आर. गुप्ता,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 के अधीन समग्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छिंवत बाजार मूख्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सानपुर, महर्गली, नर्ह विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्ह विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस जूलाई 1981

1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जूलाई 1981 को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करों का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार, मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किचित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत चयत अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के सन्तरक के वासिस्व में क्मी करने या उदसे बचने में वृषिका के किए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या छन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अब; उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, छक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् र—

- श्रीमती मीना कथुरीया पत्नी श्री रमेश चन्द कथुरीया, निवासी-ए-47, किती नगर, नह विल्ली (अन्तरक)
- 2. श्री विरन्दर कुमार सुपृष्ठ श्री कांसी राम निवासी-जे.- 63-ए, किती नगर, नृह दिल्ली (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के र अपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जां उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

कृषि भूमि का क्षेत्र 4 बिधे और 16 बिश्वे, ससरा नं . 68, ग्राम-सानपुर, सहसील-महरीली, नई दिल्ली

एस. आर. गृप्ता सक्षम अधिकारी सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज । ,नर्झ दिल्ली-110002

तारील : 17-3-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज ।, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1982

निवां सं आर्ड ए. सी./एकयू/।/एस-आर-3/7-81/606---अतः मूफी, एस. आर. गूप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी संख्या कृषि भूमि हो तथा जो ग्राम-तेजपुल तहसील-

और जिसकी संस्था कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-तजपुल तहसील-महरौली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस जुलाई 1981

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रिष्ठिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत आधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उप्तत अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- मै. कैपीटल कार्पोरिशन पोल्ट्री सोसाइटी लि. बी-22, महारानी बाग, नई दिल्ली (अन्तरक)
- 2. मैं. साउथ इस्टर्न रोडवेज, 3/5, असफअली रोड, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवर्षिक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

कृषि भूमि 15 बिघे और 4 बिघ्वे, खसरा नं. 243 (4-16), 225 (4-16), 213 (4-16), 212 (0-16) ग्राम-तेजपुल, तहसील-महरौली, नई विल्ली,

एसः आरः गुप्ता सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज । ,नक्ष दिल्ली-110002

सारीख: 12-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय् सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-1, नद्द दिल्ली

नर्ह दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1982

निद^{क्ष}शः सं. आ**र्दः** ए. सी./एक्यू/।/एस-आर-3/7-81/ 595--अतः मुभ्दे, एसः आरः गुप्ता,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम भाती, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील जुलाई 1981

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है दे--

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करनेया उससे अधने में सृविधा केलिए; और/या
- (क्त) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- शी माम चन्द सुपुत्र श्री बवल तेजा, टंका सूपूत्र श्री मखन, टंकन, अमर पाल सुपुत्र श्री रामजी लाल, मंगू एलीयस मूंगा सूपुत्र श्री शिसा, निवासी-ग्राम-भाती, तहसील महेराली, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2 मैं आनन्द कन्सट्रवशन (दिल्ली) प्रा. लि. 1106-अशोका इस्टेट, 24-बाराखम्बा रोड, नर्ह दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनयमं के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

कृषि भूमि एरीया 13 बिघे और 10 बिश्व खसरा नं. 1638 (4-1), 1661 (0-11), 1662 (1-12), 1691 (0-12), 1693 (1-3), 1694 (3-13), 1695 (1-3), 1696 (0-15), स्थापित ग्राम-भाती, सहसील- मेहरौली, नहाँ दिल्ली

एस. आर. गृप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, नर्ह दिल्ली-110002

तारीय : 17-3-1982

प्ररूप आई • टी • एन • एस • ---

श्रीयकर प्रश्निवियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) कं श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज 2, नई दिल्ली नर्ह दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्ज: ए. सी./एक्य्/2/एस-आर-2/7-81/3977--अतः मुभ्ते, विम्लं विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गयाह"), कीधारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,00() / रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या भूमि है तथा जो लारोन्स रोड, इन्डस्ट्रीयल एरीया., दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रोजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के ँकार्यालय, नर्दे दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील जुलाई 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उश्के दुश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के प्रवाह प्रतिशत से ग्राधिक है ग्रीर अन्तरक (भ्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया समा प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत धम्तर ग लिखित में वास्तविक 🖛 से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय. की बाबत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी िसी तार पाकिसी धन या प्रस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनिथम या जनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ं प्रयोजनार्थं मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरः वा या किया जाना चाहिए वा छिपाने में सविधा के लिए ;

बतः घव, उक्त अधिनियम की धारा थन्सरण में, में, खक्त अधिनियम की धारा सपकारा (1) के भधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्घीत :---5-36GI/82

1. श्री लक्षमन दास पत्नी रिक्स मूल निवासी-ए-32 रिशी नगर, शक्रारहस्ती, दिल्ली

(अन्तरक)

निवासी-ए-32, 2. जरराम दास सपुत्र श्री परेरु मल, रिशी नगर, शकारबस्ती, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राज्यन्त्र में प्रकाशन की तारी आप से 45 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, हो भी धबधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीक्त व्यक्तियों में से किमा व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व के 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितवड किमी अन्य व्यक्ति दारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित र्में किए जा मर्को ।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'सक्त बिन नियम', के अध्याय 20-क में परिवावित हैं; वही भ्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया 🐧 ।

अमुसूची

अधिभाजीत् 90/100 हिस्सा प्लाट नं सी-35/14, लारोन्स रोड, इन्डस्ट्रीयल एरीया चिल्ली, क्षेत्र-570.4 वर्ग गज,

> विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 5-3-1982

प्ररूप भाई • टी • प्न • एस •---

क्षायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज 2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्द्द. ए. सी./एक्यू/2/एस-आर-1/7-81/8098—अतः मुभ्ने, विभल विशिष्ट,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्समें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क्यये से प्रधिक है, श्रीर जिसकी संख्या जी-बी-हाउक्त नं. है तथा जो 3, गोंसले मार्केंट, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस जुलाई 1981

को पूर्वीकत सम्पंति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पंति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्रेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के अधीन कर देने के अक्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुबिधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आह्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रक्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

 श्री हरचरन सिंह सुपुत्र श्री किशन सिंह निवासी-डी-8/2, भोडल टाउन, विल्ली

(अन्तरक)

2. यूनाइट ेड डिजल सर्विस 56 गोसले मार्केट, विल्ली द्वारा इट्स पार्ट नर्स श्री अमरीक सिंह सूपूत्र श्री केंसर सिंह निवासी-2-सी/2, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उका सम्पति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंका व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सर्केंगे।

स्वब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त गड्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहो अयं होगा, जो उस अध्याय में विया गया है ।

अनुसूची

सरकारी बना हुआ मोप नं. 3, गोसले मार्केट, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली-110002

तारीब : 12-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर प्रक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय् सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 मार्च 1982

निर्दोक सं. आर्ड, ए. सी. /एक्यू/2/एस-आर-1/7-81/ 8108—-अतः सूक्षे, विमुल विशिष्ट,

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त स्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से पश्चिक है

और जिसकी सं. 16, ब्लीक 'एल' है तथा जो राजोरी गाडोंन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीय जुलाई 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) भौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक खा से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रक्षि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घाय धास्तियों भी, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त धिधिनियम, या धनकर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ धन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्युक्तियों, अर्थात्:—

- श्री जगदीश चन्दर दता सुपूत्र अमीर चन्द दता, निवासी-एम-11, राजारी गार्डोन, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती माया देवी पत्नी श्री बाली राम सुशीला रानी पत्नी राज कुमार दिवासी-एच-307, न्यू. राजेन्दर-नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के शर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारी खा से 45 विन की सर्वाध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजीं बत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोतृस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं भर्षे होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में वियागया है।

अनुसूची

ण्लाट नं. 16, ब्लाँक-एल राजोरी गाड^{ेर}न, न**र्इ दि**ल्ली ग्राम्-बसर्इ दारापुर, भूमि क्षेत्र 557.5 वर्ग ग्ज।

> विमल विशिष्ट मक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नहीं दिल्ली-110002

तारीख : 9-3-1982

- rayware

प्ररूप आइ. टी. एन्. एस.-----

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन्रेज 2, नई दिल्ली

नहीं विल्ली, विनांक 9 मार्च 1982

निद्देश सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-1/7-81/ 8110—-अत: मुभ्ने, विमल विशिष्टा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उन्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम बाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- २० से आधिक है और जिसकी सं. 15/7056-58 है तथा जो नवीकरीम पहाड़ गंज, विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस जुलाई 1981

का 16) का अवान ताराख जुलाइ 1981 को पूर्वोक्त सम्पलि के उचित बाजार मूल्य कम से कम के पृथ्यमान प्रतिकान के जिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नसिखित उसेश्य से उसत बन्तरण लिखित में बास्तिक कप से किंवत नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अण्य घास्तियों को, जिम्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया थया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के सिए;

जता, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में; मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, धर्यात् :---

- 1. श्री नन्द लाल सूपूत्र श्री भंगी राम, निवासी-15/6003, बस्ती मंदीर सत्य नरायण, नवी करीम पहाड़ गंज, नहीं दिल्ली (अन्तरक)
- मैं प्रकाश आर्ट लेवर्स स्टोर 784-बीलीमारन,, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत समाति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्मति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई सो प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्मस्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील पे 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रं 45 दिन के भीतर उका स्थातर पंगति में हिनत्र इं किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा प्रवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पटों का, जो उपत अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्रोः नं 15/7056-58, नयानं 5741-46, नदी करीम, पहाड़ गंज, नर्इ विल्ली

> विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली-110002

तारील : 9-3-1982

मोक्षर:

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज 2, नई विल्ली

नर्ह दिल्ली, दिनांक 9 मार्च 1982

निदोश सं. आर्झ. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-1/7-81/ 8111—-अतः मुक्ते, विमल व्शिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या बी-4 ए/26, है तथा जो राणा प्रतात बाग, दिल्ली मो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मों भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख जुलाई 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्म से कथित नहीं किया ग्या है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में. मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

 श्री चमन लाल महाजन, मदन लाल सुपुत्र स्वर्गीम्
 श्री गन्डा मल महाजन, निवासी-बी-4 ए/26, राणा प्रताप बाग, दिल्ली

(अन्तरक)

 श्री गौरी शंकर बसल, आम प्रकाश बसल और श्री प्रोम प्रकाश बंसल सुपुत्र श्री त्रीलोक चन्द बंसल, निवासी- 5810-जोगीवारा, नई सड़क, दोहली, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो 'उम्स अधिनियम, को अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. बी-4 ए/26, राणा प्रताप बागा, दोहली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजेन रॉज-2, नर्ह दिल्ली-110002

तारीख: 9-3-1982

प्ररूप धाई • टी • एन • एस • ---

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालयु सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन्रांज 2, नर्षं दिल्ली

नर्ह विल्ली, विनांक 9 मार्च 1982

निदेश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-1/7-81/8112—अतः मुक्ते, विमल विशष्ट, भायकर प्रक्षितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-ख के

पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के म्रजीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- दे से म्रधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं है तथा जो एफ-10, बाली नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिश्वल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास भरतें का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण विखित में वास्तिक क्या से कांबत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रिकि-नियम के श्रिक्षीन कर देने के शस्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अव, उक्त प्रविनियम, की धारा 269-ग के प्रमुखरण में मैं, एक्त प्रविनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के प्रवीन, निम्नलिबित अविनयों, वर्धातु:---- श्री राम रंग सुपूत्र कोसर दास्, निवासी-32-ए, जवाहर नगर, विल्ली

'(अन्तरक)

 श्री मंजू गुप्ता पत्नी श्री साम नाथ गुप्ता निवासी-जी-22, बाली नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 मूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी
 भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण]:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिखा गया है।

अनुसूची

प्लाट नं एफ - 10, बाली नगर, दिल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 9-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 2, नुई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 मार्च 1982

निविश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-1/7-81/8115—अतः मुक्ते, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 42, ब्लोंक 'ए' है तथा जो राजोरी गार्डोंन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (बं) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- श्री करम सिंह कलसी सुपूत्र श्री नरायण सिंह कलसी, निवासी-बी-6/5, राजोरी गाड ने, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री युचिष्ठीर कुमार और श्रीमती प्रेम लता, बी-5, राजोरी गाडोंन, नहाँ दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अवधि या तरसम्बधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपर्तित मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सर्कागे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याम में विदा गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 42, ब्लीक 'ए' राजारी गार्डोन, नई दिल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नर्ह दिल्ली-110002

तारीख: 9-3-1982

माष्ट्रर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भा<u>रा</u> 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज 2, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 12 मार्च 1982

नियाँश सं. आई. ए. सी./एक्वी-2/एस. आर. 1/7-81/8118—अतः मुफ्ते, विमल विशिष्ट,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गंपन्ति जिस्साम उचित वाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 1 390/673-74 है तथा जो गली नाल जन्दन, छोटा बाजार, कश्मीरी गेट, दिल्ली में स्थित है (और इससं उपाइद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1981

को भूबोंकत सम्पतित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंकत सम्पतित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

- श्री नन्हें सान सुपुत्र अलीयार सान, 1/685 गली नाल बन्दन, छोटा बाजार, कश्मीरी गेट, विल्ली। (अन्तरक)
- श्रीमती सोमा बन्ती पत्नी मेहर सिंह 9/एलः केंदार बिल्डिंग, सब्जी मंडी, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्यव्दिकिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो \cdot नं \cdot 1/390/673-74 गली नाल बन्दन,, छोटा बाजार, कश्मीरी गेट, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम् अधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नर्झ दिल्ली-110002

अतः अद्यं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मों, बों, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीम्, निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात् :--

तारीब : 12-3-1982

प्ररूप आई.टो.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिलाक 15 मार्च 1982

न्दिश स आई ए नी /एक्यू /2/एस-आर-1/7-81/ 8147--अट गुभ्ने, विस्ता विशिष्ट, श्राप्रकर प्रिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चान 'उक्त प्रांत्र नेपम' कहा गया है), की धारा १६०-व दे दरीन राग प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का रूरण है कि भार 'ध्यत्ति, जिसका उचित 25,000/- स्न्य मल्य ग्रधिक और जिसकी संख्या डी-5/5, है तथा जो राणा प्रताप बाग, दिल्ली में स्थित हैं (और बस्य उपविद् अनस्ची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), रिज्मो की अधिकारी के नार्गलंग, नई दिल्ली मो भारतीय र जरही-जण्य अधिनन्दम, 1908 (1908 का 16) के अधीर तारीय जुलाई 1981 का पूर्वातन संपीतर को जाचन वाजार मृत्य र कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मुभ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का प्रदृह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरको) और अतरिती (अन्तरितिया) जे बीच एमें मनरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निरिमिन उददेश्य स उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन ने अन्तरक के दर्गायन्य में कम्दे करन या उसर अचने में सिविधा के लिए, और/या
- (ख) एमी किसी अग' या किसी धन या अन्य आस्तिया को जिन्हों भारतीय आय-कर की प्रतियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने माम्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269- ह की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिम्नि व्यक्तियों, अर्थात —— 6-36GI/82

- 1 श्री पारस राम सुपुत्र श्री भोज राम रतनानी, निवासी-डी / 5., राणा प्रताण बाग, दिल्ली (अन्तरक)
- 2 थी भगवान दास अग्रवाल सुपुत्र ज्ञान चन्द एण्ड विनादे क्मार, निष्ति कमार, सुनील क्मार, निवासी-डी-5 5 राणा प्रताण बाग, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सकान न डी-5/5, 233-1/4, वर्ग गज, राणा प्रताप वाग, दिल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारींख 15-3-1982 माहार प्रस्प भाई० टी० एन० एम० - ----

अधिकर अविनिश्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के समीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन् रॉज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 9 मार्च 1982

निदोश सं. आर्ड्ड. ए. सी. /एक्यू. / 2/एस-आर-1/7-81/ 8150—-अतः मुर्फे, विसन् विशिष्ट,

आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के उपनात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि व्यावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार पूर्ण 25,000/-ए० से अधिक है

और जिसकी संख्या ई-55, है तथा जो किती नगर, ग्राम-बसई दारापुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्य लप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील जुलाई 1981

को पूर्णीक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुसे यह बिश्यास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उच्चित बाजार मस्य, उरके दृश्यमान प्रतिफन में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है घीर अन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गर्माकत, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में उस्तिक का ने कथित नहीं किया गया है।——

- (+) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियय के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या सससे बचने में सुविधा के ज़िए; और/या
- (व) एंगे किनो आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थातः—

- श्री मोहन लाल अग्रवाल् सुपुत्र श्री ज्य राम दास अग्रवालं निवासी-एल/58, किती नगर, नई दिल्ली, जनरल अटारनी डा. सी. डी. पासी सुपुत्र श्री डी. सी. पासी, निवासी-1246/8, चंडीगढ़, (अन्तरक)
- 2. श्री सुदोश अग्रवाल सुपुत्र श्री मोहन लाल अग्रवाल निवासी एल/58, किती नगर, नई दिल्ली, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इप सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या नत्सक्षण्यी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की मविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति वारा, पत्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमृसूची

प्लाट नं . इ-55, किली नगर, नजफ गढ़ रोड, <mark>ग्राम-ब्सर्झ</mark> वारापुर, **दिल्ली**

> विमल विशिष्ट सक्षम अधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख : 9-3-1982

मोहर '

प्रकप झाई० टी० एन० एस०-----

भ्रायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-घ (1) कं भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज 2, नई दिल्ली

नर्ह दिल्ली, दिनाळ 15 मार्च 1982

निवंश सं आर्द्य एं सी $/ v \approx 4 / 2 / v + 3 = 1 / 7 - 81 / 8172 - 3 सुफ़ों, दिमल विशिष्ट,$

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उका प्रतियम' हहा गया है), की धारा 269-ख े अभीत सजन पामिहारी की, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- हाये ने प्रधित है

और जिसकी संख्या 98-99, है तथा जो चर्च मिशन रा, छटा भवानी शकर, फतहेष्री, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची में पूर्व रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस जुलाई 1981

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिन्ति बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए यन्तरित की गई है और मुझे यह शिष्यान करते का करण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उच्चित बाजार पृत्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे श्रमान प्रतिफल में, ऐसे श्रमान प्रतिफत का उच्चह प्रतिगत प्रविक्त है और अन्तरका (प्रतिरित्यों) के बीच एस प्रस्ता के तिर ना गया प्रश्न प्रतिफत, निम्नलिखिन उद्ध्य पंष्ठका प्रत्नरण लिखिन में वास्नविक हम से कथा नहीं किया गया है:——

- (क) यन्तरम र हुई शिमी यात्र को बाबत **एकत ग्रधि**-नियम के प्रधीत कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचत में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी ितमी प्राप्त पा तिसी घर या अन्य श्रास्तियों का, जिन्हें सारतीर प्राप्त प्रवितियम, 1922 (1922 ता 11) या उचत प्रधितियम, या धनकर श्रिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ पत्रिरी हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता वाहिए था खिराने में सुविधा के लिए

श्रतः, श्रवः, उवन ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, गै, उचन ग्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (।) के ग्रामा निम्नी बेन काम्तिमें धर्यात्. →

- ग में बाल्जा स्पेक्ट्म प्रा लि ई-1, भाजवालन.,-एक्सटोनशन, नई दिल्ली (अन्तरक)
- 2 श्री सतदरायण सूप्त्र ज्याली मल-132 काचा घासी राम धान्दनी चौंक, दिल्ली (अन्तरिती)

का यह मूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति हे प्रजीत के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) उन प्रताक राजात में नकाणन को नारीखास 4.5 दित की प्रविधिया तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचनाकी नामीत से 3.0 दिन की अप्रविधि, जो भी प्रविधियाद में मनाप्र दोनों हो, के भीरर पूर्वीका काकिनयां में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन नूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधीतस्वाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों झोर पदों का, जो उक्त स्रिधि तियम क झड्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा,जो उन भ्रष्टपाय में दिया गया है।

अनुसूची

हिस्सा प्रा. न. 98-99, चर्च मिशन गंड, छटा भवानी शकर, फतह पुरी, दिल्ली

> विमल दक्षिप्ट सक्षम अधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन राज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीष 15-3-1982 मोहर प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

नर्ड दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्दः, ए. सी., एङ्ग्,/2/एस.-आर.-1/7-81/8180—-अतः सुभते, विसरः विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक **ह**ै

और जिस्की सं. प्लाट-5 हैं, तथा जो महात्मा गाधी रोड, आदर्श नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमुची में और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी क कार्यालया, नई दिल्ली मा राजिस्ट्राधरण अधिनियमा, (1908 का 16) के अधीन, नारीय ज्याई, 1981

प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का प्रदह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्षत अधिनियम के अधीन कर दनेके अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था फिराने मे सविधाके लिए:

म्रतः अव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- श्री इन्दर का्मार मल्हांका सुपुत्र कांसी राम मल्हांका, नियासी बी-239, ग्रटर कीलाश-1, नहीं दिल्ली।
- 2. थी आज्ञा राम ओबरोइ स्पृत्र इरवर दास ओबरोइ, बी-1/3, राना प्रताप बाग, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में सभा दिन्दी दों, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किस व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जकत स्थावर सम्पन्ति मो लितबद्दथ **किसी** अन्य व्यक्ति दुशरा अप्रोहरताक्षरी के पास लिखित मा किए जा सकेगे।

स्पष्टोकरणः – इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट नं. 5, 260 वर्ग गज, महात्मा गांधी गोड, आदर्श नगर, नर्झ दिल्ली।

> विमल बिशष्ट सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रांज-2, दिल्ली, नर्ड दिल्ली

- , ₹ [F~ 15-3-1982 माहर:

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

सारा 269-4 (1951 का **43) की** भारा 269-4 (1) ा अधान **सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकार आयुक्त (निरीक्षण)

००१ ७०, १० दिल्हा

नइ दिल्ता. त्या ५ १ भार 1982

निवास से जात ए ए ए ए / 2/एस -आर -1/7-81/8161— अत मुक्त, रिका पीरात.
सायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु स विष्कृत

होर दि । सि १-७ , तिश जिल्ह एड ल नगर, नहीं दि ते रा १ , तिश चिल्ह के दिल्ली में और पूर्ण में १ , तिश हो दिल्ली से और गड़ी दिल्ली ने निम्म के दिल्ली से की दिल्ली से

को पूर्वोक्त संपन्ति के उपनत बाज्य मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत का तार, प्रतिकृत के प्रथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके के ता , प्रतिकृति का प्रतिकृत का पन्द्रह प्रातिक ता । प्रतिकृति का प्रतिकृति का प्रतिकृति कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार पन्द्रह प्रातिक ता । प्रतिकृति के ता निक्षा का प्रतिकृति कि स्थाप्य के ता कि ता का प्रतिकृति कि स्थाप्य के निक्षा के ता का स्थाप्य के ता का स्थाप्य के ता का स्थाप्य के ता का स्थाप्य का स्थाप्य के ता का स्थाप्य का स्थाप्य का स्थाप्य के ता का स्थाप्य का स्थाप का स्थाप का स्थाप का स्थाप का स्थाप का

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्तु अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/वा
- (ब) ऐसी किन्सी अग मा कि.सी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भरतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 क .1) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) य प्रयोजनाथ जिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था में सिया जाना चाहिए था छिपाने में सीवधा के लिए;

अत अब, निम्न की भाग 260-ए के अन्नरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस व्यक्तियों मुर्थाद:—

1 श्री वृज माहन रूरा सुपुत्र श्री दीवान चन्द, निवासी सी-30), जिप्नेन्स कालानी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्री विजय कुमार सुपुत्र चन्दर भान, भारतारजग सुपुत्र मोहनलाल, निवासी 35/21-22, वेस्ट पटोल रुपर, नक्षा १६०ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित इवाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दी और पदो का, जो उक्त आधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह[‡], वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया ह[‡]।

अनुसूची

गवर्नमेंट विल्डिंग मकान न 35/21-22, वेस्ट पटोल नगर, नई दिल्ली।

विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 9-3-1982 मोहुर: प्ररूप आहु .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज-2, नहीं दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1982

निदांश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.-1/7-81/8167—अतः मुफ्ते, विमल विशिष्ट, व्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्षात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

25,000/- रः. से **मधिक ह**ै

और जिसकी सं. म्युनिसीपल मकान है, तथा जो 1/2-1565 से 1/2-1567, चर्च रिंड, के. ग्रेट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस ज्लाई, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से, एसे हश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिलिकत उद्देश्य से उकत बन्तरण लिकित में शस्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कायित्व में कमी करने या उससे बचने में धूबिधा के लिए, और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में समिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

श्रीमती गृरजीत कार पत्नी एल एस प्रीतम सिंह,
 निदासी 1566-67, चर्च रोड, अध्मीरी गेट,
 दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री एच. पी. सिंह सुपुत्र श्री गुरबक्स सिंह, निवासी इंगकाल नगर, दिल्ली, (2) कुमारी अमर ज्याती, निवासी एफ-1/22, माडल टाउन, दिल्ली, (3) श्रीमती इन्द्रजीत काँग, निवासी एफ-2/15, माडल टाउन, दिल्ली, (4) श्रीमती हरजीत काँग, निवासी के-3/7, माडल टाउन, दिल्ली, (5) श्रीमती शील लुथरा, निवासी-एफ-1/22, माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्भीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो फ्लंट्स म्युनिसीपल नं. 1/2-1565 से 1/2-1567, चर्च रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-2, विल्ली, नई दिल्ली

तारीस . 15-3-1982 मोहर: प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 9 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्ष. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.-1/7-81/8185--अतः मुक्ते, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं. 65, ब्लोक 'सी' है, तथा जो बाली नगर, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्ह दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जुलाई, 1981

अवान, तारास जुलाई, 1981 को प्वाक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए ।

- श्रीमती गुरबचन कार मथारू पत्नी श्री बोर सिंह मथारू, सी-65, बाली नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री दिवन्दर कुमार मकर मुपुत्र श्री कृशनलाल मकर, निवासी 8/2, साउथ पटोल नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षाहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों आँर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुस्ची

मकान नं. 65, ब्लोक 'सी', बाली नगर, नई दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-2, विल्ली, नर्द दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः——

तारीख : 9-3-1982

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 15 मार्च 1982

निद्धां स आई ए सी /एन्यू /2/एस -आर -1/7-81/8196—-अत म्भे, विमल व्यक्षिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिमका उच्चित वाजार म्ल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स 6/32 है, तथा जा पजानी टाए, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसनी मा और एषं रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीटार्टी अनिकारी है के ति, हई दिल्ली के रिजर्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1)08 हा 16) है आहित, तारीख ज्याई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और एफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियो, अर्थात् ---

1 १६२ । १८ १५ वन्दर, शिलासी 4/3/ ई-ए, हरोल नाग, नई विच्यो।

(अन्तरक)

2 र्रेन्स नामा नामा नामा कर्ने प्राप्त सन्ती १/४९, राजारी सामा,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पर्नोदन सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है

उक्त सम्पन्ति के अर्रा के प्राप्त प कोर्ट भी आक्षप ---

- (क) इस मचना के जान जा कि तरीत से 45 कि है। कि है। कि से 45 कि की तामीन में 30 कि कि की अवस्थि, जो भी अविधि बाद में समप्त होती हो, जो भीतर पूर्वाकत प्रिक्त के कि की कि
- (ख) इस सचना के राजण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर पत्रत स्थावर संपत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य के उत द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त बब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्वी

सिगत स्टोरी मत्यका 6/32, पज्यो नाग, न्हें दिल्ली क्षत्रफल 279 55 नर्ग गजा।

निराल विशिष्ट सक्षम ग्राधिकारी महायक गायकर आय्वत (निरक्षिण) ार्जा २०-२, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीर 15-3 100) मोहर. प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नर्ह दिल्ली

नर्ड दिल्ली, दिनांक 9 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्द. ए. सी. /एक्यू. /2 /एस. -आर -1/7-81/9201—अतः मुक्तं, दिसल विशय, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 6/16 है, तथा जो म्य्निमीपल नं. 11275, रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबव्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन, नारीस जुलाई, 1981

को पूर्थीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्स्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे यंजने में सूविधा के लिए; और/या
- (ज) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ;——
7 - 36 GT82

- श्री जयिक्तरान दास अग्रवाल सुपुत्र एल. श्री लक्ष्मण दास अग्रवाल एण्ड अदर्श, 7/11, रूप नगर, दिल्ली। (अन्तरक)
- श्री घनष्याम दास सरांगी पृत्र एल. श्री नाथमल सरांगी एवं गांपाल प्रसाद और अशोक कामार सरांगी, डी-10, अशोक विहार, दिल्ली।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **व से**45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अविभाजीत हिस्सा 1/2, प्रो. नं. 6/16, म्युनिसीपल नं. 11275, रूप नगर, दिल्ली।

विमल विशिष्ट स्क्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नर्ह दिल्ली

तारीख: 9-3-1982

मोहुर 🚁

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1.961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 मार्च 1982

निर्दोश स. आर्ह. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.-1/7-81/9203—अतः मुक्ते, विमल विशिष्ट,

आयंकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन राधाम प्राधिकारी को यह विस्त्रास करने का कारण है कि स्थाप्टर राम्पीत, जिसका उच्चित बाजार मृन्य 25,000/रा. में अधिक है

और जिसकी सं. 2, ब्लोक-23 है, तथा जो शिक्त नगर, विल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नहें दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीय जुलाई, 1981

को पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरंक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

- श्री जान्द रतन अग्रवाल मृपुत्र श्री मीरी नारायण अग्रवाल, 18-डाँक्टर्स लेन, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री बजरंग लाल पारेक सुपुत्र राम चन्द पारेक एण्ड अदर्स, 81-डी, कमला नगर, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पर्वों का, जो उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वनुसूची

प्लाट नं. 2, ब्लोक नं. 23, शक्ति नगर, दिल्ली पर बना तीन मंजिला मकान।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, विल्ली, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में जक्त अधिनियम की धारा 269-**घ की उपधारा (1)** के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

ना्रीख : 9-3-1982

प्रस्प आई ्टी. एन्. एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र³ज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू,/2/एस.-आर.-2/7-81/4918—अतः मुक्ते, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सी-88 है, तथा जो इन्दरपुरी, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससं उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्री- करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का प्रन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबरा, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आदि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्रीमती शकांतला मिथल, बी-8, आनन्द निकेतन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. डा. सुरशे चन्दर गुप्ता, डा. उमीला गुप्ता, 10/जी, इस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिकां करता हूं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पाम लिखित में किए जा सकोगें।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

प्लाट नं. सी-88, इन्दरपूरी, नई दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज-2, दिल्ली, नर्द दिल्ली

तारीख: 9-3-1982

मोष्ठर:

प्ररूपु बाई. टी. एन. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली नर्ह दिल्ली, दिनाक 12 मार्च 1982

निदर्श स आई ए सी.√एक्यू /2 एस -आर -2/7-81/4940---अस मुक्ते, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रह. म अधिक है

और जिसकी संकृषि भृमि है, तथा जा साहिबाबाद, दौलत पुर, दिल्ली में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेहें विल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस ज्लाई, 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त संपत्ति का उषित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अध्िक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उब्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आर की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

1. श्री धरमपाल सूप्त्र एल. श्री हरफ्ल, ग्राम साहिबा-बाद, दौलतप्र, दिल्ली। (अन्तरक)

2. में. टंक्सटाइल्स ट्रंडर्स (इन्डिया), कर्ता साहन साही, चान्दनी चौक, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

बन्स्ची

कृषि भूमि 8 बिघे और 8 बिश्वे, ससरा नं. 36/13, 22/1, 27, ग्राम साहिबाबाद, दौलतप्र, दिल्ली।

> विभल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, दिल्ली, नर्फ दिल्ली

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात :---

तारीव 12-3-1982

मोह्नर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नर्ह दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1982

निवर्ष सं. आर्ष: ए. सी./एक्यू,/2/एस.-आर.-2/7-81/4846--अत: मुभ्ने, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 / रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. सी/15 है, तथा जो कृष्णा पार्क, पोसंगीपूर, बुढ़ेला, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीस जुलाई, 1981 को पूर्वों कत संप्रित के उचित बाजार मृत्य से कम के उत्यमान प्रशिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उबुद देय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

- श्री मुलखराज कपुर सुपुत्र नानक चन्द्र, निवासी 27/ 31, पुराना राजीन्दर नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री सत्य भूषण श्री मुभाष चन्दर सुपृत्र श्री दोवकी नन्दन, इ'-3, रतन पार्क, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यभाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति है।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पिक्त में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लोट नं. सी/15, 436.3 वर्ग गज, कृष्णा पार्क, ग्राम पोसंगीपुर बुढ़ोला, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्षित व्यक्तियां, अर्थात् :---

तारीख: 12-3-1982

प्रकप माई• टी• एन० एस•---

धायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रजे-2, नई दिल्ली

नर्झ दिल्ली, विनांक 9 मार्च 1982

निर्देश मं. आई. ए. सी./एक्यू,/2/एस.-आर.-2/7-81/4972—अतः मुक्ते, विमल विशिष्ट, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधोर मजम प्राधिकारों को यह विश्वाम करने का कारा है कि स्थावर सम्मत्ति जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से ग्रीष्ठक है

और जिसकी मं. प्लाट न. 139 और 140 है, तथा जो न्यू मुलतान नगर, रोहतक रोड, दिल्ली मो स्थित है (और इससे उपावक्ष अनुमूची मं और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीय ज्लाई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिन की गई है और मुझे यह विश्वाप करते का कारण के कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिता गातार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिगत से पश्चिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) दे बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन छ्ये से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक छ्य से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण में हुई किसी प्राय वो बाबत, उका अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधितियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विष्या जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।——

- श्री स्रित्दर कुमार द्जा सृपुत्र एल. श्री अमर नाथ द्जा और श्रीमती शशी द्जा, निवासी—मकान न. 16, रोड नं 28, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- थी मती मजु गुप्ता मुपुत्री श्री ओम प्रकाश गुप्ता पत्नी श्री जगदीशक मार गुप्ता, निवासी—मकान नं 15, रोड नं, 29, पजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उका समाति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित मे किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त मधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

अनुसूची

ण्लाट न . 139 और 140, न्यु मुलतान नगर, रोह्तक रोड, नई दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारील . 9-3-1982

प्ररूप भाई-टी-एन-एस----

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मन्नीय सच्चमः

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

नह दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1982

निर्दोश स आई. ए सी./एक्स्,/2/एस -आर.-2/7-81-/4873—अत मुभ्ते, विमल बिशिष्ट,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भ्रषीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार पूरुष 25,000/- ४० से प्रधिक है

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने क अग्तरक के दायित्व में कमी करते या खससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी खन या अप्य आस्तियों को, जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, जिल्लाने में सुविधा के लिए;

अन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात्:-- भी मनाहरलाल चौधरी मुपुत्र श्री दालत राम चौधरी, निवासी चब्ल्य्-जंड-216, जी-क्लोक, हरीनगर, नर्द दिल्ली।

(अन्तरक)

शी जगदीश प्रसाद गुप्ता सूप्त्र एल. श्री जीत बृहाब र गुप्ता और हरीशंकर गुप्ता सूप्त्र श्री बासदेव गुप्ता, गिदासी डब्ल्य (61, मायाप्री, फेस-2, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को पहुँ सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के **अर्थन** के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त पराति ह अर्जा ह संबंध में कोई भी बाक्षेप !--

- (क) ६२ भूचना के राज्यव में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की सर्विष्ठ या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविष्ठि, जो भी सर्विष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबद किसी मन्य स्थक्ति द्वारा, सबोइस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्वरदीकरण '--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त धिविषय' के धन्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस धन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न . डब्ल्यु-जेड-216 , (जी/109 , 110 , 111) , जी-ब्लोक , हरीनगर , नर्द दिल्ली ।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारोण 12-3-1982 मोन्स

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, नई दिल्ली
नर्ड दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1982

निर्दोश स आर्ड. ए. सी./एअय,/2 एस -आर.-2/7-81/4876--अतः मुक्ते, विमल पशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं और जिसकी सं 11, रोड न -63 है, तथाओं पंजाबी द्वाग, गंडी विल्ली, ग्राम मादीपुर, दिल्ली में स्थित ही (और इससे जपाबद्ध अनुसूची मं और पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीय जुलाई, 1981 को पुर्वाकित सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल गे, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तर पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अबः, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उत्कत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नृतिख्तु व्यक्तियों अर्थात् :--

- श्री स्दर्शः क्मार आनन्द सृप्त्र अगर नाथ आनन्द, निवासी 11/63, पजाबी बाग, नई दिल्ली, वर्तमान पत्ता 17-सरदार गृह, एल. टी. मार्ग, बम्बई-2। (श्रन्तरक)
- 2. श्री जामी राम शर्मा मुपुत्र किशन लाल, निवासी 313/101-डी, तुलसी नगर, रोहतक रोड, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बक्ध, किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रोबत एक्दों और पर्वोका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 11, रांड न. 63, पंजाबी बाग, नर्झ दिल्ली एरिया ग्राम मावीपुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

> विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अुर्जन रॉज-2, विल्ली, नई दिल्ली

वारील : 12-3-1982 मोहर : प्रस्प बाई - दी - एन - एन ----

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 वा 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज-2, नई विल्ली नई दिल्ली, विनांक 12 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्दः ए. सी./एक्यू,/2/एस.-आर.-2/7-81/5018—-अतः मुभ्ते, विमल विशिष्ट,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- व॰ से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं, कृषि भूमि हैं, तथा जो ग्राम इब्राहिसं प्र, विल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जलाई, 1981

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गर्ड है और मूओ यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत
धिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(भण्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्रिनिसित व्यक्तियों. अर्थात् :---8—36GI/82 श्री जय चन्द हैमन, तुलसी एण्ड अदर्स सुपुत्र श्री हरफाल एण्ड अदर्स, निवासी ग्राम मुखमेल पूर, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री अचल कुमार जैन सुपुत्र लखपत राय जैन, निवासी 5245, बारा टाट्टी, मदर बाजार, विल्ली। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाग लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अप्रसंची

कृषि भूमि विघे और विश्वे, ग्राम इब्राहिमपुर, विल्ली।

विमल विशाष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-2, दिल्ली, नर्द दिल्ली

तारील : 12-3-1982

प्ररूप बाह्र . ही . एवं . एस् . -----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के जुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क शायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नहीं दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्झ. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर -2/5020—अतः मुफ्ते, विमल विशिष्ट, शामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. से अधिक हैं और जिसकी सं. कृषि भूमि हैं, तथा जो ग्राम इंब्राहिमप्रा, दिल्ली

और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम इब्राहिमप्रा, दिल्ली मे स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1981

को पूर्वीक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य से कम के क्यामान प्रतिफल को लिए जन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (कः) बन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनिय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने मे सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या भनकर अधिनियस, या भनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जर्रः अव, उचत अधिनियम की धारा 269-न को, अनुब्रस् नों, मैं, उचत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्नक्तिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री ज्य चन्द हैमन, तुलसी, रघिबर सरवारी सृपुत्र श्री हरफुल, श्री बाह्मा सिंह सुपुत्र श्री जय लाल, ग्राम मुखमेल पुर, विल्ली,

(प्रन्तरक)

 मास्टर पक्षज जैन सुपूत्र फतोह चन्द, निवासी 29 पाको, एरिया, करोल बाग, नर्ष दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अभोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्षीकरणः -- इसमें प्रगुक्त शब्दों और पद्यों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसुची

कृषि भूमि 9 बिघे और 12 बिश्वे, ग्राम इब्राहिमपुर, दिल्ली।

विमल बिशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नर्के दिल्ली

तारीस . 12-3-1982 मोहर : प्ररूप भाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन राज-2, नहाँ दिल्ली

नर्इ दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्देश सं. आर्थ. ए. सी./एक्यू,/2/एस्.-आर.-2/7-81/5074--अतः मभ्ते, विमल विशिष्ट,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 44/44 है, तथा जो पंजाबी बाग, श्राम मादीपुर, विल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्ह दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जूनाई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

1 श्री राम लुभाया अरोड़ा सुपुत्र श्री राम नारायण और श्रीमती शशि अरोड़ा, निवासी 44/44, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री त्रीलोक कुमार सुपूत्र श्री हरनाम सिंह, निवासी बी-104, अशोक विहार, फेस-1, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्षित सम्पृतिक को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्साक्षरी के पास, तिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं . 44/44, पंजाबी बाग, ग्राम मादीपुर, विल्ली।

विमल विद्याष्ट सक्षम प्राधिकारी सङ्खामक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 15-3-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1982

निर्दोष सं. आर्ड. ए. सी. /एक्यू. /2/एस. -आर. -2/7-81/5017—अतः मुक्ते, विमल विष्टि, आयक्द प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- उपए से प्रधिक है

और जिसकी सं, कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम इब्राहिम पूर, विल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जुलाई, 1981

को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहममान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर
प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, जनत प्रतिपान के श्रदीन कर देने के भन्तरक के श्रदिश्य में प्रती करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) एसी किसो आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अज्ञः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीम्, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्री जय चन्द, सुपुत्र श्री हरफाल, ग्राम मुखमेल पुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

 मास्टर पंकज जैन, अंडर अभिभावक श्री फतेह चन्द, निवासी 29 पार्क एरिया, करोल बाग, नृई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिएकार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख सें
 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तिवों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उपत श्रिक्षित्रम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, धही प्रये होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है!

मन्स्ची

कृषि भूमि 9 बिघे और 12 बिश्वे, ग्राम इब्राहिमपूर, विल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, विल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 12-3-1982

मोहर 🛭

प्ररूप आहु . टी. एन . एस . ------

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नर्ह दिल्ली नर्ह दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1982

निद^{्ध}श स . आर्घ . ए . सी ./एक्यू . / 2/एस . -आर-2/7-81/ 4981—-अतः मुभ्ते, विमल विशिष्ट ,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी संस्था कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-गीहवारा, दिल्ली में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुभूची में पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्ह विल्ली में भारतीय रिजस्त्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस जुलाई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-पल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुइ किसी भाय काँ वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे वचने में सृतिधा के लिए? बार/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा ने लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री सुरत सिंह अजीत सिंह, महाबीर सिंह, प्रकाश सुपुत्र श्री रतन सिंह, नि्वासी-ग्राम-गोहवारा, विल्ली

(अन्तरक)

 श्री सुरीन्दर क्मार सुप्त्र डिहारी लाल, निवासी-21/24, बेस्ट पटोल नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया ग्या हैं।

अनु**सूची**

कृषि भूमि 14 बिध, ग्राम-गीहवार, दिल्ली

विमल विशव्द सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 12-3-1982

प्ररूप आहू . टी . एन . एस . -----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नर्ह दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी./एक्य,/2/एस.-आर.-2/7-81/5019--अतः मुभ्ते, विमल वाशिष्ट, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'अक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- एत. से अधिक **ह** और जिसकी सं, कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम इब्राहिम पुर, विल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्द दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1981 को पूर्वीक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंचार प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; ज़र्िया
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्तित अधीक्तायों, अधीत् :---

 श्री जय चन्द्र हैमन, तुलसी एण्ड अदर्स सुपुत्र श्री हरफाल एण्ड अदर्स, ग्राम् और पो. मुखमेलपूर, चिल्ली।

(अन्तरक)

1. श्री फतेह चन्च जैन एण्ड सन्स (एच. यू. एफ.) द्वारा इड्स कर्ता फतेह चन्द जैन, निवासी 29 पार्क एरिया करोल बाग, नई दिल्ली।

विमल विशष्ट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उन्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभावित हैं, वहीं नर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

कृषि भूमि 9 बिघे और 12 बिग्वे, ग्राम इब्राहिमपुर, विल्ली।

विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नहीं दिल्ली

तारील . 12-3-1982 मो**हर** ः प्ररूप आइ. टी एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

वर्गालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली नह बिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू. $\frac{1}{2}$ /एस.-आर. $\frac{1}{2}$ /7-81/5059-- अतः म्भो, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कप्ररण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजारं मृल्य 25,000/'- रत. से अधिक है और जिसकी सं. 31/1-1ए ही, तथा जो तिहार-2, अशोक नगर, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीय जुलाई, 1981 को अर्थोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तेयह विख्वास करने का कारण है कि स्थापर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-

फल निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक

म्प से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आयकी बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (का) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्मत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधाके लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री अनंत राम आनन्द सपत्र श्री ह कम चन्द, 14-ई 24-25, इस्ट पटल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री बिशन दास और किशन सिंह स्पूत्र ग्रचरन सिंह, 31/1-1ए, तिहाड-2, अशोक नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारी क से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में द्वित-बद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो एक्त श्रिष्ट-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मकान नं. 31/1-1ए, तिहाड-2, अशोक नगर, दिल्ली।

> विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीब : 15-3-1982

प्ररूप आहर्. टो. एन. एस.------

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्द. ए. सी./एक्य्./2/एस.-आर.-2/7*-*81/5062--अत: मुभ्ने, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है और जिसकी सं. डी-78 है, तथा जो अजय इन्कलेव, नर्इ दिल्ली, ग्राम तिहाड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, नई दिल्ली में रीजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीय जुलाई, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के रूप्यमान प्रिक्टिंग के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-करा, निम्नलिखित उद्वेष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इस्प से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्ससे बचने में सुविधा के लिए; आर्ड/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किथा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः :---

 श्री राजीन्दर मिंह सुपुत्र श्री सौदागर सिंह, निवासी डी-78, अजय इनक्लंब, नई दिल्ली।

(धन्तरक)

2. श्री सरवारी लाल सना मुपुत्र मंगल सेन, निवासी डी-78, अजय इनक्लेव, नहीं दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. डी-78, अज्य इनक्लेब, नई विल्ली, ग्राम तिहाड़, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर <mark>प्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> अर्जन रॉज-2, विल्ली, न**र्इ दिल्ली**

तारील : 12-3-1982

रु. से अधिक हैं।

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नर्ड दिल्ली

नर्झ दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1982

निद्र सं. आई. ए. सी. //एक्यू. /2/एस. -आर. -2/7-81/4856—अतः मुक्ते, विमल विभिष्ट, वायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है, की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-

और जिसकी सं. कृषि भूमि हैं, तथा जो ग्राम तिलंगपूर कोटला, विल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्ड दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विहवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित अधिनतयों अर्थात्:——
9—36 GI/82

 श्री भारत सिंह और श्री नरायण सिंह सुपुत्र श्री नानक चन्द, निवासी ग्राम तिलंगपुर कोटला, दिल्ली।

(अन्सरक)

2. श्रीमती राजकाुमारी पत्नी शाम बिहारी, 3609, स्वरूप नगर (त्री नगर), दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 29 बिघे, ग्राम तिलंगपुर कोटला, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आय्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रोज-2, दिल्ली, नर्इ दिल्ली

तारील : 12-3-1982

प्रकप आई• टी॰ एन• प्रसः-----

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 कर 43) भारा की 269 घ (1) के श्रशीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नहीं दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.-2/7-81/5083—अतः मुफ्ते, विमल विशष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त भिर्मितयम' कहा गया है), की भ्रारा 269-ख के भ्रधीन सभम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित वाजार मूक्त 5,000/र रु से प्रधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम शालम्बी खूर्द, विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1981

को पर्धोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असोः दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (प्रश्वितियों) के बीच ऐसे प्रश्तरण के जिए तय पाया पया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी खाय की बाबत, उक्त प्रक्षिनियम के अधीन कर देने के धम्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धर्न या भ्रम्य भस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर भिर्मियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण्में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- श्री चिन्ता राम सूपुत्र श्री बलवन्त सिंह, निवासी ग्राम होलम्बी खुर्द, दिल्ली, बिहाफ आफ जगबिर सिंह सूपुत्र श्री चराही सिंह, निवासी सुलतानपुर, दिल्ली।
 - (अन्तरक)
- 2. मी. राधानी सोटर्स प्रा. लि. ब्वारा एम. डी, श्री प्रमोद कुमार, निवासी 2720, लेटीयन रोड, के. गेट, दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की घनधिया तस्सम्बन्धी क्यक्तियाँ पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की घनधि, जो भी
 धनधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर्त
 व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की वारी खरे 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर सम्पत्ति में हितवश्च किसी धन्म व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्वच्दीकरण ।—इसमें प्रबुक्त शब्दों घोर पदों का, की उर्कत घित्रियम के घड़्याय 20क में परिश्वीवित है, बड़ी घर्ष होगा, जो इंस अन्याय में विया गया है।

अनुसुची

कृषि भूमि 1/3 हिस्से 24 बिघे और 10 बिश्वे, खसरा नं 31/17, 18, 23, 24, 53/3 और 4, ग्राम होलम्बी खूद , दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नर्द्द दिल्ली

तारीख: 15-3-1982 मो**हार** इ प्ररूप आहें. टी. एन्., एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्वेश मं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.-2/7-81/4930—-अतः मुफे, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम साहिबाबाद, दिलत पुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1981

को पूर्वीक्त संपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मुफ्ते यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वीक्त संपिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (स्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक्त रूप से किथित नहीं किया गया हैं:—~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नुर्धात् ः— श्री धरमपाल सुपृत्र श्री हरफुल, निवासी ग्राम साहिबाबाद, वौलतपुर, विल्ली। (ग्रन्तरक)

2 में. टोक्सटाइल ट्रोडर्स (इन्डिया), कटरा साहनु साही, चान्दनी चौक, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तमील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्ता व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्यक्ति प्रकाश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमृस्ची

कृषि भूमि क्षेत्र 8 बिघे और 3 बिघवे, ससरा नं 26/12 और 19/2, ग्राम साहिबाबाद, दौलत पुर, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन् रंज-2, विल्ली, नई विल्ली-110002

तारी**स** : 15-3-1982

मोहारु ।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

क्र्यायकर घ**धिनियम, 1961 (1961** का **43) की** भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1982

निवर्षेश म. आर्क. ए सी /एक्यू./2/एस-आर-2/8-81/

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उकत अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम रिथला, दिल्ली मो स्थित है (और इससे उपाइद्ध अनुसूची मो पूर्व रूप से विणित है), रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मो भारतीय रिजस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1981

को पूर्वोक्त सपरित के उचित बाजार मूल्य स कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का भन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किया गया ही ——

- (क) श्रन्।रण से हुई किसी आय की बाबत, उकत ग्रिधि-नियम के श्रशीन कर देने के श्रम्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (स) रैसी किमी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भो, भौ उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— श्री मकलूल सुपुत्र घीसा, निवासी-ग्राम-रिथला, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री ह्क्स चन्द सुपृत्र श्री नारायण दास और श्री आमे प्रकाश सुपृत्र श्री कशर दास और केसर दास सुपृत्र श्री अतर सिंह, निवासी-रानी बाग, शक्र्रबस्ती, दिल्ली

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्षित संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाण्य होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअब किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए ज(सकेंगे।

स्यब्दीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-फ में परिभाषित है, असी श्रवं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृष्टि भृमि क्षेत्र 3 बिघे, समरा नं 1126, ग्राम-रिथला, विल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 2, नर्हो दिल्ली-110002

तारील 15-3-1982 मोहर :

प्राक्षप धाई॰ ही॰ एन॰ एस॰---

आयुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज 2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्ह. ए. सी./एक्यू/2/एस-आर-2/7-81/4979—अतः मुफे, विमल विशष्ट, आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्र्यात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के भ्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जा ग्राम बुगरी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृर्ता अधिकारी के कार्यालय अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस जुलाई 1981

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रिष्ठिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापुर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का
पन्द्रह प्रतिगत से धिक है और ग्रन्तरक (धन्तरकों)
ग्रीर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तम पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण
लिखित में वास्त्विक रूम से किया कहीं विया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी धाय की वावत उक्त प्रधिनियम के ध्रधीन कर देने के भन्तरक के व्यक्तिय में कमी करने या उबसे वचने में सुविधा के सिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्ठित्यम, या धन-कर घिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उनत श्रिधिनियम की भारा 269-म के भनुसरण में, मैं, उनत प्रक्षिनियम की भारा 269-म की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 8--

- श्री पदन कुमार गृप्ता जी-ए मलखान सूपूत्र श्री खाचेय ,। ग्राम-बुरारी, दिल्ली
 - (अन्सरक)
- श्री सूक्ला सरिन पत्नी श्री आर. के. सरिन, 240 ग्रेटर कौलाश, नर्झ दिल्ली। (अन्सरिती)

को <mark>यह सूचना जारी कर</mark>केपृथींक्त सम्पति केश**जैन के लिए** कार्य<mark>ेगीह</mark>यां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की प्रविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामी स से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी भ्रम्य स्थावित द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अयं होगा, जो उस सक्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 2 बिघा, संसरा नं. 487 और 488, ग्राम-बुरारी, दिल्ली

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज 2, नई विल्ली-110002

तारीख : 15-3-1982

मोहरः

प्रकप धाई० टी० एन० एस०~----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2, नुई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्यू/2/एस-आर-2/7-81/4969—अतः मुक्ते, विमल विशिष्ट, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पग्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारीको यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्यं से प्रधिक है और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बुरारी, दिल्ली में स्थित है (और उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है, रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1981

को पूर्वांवत सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के बृश्य मान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का सिन्त बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अग्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरणे के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है!——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त मिन्न-नियम के प्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व मैं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या भ्रमकर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत:, ग्रंब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, श्रथींत्।—

- श्री ओम् दत सुपुत्र श्री नन्द किशार निवासी-ग्राम-बुरारी, दिल्ली (अन्तरक)
- श्रीस्ती स्वर्ण लता सैनी पृत्नी श्री आर. एल. सैनी निवासी 10 ए/37, शक्ती नगर, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उकत श्रधि-नियम के श्रष्ठपाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ठयाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 1 बिधा, ग्राम-बुरारी, विल्ली

विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज् 2, नर्ष विल्ली-110002

तारी**ख**ः 15-3-1982

माहर 🏻

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज 2, नई दिल्ली

नर्ह दिल्ली, विनांक 15 मार्च 1982

निवांश सं. आर्घः ए. सी./एक्यू./2/एस्-आर-2/7-81/ 4966---अतः मभ्ते, विमल विशिष्ट,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बुरारी, विल्ली में स्थित है (और इससे उपाइद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1981

को पृत्रौंकत सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्व स करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अंतिशत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तित हुन से हिया नहीं किया गया है:——

- (कां) जन्सरण से हुइं किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कभी करने या उससे जचने में सूर्विधा को लिए; आहर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मुधीन निुम्निलिखित व्यक्तियों अर्थित क्र--

 श्री एवन कुमार गुप्ता सुपृत्र श्री तिलक राम गुप्ताः निवासी-156., भाग-2, गुजरनवालन, टाउन, विल्ली

(अन्तरक)

थीमती सुदर्शन रानी पत्नी श्री गंकर राज, निवासी-ए-5, मांडल टाउन, दिल्ली, और श्रीमती महोश रानी पत्नी श्रीलक्षमी नारायण, निवासी-ए-2, भाग-1, गुजरनवालन टाउन, दिल्ली

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के अर्जन के लिएं कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश मं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परिस में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण (---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि 1 विषा और 6 1/2 बिश्वे, खसरा नं. 788 (0-10), 789 (1-2), और 791 (1-2) ग्राम-बुरारी, दिल्ली

विम्ल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज 2, नई विल्ली-110002

तारीख : 15-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कायीलय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज 2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग इन्द्रप्रस्थ स्टोट नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 15 मार्च 1982

निविश सं. आई. ए. सी.//एक्यू./2/एस-आर-2/7-81/ 5042—अत: म्भे, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बूरारी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनिष्म, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एूसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त क्राधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तं अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री विकास चन्द सूपृत्र श्री निहाल शिवासी ग्राम-ब्रारी, दिल्ली

(अन्सरक)

 दौलत राम मुपुत्र श्री राम चन्दर 420 नया बंस, सारी वावली, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 1 विघा और 8 विश्वे, ग्राम-बुरार्री, दिल्ली।

विमल विश्वष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रोज 2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीब : 15-3-1982

महिर:

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज 2, नुई दिल्ली

नई बिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1982

निक्रेंश सं. आर्क्ट. ए. सी./एक्यू/2/एस-आर-2/7-81/ 5043—अतः मुफ्ते, विमल विशिष्ट,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000 / रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बुरारी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्द दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1981

को पृथों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क्:) अन्तरण मं हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--10-36 GI/82

 श्री उदय राज त्यागी सुपृत्र श्री खुशाल निवासी, ग्राम-बुरारी, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री विश्वा नाथ अग्रवाल एण्ड राज कुमार अग्रवाल 3-श्री आम प्रकाश अग्रवाल 4-श्री कृष्ण कुमार अग्रवाल निवासी-बी-44, अशोक विहार, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति रा.
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 2 विघे और 9 विश्वे, ससग नं. 816., ग्राम-ब्रारी, दिल्ली राज्य दिल्ली

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2, नर्ह दिल्ली-110002

तारीख: 15-3-1982

प्रकृप आई. टी. एन. एस.-----

भाष्यकर प्रश्चितियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज 2, नई दिल्ली

नर्इ दिल्ली, विनांक 15 मार्च 1982

निर्वोश सं. आर्झ. ए. सी. /एक्यू / 2/एस-आर-2 [/]7-81 / 4920——अतः मुक्ते, दिमल विशिष्ट,

आयकर अगिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह जिल्लाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, नियका उचित बाजार मूख्य 25,000/- र के अधिक है और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बुरारी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1981

को पृत्रोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए पन्तरित की गई है और मुझे यह विज्वास करने का कारण ? कियथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देग्य में उक्त ग्रांसरण जिल्लित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) झम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त धांध-नियम के झंधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी ग्रन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिश्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिश्वनियम, या ग्रन-कर ग्रिश्वनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

गतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- श्री पवन कामार गुप्ता सुपुत्र श्री तिलक राम, 156 भाग-2, गुजरनवालन टाउन, दिल्ली

(अन्तरक)

2. प्राइस म्लास्टीक इन्डस्ट्रीज, 29/19, न्यू रोहतक रोड, गली नं 6, इन्डस्ट्रीयल एरीया, विल्ली व्वारा भागीदार-प्रेम कुमार,

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 1 बिघा, ग्राम-बुरारी, दिल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज 2, नई विल्ली-110002

तारील : 15-3-1982

प्ररूप गाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज 2, नई दिल्ली नई दिल्ली, विनांक 15 मार्च 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी. /एक्यू. / 2/एस-आर-2/7-82/ 5024--अतः मुक्ते, विभल वशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,0007 - रु. से अधिक है जार जो इरोबस नगर एलीयस नगर प्लीयस नगर प्लीयस नगर एलीयस नगर बंस, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस जुलाई, 1981

(1908 का 16) क अधान ताराख जुलाई, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफन का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरह (प्रत्नरहों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छदेश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त मिछ-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या प्रस्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या घनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपामे में सुविधा के लिए;

ग्रतः भव, उक्त ग्रंधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में,मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, खर्चात् :- श्री सूरज भान सरोद क्मार द्वारा इट्स पार्टर्नस निवासी-5049, रुद्द मंडी विल्ली

(अन्तरक)

मैं. पूजा इन्टरप्राइजेअ, द्वारा इट्स पार्ट नर्स श्री केवल कृष्ण, (2) श्री राज कुमार, (3) गुलशन कुमार, (4) श्री प्रेम बाला, (5) श्रीमती सुकन कपूर, निवासी-20/22-23 इरोदत नगर, नया बंस दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति हे अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वादा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्योकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आध-नियम के घट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्य होगा, जो उन पट्यार में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 9 बिघे और 14 विश्वे, ग्राम-इरोदत नगर, एलीयस नया बंस, दिल्ली, खसरा नं 20/22, और 20/23,

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2, नई दिल्ली-110002

तारीख : 15-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2, नई दिल्ली

नर्इ दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू/2/एस-आर-2/7-81/ 3532--अतः मुभ्ते, विमल विशिष्ट,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-मृडका, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जुलाई, 1981

को पूर्वो क्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की अधीन निम्निलिखित व्यक्तिसों, अर्थात् :--

 श्री दरीयाओं सिंह सुपुत्र श्री छतर, निवासी-ग्राम-मुंडका, दिल्ली राज्य दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री जसिंदर सिंह सुपुत्र श्री गुरबचन सिंह श्रीमती कंदल जीत कौर पत्नी श्री जसिंदर सिंह, कुलवन्त संठी सुपुत्र श्री गुरबचन सिंह और श्रीमती हरबंस कौर पत्नी श्री गुरबचन सिंह, निवासी-60/42, पंजाबी बाग, नह विच्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो, उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि 9 बिघे और 10 बिष्वे, ससरा नं 64/6, 7, 14 और 15, ग्राम मुंडका, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 2, नर्झ विल्ली-110002

तारीथ : 15-3-1982

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-घ(1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

नर्षं दिल्ली, विनांक 15 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू/2/एस-आर-2/7-81/ 4828—-अतः मुफ्ते, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उक्त अधिनियम कहा गया है) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बुरारी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिषस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1098 का 16) के अधीर, तारील जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिष्ठिफल के लिए प्रकारित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित थाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुबिधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात्:--

 श्री नरीन्दर कुमार आहल्बालीया सुपृत्र श्री फुल चन्द आहलुवालीया, निवासी-सी-84, घंक्ती नगर, एक्स. दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री अम्र जीत सिंह सुपुत्र गुरदीत सिंह निवासी-एफ 1/22, मोडल टाउन, दिल्ली

(अन्तरि**ती**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्सि सम्पिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी हरगः --- इसमें प्रपृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उन ग्रहशाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 1 विद्या 1/2 विश्वा, ससरा नं 775, ग्राम- बुंग्री, दिल्ली

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज 2, नर्ह विल्ली-110002

तारीख: 15-3-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-2, जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्यू/2/एस-आर-2/7-81 4831—अतः मुक्षे, विमल विशिष्ट,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-नसीर पूर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है)., रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्दा दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख ज्लाई 1981

को पूर्जीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

 श्री रिजक राम सुपुत्र भंतु एण्ड अदर्स निवासी ग्राम-पालम दिल्ली

(अन्तरक)

 श्री धरम दोव सोलंकी सुपूत्र श्री हरी शंकर सोलंकी, ग्राम-नसीर पुर, दिल्ली

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 10 बिश्वे, ग्राम-पालम, दिल्ली।

विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, द्विल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 15-3-1982

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.-----

अर्थिकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-**ष** (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-११, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी /एक्यू./2 एस-आर-2/7-81/ 4923—अतः मुक्ते, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मजन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारग है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्यंये से अधिक है और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-सामेप्र, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अन्मूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 190 8(1908 का 16) के अधीन, तारीस जुलाई 1981

को प्रोंकत समाति के उचित याजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, लेसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रश्तरक (अन्तरकों) प्रौर प्रतिरित्ते (अन्तरित्तेयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त प्रतरण निव्या निवास में वास्तिक का मा किया नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उन्त अिन् नियम के अधीन कर रा के प्रनार के वाधिक में कमी करने या उनमें बचने में मृतिधा व लिए: श्रीर/या
- (आ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विया गमा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में भृतिका के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अधित् श्री राम नाथ सुपुत्र श्री पत राम एण्ड अदर्स जी-ए थम्बा एण्ड अभेय राम सुपुत्र श्री दलपत

(अन्तरक)

 श्री असर जीत सिंह और कवर जीत सिंह सूपुत्र श्री सन्त सिंह 12-श्रेम पुरी गली पीपलवाली, सेरठ सीटी, यु.पी.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामीन से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रश्रोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा मर्केंगे ।

स्पथ्डीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्टि नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षंत्र 1 बिघा और 2 बिघवे, (1111 वर्ग गज) समरा नं. 33'11, 33'20, ग्राम-सामेपुर, दिल्ली

थिमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नर्ह दिल्ली

नारोख : 15**-**3-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू /2/एस-आर-1/7-81/8178--अतः मुभ्ते, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संजभ प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिसकी संख्या 947 से 949 है तथा जो छोटा छीपिवारा खुर्द, छाटा साहजी चावरीबाजार, में स्थित हैं (और इसमे उपा- बद्ध अनुसूची में और में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वार्ड नं. 4, नई दिल्ली में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जुलाई 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक से है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन कि अक्तरक अधिनियम के अधीन कर देने के अक्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किनो आग्रया किनो धनया ग्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनयम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उवन अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के बद्यीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित:—

1. श्री दौलत राम सुपुत्र एल. मनुलाल (1/3 हिस्स) और अशोक कुमार सुपुत्र दौलत राम (2/3 हिस्स) निवास मकान नं. 2210 गली बारी पहाड़वाली, चौक राय जीनाई सड़क, दिल्ली

(अन्तरक)

 मैं. सुरी कन्सट्रक्शन क. प्रा. लि. 454/55 चितला गट, चांबरी बाजार दिल्ली, द्वारा इट्स डाइरेक्टर श्री जोगीन्दर पाल सुरी

(अन्तरिती)

मकान न 947, 948, 949 मे किरायदारों की सुची

1. सुबाष गील

2. ऑम परकाश बनारसी दास

राम लुभागा एण्ड अदर्स

4. लखी राम

5. मदन लाल

6. राम स्वरूप

7. रमेश चन्द दिनेश काुमार

8. जगन नाथ

9. लाला राम (स्वर्गी[°]य)

10 परस राम क्नद्दन लाल

11. कुन्दन लाल परस राम

12. राम चन्दर

13. रघुनन्दन

14 व्नी लाल अमीर चन्द

15. कानता धवन

16. चिमन लाल

17. हम राज

18. चन्दु लाल

19. एवरस्ट ट्रेडर्स

20. सुख लाल

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील में 30 दिन की भ्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य अथिनत द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पटिशकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. 947, 948 और 949 क्षेत्र 560 वर्ग गज, छोटा छीपिवारा खुर्द, छाटा साहजी, चावरी बाजार, वार्ड नं. 4, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारील · 15-3-82 मोहर : प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-।।, नक्क विल्ली
नर्झ दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1982

निदर्भा मं. आई. ए. सी./एक्स्यू'2/एस-आर-3/7-81/ 8113—अत: म्भेते, विमल विष्णष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं 100-101, है तथा जो चर्च मिशन रोड.

और जिसकी सं. 100-101, है तथा जो चर्च मिशन रोड, दिल्ली मों स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मों पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जुलाई 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः एवं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के, अन्सरण में, में, एक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तिय[‡], अर्थात् :--11—36GI/82

 श्री बाल्जा चेरीट बल ट्रस्ट ई-1, भन्ड बालन एक्स-टारशन, नई दिल्ली

(अन्तरक)

 श्री नरायण एसोसीएट्स, 1330-ए, चान्दनी चौक, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्क सम्पत्सि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उथत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

प्रों. नं. 100-101, चर्च मिश्चन रोड, दिल्ली

ियमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नर्द दिल्ली

तारीब : 15-3-1982

प्ररूप भाइ. टी. एन्. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।, नर्ष दिल्ली नर्ष दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी. /एक्यू / 2 एस-आर-2/7-81/ 8106--अतः म्फे, विमल गशिष्ट ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संस्था 1807, है तथा ओ चीराखना, मालीवारा चान्द्रनी चौक में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्दे दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्ते) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कृते, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्रीमती त्रीबेनी दोवी पत्नी श्री राम कुमार निवासी-992, कुमा नदवा, चान्वनी दौक, दिल्ली

(अन्सरक)

2. श्रीमती रामा बंसल पत्नी श्री पी. आर. बंसल, (2) प्रभा बंसल पत्नी श्री एस. एन. बंसल (3) कान्ता बंसल पत्नी श्री ओ. पी. बंसल (4) संतोष बंसल पत्नी श्री जे. पी. बंसल निवासी-1807, चीराखना, मालीदारा, चान्दनी चौंक, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिस से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 1807 चीराखना मालीयारा, क्रान्दनी चौक, दिल्ली 125 वर्ग गज, पक्का बना हुआ ।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जर रॉज-।।, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 15-3-82

प्ररूप आर्डेंटी. एन्. एस.-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, नद्दी दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू/2/एस-आर-1/7-81/ 8200---अतः स्भे, विमल विशिष्ट,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ई-31 है, तथा जो किर्ती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मे रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के उधीन, तारीख जुलाई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा का सिए: वरि/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

- श्रीमती काँशिल्या देवी विधवा पत्नी रतन चन्द कपूर, निवासी-ई-31, कितीं नगर, नई विल्ली (अन्तरक)
- श्री विनोद कुमार और सुरीन्दर कुमार सुपृत्र श्री काश्मिरी लाल निवासी-1/53-ए, मोती नगर, नर्द दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

1/3 अविभाजीत हिस्से मकान नं. ई-31, कितीं नगर, नई दिल्ली 312-1/2 वर्ग गज।

विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायंकर श्रायुक्त (मिरीक्षण) अर्जन र^रज-।ः, नर्ध दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 15-3-1982

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नर्द्र दिल्ली नर्द्र दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू./2 एस-आर-2/7-81/ 4848ए—अतः म्फे, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ए/91 हैं, तथा जो शंकर गार्डेन, ग्राम - पोसंगीपुर, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1981

को पूर्विकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिशत से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रति-फल निम्नलियित उद्दर्श्य से उक्त अन्तरण । जिस्ति में वास्तियक हम से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन फिर्निलिसित व्यक्तियों अधीं :--

- श्रीमती निर्मल बक्सी पत्नी के. सी. बक्सी, निवासी ए/93, विकास प्री, नई दिल्ली।
 - (अन्तरक)
- 2. श्री विजय मितल सुपुत्र श्री के. सी. मित्तल--निवासी ए/91, शंकर गार्डन, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृत्रों कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोश से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. $\frac{\pi}{91}$, शंकर गार्डेन, ग्राम-पासंगीपुर, दिल्ली 241-1/9, वर्ग गज1

विभले विश्वन्य सक्षम प्राधिकारी स्'हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-11, नई दिल्ली

ारीख : 15-3-82

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 15 मार्च 1982

निर्देश सं. आर्च. ए. सी./एक्यू./2, एस-आर-2/7-81/ 4865---अतः मुक्ते, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रत. से अधिक है^{*}

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-ब्रारी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजि-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस ज्लाई 1981

को प्राक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कररे का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मुख्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अर्शिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उददोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त मधिनियम के मधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स्त) एेसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधाके लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री भगत सिंह सुपुत्र मिलला सिंह निवासी-888, मखर्जी नगर, विल्ली जनरल अटारनी औ खार्का सुपुत्र श्री कन्हीया, निवासी-ग्राम-ब्रारी, दिल्ली (अन्तरक)
- 2. श्री अमर सिंह सुपुत्र श्री धरम सिंह श्री रूप लाल मपुत्र श्री बिहारी लाल निवासी 865/19 गुंक नामक हाउस, एस. पी. मुखर्जी मार्ग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करको प्वॉक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वार्क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 2 बिघे और 17 बिश्वे, स्पसरा नं 846, ग्रामः-ब्रारी, दिल्ली।

> विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नई दिल्ली

तारोख: 15-3-82

प्ररूप ग्राई० टी• एन•एस•---

भायकर प्रधितियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रज-।।, नर्झ विल्ली नर्झ दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्ह. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/7-81/ 4869--अत: म्फो, विमल विशिष्ट,

जायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उकत ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख़ के ग्रिथीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-दें से ग्रिधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-मूंडका, दिल्ली मो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्झ दिल्ली मों रजि-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जुलाई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान
प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार
मूख्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह् प्रतिशत श्रिष्ठिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया ग्रा प्रतिफत निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित
बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया ग्रा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसो आप की वाबन, उकन मिध-नियम के मधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या ब्रन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्री दरीयाओं सिंह सृपुत्र छतर, निवासी ग्राम-मृडका-दिल्ली

(अन्तरक)

 श्रीमती निर्मला पत्नी जसवन्त सिंह, सितन्दर सिंह सृपुत्र जसवन्त सिंह, निवासी 16/31, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्तिके श्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के भ्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द किसी अस्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्ष री के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उनत ग्रिधिः नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 8 बिघे और 19 बिघ्ये, खसरा नं. 64/9, 10 मिन, 11 और 12, ग्राम-मूंडका, विल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।।, नई दिल्ली

सारीख: 15-3-82

प्रक्य बाइ .टी.एन.एस.,-=====

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नई दिल्ली

नर्इ दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1982

रिदर्गि सं. आई. ए. सी. /एक्यू. /2 /एस-आर-2/7-81/ 5082--अत: मुभ्ते, विमल विशिष्ट,

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-इन के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उन्तित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संस्था कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-होलम्बी खुर्द, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूधी में पूर्ण रूप से यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नहीं दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देष्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंकी किसी बाब या किसी धन या बन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जवा था या किया जाना जाहिए था छियाने में स्विभा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त बाँधनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थातः—

- श्री चिन्ता राम सृपुत्र श्री बलवन्त सिंह नियासी-ग्राम-हालम्बी खुर्ब, दिल्ली बिहाफ औफ श्री स्मैर सिंह मृपुत्र श्री चीराघ सिंह निवासी - सुलतानप्र, दिल्ली (अन्तरक)
- राजधानी मोटर्स प्रा. लि. 2720 लीथेन राड, कश्मीरी गेट, दिल्ली द्दारा एम. डी. श्री प्रमोद कामार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी मवधि वाद में समाप्त होती हो, के मीत्र पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय हवारा?
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवव्यं किसी अन्य व्यक्ति दूवारा अधाहस्ताक्री के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 हिस्से भूमि का क्षेत्र 24 बिघे और 10 बिश्वे, ससरा नं. 31/17, 18, 23, 24, 53/3 और 4, ग्राम-होलम्बी खुदं, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (मिरीक्षण) अर्जन्रॉज-।।, नर्हे दिल्ली

तारीख: 15-3-82

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, नर्दा दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्द्दं. ए. सी. / एक्यू. / 2/एस-आर-2/7-81/4995—अतः मुभे, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-साहिबाबाद दौलतपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपागव्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जुलाई 1981

को पूर्वेक्ति सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

1. श्री दलेल सिंह सुपुत्र श्री हरफुल, निवासी-ग्राम-साहिबाबाद दॉलसपुर, दिल्ली (अन्तरक)

 श्री सुधीर चंद एण्ड क., कटरा साहनसाही, चांदनी चौक, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अूर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) ६ स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिर अब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुची

कृषि भूमि 7 बिघे और 6 बिश्वे, खस्रा नं. 37/14/2, 17/1, 24/2 और 25/1, ग्राम-साहिबाबाद दौलतपूर, विल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) कर्जन रॅज-।।, नर्झ दिल्ली

अतं. अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख : 15-3-82

मोहर

प्रारूप आर्ड. टी. एस. एस.-----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा . 269-ष (1) को अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।, नर्डा दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्दोध सं. आर्ड. ए. सी. 'एक्ष्यू ./2/एस-आर-2/7-81/ 8099—अत: मुभ्ते, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उदत अधिनियम' काहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 98-99, है तथा जा छटा भवानी शंकर, एक मिशन राष्ट्र, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुस्मिनी में और पूर्ण क्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, नारीय जुलाई 1981

को पूर्वीक्त संपित्त के उचित वाजार सूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिन की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निष्ति में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय व्वी बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविशा के लिए. और/शा
- (स) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलियित व्यक्तियों, अधीन :——
12—36GI/82

 मै. बलुजा स्पंक्ट्म प्रा. लि. द्वारा एम-जी-श्री चरन अधार बालुजा, ई-1, भन्ड वालन एक्सटेन्शन, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री कम्ल नराषण कप्र, 1330-ए, चान्दनी चौक, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रय्क्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूस्ची

प्रो. नं. 98-99, क्षेत्रफल 15 वर्ग गज, छना भवानी शंकर, चर्च मिश्चन रोंड, दिल्ली।

> विमल व**शिष्ट** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयेकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, नहीं दिल्ली

नारीख: 15-3-82

माहर:

प्ररूप आर्ड्, टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रॉज-१।, नर्झ दिल्ली
नर्झ दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू./2/एस-आर-2/7-81/ 4893—अत: मुभ्ते, विमल दक्षिष्ट,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संस्था कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बुरारी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के उधीन, तारील जुलाई 1981

को पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रित्फल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य म कमी करने या अससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के बिए;

अन्तः अन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

 श्रीमती राज रानी पत्नी कृशन कामार, निवासी 817, मुक्त जी नगर, दिल्ली

(अन्तरक)

 श्री मुधीश कुमार गुप्ता सुपुत्र श्री आर. सी. अग्रवाल निवास-4869/24, अंसारी रोड, दरिया गंज, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितं- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भृमि 19 बिघे समरा नं. 430/3, ग्राम-बुरारी, दिल्ली।

विशल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, नद्दो दिल्ली

तारीब : 15-3-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, नहाँ दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी. / एक्यू. / 2/एस-आर-2/7-81/8126—अत: मुभ्ने, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संस्था 4598-12वी है तथा जो दिरिया गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जुलाई, 1981

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अम्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बाम्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने दें सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

- श्री धरम पाल मोला, श्रीमती दंबी रानी गोला निवासी 4598-12बी, दरिया गंज, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्रीमतो निलम सचदेवा पत्नी विनोद क्मार सचदेवा निवासी 295, डी. एस. न्य् राजीन्दर नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

एक कमरा ग्राउंड फ्लोर पूर्व की तरफ प्रो. नं. 4598-12बी, क्षेत्रफल 407.96 वर्ग गज, दरिया गंज, दिल्ली।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी महायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।।, नई दिल्ली

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :----

तारीख: 15-3-82

माहर :

प्रूप आई. टी. एन. एस ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, नर्ह दिल्ली

नर्झ दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी./एक्य./2/ π स-आर-1/7-81/8193--अतः मुक्ते, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं और जिसकी संस्था 5126-2, ही तथा जो एस/मंडी, हरफूल सिंह बिल्डी ग, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-मूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्ष दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, तारील जलाई 1981 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम से कम दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिएः और/या—अन्य/या
- (स) एंसी किसी आय किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्मरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीभ निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- मं. लक्ष्मी सोप फीक्टरी, व्वारा इट्स पार्टनर्स, निवासी-डी-11/2, मोडल टाउन, विल्ली (अन्तरक)
- श्री कान्ता प्रसाद गृथ्ता, विभल क्यांभार गृथ्ता सृपृत्र श्री गंगा शरण और मनभाहन क्यांभार सृपृत्र श्री आर. के. जीन्दल, निवासी-5ए/5, दरीया गंज, नृद्धि दिल्ली

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सपत्ति के अर्जन के लिए एत**र्**-दुवारा कार्यवाहियों कारता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं. 5126/2, एस/मंडी हरफाल सिंह बिल्डीग, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, नद्दी दिल्ली

न्।रीख: 15-3-82

माहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजीन र ज-।।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिसक 15 मार्च 1982

चिद्र*श स आइ ए सी /एवयॄ 2/एस-आर-। ⁷7-81 8170—-अत स्कें, विमल र्राइप्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स्न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या 578, है तथा जा वर्तमान न 1052, कचा नटचा, चान्दनी चौटा, मा स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुम्ची मा पूर्ण रूप सा वर्णित है), रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के व्यर्थालय, नई (दल्ली मा रिजम्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जलाई 1981

को पूर्वाक्स सम्पिति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गर्ड हैं और मुभे यह विश्वास जरून का के ए हैं । के या गर्वाचित सर्पात्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भे स्विधा के लिए;

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियो, अर्थात्:—— । श्री इश्वर दास खना सूप्त्र श्री हरी राम, ई-21, नविन सहदरा, विल्ली

(अन्तरक)

2 श्रीमती मजु काँशाव पत्नी श्री आतम परकाश निवासी 1088, कांचा नटका, चान्दनी चौक, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में रिया गया है।

अन्सूची

पुराना प्रा न 578, वर्तमान प्रा न 1052, क**्सा** रुटया, चान्दनी चौक, दिल्ली, 196 वर्ग गज-एरीया ।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-११, नई दिल्ली

तारील 15-3-82 मोहर: प्ररूप भाई० टी• एन• एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 15 मार्च 1982

निर्दाश स आई ए सी /एक्यू /2/एस-आर-2/7-81/ 4870—अत मुभी, विमल विशिष्ट,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० मे प्रधिक है

और जिसकी संस्था कृषि भूमि है तथा जो मुडका, दिल्ली में स्थित है (और इसस उपादद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिअस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीय जुलाई 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के नृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बधापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पग्द्वह प्रतिक्रत से अधिक है जोर प्रन्तरक (धग्तरकों) और प्रन्तरिती (खंतरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त घग्तरण निखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए। भीर/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी पन या ग्रन्य भास्तियों को,
 जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या अक्त भिधितियम,
 या बन-कर प्रिधितियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती हारा प्रकट नहीं
 किया गया या या किया जाना चाहिए वा,
 खिपाने में सुविधा के सिए;

भ्रत। भ्रम जन्त मिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात ६——

श्री दरीयाओं सिंह सुपुत्र श्री छतर, निवासी ग्राम -मुडका ,दिल्ली राज्य दिल्ली

(अन्तरक)

2 श्री करतार सिंह सुपुत्र श्री राम सिंह एण्ड अदर्स, निवासी-16/31, पंजाबी बाग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उका सम्पत्ति के प्रजैन के सबध में कोई भी भ्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल हे 20 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पच्छीकरणः-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनयम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थहोगा, जो उस प्रध्याय में वियागया है।

अनुसूची

कृषि भूमि का क्षेत्र 10 बिघे और 6 बिघवे, ससरा न 64/7, आउट औफ 1 बिघा और 16 बिघवे, 8, 13, 14, आउट औफ 4 बिघे और 16 बिघवे, ग्राम-मृडका दिल्ली राज्य दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-ा ≀ , नर्हा दिल्ली

तारील 15-3-82 माहर . प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.------

आथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, नर्झ दिल्ली

नर्क दिल्ली, दिनाक 15 मार्च 1982

निर्वोश सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू./ 2^{\prime} एस-आर-2/7-81/5029—अतः मुक्ते, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बुरारी, दिल्ली में स्थित है (और इसम उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकार्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जुलाई 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का (अंतिरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल, निम्नलिखत उद्दश्य से उक्त अन्तरण निक्ति मे वास्तिवक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाअत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अखने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) को अधीन, निम्निकितिक व्यक्तियों, अर्थात्:—--

राधं ग्याम मृपृत्र श्री बलराम, निवासी ग्राम-ब्रारी, दिल्ली

(अन्तरक)

श्रीमती क्लीशल्या आह्जा पत्नी डी डी. आह्जा, निवासी-डी-इ'/93, टौगोर गाडॉन, दिल्ली (2) टाहल चन्द निवासी-बी-इ'/13, टौगोर गाडॉन, नई दिल्ली (3) शक्तलला आह्जा निवासी-बी-एफ/13, टौगोर गाडॉन, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्राम-बुरागी, दिल्ली।

ितस्य विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी महायक आयकार आय्वत (निरीक्षण) अजीन रॉज-।।, नट दिल्ली

तारी**ख** 15-3**-82** माहर: प्ररूप आइ⁵.टी.एन.एस.-----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नर्हा दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्ड ए. सी./एक्य्./2/एस-आर-2/7-81/ 4830—अत: सुभी, विश्वल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गम-पालम, नई दिल्ली मो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची मो पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली मों रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक ज्लाह 1981

को पूर्वोक्त सम्पित्न के उचिन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण तिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों., मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

शी रिजळ राम मुण्ड श्री भारतु, सजन सिंह स्प्त श्री डागर, जनरल अटारनी श्री छांट और राम प्रसाद सुपुत्र श्री हीरा बदन सुण्ड श्री लाला म्यतीयार सिंह सुपुत्र भरतु और मिर सिंह रिजल स्प्त्र श्री काल्, निवासी-ग्राम-पालम, नर्झ दिल्ली।

(अन्सरक)

 श्री मुशील कपुर सुप्य श्री ज. आर. कप्र, बि. के, महरा सुपुर गगा राम श्री सुभाश चन्दर सुपुर केवल किशन, निवासी ए-बी, साउथ एक्सटनेशन, भाग-1, नई दिल्ली

(अन्तरिसी)

को यह स्चना भारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपरित में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिशाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 10 बिरुटे, राम-पालम, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, नई दिल्ली

न्।रीय: 15-3-82

तकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, नद्दी दिल्ली

नर्इ दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्वोश सं. आई. ए. सी. $\frac{1}{7}$ एक्यू. $\frac{1}{2}$ एस.-आर.- $\frac{1}{7}$ - $\frac{1}{81}$ $\frac{1}{8141}$ — अतः मुक्ते, विमल विशिष्ट,

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000; रुपये से भिक्षक है

और जिसकी सं. एल-48 है, तथा जो किर्ती नगर, नह दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नह दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, तारीस जुलाई, 1981

को पूर्वोक्स संपरित के उमित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उमित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकत में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पर्वह प्रतिशत से प्रधिक है पौर अन्तरक (प्रश्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल. निम्नलिखन उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखन में बास्त विक इप से कियन नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के मधीन कर देने के मस्तरक के वायस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के विष्: भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या यनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिनाने में मुविधा के लिए।

श्रतः अत्र, उत्रत श्रांत्रनिग्रम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन विस्तृत्विखित उपक्तियों, अर्थात् :— 13—36GI/82 श्री सोहन सिंह और सज्जन सिंह सुपुत्र श्री अतर सिंह, निवासी एल-48, किर्ती नगर, नई विल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री राज कुमार खेरा सुपूत्र श्री सैन दीती मल., निवासी एच-70, किर्ती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी भारतप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपर्तित में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

प्रो. नं. एल-48, 200 वर्ग गज, किर्ती नगर, नर्द विल्ली।

विमल विशिष्ट मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र⁵ज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारील : 15-3-1982

प्ररूप आर्इ . टी . एन . एस . ------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्दाश सं. आर्ड. ए. सी. एक्य्./2/एस.-आर.-2/7-81/5089--अतः मुक्ते, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परवात 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), कि धारा 269 - ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक **है** और जिसकी सं. कृष्टि भूमि है, तथा जो ग्राम बुरारी, विल्ली में

स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमुची में और पूर्ण रूप से यर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

जुलाई, 1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उदवंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर **अधिनियम, 1957** (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने मो स्विधाके लिए;

अन्तः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात: ---

- 1. श्री मोहिन्दर सुपुत्र श्री ज्ञानी, निवासी ग्राम पो. बुरारी, दिल्ली, जनरल अटारनी श्री हरी चन्द और अर्जुङ सिंह सुपुत्र श्री ज्ञानी राम, निवासी ग्राम ब्रारी, दिल्ली।
- (अन्तरक) 2. श्री ठकर दास स्पृत्र श्री भजन राम, निवासी स्ट्रीट नं. 9, मोहला कमलपुर, जलन्दर राड, हारियार-प्र, पंजाब।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परितः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

कृषि भूमि 1 बिद्या और 5 बिस्के, ग्राम बुरारी, दिल्ली।

विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जर रॉज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीब : 15-3-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रॉज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.-2/7-81/4827—-अतः मुभ्ने, टिमल विशिष्ट,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम बुरारी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जुलाई, 1981

का पृतिकत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के वनुसरण भं, मंं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) अं अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—→ 1. श्री नरीन्धर कुमार आहलुवालीया मुपूत्र फुल चन्द आहलुवालीया, निवासी सी-84, शक्ति नगर एक्स-टेन्शन, दिल्ली, द्वारा श्री एस. एस. लुथरा सुपूत्र श्री गुरदीत सिंह, निवासी एफ-1/22, माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. (1) श्री एस. पी. सिंह सुपुत्र श्री प्रीतम सिंह, (2) श्री वि. के. अरोरा सुपुत्र श्री अमर नाथ, (3) श्रीमती जसवन्त कोर पत्नी अमरजीत सिंह, निवासी एऊ-1/22, माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की सारीख में 45 दिन की अविधिया तृत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारः अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्होगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में एरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 1 किथा, लस्रा नं . 775, ग्राम ब्रारी, दिल्ली।

विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारौ सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॅंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 15-3-1982

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, नई विल्ली नई विल्ली, विनांक 15 मार्च 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी. /एक्यू. /2/एस. -आर. -2/7-81/5047—अतः मुफ्ते, विमल विशष्ट, धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि हैं, तथा जो ग्राम पालस, नर्द विल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्द दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल तिम्नलिखित उद्देश्य से उका प्रत्नरण विखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उनत मिश्च-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के स्थीन, निम्नुसिख्त व्यक्तियों अर्थात्:——

- श्री मिर सिंह सुपृत्र श्री पतराम और जो. ए. मब-राम, लची राम सुपृत्र श्री बिहार सिंह और हासीयार सिंह सुपृत्र भरतु, नियासी ग्राम पानम, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- श्रीमती स्नंह नरुला पत्नी श्री बी. डी. नरुला, निवासी बी-1-602/ए, जनकपुरी, नई दिल्ली। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्गर के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षीप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की धवाध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्वोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रद्ध्याय 20-क में परिकाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 1 बिघे और 17 बिख्वे, खसरा नं. 84/23, ग्राम पालम, नई दिल्सी।

विमल विधिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 15-3-1982

मोहर 🛭

प्रक्रप आई० टी∙ एन∙ एस०—

श्रायकर भिव्यतियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-भ (1) के स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, नहीं दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मार्च 1982

निद्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./2/एस.-आर.-1/7-81/8102—अतः मुक्ते, विमल विशिष्ट, आयक्तर मिलियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क॰ से मिश्व है

और जिसकी सं 3/7 है, तथा जो इस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरित (अन्तरित में) और अन्तरिती (अन्तरित में) के बीव ऐसे अन्तर में लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन उद्देश में उचन अन्तर में लिखन में बास्तिव क्या से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या सससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती विरन बाई विधवा पत्नी श्री राम असरा प्रो. नं. 3/7, इस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली द्वारा श्री जगदीश चन्दर सृपृष्ट श्री खैराती राम, निवासी जे-8/ 77-बी, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जतीन्दर काँर विधवा पत्नी श्री हरमिन्दर मिहं निवासी 3/7, इस्ट पटेल नगर, नर्ड दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसम प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो जनत अधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही धर्य होगा, जो उस श्रध्याय में विथा गया है।

अनुस्ची

लिज होल्ड प्रो. नं. 3/7, इस्ट पटेल नग्र, नर्श दिल्ली।

विमल विशष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रॉज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

तारीख: 15-3-1982

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायहर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नक्षे विल्ली, विनांक 15 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी. /एक्य्. /2/एस. -आर. -1/7-81/8124--अतः मुभ्ते, विमल विशिष्ट, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारग है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ह्पये से ग्राधिक है और जिसकी सं. इ./56 है, तथा जो किर्ती नगर, ग्राम बसइ वारापुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, नर्ह दिल्ली मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1981 को पूर्वेक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मृल्य से कम के दुश्यभान प्रतिकत के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है ग्रीट भ्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर भ्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तर पारा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उनन घन्तरण निखित में वास्तविक रूप मे कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में दुई किमी आय की बाबत उक्त श्रीध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या जिसी धन या अस्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ब्रायकर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 हा 11) या उक्त ब्रिधिनियम, या अनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या हिया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

 श्री कृदन कुमार नारंग सुपृत्र एल. श्री ब्लाकी राम नारंग, ए. जी. देस राज द्यमां, निवासी जे-9/6 र् राजोरी गांडाँन, नृद्ध दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री बंद प्रकाश और देवि बाई, निवासी ई/56, किर्दी नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का शह सूचना जारी करके पृषा कित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख में 4.5. दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के प्रक्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उत्त ग्रह्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान प्लाट नं. इ/56., 300 वर्ग गज, किली नगर, ग्राम≉ बसइंवारापुर, दिल्ली।

> विमल विशिष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज-2, दिल्ली, नर्झ दिल्ली

तारीख : 15-3-1982

प्ररूप आइ1.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्जा-।।, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 मार्च 1982

निर्देश सं. ए. सी. /र्ज-IV /कल/1982--अंतः मुभ्ते, के. सिन्हा,

नायकर आँधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. पी-68ए हैं, तथा जो सी. आई. टी. नं. में पांच एम.), कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस. आर. ए., कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिक नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-7-81 को पूर्वोक्त सम्पत्तिः उचित बाजार मूल्य से कम. के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करें। का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय भाग गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उकत अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क्यं) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :---

1. श्री सुरदेवर साहा तथा अन्य।

(अन्तरक)

2. श्री नारायण चन्द्र दास।

(अन्तरिती)

3. संध्या साहा।

(वह ध्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त सिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं [1]

अनुसूची

116.79 वर्ग मीटर जमीन सकान समेत का 3/20 अंश, जो पी-68ए, सी. आईं. टी. स्कीम नं.-VII (एम.) थाना मानिकतल्ला, कलकत्ता-54 में स्थित है।

के. सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।।, कलकसा-16

तारीख : 1-3-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, कल्कता

कलकत्ता, दिनांक 3 मार्च 1982

निदांश सं. ए. सी.-92/रॉज- IV /कल/1981-82-- यतः मुक्ते, के. सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं. 4 है, तथा जो रत्न हाल्दार लेन, हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्री- करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 30-7-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का प्रन्तुह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- ्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थातः— 1. श्री हरी प्रसाद म्रारका।

(अन्तरक)

2. मेसर्स आंदाल फेबरीकेटर्स (प्रा.) लिमिटांड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्यव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गुंबा हुंगें।

अनुस्त्री

जमीन ¹ शोधर, 1 बिघा 2 कट्टा मकान सहित, पता : 4, रत्न हालदार लेन, लिलुआ, जिला-हावड़ा। दास्तवेज नं 6037 का 1981।

> के. सिन्हा सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन र[ो]ज-।।, कलकक्ता-16

तारीख : 3-3-1982

मोहरः

प्ररूप आई'० टी० एन० एन० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रौज-।।, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 5 मार्च 1982

निर्वोश मं. ए. सी.-55/आर.-।।/कल./81-82--यतः मभ्ते, के. सिन्हा,

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चान् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 8ए हैं, तथा जो बर्दधान रांड, कलकता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, आर. ए. कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 6-7-1981

को गूर्वेक्स संपित्त को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिष्ठल को लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वेक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिष्ठल का पन्द्रह पंद्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतर्क (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्ति में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:-~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्स अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुजिशा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयळार अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उनन अनिसंस्थम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 14---36GL/82

श्रीमती कृष्णा दंवी बजाज और अवर्स।
 (श्रन्तरक)

2 . कबारी प्रा. (लि.)। (भ्रन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्स) इस सूचना के राजपय में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्ष्ररी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित रू⁵, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन 13 क. का $1^{1/4}$ हिस्सा, मकान नं 80, बर्दवान रोड, कलकता।

के. सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (दिरीक्षण) अर्जन रज-।।, कलकता-16

ता**रीख** : 5-3-1982

प्ररूप आई टी एन एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।, कलकत्ता

कलकत्ता 16, दिनाक 5 मार्च 1982

निर्दोश स ए सी 56/आर -।।/कल 81-82---- स्मे, के सिन्हा,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थार सपत्ति, जिस्का उचित बाजार मूत्य 25,000/- रु स अधिक है

और जिसकी म 8ए हैं, तथा जो बर्दबान राष्ट्र, कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमन्दी मा और पर्ण रूप स्विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर ए कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 6-7-1981

को पूर्वोकत सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफरा के लिए उन्तरित की गई हैं और सभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सपित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिकृत स अधिक है और अतरक (अतरको) और अतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया चुंबा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिविश्य में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सूविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए,

- । श्रीमती भगवान दांबी लाधा और अदर्स। (श्रन्तरक)
- 2 कबारी प्रा (लि.)।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्येक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सबध में काई भी आक्षेप --

- (क) इस स्चना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृथितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण —-इसम प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ हागा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बर्ग सची

जमीन 13 क का 1 ∕4 हिस्सा, ∓कान न 8ए, वर्दवान राइ, कलकत्ता।

> के सिन्हा सक्षम प्राधिकारो महायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, कलकत्ता 16

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अपीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात —

तारीक 5-3-**1982** सहर प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 9 मार्च 1982

निवर्षे मं टी. आर.-110/81-82/एस. एल. नं. 606/1 ए सी./एसीक्यू. आर.-।/कल.—यत म्भें, एम. अहमव,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. सं अधिक है

और जिसकी सं फ्लैंट न. 2ए हैं, तथा जो 5ए, रिबन्सन स्ट्रीट, कनकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अम्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 18-7-1981

को पूर्वेक्स सम्पित्त के उचित बाजार मुख्य स' काम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पित्त का उचित काजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पद्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल कि निम्निलिसित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिषक का से कि शित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी अपने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आए ए दिसी धन मा अन्य अधिन्य। की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम, क्ष्मी धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) अधीन, निम्निणिकित व्यक्तियों, अर्धातः—

- 1. श्री गनेसलाल प्राचीत्तमदास, एच यू. एफ । (भ्रन्तरक)
- मेसर्स जट एज ट्रांडिंग कम्पनी लिमिटाड। (अन्तरिती)
- 3. श्रीमती उमा देवी।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग म सम्पत्ति है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस- कक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए आ सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

5ए, रिबन्सन स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित मकान का फ्लैंट नं. 2ए जो 18-7-81 तारील में डीड नं. 1-6004 अनुसार रिजस्ट्रार आफ इन्श्रानेस्, कलकत्ता के दफ्तर में रिजस्ट्री हुआ है।

एस. अहमद मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र[ो]ज-।, कलकत्ता-16

तारीख : 9-3-1982

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजिंग्रॉज-।, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 9 मार्च 1982

निर्दोश सं. टी. आर.-229/81-82/एस. एल. न 608/1 ए. सी./एसीक्यू. आर.-।/कल.--यतः मूफे, एम अन्यवः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. 5 ही, तथा जो ब्लाक मैन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित ही (और इससे उपाब्द्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-7-1981

को पूर्वेदत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफार को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने के कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित महन, उसदी दश्यमान प्रतिफार से एम दश्यमान प्रतिफार के 15 प्रतिशत संअधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अति रितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफार निम्निकित उक्वेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स आभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकार आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिन्धा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री अकबर अलि।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कामार चन्द्र।

(अन्तरिती)

3. (1) श्री महम्मद इंद, (2) प्रसंस एण्ड प्रिन्ट (प्रा.) लिमिटेड।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोह्म्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

रण्ड्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

5 ब्लाकमैन स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित 4 कट्टा, 6 छटाळ, 8 बर्ग फिट जमीन पर मकान जो सब-रजिस्ट्रार आफ इन्ध्रुरोन्स, कलकत्ता के दफ्तर मो डीड नं. 5825 अनुसार 13-7-81 तारीख मो रजिस्ट्री हुआ।

> एम`. अहमव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, कलकत्ता-16

तारो^क · 9-3-1982

प्रकप बाहाँ. टी. एत. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-।, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 मार्च 1982

निर्दोश सं. टी. आर.-103/81-82/एस. एल. 607/ आर्ड. ए. सी. //एसीक्यू. आर.-। कल.—यत: मुक्तं, एम. अहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 259- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 52 है, तथा जो ओयंस्टन स्ट्रोट, कलकत्ता में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-7-1981

को प्रांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्भे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल जिम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्ति विक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :---

1. श्रीमती बिन्द् बासिणी गृर्हन।

(अन्तरक)

2. मिसंस आमिना सिद्दोक आर से मीणा जालाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्इना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सभ्यन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में म किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

52 ओयंस्तन स्ट्रीट, कलकत्ता मो अब स्थित 3 कट्टा, 4 छटाक (लगभग), जीमन पर दो तल्ला मकान जो 8-7-81 तारील मो जीड नं 5726 को अनुसार रिजस्ट्रार आफ इन्श्रान्स को दर्भतर मी रिजस्ट्री हाआ।

> एम. अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, कलकत्ता-16

तारीख : 10-3-1982

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 मार्च 1982

निर्देश सं. टी. आर.-।।/81-82/एस. एल. 605/ आर्इ. ए. सी./एसीक्यू. आर.-।/कल.--यतः मुक्ते, एम अहमद,

अहमद,
प्राप्तर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे उसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कर गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.200/- रुपये से प्रधिक हैं और जिसकी सं. 27 ही, तथा जो रोलयन्ड रोड, कलकत्ता मास्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप स्विणित हैं),, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता मोरिजस्ट्रीटिंगरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 18-7-1981

को प्रोंक्त गम्पित के उचित बाजा मूल्य म कम के दश्यमान प्रिति कल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तव प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकष्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्रीमती क्म क्म मुखर्जी।

(अन्तरक)

2. भेसर्स ओयाई टावरर्स (प्रा.) लि.।

(अन्तरिती)

3. मि: राम रंखा जुनेजा।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:---

- (क) इस मूखना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचता के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब
 किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पाम
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्हीकरण: इसमें प्रयुक्त गब्दों धीर पदा का, जा उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही क्षर्य हाना, जा उस प्रध्याय में दिया गया है।

अतसची

27 रोलगन्ड रोड, कलकत्ता में अबस्थित, 7 कट्टा, 14 छटाक जिसर पर दो तल्ला मकान जो 18-7-81 तारीख भे रिजस्टार आफ इन्स्र्रेन्स, कलकत्ता के विभेतर में डीड र्न. 6029 अनुसार रिजस्ट्री हुआ।

एम. अहम्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्ष्ण) अर्जन रोज-।, कलकत्ता

तारील : 10-3-1982

प्रकप आई.टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **भारा 269-ज** (1) के अधीन सूचना

शास्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 मार्च 1982

निर्दोश ग टी. आर.-108/81-82 एस. एल ग. 609/ आर्ड. ए. सी. एसीक्यू आर.-1/कल —-यत मफे, एम. अहमव,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चान 'उकत अधिनियम' कहा एया है, की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसक उचित वाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिमकी सं. । ए, प्लाट नं. है, तथा जो 5ए, रिक्सिन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विपित है), रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के व्यर्थालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर, तारीस 20-7-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यपान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हाई किसी आयकी बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1 श्री गणेशकाल प्रावासमदास, एच. इ. एफ.। (अन्तरक)
- श्री रिविशकार भ्रानभाना आर् भाज्य भाज्यभान-वाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उथत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में रामाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

रणध्टीकरण:--इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

5ए रिबान्सन स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित में मान का प्लाट न 1ए जिसका आयान 1636 वर्ग फिट है और जो 20-7-81 तारीक में डीड न. 8991 अनुसार राजस्ट्री आफ इन्ह्युन्स के दफ्तर में रिजस्ट्री हाआ।

एम . अहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज-।, कलकत्ता-16

नारीख: 10-3-1982

प्ररूप आर्च. दी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, कलकामा

कलकत्ता, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्दोश सं. टी. आर.-96 81-82/एस. एल. 610/ आर्ह. ए. सी./एसीक्यू. आर.- ℓ कल.--यत: भूभे, एम. अहमद,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'जिक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. 90ए हैं, तथा जे भदन मोहन बर्मन स्ट्रीट, कलकत्ता में म्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 2-7-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्दह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक करण से किथित में वास्तरिक करण से किथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी अगय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरिनयां कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-ग के अनुसरण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—— ।. श्रीप्रापटीं जप्राः लि.।

(बन्तरक)

2. बैतृल भल केला बागान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम ,के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

90ए, सदर में हन वर्मन स्ट्रीट, कल्कात्ता में अब स्थित 12 कट्टा, 1 छटाक, 10 वर्ग फिट जिमन पर 2-7-81 तारीख में रिजस्ट्रार आफ इन्स्रारन्स का दफ्तर में डीड नं. 5482 अन्-सार रिजस्ट्री हाआ।

> एस. अहमद भक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, कलकत्ता-16

नारीख: 15-3-1982

प्रकृप आई० टी॰ एन॰ एस॰

आयकर अधिनिस्म, 196। (196। का 43) की **बारा** 269 थ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।।, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 मार्च 1982

निवर्षेक्षः सं. रफे. नं. 1042/एमीक्यू. आर.-।।।/81-82---यतः मुक्ते, एस. अहमद, श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

इसक पश्चात् 'उकत अधानयम' कहा गया ह), का धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी हो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क • से अधिक है

और जिसकी मं. 10-बी है, तथा जो प्रमथेश बरुया सरनी, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-7-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रम्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि थयापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रम्तरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य ते उक्त अन्तरण निख्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत छवन अधिनियम के प्रधीन कर देमें के अक्तरक के दाविश में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनः अन, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अथीत् :--- 15—36GI/82

1. श्री समेश राइ साइगल।

(अन्तरक)

2. श्री आश धडि।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारा करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तक्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर छक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखि । में किए जा संकेंगे।

स्मष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बाधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

10-बी, प्रमथेश बरूनी सरनी, कलकत्ता, जमीन साथ मकान।

> एम. अ**हम्य** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।।।, कलकत्ता-16

त्रारीच : 17-3-1982

प्ररूप आहूर, टी. एन. एस.---

1 श्रीसम्बराइ साइगल।

(अन्तरक)

आयकर अभिनियम, 196! (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अभीन सचना 2 श्री म्रिन्दरसि।

(अन्तरिती)

भारत सरतार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।।, कलकत्ता

कलकता, दिनांक 17 मार्च 1982

निर्दोश सं राफ न 1043/एमीक्यू आर -।।। 81-82—स्त मुफ्ते, एकः अहस्द,

सायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षफ प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपिति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- स अधिक है

और जिसकी सं 10-वी है, तथा जो प्रमथेश बरुया सरनी, कलकत्ता मा स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची मा और पूर्ण क्ष्म से वर्णित है), रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकता में रोजस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) है अधीन, तारीब 23-7-1981

को पूर्वोक्त सपित के उणित बाजार मूल्य स कम के इश्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफी यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत में अधिक है और अन्तरिक (अतरिकों) और अतिरित्ती (अन्तरितियों) ये बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-फल किमनितिषित सद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, श्रिपान में स्विधि के लिए,

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, है, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियन व्यक्तियों, अर्थात :---

को यह मूचना जारी करके पृत्रांकित मम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध विज्ञी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के णस लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण.—हसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया हैं।

अनुसुची

10-वी, प्रमथेर बरुत्या सरनी, कलकना, जिस्त साथ भकान।

> एम अहम्द सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।।, कल्कना-16

तारील 17-3-1982 मांहर प्रस्प माई• टी• एन•एस•----

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-घ (1) समधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, भाषाल

भाषाल, दिशाक 15 मार्च 1982

निर्देश सं. आर्झ ए. सी. (अर्जन) 2393-- अट. सूभ्कें, द्वाप्रिय पन्तः,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृ्ह्य 25,000/- इ० से प्रधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 3 है, तथा जा शकर नगर कालीनी, इन्दार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मा और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दार में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 10-7-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रांदश्य से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किमो याण की वादत, जबन ग्रधि-नियम के अधीत कर देने के अन्तरक के वायिस्त में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रस्त प्रोस्त यो को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

म्रत्या सब, उपत मिसिनियम की बारा 269-ग के मनुसरण में, में,, उपत मिसिनियम की बारा 269-म की उपवारा (1) के अधीन निम्नतिश्चित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) डा. लीलाध्र पुत्र नारायणजी, निवासी 152, इमली बाजार, इन्दौर, (2) श्री मुरक्के पुत्र नारायणजी निवासी ग्राम खजराता, (3) श्री नरक्कः पुत्र नारायणजी, निवासी ग्राम खजराता, (4) श्रीमती मीरा बार्झ पिता शंकर लालजी, निवासी 6., कानूनगो, वाखल, (5) श्रीमती लीलाबार्झ विधवा शकरलालजी, निवासी 6, व्यानृतगो, बाखल, (6) मनाज कुमार पुत्र रमश ब्युमार, 152, इमली बाजार, इन्दौर। (अन्तरक)
- 2 श्री होमन्त कामार पृष्ठ निराजन लाल जैन, 132,, जाक्षरा कम्पाउन्ड, इन्दौर, (म. प्र.)। (अन्तरिती)

की यह सूचना जारो कर*क* पूर्वीका सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की शारीख में 45 दिन हो अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना ही तामीन से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में में किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अप्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखिन में किए जासकोंगे।

ह्यब्दीकरण !--इसमे प्रयुक्त शब्दो सीर पदों का, जो उक्त सिक् नियम, के अहयाय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया ह।

अनुसूची

शंकर नगर कालौनी स्थित प्लाट नं . 3 , क्षेत्रफल 2400 वर्ग फुट (सुला प्लाट)।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

ता्रीस : 15-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्क (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मार्च 1982

निद्यां सं आर्ड. ए. सी. (अर्जन)/2394——अतः म्र्रेभे, बेदिप्रिय पन्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

25,000/- रा. स जायन हु और जिसकी सं. प्लाट नं, 6 है तथा जो शंकर नगर कालौनी, इन्दोर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण

रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 10-7-1981

को पूर्वोक्त सन्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितिबों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, सकत अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रत: ग्रव, उक्त श्रीधिनियम की धारा 269-ग के सनु-मरण में, में, उक्त श्रीधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रीम, निम्नलिखितव्यक्तियों; श्रीर्यात:—

- 1 (1) डा. लीलाधर पुत्र नारायणजी, निवासी 152, इमली बाजार, इन्दौर, (2) श्री मूरेश पुत्र नारायणजी निवासी ग्राम बजराना, (3) श्री नरेश पृत्र नारायणजी निवासी ग्राम बजराना, (4) श्रीमती भीरा बाई पिता शकर लालजी, निवासी 6, कानूनगो, वाखल, (5) श्रीमती लीलाबाई विध्वा शंकरलालजी, निवासी 6, कानूनगो, वाखल (6) श्री मनाज क्मार पृत्र रमेश कुमार, 152, इमली बाजार, इन्दौर। (अन्तरक)
- श्रीमती सौरभलता जैन पत्नी कोर्ति कुमार जैन, 132, जावरा कम्पाउंड, इन्दौर, म. प्र.। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रविधिया तस्संबंधी क्यांक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यांक्त द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोह्स्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्योधारण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर वदों का, जो जकत प्रविनियम के प्रध्याय 20-क में वरिधाणित हैं, बही पर्य होगा जो उस प्रध्याय में विवा गया है।

अनुसूची

र्शकर नगर कालौनी, इन्दौर स्थित प्लाट नं. 6 जिसका क्षेत्रफल 2400 वर्ग फुट है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपास

तारीख: 15-3-1982

प्रकप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰---ग्रायकर ग्रीवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, भोपाल

भोपाल, दिनोक 15 मार्च 1982

िनर्दाश सं. आर्द्धः ए. सी. (अर्जन).∕2395—–अतः सूक्ते, दोवप्रिय पन्त,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 18 है तथा जो शंकर में नगर कालीनी इन्बीर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 10-7-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्षल के लिए अन्तरित को गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल ने ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और अग्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक जिल्लाक विश्वास में जास्तिक रूप में कथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त पश्चित्यम के प्रधीत कर देने के अन्तरक के द्रायिश्व में इसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती जारा प्रकट नहीं किया गया याया किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:——

- (1) डा. लीलाधर पुत्र नारायणजी, निवासी 152, इमली बाजार, इन्दार, (2) श्री सुरोक पुत्र नारायणजी किवासी ग्राम सजराना, (3) श्री नरोक पुत्र नारायणजी किवासी ग्राम सजराना, (4) श्रीमती मीरा बार्ड पिता शंकर लालजी, रियासी 6, कानूनगो, वासल, (5) श्रीमती लालाबार्ड विधवा शंकरलालजी, नियासी 6, कानूनगो, वासल (6) श्री मनोज कुमार पिता रसेश कुमार, 152, इमली बाजार, इन्दार। (अन्तरक)
- श्री गोगेश पिता श्री बृजलाल जी भाटिया, नं 11, एच आर्झ. जी कालौनी, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में अकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की भविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपडटीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही धर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शंकर नगर कालौनी स्थित प्लाट नं 18 पर क्षेत्रफल 2640 वर्ग फुट का खुला प्लाट, इन्दौर।

> देवेप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

तारी**ल** : 15-3-1982

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जान रज, भापाल

भोपाल, दिनाक 15 मार्च 1982

निदर्देश सं आर्द्धः ए. सी. (अर्जन)/2396—-अतः म्भे, देवेशिय पन्तः,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रक्ष्वात् 'उक्क अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वा वार मृत्य 25,000/- दें से प्रधिक है

और जिसकी स. प्लाट नं 14 है तथा जो शंकर नगर कालौनी, इन्दार मा स्थित ही (और इसमें उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दार में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10-7-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृश्यपान प्रतिफल के लिए अग्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का क(रण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार म्हण, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का पन्द्रह प्रतिशत से भ्रष्टिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अग्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन छद्देश्य से उक्त पन्तरण लिखित में बास्तविक क्या से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर वेने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धाग 269-ग के, अनुसरण में ,में, उक्त अधिनियम की धाग 269-घ की उपधारा (1) के मुधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) डा. लीलाधर पिता नारायण जी, 152, इमली बाजार, इन्दार (2) सुरोश पुत्र नारायण जी, नि. ग्राम सजराना, तह. इन्दार (3) नरोश पुत्र नारायण जी, निवासी ग्राम सजराना, तह इन्दार (4) लीलाबाई विधवा शंकर लाल जी, 6, जानूनगा बाहल, इन्दार (5) मीराबाई पिता शंकर लाल जी, 6, कानूनगा वाहल, इन्दार (6) मनोज कुमार पिता रमेश कुमार, 152, इमली बाजार, इन्दार, म. प्र.।
- 2. श्रीमती राधा दावी पत्नी नवनीतलाल जी, 3/5, नार्थ राज मुहल्ला, इन्दौर (म. प्र.)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे ।

स्पर्धां करण :--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पर्यों का, जो खबत अधि-निवम के मध्याय 20-क में परिचाधित हैं, वहीं ग्रंथ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

शंकर नगर कालौनी, इन्दौर में प्लाट नं. 14 (सुला प्लाट) जिसका क्षेत्रफल 2630 वर्ग फूट है।

दवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, भोपाल

ता**री**म : 15-3-1982

प्ररूप आई^{*}.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन् राज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्दाक्षि सं. आर्क्ड. ए. सी. (अर्जन) / 2397— अतः मुफ्ते, दोवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा मया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. में अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट न . 15 है तथा जो शंकर नगार कालीानी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10-7-1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में म्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्स्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अभौत्:---

- (1) डा. लीलाधर पिता नारायण जी, 152, इमली बाजार, इन्दौर (2) सूरोब पृत्र नारायण जी, िन. ग्राम लजराना, तह. इन्दौर (3) नरश पृत्र नारायण जी, निवासी ग्राम लजराना, तह इन्दौर (4) लीलाबार्ड विधवा शकर लाल जी, 6, कानूनगा बाखल, इन्दौर (5) मीराग्रार्ड पिता शकर लाल जी, 6, कानूनगा वाखल, इन्दौर (6) मनोज कामार पिता रमश क्मार, 152, इमली बाजार, इन्दौर, म. प्र ।
- श्रीमती चन्द्र कान्ता दाबी पत्नी मुरलीधर जी, 3/5, नार्थ राज मूहल्ला, इन्दिरि। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों एर मूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर संपत्ति में हिातबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकाँगे।

स्पष्टिकिरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

शंकर नगर कालीनी, इन्दौर स्थित प्लाट नं . 15 (ख्ला प्लाट) जिसका क्षेत्रफल 2620 वर्ग फोट हो।

> देवप्रिय पन्तः सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^रज, भोपाल

तारीस : 15-3-1982

प्रकप आई० टी • एन० एस •---

ग्र∤मकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रोज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 भार्च 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. मी. (अर्जन)/2398--अतः मुभ्ने, क्षेत्रिय पन्त,

बायकर अधितियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'उन्त बिधिनयम' कहा गया है); की बारा 269-च के बबीत सबाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारग है कि स्थावर संपत्ति, जिसका छचित वाजार मूल्य 25,000/- र. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 13 है तथा जो शंकर नगर कालौनी, इन्दौर मं स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10-7-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सेकम के बृश्यमान अति फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान शित कन का पन्द्रह प्रतिशत से धिक्त है पौर अन्तरिक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे अभ्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित ने बास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरगसे हुई किसो आय की बाबत खक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में पुविधा के खिए, श्रीर/या
- (अ) ऐसो किसी आय या किसी घन या अस्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिंघनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर भिंध-नियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-न के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) डा. लीलाधर पत्र नारायण जी, 152, इमली बाजार, इन्दौर (2) सुरोश पिता नारायण जी, नि. ग्राम खडराना (3) स्रोश पिता नारायण जी, निवासी ग्राम खडराना (4) मीराबाई पिता शंकर लाल जी, 6, कानूनगो दाखल (5) लिला बाई विधवा शंकर लाल जी, 6, कानूनगो वाखल, (6) मनोज कुमार पिता रमेश क्यार, 152, इमली बाजार, इन्दौर, म.प्र.।

(अन्तरक)

 श्री अनिल क्यार पिता नवनीतलाल, 5, ओव्हर बिज़ज, शास्त्री मार्केट, इन्दरि, म. प्र.। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए एतक्ष्वारा कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप !---

- (क) इस सूचना के राजपत में अकाशन की तारीला से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शंकर नगर कालौनी, इन्दौर स्थित प्लाट नं. 13 क्षेत्रफल 2640 वर्ग फुट (खुला प्लाट)।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, भोपाल

तारीख : 15-3-1982

प्ररूप आहु . टी. एन. एस. -----

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्ह. ए. मी. (अर्जन) / 2399--अतः मुभे, इविप्रिय पन्त,

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० मे प्रधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं, 8 है तथा जो शंकर नगर कालौनी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10-7-1981

को पृत्रींक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण सं हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रान्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रौर/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुबिधा के लिए;

भन: प्रब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-प के अनुसरण मों, में, जबत अधिनियम की उपधारा 269-च की उपधारा (1) क अधीन निम्नलाखत व्यक्तियों, बर्थात् :---16---36GJ/82 1. (1) डा. लीलाधर पिता नारायण जी, नि. 152, इमली बाजार, (2) सुरोश पुत्र नारायण जी, नि. ग्राम सजराना, (3) नरेश पुत्र नारायण जी, निवासी ग्राम सजराना, (4) मीराबाई पिता शंकर लाल जी, 6, कानूनगो वासल, (5) लीलावाई विधवा शंकर लाल जी, 6, कानूनगो वासल, (6) मने ज क्मार पिता रमेश कुमार, 152, इमली बाजार, इन्दौर म.प्र.।

(अन्तरक)

 श्रीमती चन्द्रा पत्नी श्री काशी प्रसाद पोत्चार, निवासी 16, बल्लभ नगर, इन्चौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन का श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शंकर नगर कालौनी, इन्दौर स्थित प्लाट नं. 8, क्षेत्रफल 2400 वर्ग फुट (खुला प्लाट)।

देवप्रिय पन्त स**क्षम प्राधिकारी** स**हायक आयकर आय्**क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 15-3-1982

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन युचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भेरपाल, दिनांक 15 मार्च 1982

् निर्देश सं. आर्ड. ए. सी. (अर्जन) / 2400 – – अतः मुक्ते, दोवप्रिय पन्त,

द्यायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे दमम इसके परवात् 'उका प्रधितियम' हड़ा एउट है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 16 है तथा जो शकर नगर कालौती, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं यणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10-7-1981

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाप करने का कारण है कि प्रथापवाँका पमास्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफत में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गा प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय को बाबन, सक्त प्रश्नित्यम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (का) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधितियम, या धनकर श्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के अभाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गणा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) डा. लीलाधर पृथ नारायण जी, नि. 152, इमली बाजार (2) सुरंश पृत्र नारायण जी, नि. ग्राम स्कराना (3) नरक पृत्र नारायण जी, नि. ग्राम स्कराना (4) भीरा बाई पिता शंकरलाल जी, 6 कानून गो बासल (5) लीला बाई विध्या शंकरलाल जी, 6, कानून गो बासल (6) मनोज पिता रमेश काुमार, नि. 152, इमली बाजार, इन्दौर।
- 2. श्री किशोर पुत्र मुरुलीधर जी , निवासी 5, ओव्हर बिज़, महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर, म. प्र.।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोका सम्मत्ति के प्रजेत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचन, के राजपन्न में प्रकाशन की तारी वा से 45 विन की श्रवधिया नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की अवधि, श्रीभी श्रवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का जो छक्त अधितियम के मध्याय-20क में परिभाषित है बही प्रयंहोगा जो उम प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसची

शंकर नगर कालौनी , इन्बौर मों प्लाट नं. 16, क्षेत्रफल 2600 वर्ग फोट खुला प्लाट।

> दंबप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजेन रंज, भोपाल

नारोहा : 15-3-1982

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस ------

आवकर आभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भापाल

भाषाल, दिनाक 15 मार्च 1982

निदर्श स. आर्ड ए. सी. (अर्जन)/2401--अत मुक्ते, द'विप्रिय पन्तं,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम् इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इके अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी स. प्लाट न 12 ही तथा जो शकार नगर कालीनी, इन्दार मो स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अन्मूची मा और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10-7-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफें यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशतअधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अतिरती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथपाया गया प्रतिफल तिम्तिविधन उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्वित में बाल्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निवम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 कव 11) या उक्त अधिनियम, या धन-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सिया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा को लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् .--

(1) डा. लीलाधर पुत्र नारायण जी, नि 152, इमली बाजार, इन्दार (2) सूरेश पुत्र नारायण जी, नि ग्राम सजराना (3) नरेश पुत्र नारायण जी, नि ग्राम सजराना (4) मीरा बार्ड पुत्री शकर लाल जी, 6, कानूनगो बासल (5) लीला बार्ड विधवा शकरलाल जी, 6, कानूनगे बासल (6) मनोज कुमार पिता रमेश कुमार, नि. 152, इमली बाजार, इन्दार।

(अन्तरक)

2 श्रीमती सध्या जैन पति हामन्त कामार जैन, 132, जावरा कम्पाउन्ड, इन्दौर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करना हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसंबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र ने प्रशासन की तारीख स 45 दिन के भीतर उपन स्थावर सम्पन्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति छारः, प्रशेड्स्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूसूची

शक्षरनगर कालीनी, इन्दौर स्थित प्लाटन 12 जिसका क्षेत्रफल 2625 वर्ग फुट, खुला प्लाट।

> देवेप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, भोपाल

तारीस 15-3-1982 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मार्च 1982

निदर्श सं. आर्इ. ए. सी. (अर्जन)/2402--अतः मृक्ते, दोबप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं, 7 है तथा जो शंकर नगर कालौनी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10-7-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उिषक्ष बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उिषत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) झन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, उक्त श्रिष्ठितयम के झधीन कर देने के झन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या धन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) प्रा धवन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रितः ध्रव, उक्त प्रधिमियम की मारा 269-व के अनुसरण में, में, एक्त प्रधिमियम की घारा 269-व की उपधारा (1) भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :-- (1) डा. लीलाधर पुत्र नारायण जी, नि. 152, इमली बाजार (2) सुरोग पिता नारायण जी, जी, नि. ग्राम खजराना (3) नरोग पिता नारायण नि. ग्राम खजराना (4) मीरा बार्ड पिता गंकर जी, 6 कानूनगो बाखल (5) लीला बार्ड विधवा गंकरलाल जी, नि. 6, कनूनगो बाखल (6) मनोज कुमार पिता रमेग कूमार, नि. 152, इमली बाजार, इन्दौर।

(अन्तरक)

श्री बनवारी लाल पिता ठाकुर लाल पोत्दार, निवासी
 16, बल्लभ नगर, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्त्रची

र्षाकर नगर कालीनी, इन्दारै स्थित प्लाट नं. ७, क्षेत्रफलं 2400 वर्ग फुट (खुला प्लाट)।

दोर्वाप्रय पन्त सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायंकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

तारीय : 15-3-1982

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षंत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्देश मं. आर्ड. ए. सी. (अर्जन)/2403--अतः मुक्ते, दोवप्रिय पन्त.

भायकर भिर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिर्मित्यम' कहा गया है), की धारा 269-खं के भिर्मित सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भिर्मिक है,

और जिसकी सं. प्लाट नं. 5 ही तथा जो शंकर नगर कालौनी, इन्दौर मी स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मी और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10-7-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए ग्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है श्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वित उद्श्य में उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत प्रधिनियम, के प्रधीत कर देने के प्रश्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, ग्राधन-कर श्रिधिनियम, ग्राधन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: प्रव, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में. मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. श्रर्थान:—

- (1) श्री लीलाधर पुत्र नारायण जी, नि. 152, इमली बाजार इन्दौर (2) सुरोश पुत्र नारायण जी, नि. ग्राम खजराना (3) नरोश पिता नारायण जी, नि. ग्राम खजराना (4) मीरा बाई पिता शंकरलाल जी, 6 कानून गो बाखल (5) लीला बाई विधवा शंकरलाल जी, नि. 6, कानून गो बाखल (6) मनोज क्मार प्त्र रमेश क्मार नि., 152, इमली बाजार, इन्दौर (अन्तरक)
- 2. श्रीमती मदन क्वंबर बाई पत्नी श्री निरंजन लाल जी, 132, जावरा कम्पाउन्ड, इन्दौर म. प्र.। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजैन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के णस
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो खनन श्रिष्ठितियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रषं होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

शंकर नगर कालीनी, इन्दरि में प्लाट नं. 5 जिसका धोत्रफल 2400 वर्ग फाट ही (खुला प्लाट)।

देशिप्रय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

नारीब : 15-3-1982

माहर :

प्रकल आई० दी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन मुचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनोक 17 मार्च 1982

निर्दोश स आर्ड. ए. सी./अर्जन/2404--अतः देवप्रिय पन्तः

धायकर ग्राधिनियम, 1961 (1981का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रवीत यजन पाधि हारों हा, पर विवाद हरा का कारण है कि स्थावर सम्बन्ति, जिनका उचित वातर मुल्य 25,000/- रु० से प्रश्नित है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 24 है तथा जा शंकर नगर कालीनी, इन्दरीर में स्थित है (और इससं उपाबद्ध अनुस्ची में और पूर्ण कप से वर्णित है), रिजर्स्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10 जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुरूब ये कम के दृश्य-मान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास क'रने का कारण है कि यथापूर्वोंका सम्पत्ति का उचित बाजार मु≉य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पल्टक प्रतिशत अधिक है भीर प्रस्तरक (मन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ये उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तविक एवं से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) यन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मिश्रिनियम के अधीन कर देने के मन्तरक के वायितत्र में कमी करने या उससे बचने में मुबिधा के निए: और/या
- (सा) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

न्नतः श्रव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के **अनुसर**ण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) डा. लीलाधर पिता नारायण जी (2) कामार पिता रमेश कामार, 152, इमली बाजार, इन्दरि (3) सुरक्षे कमार (4) नरेख कमार पिता नारायण जी, नि. ग्राम सजराना, इन्दौर (5) मीरा बाई पिता शंकर लाल (6) लीलाबाई बेवा शंकर लाल जी, नि. 6, कान्नगो बासल, इन्दौर।
- 2. श्रीमती हरबीर कौर हरचरण सिंह, 126, पलसीकर कालौनी, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यहस्चनाजारी करकेपृथींकतसम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इप मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, से 45 दिन की प्रविध या तहसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की नामीन मे 30 दिन की प्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पुत्रना के राजप**ब** में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वास लिम्बिन में किए जा सर्केंगे।

स्पद्योकरण --इसमें बरुका ग्रन्थ प्रोर ग्रांका, का उका पश्चिमियम, कं प्रध्याय 20-क में परिमाणि। हैं, वही अर्थ होगा जो उप ग्रहपाय में दिया गया है।

नगुन्ती

शंकर नगर कालौनी, इन्दौर स्थित प्लाट नं. 24 जिसका विवरण अन्तरिती व्यारा सत्यापित फार्मनं. 37जी मे दिया गया है।

> दविप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

तारीख : 17-3-1982

मोहर 🚁

प्रकथ आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भाषाल, दिनाक 17 मार्च 1982

निर्देश सं. आर्ड. ए. सी./अर्जन/2405—अत. मुक्ते, दोवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. प्लाट नं. 17 है तथा जो शकर नगर कालौनी, इन्दार से स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप स वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दार में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधी, विनांक 10 ज्लाई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कृप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; जीट्र/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्रहरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

- (1) डा. लीलाधर पिता नारायण जी (2) मनोज कामार पिता रमश त्युमार, 152, इमली बाजार, इन्द्रीर (3) स्वाक्ष रामार (4) नराम कामार पिता नारायण जी, कि ग्राम संजराना, इन्द्रीर (5) मीरा दाई पिता शंकर लालजी, (6) लीलाबाई बंबा शंकर लाल जी, कि को न्यों बाम्बल, इन्द्रीर। (अन्तरक)
- श्री राज्य पिता भोलासम भाटिया, 29, एम. टी. मार्केट, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वास के राजपत्र मो प्रकाशन को तारोख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मा समाप्त हाती हा. क भातर प्वांकत व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निक्ति में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

शंकर नगर कालीनी, इन्दारे स्थित प्लाट न . 17 जिसका कि विवरण अन्तरिती श्री राजेश पिता भोलाराम द्वारा मन्यापित कार्म नं . 37जी मो दिया गया है।

देवप्रियः पन्तः सक्षमः प्राधिकारीः सहायकः श्रायकरः श्रायुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रौज, भोषाल

तारीख . 17-3-1982 मोहर . प्ररूप आइं.टी.एन.एस.------

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारो 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्षर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 मार्च 1982

निर्देश सं. आर्ड. ए. सी./अर्जन/2406--अत सुभ्हे, धेवप्रिय पन्त,

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी मं. प्लाट नं. 11 है तथा जो शंकर नगर कालौनी, इन्दार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10 जुलाई, 1981

को पूर्वेक्ति संपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे यास्तिवक हुए से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का. जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्ः—

1. (1) डा. लीलाधर पिता नारायण जी (2) मनोज क्युमार पिता रमझ क्युमार, 152, इमली बाजार, इन्दौर (3) मुरेश क्युमार (4) नरेश क्युमार पिता नारायण जी, नि. ग्राम खजराना, इन्दौर (5) मीरा बाई पिता शकर लाल (6) लीलाबाई बांबा शंकर लाल जी, नि. 6, बानुनगो बामल, इन्दौर।

(अन्तरक)

श्रीमती सन्तोष दोत्री गांगल पति महादोव गांगल,
 अत्र मियागंज, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

शंकर नगर कालौनी, इन्दौर स्थित प्लाट नं. 11 जिसका कि विवरण अन्तरिती श्रीमती सन्तोष देवी गोयल पति श्री सहादेव गोयल व्वारा सत्यापित फार्म नं. 37जी मो दिया गया है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

वारील : 17-3-1982

भोहर :

प्ररूप आहें. टी. एन्. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनोक 17 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. मी./अर्जन/2407--अतः मुक्ते, दोवप्रिय पन्त,

स्रायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 21 है तथा जो शंकर नगर कालीनी, इन्दार में स्थित हैं (और इस्से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्ष्प में वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दार में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10 जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हो और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतिरती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) डा. लीलाधर पिता नारायण जी (2) मनोज कुमार पिता रमेश कुमार, 152, इमली बाजार, इन्दौर (3) मुरोश कुमार (4) नरोश कुमार पिता नारायण जी, नि. ग्राम लजराना, इन्दौर (5) मीरा बाई पिता शंकर लाल (6) लीलाबाई बेवा शंकर लाल जी, नि. 6, कानुनगा बाखल, इन्दौर। (अन्तरक)
- 2. (1) श्री प्रकाश पिता कल्याण मलजी बङ्जात्या (2) पदम कुमार पिता कल्याणमल जी बङ्जात्या, 146, जावरा कम्पाउण्ड, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

शंकर नगर कालोनी, इन्दौर स्थित प्लाट नं 21 जिसका विवरण अन्तरिती श्री प्रकाश पिता कल्याणमल एवं पदम कुमार पिता कल्याणमल गो बड़जात्या द्वारा सत्यापित फार्म नं 37जी में दिया गया है।

देविप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

न्^{रिच} : 17-3-198**2**

प्ररूप आइ. टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अथीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र , भोपाल

भाषाल, दिनांक 17 मार्च 1982

निर्देश सं. आर्झ. ए. सी /अर्जन/2408—-अर्तः म्फे, दोबिशिय पन्तः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. प्लाट सं. 4 है तथा जो शंकर नगर कालीनी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित ही), रिजस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10 जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वाम करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उसमें बचने में सिवधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिथा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियत व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) डा. लीलाधर पुत्र नारायण जी, निवासी 152, इसली बाजार (2) सुरेश पुत्र नारायण जी, नि. ग्राम खजराना (3) नरश पिता नारायण जी, नि. ग्राम खजराना (3) नरश पिता नारायण जी, नि. नि. 6, बानुनगो बालल (5) लीलाबाई विधवा शंकरलाल जी, नि. 6, कानुनगो बालल (6) मनोज कामार पिता रमेश कामार, निवासी 152, इमली बाजार, इन्दारें।

(श्रन्तरक)

 श्री निरंजन लाल पिता मन्नालाल जी जैन, 132, जावरा कम्पाउण्ड, इन्दौर, म. प्र.।

(भ्रन्तिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

शंकर नगर कालौनी, इन्बौर स्थित प्लाट नं. 4, क्षेत्रफल 2400 वर्ग फुट (खुला प्लाट)।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

तारोख : 17-3-1982

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भाषाल, दिनांक 17 मार्च 1982

निर्दोश सं, आर्ड. ए. सी./अर्जन $\sqrt{2409}$ —अतः म्भे, दवप्रिय पन्त

माथकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे **इ**समें र इसके पश्चात् 'अकत अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ${m g}^{m s}$ कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मल्य 25.000/-रु. से अधिक हैं 😁

और जिस्की सं. प्लाट नं. 19 है तथा जो शंकर नगर कालौनी, इन्दरि मो स्थित ही (और इसमें उपाबव्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय. इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर, 10 ज्लाई, 1981

को प्वानित संपत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस्से बच्चे में सुविधा के लिए मरि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- 1. (1) डा. लीलाधर पिता नारायण जी (2) कामार पिता रमंदा कामार, 152, इसली बाजार, इन्दर्गर (3) सुरोश कामार (4) नरोश कामार पिता नारायण जी, नि. ग्राम लजराना, इन्द्रीर (5) मीरा बार्इ पिता शंकर लाल (6) लीलाबार्झ बंबा शंकर लाल जी, नि. 6, कान्नगो बासल, इन्दौर। (अन्सरक)
- श्री श्रीराम गायल पिता फसहचंद जी गायल, बल्लभ नगर, इन्दरि। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, को भीतर पर्वोक्त भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के षास लिखित में किए जा सर्कगे।

स्पष्टोकरणः – इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय सें दिया ग्या है।

अनुसूची

अंकर नगर कालीनी स्थित प्लाट गं. 19 जिसका कि विवरण अन्तरिती श्री राम गोयल दुवारा सत्यापित फार्म नं . 37जी 🚓 दिया गया है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

नारीय . 17-3-1982 माहर :

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 मार्च 1982

निर्देश सं. आर्ड. ए. सी./अर्जन/2410---अत म्भे,

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संप्लाट न 22 है तथा जो शकर नगर कालौती, इन्दौर में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजम्ड़ीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10 जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं और अतरक (अतरकों) और अन्तरिनी (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक स्त्य से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिति व्यक्तियो, अर्थात.——

- (1) डा. लीलाथर पिता नारायण जी (2) मनोज कुमार पिता रमेश कुमार, 152, इमली बाजार, इन्दौर (3) सुरेश कुमार (4) नरश कुमार पिता नारायण जी, नि. ग्राम खजराना, इन्दौर (5) मीरा बाई पिता शकर लाल (6) लीलाबाई बंवा शकर लाल जी, नि. 6, कानुनगो बाखल, इन्दौर। (अन्तरक)
- श्रीमती वर्षा चावला पति जय क्मार चावला, 195, पालसीकर कालीनी, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहण्याक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषत है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

शकर कालोनी, इन्दोर स्थित प्लाट नं 22 जिसका कि विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म न 37जी में दिया गया है।

दोवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहारक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन राज, भोपाल

तारीख · 17-3-1982

प्ररूप बार् .टी.एन्.एब.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्घ. ए. मी. (अर्जन)/2411--अतः मुक्ते, देविप्रिय पन्त,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुट, से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं . 1 है तथा जो शंदार दाग, इन्दौर मों स्थित है (और इससे उपाबद्दध अनुमूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित हों), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 22-7-1981

को पूर्वावित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलि<u>ष्कित व्यक्तियमें मुम्</u>तिः—

- (1) डा. लीलाधर पुत्र नारायण जी (2) सुरोश
 (3) मीराबार्झ (4) मनोज कुमार, निवासी 152
 इमली बाजार, इन्दौर, (5) लीलाबार्झ, (6) नरेण।
 (अन्तरक)
- श्री राधिका सिंह पुत्र जगदीश सिंह, निवासी 4/5 तुको गंज, इन्दरि।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।।)

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यव्यक्ति रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अध्याय 20-क में यभापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

इन्दौर में ग्राम सजराना में स्वसरा नं. 777, शंकर बाग स्थित प्लाट नम्बर एक जिसका कि विवरण अन्तरिती द्वारा मत्यापित फार्म नं. 37जी. में दिया गया है और जो कि अन्त-रिती द्वारा सत्यापित जक्त फार्म नं. 37जी. के अनुसार 2610 वर्ग फीट हैं।

> दोवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

नारीख : 2-3-1982

में हर :

प्रकप आई० टी• एव• एस०---

भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षंत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 मार्च 1982

निदांश सं. आर्दः ए. सी. (अर्जन)/2412--अतः मुभ्ते, देविप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269- ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं प्लाट नं 2 है तथा जो शंकर बाग, इन्दौर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 22-7-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिभाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशान से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तार्रात्यों) के बीच एमं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स्) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) डा. लीलाधर पुत्र नारायण जी (2) सुरंश पिता नारायण (3) भीराबाई (4) मनाज कुमार पुत्र रमेश कुमार (5) नरेश पुत्र नारायण जी (6) लीलाबाई विधवा शंकर लाल, 152 इमली बाजार, इन्दौर।

(अन्तरक)

 श्रीमती डा. क्युम सिंह पत्नी जगदीश सिंह, निवासी 4/5 साउथ तुको गंज, इन्द्रौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शंकर बाग, इन्दौर स्थित प्लाट नम्बर 2, खजराना, खसरा नं. 777 जिसका कि विवरण अन्तरिती डा. कसूम सिंह द्वारा स्त्यापित फार्म नं. 37 जी. में दिया गया है।

> दंबप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

अतः अवा, जकत अधिनियम की धारा 269-ग को, अन्सरण क्कं मों, मों, जकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :~~

तारील : 2-3-1982

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी. (अर्जन)/2413—अतः मुभ्ने, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को रह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. एक है तथा जो भगवानदीन नगर, इन्दार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दार में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 14-7-1981

को पूर्वोक्त संपन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय गया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियर गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थातड--

- श्री गोविन्द प्रसाद पुत्र श्री राधािकशान जी, 61, पुरानी भूमि, अग्रवाल नगर, इन्दौर। (अन्तरक)
- श्री गुरुमुखदास पृत्र श्री होलारास जी लाल चंद पृत्र होलाराम, निवासी 117, काटज् कालोनी इन्दरि।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. एक, भगवानदीन नगर, इन्दौर स्थित।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, भोपाल

ग्गिंग : 3-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन् रॉज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्डी. ए. सी. (अर्जन)/2414—अतः मुर्के, वेदिप्रिय पन्त.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हों), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हो

और जिसकी सं प्लाट नं 65 है तथा जो त्रिवंणी कालौनी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 3 जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिये; गीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-गृके अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्रीमती बदामी बाई पित श्री भंवर लाल जी स्गदी, निवासी मकान नं. 78, राधा नगर, इन्दौर।
- 2. (1) श्री अवतार सिंह (2) निर्भय सिंह पिता सार्थु सिंह जी, निशासी 65, त्रिवणी कालीनी, इन्दौर। (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पारत के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निस्ति में किए जा सकोगे।

स्पद्धीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

मन्स्ची

त्रिवेणी कालौनी, इन्दारि स्थित प्लाट नं . 65 पर बना हाआ मकान।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयृक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, भोपाल

तारी**ल** : 15-3-1982

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्देश सं. आर्ड. ए. सी. (अर्जन)/2415—अतः म्फ्ने, वैविप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 168 है तथा जो पालसीकर कालोनी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 3 जुलाई, 1981

को पूर्वोक्न संपरित के उचिन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को शधर, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; जॉर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अपिनयां को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविभा को लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--18--36GI/82

 श्री बिशन्दास पिता श्री बसंदमल जी, नि. म. न. 10, गंजी कम्पाउण्ड, इन्दौर।

(अन्तर्क)

2. श्री पुरूषांत्तम दास पिता टहलराम जी, निवासी काटज्कालोनी, म. नं, 25, इन्दौर।

(अन्सरिती)

को यह सुचना जारो करके पृथाकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-मध्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

पालसीकर कालोनी स्थित प्लाट नं. 168 पर बना हुआ मकान, इन्दौर।

> दंदप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र्रज, भोपाल

त्रिकः: 15-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा **269-ष(1) के अधी**न स<u>च</u>ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्देश सं आर्इ. ए. सी (अर्जन)/2416——अतः मुभ्ते, देवप्रिय पन्तः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. स अधिक है

और जिसकी स, म. न. 107 है तथा जो सीतला बाजार, इन्दार में स्थित है (और इसमें उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 2 जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल सं, एसे रहयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरको) और अतरिनी (अंतरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिन्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, आर/या
- (क) एंसी जिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् ——

- । (1) सर्वश्री बालमुबन्द झालरिया, ज्ञान प्रसार आश्रम, (अन्तरक)
- 2 श्रीमती मुशीला रानी पति श्री नेमीचद बाकली वाला एवं श्रीमती प्रमलता पति विमल चद बाकली वाला, पता 107, सीतला बाजार, इन्दारे।
 (2) सभापति—स्वामी जगतगुरू श्री धर्माचार्य महाराज झालरिया, मठ दिदवाना, राजस्थान, (3) उपस्मापित श्री प्रहलाद दास पसारी, 48, ह्वसचद मार्ग, इन्दौर, (4) रमन लाल पिता जास्की प्रसाद, महीच नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन क सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्वाध या तत्मबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में भमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी उपक्रित होता.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के गाम लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण — इसम प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

क्षत्रसची

मीतला मादा बाजार, इन्द्रीर स्थित मन्तान न 107

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, भोपाल

तारील 15-3-1982 मोहर प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

अभ्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालुष्ट , सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, भापाल

भोपाल, दिनांक 13 मार्च 1982

निदंश स. आई. ए. सी. (अर्जन)/2417--अतः भूके, वंतप्रिय पन्न,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं. 207/2 है, तथा जो ग्राम खारखंड़ी, रतलाम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुम्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिदारी के कार्यालय रतलाम में रिजस्ट्रीकरण आधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 6-7-1981

को पूर्वाक्ति संपितित के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवांक्त मंपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री रतन सिंह, कालू सिंह, बालू सिंह, गेंदा बार्ड, वरदीबार्ड, सज्जनबार्ड, भाषण कुंवर, नि. मगराल, रतलाम।

(अन्तरक)

2. राजेन्द्र कुमार पुत्र अमरचंद जैन, माणक-चौक, रतलाम।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क्ष) ध्रस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
 िकमी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमं प्रयुक्त मुख्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त जिसका विवरण अन्तरिती श्री राजेन्द्र कर्मार द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37जी में दिया गया है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्रधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

नारोख : 3-3**-**1982

प्ररूप आह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनोक 15 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्घ. ए. सी. (अर्जन)/2418——थरू: मुफ्ते, देवप्रिय पन्त,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 207/2 है तथा जो ग्राम सारखंडी, रतलाम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूण रूप स विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम मं रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-7-1981

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

- शीरतन सिंह, कालू सिंह, बालू सिंह पुत्र नाथु सिंह, वरदीबाई विधवा नाथु सिंह, गन्दाबाई, सज्जनबाई, मायाग कुवर पुत्र नाथू सिंह जी राजपूत, निवासी मागरौल, जिला रतलाम। (अन्तरक)
- श्रीमती पूष्पलता पत्नी श्री मोहनलाल गादिया, कसेरा बाजार, रतलाम।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रुवारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यीकण्णः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में वरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

ग्राम खारखेड़ी, रतलाम स्थित सर्वे नं. 207/2 की भूमि जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित कार्म नम्बर 37जी में दिया गया है।

> दोवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीन:--

तारीब : 15-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 3 मार्च 1982

निर्दोशः सं. आर्डः ए. सी. (अर्जन)./2419—यतः म्फे, दंवप्रिय पन्त,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इममें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं. 12/1 काश्त भूमि है तथा जो ग्राम हापुले हो, रतलाम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-7-1981

करं पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिमल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल में, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (मन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीइ/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निः स्थित व्यक्तियाँ अर्थात् ४--

 श्रीमती धापुबाई पिता उंकारजी क्लुम्बी, निवासी करमदी, तह रतलाम।

(अन्तरक)

 श्री सुशील क्मार पिता मंहन लाल जी दलाल, चांदनी चौंक, रतलाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम हापुखेड़ी, रतलाम स्थित भूमि, सर्वे नं 12/1।

दोवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रोज, भोपाल

तारील : 3-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (15 के अधीन गचना

भारत सरकार

.कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन क्षत्र, भाषाल

भोपाल, दिनाक 3 मार्च 1982

निर्वाश स आर्घ ए सी अर्जन/2420--अर मुक्ते, दविशय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक ही

और जिसकी स भूमि 12/1 है तथा जा ग्राम हापूलडी, रतलाम में स्थित है (और इसस उपाबद्ध अनुसूची म और पूर्ण स्प में वर्णित है), रजिस्ट्रोटिना अगिकारी के कार्यालय रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 3-7-1981

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मृल्य मं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापृबीक्त सपिति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एम अन्तरफ के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी तन या अन्य आिन्ता को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित श्यक्तियों मुर्थात् :— श्रीमती धापूबाई पिता उकारजी कुलम्बी, निवासी करमदो, तह रतलाम।

(अन्तरक)

(1) श्रानरन्द्र क्ष्मार पिता सुजानमन जी,
 (2) राजीब कुमार पिता बसतलाल जी पारवाल,
 नि रतलाम।

(अर्न्सारती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए एतब्द्वारा कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर स्चना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाह्य म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियो म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य भिवत द्वारा, अक्षेहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण '---इसम प्रयुक्त शब्दो और पतो का जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम हापूर्वेडी, रतलाम स्थित भूमि--सर्वे न 12/1

द विश्य पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रज, भोपाल

वार्राष 3-3-1982 माहर प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस ------ -- --

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अाउन भा₹. भ ⁻་᠆

भाषाल, दिनाक्ष 15 मार्च 1982

निवर्षेश स आई ए सी अर्जन/२४२1---अन म्भो, दंबप्रिय पन्त.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अथीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिस्का उत्तित बाजार मृल्य 25,000 / फं. से अधिक *ह*ैं

और जिसकी स म न 5 ही तथा ५५ भनवस्तरी मार्ग, उज्जीन मा स्थित ही (और इसरा उपायदध अन्मनी मो और एणी रूप से वर्णित ही), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उज्जीन मो रजिस्ट्रीकरण अभिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन , 22-7**-1**981

का पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार सूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और स्केरत विव्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार म्ह्म, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एंस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अतरक (अगरको) और अंतरिती (अनरिनियो) के बीच एमें अनरण के लिए हम पासा गरा प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सेह्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अगस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधाके लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात --

- । श्री असर्गलान पिता छण्टोलान जी महोदवरी, बही-रिया एक प्राप्ता कानदार, दशहरा मैदान, उज्जीत। (अन्तरक)
- ्थी **हार्**कासार पिता चन्द्भाई पटल, निवासी म र 5. थनथन्ती मार्ग, उज्जैन।

(अन्तिरिती)

को यह सुचना जारी करके पृथों कित सम्पत्ति के अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्नि को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना केराजपत्र में प्रकाशन की तारीखासे 45 दिन की अविधियातत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वाकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों गे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धनवन्तरी सार्ग उज्जैन स्थित मं. न 5 का भाग जोिक दों मंजिला है।

> दोवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

ला र रेख 15-3-1982

प्ररूप आर्ह.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्ह. ए. सी. अर्जन/2422--अतः सुक्ते, दोवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. मं. नं. 32 ही, तथा जो भोजमार्ग, माधवनगर में स्थित ही (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के कर में वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन भे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-7-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप में किया गया हैं --

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री अनम्बलाल महोद्देवरी पिता छाटोलाल जी (2) अजय क्मार पिता अनन्तलाल जी महोदेवरी, नियासीगण दशहरा मेदान, उज्जैन । (अन्तरक)
- (1) श्री औस प्रकाश पिता मृलचन्द जी (2) श्रीमती मागीबाई पत्नी औम प्रकाश, नि. 8, इन्दौर जदवाजा, उज्जैन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहन्ताक्षरी के पास शिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मों विया गया है।

अनुसुची

भोज मार्ग, माधवनगर, उज्जैन स्थित सकान नं. 6/335 न्या नं. 32

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज, भोपाल

तारील : 15-3-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर ग्रष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की खार। 269-व(1) के ग्रधीन सूचना

भारत मरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 मार्च 1982

निर्दोश म आर्क्ड ए सी (अर्जन)/2423---अत. मूक्ते, दोबप्रिय पन्त,

स्रायकर सिक्षित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधान मक्षत प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुप् में श्रिष्ठिक है

और जिसकी सं 865/1, 874, 1277/874/4 है तथा जो कस्बा देवास में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देवास में रिजस्ट्रीकरण अधिनिष्णम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23-7-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के रृष्यम न प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्टह प्रतिशा से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कवित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाव की बाबत, उबत धिंतियम के पत्रीत कर देने के धन्तरक के वायिस्थ में कमी करने या उसमें बचने में सुधिधा के शिए और/या;
- (ब) ऐसी किमी बाय या किसी धन या अण्य ब्रास्तियों की, जिन्हें भारतीर प्रायकर ब्रिधिनियम, 1922 (1922 का 1 या उक्त ब्रिधिनियम, या धन-कर ब्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रतोजनार्थ बन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः अय, उक्त ग्रधिनियम की भारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त ग्रिकिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---19—36 G1/82 (1) श्री अबाराम पुत्र धूलजी (2) रमेश पुत्र धूलजी निवासी शान्तीपुरा, दोवास।

(अन्तरक)

2. श्री ब्द्र्धमान लैंड एण्ड फायनेन्स भागीदार फर्म, 121 किन कालीदास मार्ग, देवास (1) संजय पिता हुकुम चद जैन (2) श्रीमती शशिबाला पत्नी राजेन्द्र कुमार जैन (3) श्रीमती शोभा पत्नी सुरोन्द्र कुमार जैन (4) श्रीमती शशिबाला उर्फ सरिता पत्नी केलाश चन्द्र जैन (5) श्रीमती माधुरी पत्नी दुर्गा शंकर गृप्ता देवास।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:-

- (क) इस मूजना के राजपत में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर सूजना की तामील में 30 दिन की भविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितक क किसी प्रन्य क्यक्ति द्वारा, भाषीहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:-इसमें प्रयुक्त सन्धों धौर पर्वो का, जो उच्त प्रक्षितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रक्षाय में दिया गया है।

अनुसूची

कस्वा दोवास स्थित 1.43 एकड भूमि सर्वी नं 865/1, 874, 1277/874/4 औसा कि अन्तरिती द्वारा संस्थापित फार्म न . 37जी में वर्णित ही।

दोवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, भोपाल

तारीख : 2-3-1982

मोहर 🗓

प्रकृप आई. टी. एन. एस.-------

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्इ. ए. सी. (अर्जन)/2424--अतः मुक्ते, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिषम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विरवास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. नं. 5 है, तथा जो धनवन्तरी मार्ग, उज्जीन मों स्थित हैं (और इससे उपादद्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उज्जैन में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-7-1981 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मुल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उददोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :——

- 1. श्रीमती कंचनबाई पत्नी अनन्तलाल जी महोदवरी, नि. 146, दशहरा मैदान, उज्जैन। (अन्तरक)
- 2. श्री चन्द्रकान्त पुत्र श्री भीखाभाई पटोल, 5, धनवस्तरी मार्ग, उज्जैन।
 (अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

धनवन्तरी मार्ग, उज्जैन स्थित मकान नं. 5 का एक भाग।

वेवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपास्

तारीख : 15-3-1982 भोहर :

प्रकप आई० टी• एन० एस•---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, विनाक 15 मार्च 1982

निदर्शिस आई ए सी (अर्जन)/2425---अत मुक्ते, दोवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स म न 5 है तथा जो धनवन्तरी मार्ग, उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 22-7-1981

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक हैं और अन्तरक (अन्सरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िक या गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- 1 श्रीमती कचनबाई पत्नी अनन्तलाल जी महोदेवरी, नि 146, दशहरा मौदान, उज्जैन।
- (अन्तरक)
 2. श्री उलफत लाल पृत्र शकर लाल जी, नि धनवन्तरी
 मार्ग, उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारौँ करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- क्यूंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागी।

स्पष्टिकरण: -- इसमे प्रयुक्त कव्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

धनवन्तरी मार्ग, उज्जैन स्थित मकान न . 5 का एक भाग।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{*}ज, भोपाल

अत , अब , उक्त अधिनियम , की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन , निम्मिलिसित व्यक्तियो , अर्थात् ——

तारीख 15+3-1982 भाहर प्ररूप आहे. टी. एन्. एस.----

अनुस्रवार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 मार्च 1982

निदर्भेश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)/2426--अतः मुक्ते, धेवप्रिय पन्त,

जावकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

नीर जिसकी सं. भूमि है तथा जो ग्राम हापुटखंड़ी, रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 6-7·1981

कीं पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अग्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- श्रीमती संतोषबाई विधवा सीताराम कुलम्बी नाबालिक पुत्री क्रमशः देवीलाल, कौलामी पृत्र सीताराम, नि. करमंडी, रतलाम। । (अन्तरक)
- 2 श्री मज्जाद हुनैन, मानक चौक, रतलाम। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबधि जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पंद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम हापुटखेड़ी, रतलाम स्थित भूमि, जिसका कि विवरण अन्तरिती श्री सज्जाद हुन्मैन द्वारा सत्यापित फार्म नं. 37जी में दिया गया है।

द विप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

त्रीख : 3-3-1982

प्रस्प आई० टी० एन० एस०----

ब्रायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ब्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय्, सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 मार्च 1982

निवर्षेश स. आर्द. ए. सी. (अर्जन)/2427—अतः मुक्ते, विविध्य पन्त,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी स. भूमि है तथा जो ग्राम हापुटखेड़ी, रतलाम में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 6-7-1981

कं पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) प्रौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कश्यित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से दुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी भ्रन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुबिधा के लिए;

श्रत: श्रम, उक्त अधिनियम की खारा 249-ग के सन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की खारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्निलियिन व्यक्तियों, अर्थात् ——

- श्रीमती सताषबाई विधदा सीताराम कुलम्बी तथा अवयम्क पुत्र तथा पुत्री दावीलाल व कौलासी सन्तान सीताराम कुलम्बी, निवासी करमडी, रतलाम। (अन्तरक)
- 2. श्री रविन्द्र कुमार, बजाज खाना, रतलाम। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील मे 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम हापुटखेड़ी, रतलाम स्थित भूमि, जिसका कि विवरण अन्तरिती श्री रविन्द्र कुमार द्वारा सत्यापित फार्म नं. 37जी में दिया गया है।

> दंवप्रिय पन्त सक्षम प्राप्तिकारी स**हा**यक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^रज, भोपाल

तारीख : 3-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भापाल, दिनांक 15 मार्च 1982

निवर्षेश सं. आर्घ. ए. सी. (अर्जन)/2428—-अतः मुक्ते, विविष्ठिय पन्त,

आयकार अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 1 है तथा जो लोकेन्द्र भवन कम्पाउण्ड, रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-7-1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

- 1 श्री जगवीक चन्द्र पिता श्री किक्कोरी लाल औक्ता, नि. मालीयास चक्कीवाली गली, रतलाम, म.प्र.। (अन्तरक)
- (1) श्री लिलता प्रसाद पृत्र लोकमनजी
 (2) श्रीमती निर्मला पत्नी श्री लिलत प्रसाद प्नत,
 नि. लोकन्द्र भवन कम्पाउण्ड, रतनाम।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वों कत सम्मृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्युष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लोकोन्द्र भवन कम्पाउण्ड में प्लाट नं. 1 पर शना एक मंजिला भवन, रतलाम।

> द्वेतिप्रय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

ता**रीस** : 15-3**-1982**

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भागकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मार्च 1982

निदर्भेश सं. आर्ह. ए. सी (अर्जन)/2429—अतः मूक्ते, देविप्रिय पन्त,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात 'उका प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सञ्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उजिन बाजार मूल्य 25,000/- स्पर से प्रधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 24 है तथा जो नजर बाग, रतलाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 13-7-1981

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिपत्त प्रधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रीध-नियम के श्रधीन कर वैने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या,
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घन या घ्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) प्रश्नीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थात् '--- श्री बाबूलाल पृत्र क्षेमराज जी आगा माहक्वरी, निवासी रसलाम मोहल्ला पैलेंस रोड, लाल पावर हाउस राड।

(अन्तरक)

2 (1) श्रीमती बदामबाई विधवा चांदमल जी (2) स्याम सुन्दर (3) रमाकान्त (4) शशीकान्त पुत्र चादमल जी अग्रवाल, निवासी गोशाला रोड, रतलाम म.प्र.।

(अन्तरिती)

को यह सूचन। जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पड्डीकरण:—इसमें प्रयुक्त सन्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

म्युनिसिपल नं. 24 पुराना बना हुआ पक्का मकान जो कि पैलेस रोड, नजरबाग रतलाम में स्थित है।

> वेवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

तारील 15-3-1982 मोहर. प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्वोश सं. आर्हा. ए. मी (अर्जन)/2430---अतः मुक्ते, विविधिय पन्त,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2€9-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी स. प्लाट नं 27 व 34 पर बना हुआ शेड/ कार्यालय है तथा जो पालो ग्राउण्ड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 20 जुलाई, 1981

को पूर्वीक्त सम्पित्स के उचित बाजार मृन्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के अन्तरित की गई है और मुफ्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें हृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— स्टील टयूक्स आफ इण्डिया लिमिटोड, स्टोशन रोड, दोवास।

(अन्सरक)

 श्री जुगल किशोर पुत्र श्री सूरजमल जाजू, मै. इम्लैलर्स इण्डिया 120, कंचन बाग, इन्दौर, म.प्र.।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्होकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट मं. 27 एवं 34 पर बना घोड व आफिस आदि जो कि इंडिस्ट्रियल स्टोट पोलो ग्राउण्ड, इन्दौर में स्थित ही और जिसका अना क्षेत्रफल 20,000 वर्गफीट ही।

क्वेतप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

तारीच : 15-3-1982

प्ररूप बार्ड टो. एन. एस.-----

अयमर अधिकाम, 1961 (1061 ना 13) नी धारा 269-घ 1) के प्रथीन रानका

भारत मरवार

कार्यालय, सहायक आदकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रद्भ १ - ज्यान

भागाना, दिनान १५ गर्ना १००७

निर्दाध स अर्जि ए की (१७२)/१४११—-अल स्के. देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गर्गा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका चित वाजार मूल्य 25,000/- रु में अधिक है

और जिसकी स प्लाट न 34 प्रवास शेंड है, तथा जो इंदगाह हिल्स, भाषाल स स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मा और पर्ण कर क तिर्णत है), रिजिस्ट्रीटिंगी अधिनारी क तार्ति है । रिजिस्ट्रीटिंगी अधिनारी क तार्ति है । रिजिस्ट्रीटेंगी अधिनारी कि तार्ति है । रिजिस्ट्रीटेंगी कि तार्ति है । रिज

को प्वेंकित सम्पत्ति के टिना वाजार मूं से कम के द्रामान प्रतिफल के लिए अस्तरित की रई हैं और मभो यह निश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्मान प्रतिफल से ऐसे द्रश्मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरको) ओर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारत-विक रूप से किथत नहीं किया गया हैं ---

- (क) अन्तरण में हर्ज किसी आय को बावन उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करन या उससे बचने में सिवधा के लिये, और राम
- (म) एके िसी त्या का जिसे का का अप अक्तियों को, जिन्हों भारतीय आयवार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) दे प्रयोजनार्थ अन्तिरी द्यारा पका नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लियाने में सविधा के लिए.

अत अब, उक्त अधिनियम, की शारा 260-ग के अनसमा मो, मो, उक्त अधिनियम की शारा 260-घ की उपधारा (1) के अभीत, निम्हितिक काकिनाों। अर्थात —— 2—36 GI/82 1 की कदाल हर पर साहम्मद उमर, निवासी शौकत रहल, भाषाला

(अन्तरक)

१ ताराचा स्टब्स्टसम्बार असमा सिंह, नितासी होती राजा अस्पात।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त मम्पित्ति के अर्जन क मम्बन्ध मा काई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दशरा
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

प्लाट न 34 पर बना शेंड जो कि इंदगाह हिल्स, भणपन मार्मिशन बाँ अनुकल 1500 तमी फाट।

> देवेप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्वत (निरक्षिण) कर्जन राज, भोषात

नित्तीः १८०-१०<u>82</u> मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी. (अर्जन)/2432--अतः म्भे, दोविप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 35 पर बना होड ही, तथा जो हिंदगाह हिल्स, भोपाल में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 25-7-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्री अब्दुल हक पुत्र मोहम्मद उमर, निवासी शौकत महल, भाषाल, म. प्र.।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अविनाश कार पत्नी सरदार स्टांन्द्र सिंह, निवासी हमीदिया रोड, भोपाल, म.प्र.। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके गे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट नं. 35 पर बना शेंड जो कि इविगाह हिल्सं, भोपाल में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 2000 वर्ग फट्ट हैं।

> देविप्रिय एन्त सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, भोपाल

अतः थब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनूसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थातुः--

नारीख : 15-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षंत्र, भोपाल

भाषाल, दिनांक 15 मार्च 1982

निदांश सं. आर्झ. ए. सी. (अर्जन)/2433--अतः म्फे, क्षेत्रप्रिय पन्त,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुट से अधिक है

और जिसकी सं. अपूर्ण मकान प्लाट नं. 67 पर है तथा जो अरंग कालीनी, भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 7-7-1981

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--- श्री रम्बा पृत्र श्री गृहिरा, निवासी 46/18, साउथ
 टी. दी. नगर, भोपाल।

(अन्तरक)

 श्री प्रमोद कुमार अग्रवाल पुत्र श्री आर. पी. अग्रवाल, निवासी इ.-6/66, अरोरा कालीनी, भोपाल।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- धव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं. 67एवं उस पर निर्मित अपूर्ण मकान जो कि अरोरा कालौनी भोपाल में स्थित हैं। काल क्षेत्रफल 418.063 वर्ग मीटर जिसमों से 120 वर्ग फीट बना हुआ है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, भोपाल

तारीब : 15-3-1982

प्रकृप आई .टो . एन . एस . -----

आयकर अधिनयम, 1961 1961 क(43) का धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मार्च 1982

निद्धि सं. आर्ड. ए. सी. (अर्जर)/2434--अतः भूभे, दोवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है ि स्थावर स्थाप, 'अधका विश्वा काजार महा 25,000/रा. से यधिक है

ओर जिसका स. तीन मंजिला मकान ह तथा जा लक्ष्मी टाकीज के पास, भेपाल मा स्थित हैं (आर इससे उपाबद्ध अनुसूची मो आर पूर्ण रूप स वर्णित हो), राजस्ट्रीकता अधिकारी के कार्यालय भाषाल में राजस्ट्रीकरण जात्रगणमा, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28-7-1981

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई ह आर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण निर्मिखत म वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुइ किए प्राप्त शावत, उरा आर्थानयम क अथीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
 - (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण ५, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) १० अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- 1. (1) श्रीमती पालवरी बाहा पतनी श्री संकर लाल (2) का सीना (3) अद्याक गुप्ता (4) सन्तोष गुप्ता है। सेवार स्पन्न (6) दिस्ता सप्पा (7) का अनीता ना (6) का राजित ना (9) का पति ना (10) क्षित का पति का पति का प्रतास काकरनाल नहीं तहा काराती प्रती श्रीमा स्थान ।
- 2. माहम्मद त्रिज्ञान एव माहम्मद रफाक वली माता रुक्षा रुका उस्ती काहम्बद स्थानः भाषाला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारा करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित कं अर्जन क सम्बन्ध में काई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकींग।

स्प्रध्नीकरण:--इसम प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मो परि-भाषित ह[‡], वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मो दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान तीन मंजिला जा कि लक्ष्मी टाकीज, भोपाल क पाम स्थित है, जिसका क्षेत्रकल 1322 वर्ग फाट है।

> देवप्रिय एन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

तारीख : 15-3-1982

मोहर .

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अजन क्षान, भाषान

शपाल, दिनाक 15 मार्च 1982

निवास म. आदी ए जी (अजन)/2435--अत म्फ्रे, दावप्रिय पन्त.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 - ७०. में अधिक है

और जिसकी सा तीन सीजना महान ही तथा जा तक्ष्मी टाकीज के पास, भारा भार्यक्ष है (आर इससा उपाबद्ध अन्सूची मा और पर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीक्की अधिकारी के कार्यना भाषात मा रिजस्ट्रीक्रण अधिनयस, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28-7-1981

को पुर्वाचित गंपित्त के उचित बाजार मृत्य से इम के दश्यमान प्रित के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्णेक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक हम से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

- 1 (1) श्रीमती प्राल्वनी बाई पत्नी श्री शंकर लाल (2) प्रामीन (3) अशाक गृप्ता (4) सन्तोष गृप्ता (5) सन्तव गन्ता (6) दिनश गृप्ता (7) क्रा. अनीता प्राप्त (5) प्राणीन नाम (9) व्या. रीता नाम (10) प्रान निकास प्राप्त । प्राप्त प्राप्तिया शंकरलाल नती माना प्राप्तति पत्नी शंकरलाल, भोषाल। (अन्तरक)
- २ नजमा रक्षीक पत्नी माहम्मद रफाक, भाषालं। (अन्तरिती)

का यह सूच्या जारा करक पूर्वाक्त सर्पत्ति क अजन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त मणीत के अर्जन के सवध म काई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना क राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों एर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में रामाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना क राजपत मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर संपत्ति मो हिातबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो विज्ञा जा सकागे।

स्पार्टी तरण — इसमा प्रयुक्त शब्द। आर पदों का, जा उक्त जिथिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं ५थें होगा, जो उस अध्याद में दिया गया है।

अन्सूची

एक किता मकान तीन मंजिला जो कि लक्ष्मी टाकीज, भोपाल के पास स्थित हैं। क्षेत्रफल 1430 वर्ग फुट हैं।

> देवप्रिय प्न्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 15-3-1982

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस॰----

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षंत्र, भोपाल

भोषाल, विनोक 17 मार्च 1982

निर्दोश मं. आर्झ. ए. सी. (अर्जन)/2436——अतः मृभ्ने, दोनप्रिय पन्त.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ध के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी मं. भूमि किसा 12 है, तथा जो प्राम गुड़ा परगना, ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णिस है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर बोने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन्या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री गंगाधर राव पुत्र श्री वामनराव जी धनेश्वर, निवासी माधोगंज नगर लहकर खालियर (म.प्र.)। (अन्तरक)
- 2. श्री प्रस्तावित रामकृष्ण गृह निर्माण समिति म्योदित मैनावाली गली लहकर ग्यालियर जिस्से प्रवर्तक सदस्य (1) महोश चन्द गर्ग पुत्र लक्ष्मण दास व तोताराम पुत्र गंगाराम व कालीघरण पुत्र रामलाल व ओम-प्रकाश पुत्र मोतीलाल नि. मुरार व रामजीलाल पुत्र हीरालाल व उपन्द्र कुमार पुत्र लक्ष्मण दास गर्ग व लक्ष्मण दास पुत्र मम्पत लाल जी गर्ग किशन लाल माह्र पुत्र पन्नालाल शाह व क्मारी पुष्पलता पुत्री लक्ष्मण दास जी व श्रीमती चमेली देवी पत्नी स्व. रामनाथ वैश्य व बालकृष्ण पुत्र तोताराम व राजा-राम श्रमा, सभी निवासी लहकर ग्वालियर (म. प्र.)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्बद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि कृषि किता 12 रकवा 1/465 है केटर में भाग $\frac{1}{2}$ स्थित ग्राम गुड़ा प्रग्ना व जिला ग्वालियर (मं.प्र.)।

दंवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज, भोपाल

ता**रील** : 17-3-1982

माहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षत्र, भोषाल

भोपाल, दिनांक 15 मार्च 1982

निदर्शि मं. आई. ए. मी. (अर्जन)/2437--अतः म्भे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित दाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी मं भूमि खेत किता 12 है, तथा जो ग्राम गूडा, ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल फिल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत में वास्त-विक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

 श्री गंगाधर राव एक श्री वामनराव जी धनेश्वर, निवासी माधागंज नगर लक्कर खालियर (म.प्र.)। (अन्तरक)

2. श्री प्रस्तावित रामकृष्ण गृह निर्माण सहकारो सिमितिः स्यादित मैनावाली गली लक्कर खालियर जिर्च्य प्रवर्त्तक सदस्य (1) महोत्रा चंद्र गर्ग पृत्र लक्ष्मण दास व तोताराम पृत्र गंगाराम व कालीचरन पृत्र रामलाल व ओम-प्रकाश पृत्र मोतीलाल नि. मुरार तथा रामजीदास पृत्र हीरालाल व जपेन्द्र क्रमार पृत्र लक्ष्मण दास गर्ग व लक्ष्मण दास गर्ग व लक्ष्मण दास गर्ग व लक्ष्मण दास पृत्र सम्पत लाल जी गर्ग किक्षर लाल साहा पृत्र पन्नालाल शाह व क्रमारी पृष्पलता पृत्री लक्ष्मण दास जी व श्रीमती चमली देवी पत्नी स्व. रामनाथ वैश्य व बालकृष्ण पृत्र तोताराम व राजाराम शर्मा, सभी निवासी लक्कर, ग्वालियर, (म.प्र.)।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि कृषि खेत किता 12 रकवा 1/465 हैक्टर में भाग 1/2 स्थित ग्राम गृहा परगना व जिला ग्वालियर (म.प्र.)।

> दोवप्रिय एन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

तारीख : 15-3-1982

परूप प्राई० टी० एन० एस०---

प्रायकर रिधानियम, 1961 (1961 का 43) की ारा 269•घ (1) के पानीन स्चना

מובל לבשני

धार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उर्जन हो^{कू}, भोषान

कार्यालय, सहायक आर्फर आयुक्त (निरीक्षण)

निर्दोक सं. आर्ड. ए. सी (अर्जन)/2438—-अतः मुक्ते, दोविशिय पन्त.

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 ता 43) (जिसे इसमें इसके पहवात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिवत बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी स. प्लाट नं. 10 ही, तथा जो राजगढ़ कीठी कम्पाउण्ड, इन्द्रीय में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकिर्त अधिकारी के कार्यालय इन्द्रीय में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15-7-1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उतित बाजार सूस्य से कम के बृथ्यमान प्रतिफल के निष् प्रत्निर्द ने दि है पौर मुझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वीका प्रकाति का उति । बाजार सन्य, उसके वृथ्यसान इतिकान से ऐसे वृश्यमान प्रतिकात का पनद्रह प्रतिणत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितिसे), के बीच ऐसे पन्तरम के निष् तय पाया गया प्रतिकात, निम्मीसिश्त अनेक्य में उकत अन्तरण लिखित में बास्तविक कष्प से लिखन नरी किया गया है !~

- क) अन्तरण से हुई किया आय की **बाबत, उक्त अधि**नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसो आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारताय ग्रायकर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्राधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनियम, 1927 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारः प्रकट नहीं किया गा। या किया जाना चाहिए या, त्याने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उदत श्राधनियम की घारा 269-ग के **यनुसरण** में, में उक्त अक्षिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों ग्राधीत् —

- श्री रामाल कृष्णा मनन एक श्री बी. माधवन नाम्बिशार, 6, ग्रट लिक्कपति कालौनी, इन्द्रौर। (अन्दरक)
- री. शिटक मृत्यर्टभग्ट्या, 13, तार्थ हालीताला राड, इन्दार।

(अन्तरितो)

ो यह सूचना जारी करः विकित सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस सूत्रता के रागात में प्रकालन की तारोख से 45 दित की अवधि या तत्सम्बन्दी ध्यक्तियां पर सूचना की तामील में 30 दिन की प्रविध, भी भी ध्वधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श्र) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य क्यक्ति द्वारा, श्रध्नप्तम गक्षित के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण --इसमे प्रयुक्त शक्ष्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,वही धर्य होगा, जो उस अध्याप में दिया गया है।

अनुस्ची

प्लाट नं. 10 जो कि राजगढ़ कोठी कम्पाउण्ड, इन्दौर में स्थित है, जिसका क्षेत्रपल 8546 हर्गफीट है।

> द विप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोषाल

ारीस 15-3-1982 भाहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

अ।यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्दोश सं. आई. ए. सी. (अर्जन)/2439—-अतः मुक्ते, देवप्रिय पन्त,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

और जिसकी सं. मं. नं. 42/923 है, तथा जो लक्कर, ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 24 जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है पीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्बद्धि का उचित बाजार मूल्य, उसके प्रथमान प्रतिफल से, ऐसे पूर्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिशत से धांधक है और धन्तरक (अन्तरकों) घौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निये तय पाया गंगा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक माम कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का वाबत. उवत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना चाहिए था, छिवाने में मुखिधाक लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :-- 21-36GI/82

 श्री इन्द्रजीत व शिवाजी राव भोसले पुत्र सम्भाजी राव भोसले, नि. ग्राम होरा, जिला कोल्हापुर, महाराष्ट्र।

(अन्तरक)

2 (1) श्री कृपाल बास पुत्र श्री मोहनदास सिधी, लालाका बाजार, लक्कर (2) राजीव पुत्र एकनाथ कायल माधागंज, लक्कर (3) अक्षोक कुमार पुत्र केवारनाथ, चावड़ी बाजार (4) मातादीन पुत्र स्याम लाल गर्ग, दही मंडी, लक्कर।

(अन्तरिती)

को यड् सूचना जारी करके पूर्वोकन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्यन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : -

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दित की अविधि या तत्सम्बरधी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाध्य होतो हो, के भीतर पूर्वीकत स्वत्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उका स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति दारा प्रधोत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पडरीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयं होगा, जो उन अध्यार में दिया गया है

अनुसूची

मकान स्थित महाखिक की गांठ लक्कर नं. 42/923/2।

देविप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

नारीख: 15-3-1982

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्द: ए. सी. (अर्जन)/2240--अत: मुभ्हे, देवप्रिय पन्त,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / एत. से अधिक हैं और जिसकी सं. म. नं. 1396 है तथा जो लक्ष्मी कालोनी, ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और

पूर्ण रूप से दर्णित हैं), रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 10-7-1981

को पूर्वोक्त सम्पर्तित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददोव्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण स हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/गा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा केलिए:

अन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थातु: ---

 श्रीमती चन्द्र कला स्हाय विधवा भगवत सहाय, निवासी लक्ष्मीबाई कालीनी, ग्यालियर।

(अन्तरक)

2. श्री चन्द्र प्रकाश अग्रवाल पुत्र बागीमल अग्रवाल, 81, खेरापति कालीनी, ग्वालियर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्ट सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हसे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र से प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित , ...-ाज ∠०-फ म पारभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

मकान नं . 1396 हैं . न . 22 जो कि लक्ष्मीबार्क कालौनी, ग्वालियर मं स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

वारीख : 15-3-1982 मोहर :

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध(1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 मार्च 1982

निवर्षेश सं, आर्ह. ए. सी. (अर्जन)/2441--अतः मूक्ते, वेवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 47/1062 का एक भाग है तथा जो कम्पू रांड, लक्कर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-7-1981

का पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्रियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतियधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री खान चन्द पुत्र गंगलमल, कासिम खान का बाडा,
 दोल बाजार, लक्कर, ग्वालियर--मृ.प्र.।

(अन्तरक)

2. श्री अमरजीत सिंह सोढी पृत्र मुसत्यार सिंह सोढी, निवासी श्रीराम कालोनी, लक्कर, ग्वालियर (म.प्र.)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसंबर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जुक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशावित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

मकान नं 47/1062 जो कि कम्पू रोड, लश्कर, ग्वालियर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज, भोपाल

तारीम : 16-3-1982

प्ररूप आर्द्दा. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 16 मार्च 1982

निदर्भेश सं. आर्ड.ए.सी(अर्जन)/2442--अतः मुक्ते, देवप्रिय पन्त,

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पितः, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- फ. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 26 है, तथा जो आंसी रोड लक्कर श्रीराम कालोनी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप सं विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-7-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्त्रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने मे सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ः—

 श्री सिच्चदानन्द वात्साथन आत्मज डा. हीरानन्द जी गास्त्री, निवासी कैवन्टर्स ईस्ट कैवन्टर लैन सरदार पटील मार्ग नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती मुनीता तिवारी पत्नी सुरोश मोहन तिवारी निवासी 16 जे. एे. हास्पीटल कौम्पस, लक्कर, ग्वालियर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपक्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति स्थित श्रीराम कालीनी फांसी रोड, लश्कर, ग्वालियर नि. ह. 22 प्लाट नं. 26 ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^नज, भोपाल

तारी**ल** : 16-3-1982

मोहर.

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज, भाषाल

भोपाल, दिनांक 17 मार्च 1982

निवर्षेश सं. आर्इ.ए.सी (अर्जन)/2443--अत: मुभ्ते, वंबप्रिय पन्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे 🛊 इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/~ रा. से अधिक है और जिसकी सः संपत्ति है, तथा जो लक्कर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची मं और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रेजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-7-1981 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ध्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्झ है और मुभे यह विश्वास करले का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकाल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बाच एस अन्तरण का लए तय पाया गया प्रति-फल निम्नालिखित उदर्बय स उदन अन्तरण जिखित में बास्तविक

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; आर्ट/या

रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

 (1) श्री शिवाजीराव सडके पृत्र नारायण राव सडके
 (2) श्रीमती निर्मला बाई सडके विधवा श्री नारायण राव सडके (3) श्रीमती जयमाला पत्नी अनिल कुमार धवन (4) श्रीमती शान्ताबाई सडके विधवा कृष्णराव सडके सभी निवासी निम्बालकर की गाउ लक्कर।

(अन्तरक

2. (1) श्रीमती रामश्री दवी भागव पत्नी श्री रामस्वर भागव, मामा का बाजार लक्कर ग्यालियर (2) श्रीमती चन्दा जैन पत्नी श्री पी. मी जैन गस्त का ताजिया लक्कर-ग्वालियर म. प्र.।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकायन की नारीख़ में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोत्स्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अन्सूची

संपत्ति जिसका माप 5581 . 2 वर्ग फुट ह**ै**। जा ल**ब्**कर में स्थित **है**।

> दोवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जे, भोपाल

तारील . 17-3-1982 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, भापाल

भाषाल, दिनांक 15 मार्च 1982

निद्रांश सं. आर्द्रः ए.सी. (अर्जन) / 2444— - अतः मूक्तं, देविप्रिय पन्तः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कर यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 36/377/2 है, तथा जो सातभाइं को गांठ तश्कर मं स्थित है (और इसस उपाबद्ध अनुसूची मं और पूर्ण के रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्त्य, ग्वालियर मं रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 6-7-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति कं उचित बाजार मूल्य सं कम के इक्यमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. श्रीमती गायत्री दंवी धगट पत्नी श्री क्रूबराशंकर धगट निवासी एफ-2 जवाहर नगर कालोनी, लश्कर ग्वालियर मं. प्र.।

(अन्तरक)

 श्री परमानन्द दुवानी पुत्र जीवनलाल दुवानी फौशग्ली, माधोगंज, लश्कर, ग्वालियर - म. प्र.।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह⁶।

अनुसूची

मकान नं . 36/377/2 जो कि सातभाई की गांठ लक्कर, ग्वालियर में स्थित है।

दोवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, भोपाल

तारीख: 15-3-1982

मांहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिज, भाषाल

भोपाल, दिनांक 17 मार्च 1982

निर्देश स आर्ड ए.सी. (अर्जन) / 2445 — अत म्फे, देविप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स. भूमि मानांक 6/2 तथा 20/2 है, तथा जो ग्राम पारसीस्बेडा गुना में स्थित है और इससे उपादद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-7-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की रई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एमं अन्तरण के लिए तर णया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथन नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने म सविधा के लिये, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अक्तः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिन व्यक्तियों, अर्थात :---

श्री अमरजीत सिंह पश्र विच्चतर सिंह, मनजीत सिंह पूत्र विच्नतर सिंह सिख निवासी चक्र पारसी खंडा परगना गुना।

(अन्तरक)

2 शी श्विद्यम सिह, हर्गजन्दर करि, गुरुचरण सिह पीतम सिह, बर्गालस्य सिह स्किन्दर सिह, बलद व सिह हर्गक सिह, गुरुमल सिह, हरमिन्दर सिह, हरवर्ग सिह, भूषन्द्र सिह, कल्वत करि, मुखतार सिह, निसम सिह, नार्यसह सिख नि ल्थियाना हाल चक्रगारसी खडा तह व जिला - ग्ना (म. प्र.)।

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हा।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्क भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभिया तत्मस्त्रन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में कि सी त्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताकरी के पास निस्तिन में किए जा सकेगी।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयाक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भीमि ग्राम चक पाररीखंडा तह । जिला कता। मानाक 6/2 रथा 20/2 टाल रक्षा 12-548 है ।

> दांत्रप्रिय पन्न सक्षमः प्राधिकारी अर्जन राजः, भोषान सहायक आयकार आगन्त (सिरीक्षण)

गरील | 17-3-198**2** महर प्ररूप भाईंटी. एन्. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अभीन स्**य**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 मार्च 1982

निदर्भश म आर्ड. ए. मी. (अर्जन) / 2446 — अतः म्भे, देविप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी स. भिम मानांक 6/2-9-13-2/2 है, तथा जो चक पारगीखंडा गुना म रिश्वत है (और इससे अपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्णालय, गुना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अथीन, 17-7-1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय या बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- श्री बच्चतर मिह पृत्र सरदार चंदन सिंह सिख निवासी ग्राम चकपारसीखड़ा, परगना गृना।
 - (अन्तरक)
- 2. श्री रिएदमन सिंह ,हरजिन्दर कार, गुरूचरण सिंह प्रीतम, बल्विन्दर सिंह, सिकन्दर सिंह, बल्देव सिंह, हरिनेक सिंह, गुरूमेल सिंह, हरिमन्दर सिंह, हरवंश सिंह, भूपेन्द्र सिंह, कलवंत कार, मुखलार सिंह, निक्षेम सिंह, तारा सिंह सिख नि. लूधियाना हाल, नि. चकपारसीखेड़ा, परगना ग्ना। (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 - क में परिभाषित है , वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है ।

अनुसूची

भूमि स्थित कक पारसीलंड़ा तह व जिला गुना भूमि भानांक 6/2-8-13-2/2 कुल रकवा 16.721 है केटर।

दोवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

अत[.], अब, उक्त अधिरियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

नारीच ' 17-3-1982

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 17 मार्च 1982

निर्देश मं आर्ड ए.सी (अर्जन) / 2447--अतः म्भे, दोवप्रिय पन्न.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी स. भूमि मानांक 18-19-33 एवं 20 है, तथा जो चकपारसीखंडा में स्थित हैं (और इसोंस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गूना में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-7-1981

को पूर्वेक्ति संपित्त के उचित बाजार मूल्य में काम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकार्गे) और अन्तरिती (अन्तरितियारें) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उव्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निनियत व्यक्तियों , अर्थान्:--- 22-36 GI/82

 श्री हरजीत स्मह पृत्र बिच्छनर सिंह निवासी पारसी-लेखा स्वयं तथा म् जास विच्चतरसिंह पृत्र चंदनसिंह सिखा

(अन्तरक)

2. श्री रिपदमन सिंह, हरजिन्दर कार गुरूचरण सिंह, श्रीतम सिंह वलिवन्दर सिंह, स्किन्दर सिंह, बलदेव सिंह, हरनेक सिंह, गुरूमेल सिंह, हरिमन्दर सिंह, हरकंशसिंह, भूपेन्द्रसिंह कालवत कारे, मुखतार सिंह निक्षेत्र सिंह, तारा सिंह सिस्य नि. लू वियाना हाल चकपारसी लंडा गुना (म. प्र.)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उत्कल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशा गया है।

अनुसूची

भूमि स्थित ग्राम चकपारसीखंडा तह व जिला गुना-भूमि मानांक 18-19-33-20/22/1-24-25/1 कर्ल रकवा 12-227।

> दोवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, भोषाल

मोहर्

नारीष : 17-3-1982

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन गंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्दोश स. आर्ह.ए सी. (अर्जन) / 2448—अतः म्फ्रें,

पोविप्रिय पन्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/ रत. से अधिक हैं

और जिसकी मं मकान नं 300 प्लाट नं 74 ब्लाक नं 1 है, तथा जो मिधिल लाइन्स छिदबाडा मो स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची मो और पर्ण क्य सं विर्णित है), रिजिस्ट्रीलक्षा अधि-कारी के कार्यालय, छिद्धाडा में रिजस्ट्रीटारण अधिन्यिक, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 18-7-1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यक्षान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमार पित्रजल में एंसे दश्यमार प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अनरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तर पाया गया फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त **अधिनियम के अधीन कर दोने के** अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सदिधा के लिए; आर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्त्यां को, जिल्हां भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्रागा प्रकट सही किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

उत्तः अब, उक्त अधिनियम, ती धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) शीमती कालदीय नारि पत्नी श्री हरभजन सिंह अरारा (2) श्री हरिन्दर सिंह अरारा प्र हरभजन सिंह अरारा (3) श्री परमजीन सिंह अरारा, प्व हरभजन सिंह अरोरा सभी निवासी चळ्ळार रांड छिद-बाषा (म. प्र)।

(अन्तरक)

2 (1) श्री विषयनाथ तिकारी पुत स्व. मोहनलाल तिवारी (2) श्रीमती विन्द्रा निवारी पत्नी श्री विषय-नाथ निवारी (3) श्री णुरणान्म जोग पृत्र श्री मारतंड जाग (4) श्रीमती मीना जोग पत्नी श्री पुरणांत्तम जाग सभी निवासी नागण्ड - (महाराष्ट्र)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं में 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयश, की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दा मिशिला एदाश मेथान या कि सिदिल लाइन्स छिदबाडा पराट शाउण्ड के सामने स्थित हो। यह भटन नजल प्लाट न 74 ब्लाक न 1 स्थेनिसप्ल बार्ड न 9 मो मेकान न 300 हो।

> दाविषयि पन्त सक्षाम प्राधिकारी सहायक आग्रकार आग्रक (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

नार्रांख 15-3**-**1982 सोहर प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रज्, भोषाल

भोपाल, दिनांक 17 मार्च 1982

निर्दोश मं. आर्हे.ए.सी.(अर्जन)/2449---अतः मुफ्ते, दोर्वाप्रय पन्ता,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रठ. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 131/8 है, तथा जो छोटापारा रायपुर में स्थित है (और इसस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकार्ता अधिकारी के कार्यालय, राय-पुर मा रिजस्ट्रीकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 25-7-1981

को पूर्वीयन सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोवित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्निलियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलियत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बिधनियम, या धन-कर बिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसन, व्यक्तियों अर्थातः —

- श्री लीलाधर, दोबीप्रसाद एवं गोविंद प्रसाद दमोले सभी
 पुत्र मुख्लीधर दमाले, निवासी छोटापारा रायपूर।
 (अन्तरक)
- श्री कृपाराम पुत्र तुल्सीराम माहू बैजनाथ पारा, रायपुर।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वापा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पान्त में हितबद्ध कि नी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्यीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

अनुसूची

छोटापारा रायपुर स्थित मकान नं. 131/8 क्षेत्रफाल 4100 वर्ग फुट है।

दंबप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेफ, भोपाल

तारीख : 17-3-1982 कोरर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्राज, भोपाल भोपाल, दिनांक 15 मार्च 1982

निदर्भेश सं. आई.ए.सी.(अर्जन)/2450---अतः मुक्ते, दोवप्रिय पन्तः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ख. नं. 521/3 है, तथा जो खण्डवा में स्थित है (और इस्से उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खण्डवा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 6 ज्लाई 1981

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य के क्षम के द्रश्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिक कप सं कि थिस नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. सर्वश्री (1) सरदार स्वरूप सिंह (2) मालक सिंह (3) गुरजीत सिंह, (4) जगजीत सिंह सभी पूत्र श्री ज्ञान सिंह छाबड़ा नि. लण्डवा, म. प्र.।

(अन्तरक)

 अनुपम गृहनिर्माण सहकारी समिति लि. व्वारा अध्यक्ष-माधव दिनकार सोले निवासी लण्डवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोंक्त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अमुसूची

स्वसरा नं. 521/3 की सण्डवा स्थित भूमि।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

बतः बन, उक्त अधि । यम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

तारील : 15-3-1982

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 मार्च 1982

ि निर्दोश सं. आर्द्राः एःसीः (अर्जन) / 2451 — अतः मुफ्ते , दोवप्रिय पन्त ,

म्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनन मिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सभन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थागर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- इसमें से अधिक है

और जिसकी सं. मकान दो मंजिला है, तथा जो गंज बासौदा में स्थित है (और इस्में उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गंज बासौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-7-1981

को पर्वक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य में अवत अन्तरण लिखित में अस्तिक हम से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबस, उक्त भ्राधि-नियम के श्रवीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, ष्ठिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः-- श्री गिरयर सिंह पुत्र तरवर सिंह, सौदान सिंह पुत्र गिरवर सिंह रघुवंशी निवासी वासीदा हाल कोठी चार खुर्द।

(अन्तरक)

 श्रीमती लक्ष्मीबाई पत्नी श्री गुलाबचंद जैन निवासी गंज बासौदा।

(अन्सिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी झालेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी अपिक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन को श्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अपिक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगें।

स्पष्टी करण :--इनमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों हा, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान वाके गंज वासौदा दो मंजिला वार्ड नं . 3 जिला विविधा 34 मीटर लम्बा 7 . 85 मीटर चौड़ा।

> दोवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

तारीख : 17-3-1982

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की आहर। 269म(1) के भवीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राष्ट्र, भोषाल

भाषाल, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्झ. ए.सी. (अर्जन) / 2452 -- अतः मुक्ते, दोविप्रिय पन्त.

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रात्धिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, 'जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिस्की सं. मं. नं. 59 है, तथा जो वड़ा बाजार विदिशा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रोजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विदिशा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15-7-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण अते. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इते अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ----

- श्रीमती प्रमिला दोबी पत्नी चन्द्रमोहन स्वर्णकार निवासी विदिशा हाल, निवासी सीहार, (भ.प्र.)।
- 2. श्रीमती आशारानी पत्नी श्रीवसंत काुमार जैन निवासी माधवगंज विदिशा-म. प्र.।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास किसी में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वार्ड का. 11 में मकान नं. 59 दो मंजिला जो कि **बड़ा** बाजार विदिशा में स्थित **ह**ै।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, भोपाल

ता**री**ल : 15-3**-**1982

मोहर ः

प्ररूप आधूर.टी.एन.एस.-----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भांपाल

भोपाल, दिनांक 17 मार्च 1982

निर्दोश सं आर्घः ए. मी. अर्जर/2453— अतः मुक्ते, दोवप्रिय पन्तः,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से प्रधिक है

और जिसकों मं. सकान नं. 614/ए का भाग खसरा नं. 11/3 हैं, तथा जो कमला नेहरू नगर जहलपूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूनी में और पूर्ण के रूप से विणित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारों के कार्यालय, जबलपुर में रिधत हैं।, रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारों के कार्यालय, जबलपुर में रिधत हैं।, रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारों के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिकों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफ्ते यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत भ, ऐम दृश्यमान प्रतिकृत का पम्द्रह प्रतिग्रत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- ग्रन्तरक में हुई किभी आय की बाबत, उक्त अधि-शियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, गर/या;
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विषया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः ग्रन्न, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की खपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमती कमलाबाई विधवा स्व. गांविन्दराव साड कर,
 श्रीमती सुहास ठाकार पृत्री गोविन्दराव साड कर,
 श्रीमती ज्योति कांजराड कर एवं का माया साड कर
 नि. कमला नहरू नगर जबलपुर।

(अन्तरक)

2. श्री सुर शचन्द पुत्र श्री धन्नालाल जैन, श्री सूनीलक्तूमार पुत्र श्री सुर शचन्द जैन लार्ड गंज जबलप्र -म . प्र . (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रद्योहस्ताक्षरी के पाय लिखित में किए जा सकेंगे।

स्राष्ट्रो करणः--इसमें प्रयुक्त गर्क्दों ग्रीर पद्यों का, जो उस्त ऋषि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्पोरिशन नं. 614/v, कमला नेहरू नगर पर बने सकान का भाग जो कि बरिशा नं. 11/3 गांव हिनोटिया, जबलपुर पर स्थित है।

देविप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

तारीख: 17-3-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 मार्च 1982

निर्दोश सं. आर्ड. ए. सी (अर्जन)/2454—यतः मुक्ते, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं 730ए, 730बी, 730मी, 730बी है तथा जो मरहाताल वार्ड, जवलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय जवलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16:7-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से किथत रहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनय्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातु:——

- श्रीमती कलाबती पत्नी स्व .श्री राजगोपाल यादव,
 49, श्रीकृष्ण नगर, बाषट रोड, पूना।
 (अन्तरक)
- (1) श्री कशवदास पृत्र श्री सावनदास (2) श्री हरीश कुमार पृत्र श्री सावन दास (3) रमंश कुमार पृत्र श्री सावन दास, सभी निवासी 12, लाजपत कुंज, जवलपुर--(म.प्र.)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त मंपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियाँ द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकांन नं 730ए, 730बी, 730 सी व 730 डी साथ मों बाटर पम्प, हुंड पम्प, बिजली एवं सेनिटरी फिटिंग जो कि प्लाट नं 160 नजूल शीट नं 82 मरहाताल जबलपूर मो स्थित है। एरिया 1550 वर्ग फट्ट है।

> दंबप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोपाल

तारीख: 17-3-1982

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 17 मार्च 1982

निर्दाश सं. आर्दः ए. सी. (अर्जन)/2455---अतः स्के, क्षेत्रप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूखण्ड क. 286 पर मकान है तथा जो नीमच कौण्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नीमच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 3-7-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सृष्टिधा के सिए;

श्री मेजर जगत प्रकाश बेरी पुत्र लाला गोरधन प्रसाद जी बैरी, निवासी बंगला नं. 37, नीमच कैण्ट परगना नीमच (म.प्र.)।

(अन्तरक)

 श्रीमती पुखराज लाबिया धर्मपत्नी श्री अरुण क्रुमार जी खाबिया, निकासी तिलक मार्ग, नीमच कैण्ट परगना नीमच (म.प्र.)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकिस क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वादा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- सम्परित के सिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नीमच कौण्ट परगना नीमच मों नीमच सुधार न्यास, नीमच की योजना क. 17, राधाकृष्ण नगर स्थित मकान भूखण्ड क्रमीक 286 जिसका कान क्षेत्रफल 176.51 वर्ग मीटर हो।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राध्कारी सहायक आयकर आपूक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---23—36GI/82

तारीख : 17-3-1982

प्रकप आई• टी• एन• एस•--

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जर रॉज, 2 बंबर्ड

बंबर्ड, दिनांक 5 मार्च 1982

निद^{*}श सं. ए. आर.-2/3200/81-82--अतः मुक्ते, एमः एमः शुक्ला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सी एस नं. 1194 नया सर्वे नं-1/80 है तथा जो माहिम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 3-7-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रांतफन के लिए प्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफत का पन्द्रह प्रतिणत से प्रधिक है घौर प्रनारक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरम के निए तर पाया गरा प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश से उक्त प्रस्तरण निखित में वास्तविक छप से कथिन नी किया गया है:——

- (क) अन्तरण से दुई किमी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या मन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुक्किया के लिए;

श्रतः भन, उन्त प्रधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-भ की उपद्यारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्री वृतियन जोसेफ फरीस्

(अन्तरक)

 मंग्नांनट को-आपरोटीय हाऊसींग सोसाइटी लि. भाजेंगी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रना के राज्यन म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पढ्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधि-नियम के मध्याय 2) के में परिभाषित है, वहीं मर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या 2205/71 है और जो उप-रिज्स्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 3-7-1981 को रिजस्ट्रिङ किया गया है।

एम. एम. शुक्ला सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज 2, बम्बाई

तारीब : 5-3-1982

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (१) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, बम्बर्ड

बंबई, दिनांक 17 मार्च 1982

निर्देश सं. ए. आर. 11/3216/17/8/82—अतः मुक्ते, एम. एम. शुक्ला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक **है**

और जिसकी सं. नं. 38, सीटी एस नं. 510/7 है तथा जो जुहू में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बेर्ड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

तारीस 31-7-1981

को पुर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल मे, एमे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अश्विनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (इत) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 2**7**) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269- व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री रोशन फाली पालीआ और अन्य

(अन्तरक)

2. सिल्ब्हर सेंड हाटल्स इन्व्होस्टमेंट प्रायव्होट लिमिटोड (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इ.स.सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा स**े** 45 दिन की अविधियातत्सम्बन्धीव्यक्तियों पर सूचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उत्तर अध्याय में विया गया

अनुसूची

जैसा विक्रीवलेख संख्या एस 1089/80 और जो उप-रजिस्ट्रार बम्बई दुवारा दिनांक 31-7-1981 को रिजस्टर्ड किया गया

> एस. एम. शुक्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, बम्बई

तारीस 17-3-1982 मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **269-प(1) के प्रधीन सूच**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, प्ना-411004

पुना-411004, दिनाक 6 मार्च 1982

निवर्ष्य स. आई ए एस/गि। एस एस/एस. आर. ठाणे/जूलाई-81/601/81-82——यतः मुक्ते, आर. के अप्रवाल, श्रायक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्ने इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूख्य 25,000/- इपए से अधिक है

और जिसकी संख्या म. न. एस/1 (पी), सि. स. न 93/81, टिक्का न 15 मकान न. 32, म्ट-निसि. वार्ड न. 2 हैं तथा जो नवपाड़ा, ठाणे में स्थित हैं (और इसमें उपावव्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ब्यूयम निबंधक ठाणे में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जूलाई 1981

(1908 का 16) के अधीन, तारीय जूलाई 1981 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वाम सरों का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरको) और अन्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षत्र निम्नलिचित उद्देश्य में उक्त धन्तरण लिखित में शस्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत छक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आयया किसी घन या अन्य शास्तियों को जिन्हें चारतीय धामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर घिषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप्धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री शांताराम महादेव ताम्हणे (2) श्रीमती मालिनी शांताराम ताम्हणे जुना मुबअी-आग्ना पथ, ठाणे (अन्तरक)
- 2. श्री पांपटलाल देवजी देखिया 4, महाजन अपार्टमें ट्स व्ही-एस पथ, ठाणे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वीकन
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्षा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पक्कोकरगः --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटीं जो स् नं एस/1(पी), सी स. न. 93/1, टिक्कान 15 मकान नं 32, म्युनिसिपल वार्ड न 2 नवपाडा, ठाणें में स्थित हैं। (जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत न विलेख क 151 जो जुलाई 1981 में दुख्यम निबंधक ठाणे के वफ्तर में लिखा हैं)।

> आर. के. आगरवाल सक्षम प्राधिकारी स्हायक आयकार आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, पुना

तारील : 6-3-1982

प्रकप बार्ड . टी . एन . एस . -----

भाष्यकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पूना-411004

पूना-411004, विनांक 6 मार्च 1982

निदर्भेश सं . आई ए सी/सी ए एस/एस . आर . जलगाव/जुलाई-81/607/81-82--यतः मुभ्ते, आर. के. आररवाल, **अगयकर अधिनियम,** 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 ∕रुत. से **अधिक है** और जिसकी संख्या शेत गटनं 322/2 बीहै तथा जो मौजे पिंप्राले ता. और जि. जलगांव में स्थित हैं (और इसमें उपाक्ष्य में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-ल्य दुय्यम निबंधक जलगांव मं, रिजम्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर, तारीख जुलाई 1981 को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से ए'से दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उत्तर अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा की किए;

बतः वा उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री शंकर यादव कोली और 2 ग-पिप्राले, ता. और जि. जलगांव

(अन्तरक)

 श्री सतीश कामार भिक्यचंद जैन 7, शिवाजी नगर जलगांव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो जक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

संती की जमीन जो शंत गटनं 332/2 बी, मीजे पिंजाले, ता. और जि. जलगांव में स्थित है। (असे कि रिजिस्ट्रीकृत विलेख क. 2857 जो जुलाई 1981 में व्ययम निबंधक जलगांव के दफ्तर में लिखा है)

आर. के. आगरवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, पूना

तारीय : 8-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॅज, पूना-411004

पुना-411004, दिनांक 8 मार्च 1982

निर्दोश स. आर्ह. ए. एस./ सी. ए. एस. एस. आर. जलगांव/जुलार्हो81/609/81-82--यतः मुभ्हें, आर. के. अग्रवाल,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. शेत गट नं 153 है तथा जो पिप्राले में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय द्य्यम निबध्क जलगांव में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जुलाई 1981

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्नह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देषिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से किथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन, निम्निलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात्:--

 श्री ओं कार काशीराम मनली 70, भरोती पंठ, जलगांव

(अन्तरक)

2. श्री विठ्ठलवास विष्णुवास गुजराशी (2) सौ. वासंती बालमुकुद गुजराशी (3) श्री नामदेव माणिक सोनार (4) श्री संद्रकान्त पोपट मामरे (5) श्रीमती मंजुला-बाई विठ्लराव चिंदे (6) श्री म्रोतीग्राम धनजी पाटील (7) सौ. विजय भरत पाटील (8) श्री वयाराम मोतीग्रम पाटील रा. सब जलगांव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो कारके पृत्रों क्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां कारता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्राम स्ट्री

खेती की जमीन जो घोत गट नं. 153, पिंप्राले ता. और जि जलगांव मों स्थित है। (जैसे की रिजस्ट्रीकृत विलोख क. 3045 जो जुलाई 1981 में दुप्यम निबंधक जलगांव के दफ्तर में लिखा है)

> आर. के. आगरवाले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पुना

तारीब : 8-3-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन् रॉज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 8 मार्च 1982

निदर्श सः आर्दः ए. एसः / सी. ए. एसः / एसः आरः नासिक/जुलाई $-81\frac{1}{611}$ /81-82—यतः मुक्ते, आर. के. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इस हे प**त्र्चा**त 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का **कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका** उच्चित दारार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक **ह**ै

और जिसकी संख्या सि. स. न. 2588 म्यू. नं. 2333 है तथा जो मौजे दोवलाली नासिक रोड, जि. नासिक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय द्य्यम निबंधक नामिक में, रिज-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जुलाई 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रहं प्रतिकात अधिक हैं और अन्तर्रक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उददोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयको बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (मा, एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधाके लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, वर्धात्:--

श्री दिनानाध बापुभाई तलाजिया जुनी तांबट अली, नासिक

(अन्तरक)

2. श्री राभाष सुन्दर लाल कर्मा सौ. सुनिता सुभाष शर्मा आंबंडकर एथ, नांसिक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध सूचनाकी तामील से 30 विन की अविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यवितयों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी जो सि. स. नं. 2588, म्यु. नं. 2333 **है, मौजे** दोवलाली, नासिक गोंड, जि. नासिक मों स्थित हैं। (जैसे कि रिजम्द्रीकृत विलंख क. 2782 जो जुलाई 1981 में दुग्यम निबंधक नास्किक के दफ्तर में लिखा है।)

> आर. के. आगरवाल सक्षम प्राधिकारी म्हायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रिज, पुना

तारीख : 8-3-1982

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

अपः प्रकट् प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वा(1) के भ्राधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 12 मार्च 1982

निवेश मं. पी एस आर करविर जुलाई 81/610/81-82---यत: मुभ्ते, आर. के आगरवाल, प्रायक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/- ६० मे प्रधिक है

और जिसकी संस्था सि. स नं 2100 मी /47 है तथा जो ई वार्ड, रुई कर कौलनी कोल्हापुर में स्थित है), और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण स्थ से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुख्यम निबधक करविर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखन उद्देश्य से उचन अन्तरण लिखित में बास्तिबक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उपत अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायिस्य मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः, श्रवः, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, शक्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीतः—

- श्री महावीर आप्पा पाटील मकान नं. 2100 सी/ 47, ई वार्ड, रुईकर कौलनी, कोल्हापुर (अन्तरक)
- 2 श्री राम्चंद बल्मल बसंताजी (2) श्री लक्ष्मणदास बल्मल बसताणी कस्बे वडोगांव ता झातकणगल जि कोल्हापूर

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारतेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारं।ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताकारी के वाम लिखन में किए जा मकोंगे।

स्वद्धीकरण: -- इसमं प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो छक्त श्रिधितियम के ग्राड्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्राड्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रौपंटी जो सि. स. नं. 2100 सी/47, ई वार्ड, रुई-कर कौल्नी कोल्हापूर में स्थित है। (जैसे की रिजिस्ट्रीकृत विलेख क्र. 2543 जो जुलाई 1981 में बुप्यम निवधक करिवर के दफ्फतर में लिखा है)।

> आर. के. आगरवाल सक्षम प्राधिकारी स्हायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अूर्जन रांज, पूना

तारीस · 8-3-1982 मोहर :

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰~-

म्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रॉज, पूना-411004

णूना-411004, दिनांक 12 मार्च 1982

निवंश सं. आर्ड. ए. सी. सी. ए. 5/एस. आर. मुब्बी/ जुलार्ड / 613 / 81-82—यतः मुके, आर. कं. आगरवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक हैं और जिसकी संख्या प्लाट नं. ७ रि. सं. नं. 10 बी (पार्ट हैं तथा जो खंडाला ता मावल जि. पूर्ण में स्थित हैं (और इस्से उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीर जुलाई

1981
को पूर्वीवत सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम
करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसक दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिगत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण
लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय. की बाबत उक्त ग्रिधिनयम के ग्रधीन कर देने के ग्रस्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घा या प्रत्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए वा छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 268-ग के अनुसर्थ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निक्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— 24—36GI/82

- श्री छिबिलदास जगजीवनदास शहा कमल-क्ज, जीजीभाई पथ, मुंबजी 400019
- (अन्तरक)
 2. श्री सहानी किर्काबुड प्राइवेट लिमिटेंड 27, किरोल विद्याविहार (पश्चिम) मृंबशी 400086

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उरत सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूत्रींक्त व्यक्तियों में से किती व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्स किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नहीं।

हपड्टोक्ररण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'खक्त श्रधि-नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्रौपटी जो प्लाट नं. 7, रि.स. नं. 10 बी (पार्टा) खंडाला, ता. मावल जि. पूर्ण में स्थित हैं। (जैसे की रिजस्ट्रोंकृत विलेख क. आर. 1733 जो जूलाई 81 में द्याम निवंधक मुंबजी के दफ्तर में लिखा हैं)।

आर. के. आगरवाल मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, पुना

तारीख : 12-3-1982

प्ररूप माई• टी• एन• एस•----

श्रायकर ग्रचिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॅज, पूना-411004

पूना-411004, दिनाक 12 मार्च 1982

निवदेश मं. आर्ड. ए. सी./सी. ए.-5/एस. आर. वार्ड./ जुलार्ड 81/616/81-82--यतः मुभे, आर. के. आगरवाल, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका विनत बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से प्रधिक है, और जिसकी संख्या सं. न. 31 प्लाट न. 94 (1/2 हिस्सा) है तथा जो गांव मोसे पांचगणी नजबोंक, ता महाबलेश्वर जि. सातारा मों स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय द्य्यम निवंधक वार्ड में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूखे यह विश्वाम करने का कारण है कि थथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहेश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण स हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिष्ठितियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के । लिए।

गतः गन, उक्त अधिनियम् की भारा 269-ग के, अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- श्री बलदेव् राज सितासम मलहात्रा कोरेगांव पार्का, पूर्ण
 - (अन्तरक)
- 2. दि इटरनेशनल सोसायटी फारेर कृष्णा कान्शिसनेस पब्लिक वैरिटबेल ट्रस्ट हरोकृष्णा जमीन जुहू, मुबओ 49

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध,
 जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
 पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखान में किये जा सकेंगे।

स्रब्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्रौपटी जो स. न. 31 प्लौट नं. 94, गांव भोसे पांचगणी नजदीक, ता. दी महाबलेश्वर जी सातारा में स्थित है (1/2 हिस्सा) (जैसे की रिजस्ट्रीकृत विलेख क. 1072 जो जुलाई 1981 में बुख्यम निबंधक बाई के दफ्फातर में लिखा है)।

आर. के. आगरवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, पूना

तारीख: 12-3-1982

प्ररूप आइ . टी. एन. एस. ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, पुना-411004

पूना-411004, दिनांक 12 मार्च 1982

निविधा सं, आहे. ए. सी./सी. ए.~5/एम. आर. वार्ड./ जुला $\mathbf{\hat{t}}$ 81/618/81-82---यतः मुभ्ते, आर. को. आगरवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या स. न. 31 प्लौट नं. 92 (1/2 हिस्सा) ही तजा जो गांव भोसे, पांचगणी नजदीक, ता सहाबेल्य्वर सातारा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय व्ययम निबंधक वार्ड में , रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापवाकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्यः उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दर्भेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--

1. श्री बलदेव राज सिताराम मलहात्रा कारियांव पार्क. पुण

(अन्तरक)

2 दिइंटरनेशनल सोसायटी फौर कच्णा कौनसनेस पब्लिक चैरिटबेल ट्रस्ट हरेक्डणा जिसन जह. मुबजी-49।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बधी का वितयों पर सुचना की सामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्कत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

प्रोप्तर्दी जो सं. न. 31, प्लाट नं. 92, गांव भोसे, पांगणी नजदीक, ता. महाबालेश्वर जि. सातारा में स्थित है। (1/2)(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत विलेख क. 1073 जो जुलाई 1981 में द्य्यम निबंधक वार्इ के वफ्तर में लिखा है।

> आर के आगरवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, प्ना

तारीब : 12-3-1982

मोहर 🗈

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयक्तर आयक्त (किंरीक्षण) अर्जन रॉज, पूना-411004 पूना-411004, दिनांक 12 मार्च 1982

निवंश मं. आर्ड. ए. सी./सी. ए.-5/एम. आर. बार्ड./ जुलार्ड 81'614/81-82—यतः मुक्ते, आर. के. आगरवाल, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उच्ति बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. सं. नं. 31, प्लौट नं. 93 (1/2 हिस्सा) है तथा जो गांव भांसे, पांवगणी नजबीक, ला म्हाबलेश्वर जि. सातारा मी स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मी और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय व्ययम निबंधक वार्द मी, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का 16) के अधीन, तारीक जुलाई 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का प्रवृह्व प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उदृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ऋब, उक्त श्रिष्टिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री बलदोवराज सिताराम मलहात्रा कोरोगांव पार्का, पुणे

(अन्तरक)

2. दि इंटरनंशनल सोसायटी फ्राँर कृष्णा काँनसनेस पब्लिक चौरिटोबल ट्रस्ट हरोकृष्णा जिमन जुहा, मुंबजी 49

को यह सूचना जारी करके पृथांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्रापटीं जो सं. नं. 31 प्लौट नं. 93, गांव भौसे पांचगणी नजदीक, ला. महाब्लेश्वर जि. सातारा में स्थित है। (1/2) हिस्सा) (जैसे की रेजिस्ट्रीकृत विलेख क. 1074 जो दुय्यम निबंधक वार्ह के दफ्तर में, जुलाई 1981 में लिखा है)।

आर. के. आररवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, पुना

तारीख : 12-3-1982

मोहरः

प्रस्प स्राई० टी० एन० एम० -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॅज, पूना-411004 पूना-411004, दिनाक 12 मार्च 1982

निदेश सं. आई. ए. सी./सी. ए.-5/एस. आर. वाई./ जुलाई 81/615/81-82—यत. मुक्ते, आर के. आगरवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपिस, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सं न 31, प्लॉट न 93 (1/2) हिस्सा) है तथा जो गांव भोसे, पांचगाणी नजदीक ता महालेश्वर, जि साताग मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से टर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय द्यम निवंधक वाई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1981

को पूर्वोक्त संपर्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उष्दिश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अप्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

- श्री सतपाल सिताराम मलहोत्रा कारोगांद पार्का, पुणे (अन्तरक)
- 2 दि इनटरनेशनल सोसायटी फारेंग कृरणा को बासनेस पब्लिक चैरिदंबल ट्रस्ट हर कृष्णा जिसन जुहू, मुबअी 49

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क से परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

प्रौपटीं सं न 31, प्लौट न 93, गांव भासे, पांचगणी नजदीक, ता. महाबलेश्वर, जि. सातारा में स्थित हैं। (ई हिस्सा) (जैसे की रिजस्ट्रीकृत विलेख क. 1076 जो ज्लाई 1981 में दुय्यम निवंधक वार्ड के दफ्फर में लिखा है)।

आर. के. आगरवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, पूना

दिनांक 12 मार्च 1981 मोहर: प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

सहायक आयक्षर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, पूना-411004

णूना-411004, दिनांक 12 मार्च 1982

निदंश मं. आर्इ ए. सी /सी. ए.-5/एस आर. दाई./जुलाई 81/617/81-82—यत मुक्ते, आर के आगरवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सस्या न 31 प्लॉट न 94 (1/2 हिस्सा) है तथा जो गांव भामे पांचगणी नजवीक, ता. महाबलंदवर जि. सातारा में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक बाई में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जुलाई 1981

को पूर्वोक्त संपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निग्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिल नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- श्री सत्तपाल सिताराम मलहात्रा कोरागांव पार्का, पूणे (अन्तरक)
- 2 दि इटरनेशनल सोसायटी फारे कृष्णा कौनसनेस पब्लिक चैरिटोबल ट्रस्ट हरोकृष्णा जीमन ज्हा, मुग्राओ 49

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविधि को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गुया हाँ।

अनुसूची

प्रौपटी जो स. नं. 31 प्लौट न. 94, भोसे गांव, पांचगणी नजदीक, ता. महाबलेश्वर जि. सातास में स्थित है (1/2) हिस्सा)

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख रजिस्ट्रीकृत विलेख कः 1077 जो जुलाई 1981 में दुय्यम निवंधक वार्ड के दफ्तर में लिखा है)। में लिखा है)।

> आर. के. आगरवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, पुना

तारीय : 12-3-1982

भोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, पूना-411004

पूना-411004, विनांक 12 मार्च 1982

निद्शे सं. आई. ए. सी./सी. ए.-5/एस. आर. वाई./ जुलाई 81/619/81-82—यतः म्फे, आर. के. आगरवाल, स्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य' 25,000/- ६० से प्रक्षिक है

और जिसकी संख्या स. नं. 31, प्लाट नं. 92 (1/2) हिस्सा) है तथा जो गांव भांसे, पांचगणी नजदीक, ता. मराबलेश्वर जि. सातास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णिण है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निवंधक वाई में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जुलाई 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है गौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यशापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल किन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अभुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री मतपाल सिताराम मलहात्रा कारोगांव पार्क, पूर्ण (अन्तरक)
 - दि इंटरनेशनल सोसायटी फारे कृष्णा कान्यसनेस पिक्लिक चौरिटोबल ट्रस्ट हरोकृष्णा जिल्ला, मूंबजी-400049

(अन्तरिती)

को **यह सूचना जारी** करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षंप :--

- (क) इप सूचनाके राजरत में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की सबिध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोत्यस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरवदी इरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त प्रधितियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहां धर्ष होगा, जो उस प्रध्याय में वियागया है।

अमृस्ची

प्रौपटी जो स. नं. 31 प्लाट नं. 92, गांव भोसे पांचगणी नजदीक, ता. महाबलेश्वर जि. सातारा में स्थित है। (1/2) (जैसे की रिजिस्ट्रीकृत थिलेख क-1075 जो जुलाई में बुय्यम निवंधक बाई के बप्तर में लिखा है)।

आर. के. आगरवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, पुना

तारीव : 12-3-1982

प्ररूप आहर्.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्गालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज्, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 12 मार्च 1982

निर्दोश सं. पी 5/एस. आर. मिरज । । /जुलाई 81/621/ 81-82--यतः मुभ्ते, आर. के. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पण्नात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी संख्या रि. स. नं. 238 है तथा जो मिरज, जि. सांगली मे स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्राअधिकारी के कार्यालय दुय्यमे निबंधक मिरज ।। मे , रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जुलाई 1981 की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्वह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण के हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने की अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अभने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के चधीन निम्नुलिखित व्यक्तियाँ स्थातः- श्री सदाशिव वासुदेव पटर्धन ब्राह्मणपुरी मिरज जि. सांगली

(अन्तरक)

2. (1) श्री दत्तात्रय सहदंव मंडले (2) श्री आप्पासाहोब मंडले मुलाभाग, मिरज, जि. सांगली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ; 🕶

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमे प्रयुक्त दबवों और पर्वो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्रौपटी रि. स. नं. 238, मिरज जि. सांगली मे स्थित है। (जैसा की रजिस्ट्रीकृत विलेख क. 1313 जो जुलाई 81 में दुय्यम निबंधक सिरज ।। के दफ्तर में लिखा है)।

> आर. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना

तारील : 12-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.~~~---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पूना-411004 पुना-411004, दिनांक 12 मार्च 1982

निर्देश सं. षी 5/एस. आर. मिरज ।।/जुलाई 81/622/ 81-82--यतः मुफ्ते, आर. के. अंग्रवाल, **भायकर** अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक **ह**ै और जिसकी संख्या रि. स. नं 238 ह तथा जो मिरज, जि. सांगली में स्थित हैं (और इस्से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय द्रायम निबंधक मिरज ।। में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, तारील जुलाई 1981 भरे पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके धरामान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एरें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, अक्त, बर्डियुनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बर्डिंगा
- (प) एसी किसी आयं या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिधा के लिए:

अतः अब, जक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-इ की उपधारा (।) के अधीन, निम्निलिमिन व्यक्तियों, अर्थात् :—— 25—36GIJ82

- श्री सदािश्व वासुदेव पटवर्धन ब्राह्मणपुरी, मिरज जि. सांगली (अन्तरक)
- 2. श्री प्रशासमा गोविंद मंडले मला भाग, मिरज, जि. सांगली '(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधानियम, को सभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वृह्यी सूर्य होगा को उसु सुभ्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

प्रापटी जो रि. स. नं. 238, मिरज जि. सांगली में स्थित है। (जैसा की रजिस्ट्रीकृत विलेख क. 1290 जो जुलाई 1981 में दुम्यम निबंधक मिरज।। के दफ्तर में लिखा है)।

> आर. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, पूना

तारीख: 12-3-1982

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) क अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यात्य, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पूना-411004 प्ना-411004, दिनांक 12 मार्च 1982

निवर्षेक्ष सं. पी. 5/एस. आर. मिरज । । /जुलाई-81/ 623/81-82--यतः मुभ्ते, आर. के. अप्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारां 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक **ह**ै और जिसकी संख्या रि. स. नं. 238 है तथा जो मिरज, जि. सांगली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रिषस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्यालय दस्यम निबंधक मिरज । में , रजिस्ट्रीकरण अधिनियम , 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1981 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिली (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नांजिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से शुइं किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; बार्ग्/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सिविधा के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निमनलिकिति व्यक्तियों, अर्थातः ---

 श्री सदाशिव वासुदेव पटवर्धन ब्राह्मणपुरी, मिरज, जि. सांगली

(अन्तरक)

2. श्री महादाव भौरा मंडले मलाभाग, मिरज् जि. सांगली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

प्रोपटी जो रि. स. नं. 238, मिरज, जि. सांगली में स्थित है। (जैसा की रिजिस्ट्रीकृत विलेख के. 1327) जो जुलाई 81 में दुय्यम निबंधक मिरज।। के दफ्तर में लिखा है)

आर. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पुना

तारीख : 12-3-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के स्थीन सृच्ना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 12 मार्च 1982

निर्देश सं. आर्ड ए सी/सी ए 5 एस आर मिरज । । /ज्लार्ड 81/624/81-82—अतः मुफ्ते, आर. के. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य

25,000/- रु. में अधिक हैं

और जिसकी मं. रि. सं. रं. 238 है तथा जो मिरज जि. सांगली में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, द्यम निबंधक स्रिज ।। में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक जुलाई 1981

को पूर्थीक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्शेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कभी अपने या उससे बचने में सुविधा के सिए; आर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रक्षेजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिस व्यक्तियों. अर्थात :--

 दीपक नारायण पटवर्धन और दो ब्राह्मण पूरी, मिरज जि. सांगली

(अन्तरक)

 श्री दगड़ राम मंडाल ब्राह्मणपुरी, मिरज, जि. सांगली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मं परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्रोपर्टी जो रि. सं. नं. 238, मिरज जि. सांगली में स्थित हो।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत विलेख क. 1314 जो जुलाई 1981 में दुष्यम निबंधक मिरज ।। के दफ्तर में लिखा है।)

> आर. के. अग्रवाल सक्षम: प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज, पूना

तारीब : 12-3-1982

प्ररूप माई० टी• एन• एस•→--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (चिरीक्षण)

अर्जन रॉज, पूना-411004

पुना-411004, विनांक 12 मार्च 1982

निर्वोध मं आई ए सी/सी ए 5/एम आर मिरज । । /ज्लाई 81/626/81-82—अतः म्फो, आर. के. अग्रवाल, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की घारा 269-ख के अधी तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- क्ये से प्रधिक है

और जिसकी सं ार सं. न. 238 है तथा जो मिरज जि सांगली में स्थित हैं (और इसमें उपाष्ट्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित हैं), रजिस्ट्रीकिसा अधिकारी के कार्यालय, द्य्यम निवधक मिरज ।। में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जुलाई 81

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान पत्किल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाय करने का कारण है कि ययापूर्वीकत सम्पत्ति का अचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत, निम्नलिखित छड़ेय्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

- (क) धन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के टायिए व मे कमी करने या उससे धचने मे सुविधा के लिए; खौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हे भारतीय श्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः जन, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं , उन्नत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

- श्री दिलिप नारायण पटनर्धन और दो बाह्मपप्री, मिरज, जि. सागली (अन्तरक)
- 2. (1) श्री विठ्दल लक्ष्मण मडल (2) श्री भड़ लक्ष्मण मडले मलाभाग, मिरज, जि. सांगली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अभै। के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: →

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी र पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दो ग्रौर पत्ने का, जो उक्त ग्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापटों जो रि. स. न. 238, मिरज जि सांगली में स्थित है।

(जैसे कि रिजस्द्रीकृत दिलेख क. 1328 जो जूलाई 81 मी दायम निवधक मिरज ।। के दफ्तर में लिखा है।)

> आर. के. उग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, पूना

तारीख: 12-3-1982

मोहरः

प्ररूप धाई•टी•एन•एस•---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के भंधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 12 मार्च 1982

निवर्षा मं. आई ए मी/मी ए 5/एस आर जलगांव/जुलाई 81/627/81-82—अतः मुक्ते, आर. के. अग्रवाल, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इममें इसके पश्चात् 'जक्त ग्रधिनियम' कहा गया है); की धारा 209-ख के ग्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित्रत वाजार मृल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है

और जिसकी मं. गट न. 372 और गट नं. 373 है तथा जो मौज मनयार लंड ता. द जि. जलगांव मों स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्मूची मों और पूर्ण क्य में विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबधक जलगांव मो, रिजस्ट्रीकर्ता करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीस जलाई 1981

को पूर्वीश्व सम्पत्त के छिन्त बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्तिरत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उनक दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पर्तः प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रश्तरक (प्रस्तरकों) भीर प्रस्तरिती (प्रश्तिरतियों) के बीच ऐसे प्रश्वरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, सिम्नलिखित उद्देश्य से उका प्रस्तरण निखित में वास्तविक रूप से किंग्रत किया नहीं गया है ल्ल-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उबत अधिनियम के अधीन कर देने क अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में स्विधा के लिए।

अव, उक्त ग्रीधिनियम की धारा 269-ग के श्रामुसरण में, में, उक्त ग्रीधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थास्:--

- श्री अभयकाुमार रामचंद्र जोशी 144, नवी पठ, जल-गांब
 - (अन्तरक)
- 2 जलगाव आटोनगर कपनी सी-ग्रुप, जलगांव भागीदार-श्री मुलचंद बाबुलाल शर्मा नेरी नाका, जिल्हा पेठ, जलगांव

(अन्तरि**ती**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के **भर्ज**न के लिए कार्यं वाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन ह संबंध में कोई भी बाक्षेप !--

- (क) इत सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की बारी ख से 45 दिन की भविध या तस्त्रं की व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वत्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घन्नोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किंग्र जा सकेंगें।

स्वष्टी हरग :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उसत प्रधितियम' के धन्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस धन्याय में विधा गया है।

अनुसूची

प्रापटी जो गट नं. 372 और गट नं. 373 मौज मन्यारखेडो, ता. जि. जलगांव में स्थित हो।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत विलेख के. 2212 जो जुलाई 1981 मंद्रायम निबन्धक जलगांव के दफ्तर में लिखा है।)

> आर. के. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आय्कर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, पूना

नारोख : 12-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन्. एस्.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (चिरीक्षण) अर्जन रॉज-।, मम्राम-600006

मब्रास-600006, दिनांक 15 मार्च 1982

निद्येश सं. 122/जुलाई, 81—यतः मुक्ते, आर. रवि-चन्द्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसको सं. एस. सं. 47/2-ए और 59 ए/1, है तथा जो कार्बोरपट्टीनम, कृष्णगिरि टालुक, दरमपूरि डिस्ट्रीकट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से इणिंत हैं), रजिस्ट्रीकर्ला अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16-7-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एेमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में म्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिक व्यक्तियों. अधीत ∷---

1 : श्री एन : वॉरडाचलम और अद्रस

(अन्तरक)

2. श्री डी. शीनियासन और अदस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाकित सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्यों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमि - एस . ए. 47 2ए और 59-ए/1, पन्नीरसेलवम स्ट्रीट कार्वेरिपट्टीनम, दरमपुरी डिस्ट्रिकेट - डाकूमेंट सं. 1112.81)।

आर. रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे-।, मद्रास

नारीख: 15-3-82

प्ररूप आइ. टी. एन. एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (चिरीक्षण) अर्जन रजे-।, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 15 मार्च 1982

निवंश सं. 123/जुलाई/81--यतः मूर्फे, आर. रिव-चन्द्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सुक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. एस. सं. 47/2-ए और 59-ए/1, है तथा जे कावेरीपट्टीनम, दरमपुरी डिस्ट्रीकट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त अधिकारी के कार्यालय, कावेरीपट्टीनम में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 20-7-81

को प्रवेक्ति संपिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके सश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रन्यह गितशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्वय मे किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री एन. वेगडाचलम और अदस

(अन्तरक)

2. शी खी. श्रीनियासन और अदस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अर्वाध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन को तारील से 45 दिन के भीतर ज्ञक्त स्थावर सम्पक्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में किरभाषित हैं बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमि - एस . ए. $47\sqrt{2}$ ए और 59-ए/1, पन्नीरसेलबम स्ट्रीट काबोरिपट्टीनम, दरमप्री डिस्ट्रीकट - डाकूमेंट सं. $1114\sqrt{81}$ ।

आर. रविचन्द्रन सक्षेम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।, मदास

तारीख : 15-3-82

प्ररूप आहूँ. टी. एन. एस्.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, सन्नाम-600006

मद्रास-600006, दिनांक 15 मार्च 1982

ि दि^{क्षि}श मं. 124/जुलाई^{-/}81—स्वतः म्भे, आर्. रवि-चन्द्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी मं. एस. मं. 47/2ए और 59ए/1 है तथा जो कार्वरिपटनीनम, दरमपरी डिस्टिक्ट में स्थित है (और इससे

कावेरीपट्टीनम, दरमपुरी डिस्ट्रिक्ट मो स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मा और पूर्ण रूप मे वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कार्वेरिपट्टीनम (डाक्ट्रमेंट सं. 1120/81) मो भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-7-1981

को पूर्वेक्त सम्पत्तिः के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

1. एन. वींगडाचलम और अदूस

(अन्तरक)

2. श्री जी. श्रीनिवासन और अदर्श

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाड़ियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पछ्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वी का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुस्ची

(भूमि—-एस. सं. 47/2ए और 59ए/1, पन्नीरचेलवम स्ट्रीट, कावेरिपट्टीनम भरमपुरी डिस्ट्रिक्ट—डाकूमेंट सं. 1120/81)।

> आर. रविचंद्रन मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, म्द्रास-600006

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) रभीन निम्नलिश्चित व्यक्तियों, ज्याति ड—

तार**ी**ख : 15-3-198**2**

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, मद्रास-600006 मद्रास-600006, दिनांक 15 मार्च 1982

निद[®]श सं. 117/जलाई/81---यतः मुक्ते, आर. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. एस. सं. 21/1-ए, 36/1, 36/236/3 है तथा जो कामक्कापलयम गांव, सैलम डिस्ट्रक्ट मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के व्यर्थालय तलैवासल (डाकूमेंट स. 626/1981) में भारतीय रजिस्द्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 9-7-1981 को पर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मुल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :——
26—36GI/82

1. श्री.पी. नल्लीयप्पन

(अन्तरक)

2 (1) काली गउन्डर और

(2) के रामसामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रयोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिट्डब्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास टिस्ति में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

(भूमि और निर्माण—एस. सं. 21/1-ए, 36/1, 36/2 और 36/3 कामक्कापलयम गांव, सैलम डिस्ट्रिक्ट डाक्-मेंट सं. 626/1981)।

आर. रिवचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, मद्रास-600006

तारीख: 15-3-1982

प्ररूप धाई• टी• एन• एत•---

श्रायकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रॉज-।, मद्रास-600006

मद्राम-600006, दिनाक 15 मार्च 1982

निदर्भ स 59/जुलाई/81--यत म्भो, आर रिव-चेन्द्रन, भ्रायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) इरमे इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/- ह० से ग्रधिक है और जिसकी स एस स 252 और 253 है तथा जो काडिककानल टाउन, मबुर डिस्ट्रिक्ट में स्थित ही (और इससं उपाबद्ध अनुसूची मा और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोर्ड क्वानल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 24-7-1981 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फ न के लिए श्रश्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापुर्गेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूरंग, उसके दृश्यमान प्रतिकल मे ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्र(तेशन से प्रधिक है मीर अन्तरक (पगरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निभनितिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत एक्स स्रिश्चियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक क दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकन अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया या या किया जाना चाहिए वा, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अत्र, उक्त ग्रिधिनियम की घरा 269-ग के अनुमरण में में, उभन ग्रिधिनियम की धारा 269-च की उपद्वारा (1) के अभीत, निक्तिसिक व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1 श्रीएम सहसदयुसुफा

(अन्तरक)

2 सन्दूर मैगनीज एण्ड आयरन दर्क्स लिमिटाड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो धनत अधिनियम के घट्याय 20-क में परिभाषित हैं; वही अर्थ होगा, जो धस कट्याय मे ृदिया गया है।

अनुसूची

(भूमि—–एस स 252 और 253, कोर्डक्कानल टाउन, मद्रै डिस्ट्रिक्ट डाक्रमेट स 258/81)।

आर रिविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, सद्रास-600006

नारीस 15-3-1982 मोहर प्ररूप आर्द्द. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 15 मार्च 1982

िनर्द^{*}श मं. 58/जुलार्द्र^{*}/81−–यतः मुक्ते, आर. रवि-जन्द्रन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपित्त, जिसका उचित बाजार सून्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिसकी सं. एस. सं. 252 ही तथा जो कोडीक्कानल टाउन, स्दारी डिस्ट्रिक्ट में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के डार्यालय डांडीक्कानल में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 24-7-1981 (डाक्ट्रीसेंट सं. 257/81)

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वंष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप के किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्ष व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 - श्री एस - मोहम्मद युसुफ

(अन्तरक)

2. श्री एम. धाई घारपाडां

(अन्तरित**ी**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उचत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमि--एस. सं. 252, कोड क्कानल टाउन, मदूर डिस्ट्रिक्ट--डाक् मेंट सं. 257/81)।

> आर. रिवचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, मदास-600006

तारील : 15-3-1982

प्ररूप भार्ष . टी . एन . एस . ------

नायकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) ने मुधीन सुमृता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, भद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्दर्शिसः 16498/जुलाई/81---यतः मुभ्के, आरः रिव-चन्दनः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसमा उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर एस. 2375 (पारट) है तथा जो जवाहरलाल नगर, कारनीसवरर कोयिल स्ट्रीट, मैलापूर, मदास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैलापूर (डाक्रूमेंट सं. 1362/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का प्रवह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त सिभृतियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्रुचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एंसी किसी आयं या किसी धून या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान सें सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को क्षीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- 1. मनलि पारथसारथी मुद्दलियार

(अन्तरक)

2. श्री पी. नारायनं और अदर्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—-आर. एस. 2375 कारनीसवरर कोयिल स्ट्रीट, मैलापूर, मद्राम (डाक्ट्रमेंट सं. 1362/81)।

आर. रिवचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, मद्रास-600006

त्रीब : 15-3-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।, मन्नास मद्रास, दिनांक 16 मार्च 1982

निर्दोश स. 101/जुलार्द/81—यतः मुक्ते, आर रवि-चन्द्रन.

आयकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके परवात् 'उक्त प्रश्चितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रजीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने की कारण है कि समागर सम्मति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000' रू से प्रधिक है

और जिसकी मं. टी. एस. मं. 16/2 और 16/6 और डार स. 38-बी पल्लपट्टी, है तथा जो गांव, मेलम तालूक, सेलम डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में जीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे. एस. आर ।।।, सेलम (डाक्यूमेंट स. 2765/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 22-6-1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझै यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन में, ऐसे दृश्यपान प्रतिफल का पन्द्रह प्रीक्षिण्य अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में स्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सिंध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1 श्री ए राजगोपाल

(अन्तरक)

2. श्री एन. बुवनेसवरन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्तिस में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमि और निर्माण--टी. एस. सं. 16/2 और 16/6 --डार सं, 38-बी, पल्लुपट्टी--गांव, सेलम तालूक, सेलम डिस्ट्रिक्ट--डाक्रूमेट सं 2765/81)।

आर. रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।, मद्रास

तारीस 16-3-1982 मोहर : प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 मार्च 1982

निद^{र्}श सं. 12/जूलाई^६/81---यतः मुभने, आर. रवि-चन्द्रन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं. 5, 13 अवन्य, है तथा जो हरींटन राड, मद्रास-6 में स्थित हैं (और इसमें उपादक्ष अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के दार्थालय जे. एसं. आर. ।।, मद्रास नार्थ, (डाक्रूमेंट मं. 3027/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1-8-1981

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1 शी एम . एम . होच . नमसी और अदर्स

(अन्तरक्र)

2. मेंसरस ईस्टिकोस्ट कन्स्टरकशन और इन्डस्ट्रीज (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सिं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र है बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में विकां गया है।

अनुसूची

(भूमि और निर्माण—सं. 5, 13 अवन्यु हरिंटन रोड स्द्रास-6—डाक्स्मेट सं. 3027/81)।

> आरः रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।, मद्रासी

तारीख : 16-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज-।, मद्राम

मद्रास, दिनाक 16 मार्च 1982

निद^भश सं. 132/जुलार्ड /81--यतः मुभ्ते, आर. रवि-चन्द्रनः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रू. से अधिक है

औद्भ जिसकी सं. डोर सं 46 है तथा जो सकापरेकाल स्ट्रीट, भद्रास-। में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची सा और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय किंकारपेट, मद्रास (डाक्यूमेट सं. 457/1981) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 9-7-1981

की पृत्रों कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिक्ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से एसे इश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्द्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और√या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 के 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री के. माहमद अबदाल्ला

(अन्तरक)

2. श्री एम. काजा मोहीडीन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी **सं** 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्रारः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो 'जक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमि और निर्भाण--डोर सं. 46, मलयपेरामाल रहीट, भद्रास-600001--डाक् भेट सं. 457/81)।

आर. रविचन्द्रन सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।, मद्रास

नारील : 16-3-1982 माहर शरूप आई.टी.एन.एस.-----

1 श्रीमती के जी गंग दोवी

2. श्री चम्भालाल और अदर्स

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयु सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, मदास

मद्रास, दिनांक 17 मार्च 1982

निर्वोध सं. 79/जुलार्ह्ग/81--यतः मुभ्ते, आर. रवि-चन्द्रन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 2.69-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

25,000/-रा. सं अधिक हैं
और जिसकी सं. 26-27 हैं तथा जो पूरमल्ली हैं रोड, मद्रास3 में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय परियमेंट, मद्रास (डाक्र्मोंट सं. 837/1981) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 24-6-1981 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई हैं और मूभ्ने यह विश्वास करने करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तिरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सिवधा के लिए;

तारी**य**ः 17-3-1982 मोहर**ः**

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी बाक्षेत् :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकावन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकों ने।

स्पष्ट्रीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

(भूमि और निर्माण—26-27, पूनमल्ली है रोड, भन्नास-3—डाक्यमेंट सं. 837/1981)।

> आर. रिवचन्द्रन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।, मदाम

ब्रतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, रिम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् :-- प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

भाषकर प्रवितियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन गॅज-।।, मदास

मद्राम, दिनांक 17 मार्च 1982

निद^{*}श सं. 16700/ज्लाई $^{\prime}/81$ —यतः म्भे, आर. रिय-चन्द्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं, डार सं. 47 है तथा जो बसल्ला रोड, टी. नगर, मदास-17 से स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता उधिकारी के कार्यालय जे. एस. आर. 1, मदास नार्थ (डाक्यूमेंट गं. 2800/1981) से भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15-7-1981

को पृषेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का प्रमूद्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप में काथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण पे हुई किमी भाय की बाबत उक्त प्रिधि-नियम के भ्रधीन कर देने के अक्तरक के वायिस्व में कमी करने या सससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों वर्ष जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम वा धनकर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविक्षा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्थीन निगरिलिखत य्यक्तियां वर्धातः -- 27--36GI/82

- श्रीमती ए. जो. निरमला और अंदर। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती एस. \mathfrak{s}^{\sharp} . एस. ए. वलकोस अम्माल (अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **धर्जन के लिए** कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (3) इस सूतना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्केंगे।

ह्पड्टी करण: — इतम प्रमुक्त गब्दों ग्रीर पत्ने का जो उक्त अधि-नियम के ब्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रार्थ होगा, नो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(भूमि और निर्माण—=डांर सं. 47, बस्ल्ला रोड, टो. नगर, मद्रास-17—=डाक्-भेट स. 2800/1981)।

> अगर. रदिचन्द्रन सक्षम अधिकारी सहायक आयंकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज-।, मद्रास

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत् सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास

मद्राम, दिनांक 16 मार्च 1982

िनद^{ें}श सं. 16526 /जुला**र्ह** /81—–यतः मूफ्रे, आर. रवि-वन्दन .

आयकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 37 है तथा जो बारनबी रोट, कील्पाक, मुद्रास-10 मों स्थित है (और इससे उपाब्द्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्रय पुरसवारवम (डाक् मेट सं. 1462/81) मो भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1981

केंद्रे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई कियी आय की बाबत उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अम्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती सारदा बाय

(अन्तरक)

2. राज कनस्ट्रकागन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भृमि और निर्माण—-37, बारनबी रोड, मद्रास-10 (डाकू-मेट सं. 1462/81)।

आर. रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजना।, मन्नास

नारोख : 16-3-1982

प्ररूप आहें. टी. एन्. एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ब्रुधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र⁻ज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 मार्च 1982

निद^{*}श सं. 11515/जुलाई/81--यतः मुक्तं, आर. रवि-चन्द्रन्

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-एक के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. 744 है तथा जो तोट्टिपालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मं और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिरुष्पूर (डाक् मेंट सं. 2087/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के उधीन. जुलाई, 1981 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफी यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितयार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वर्ध से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियुम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा को लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:--

1. बिन्नी लिमिटंड

(अन्तरक)

2. बानाजी कारपोरशन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधियाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि, निर्माण मेशिनरी—आर. एस. 744, तोट्टिपालयम (डाक्सेट सं. 2087/81)।

आर. रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास

नारीम : 16-3-1982

अस्य आर्थः .टी. एन . एस . ------

1. श्री सी. तिरावनकाठम चीट्ट और अदर्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

2. श्री नरान्द्र महर और अदर्स

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 मार्च 1982

निद 4 श मं. 16529/जुला $\mathbf{z}^{4}/81$ —यतः मुभ्ने, आर. रिय-चन्द्रन,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,0007- र. स जायक ह और जिसकी सं. 289 है तथा जा पुरस्वासम है राड़, वेषेरी, मद्रास-7 में स्थित हैं (और इसस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय म पुरस्वासम (डाक्ट्रूमेंट सं. 1571/81) में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ज्लाई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, एसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिश्वात आधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत कि निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्मित्त में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण मं हुई किरी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- को यह सूचना जारो करके पूर्वो कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृत्रारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि और निर्माण--289, पुरसवासम है रोड, मद्रास-7 (डाकूमेंट सं. 1571/81)।

आर. र्रावचन्द्रन सक्षम अधिकारी स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।।, मद्रास

त्। रीख : 16-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।, मन्त्रास

मद्रास, दिनांक 16 मार्च 1982

निद³श सं. $16582/\sqrt{3}$ लाई/81--यतः मुभ्हे, आर. रवि- चन्द्रन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रापये से अधिक है

और जिसकी सं. 96 और 104 है तथा जो नुनगमपाक्कम है रांड, मदास-34 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता आधिकारी के कार्यान्य (डाक् मेंट मं. 2889 और 2890/81) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, ज्लाई, 1981

को पूर्वीक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रित्तिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके शृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको और अन्तरिती अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रातिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी स्राय की वाबत, उक्त स्रिधिन नियम के स्रधीन कर देने के श्रम्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; स्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी अपर या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

1. स्वाति तिरुनाल और अदर्स

(अन्तरक)

2. श्री पी. गेविन्वस्वामी और अदर्स

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, औं भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त भन्नि नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही यर्थ होता जो उन प्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण--96 और 104, नुनगमपाक्कम है रोड, मदास-34 (डाक्ट्रमेंट सं. 2889 और 2890/81)।

> आर. रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।।, मद्रास

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 16-3-1982

मोहर 🕫

प्रकप काई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

प्रारव बरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-ĭ, ग्रहमदाबाद

मद्राम, दिनाङ 19 मार्च 1982

निवंश स 82/जूलै/81--यत म्भे, आर रिश-धन्द्रन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार (जिस्त अधिनियम कहा गया है), की क्षारा 269- का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित, जिस्का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स 10, स्परटागा राड, चंटपंट, मद्राम-31 है, जो मद्रास में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, पंरीयमेंट मद्रास म रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-5-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकास के लिए अम्तरित की गई है और मूभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एव पाया गया प्रतिकाल किन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से किथा गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बांबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एेची किसी नाव या किसी भृत या नाय नास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त निधिनयम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया या किया जाना जाहिए था कियाने में स्विधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

1. श्री एस. चन्द्रसेकर और अदर्स

(अन्तरक)

2 श्री बेम्स वंगडेस्वर राव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्र--

- (क) इस स्थान के राष्प्रकृ में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 बिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया मुखा हैं।

अनुसूची

भूमि और निर्मीण-डारेस 10, स्परट टांगा रोड, मद्रास 31 डाकामोट स. 898/81।

> आर रियचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, मदास

नारीख 19-3-82 मो**हर** : प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

श्री एस. चन्द्रसंगर और अदर्स

(अन्तरक)

भ्रायकर भिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, मद्रास मद्रास, विनांक 19 मार्च 1982

निद्येश सं. 83/जूलै/81,—यतः म्रफ्ते, आर. रवि-भन्यन,

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/-ख्पए से अधिक है

और जिसकी सं. डांर सं. 10, स्परंट टांगा रोड मद्रास-31 है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, परिगिमेट, मद्रास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)के अधीन, जुनाई 1981

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रितिक्रल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके वृश्यमान प्रतिकल मे ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा को लिए;

धतः अव, उक्त श्रिष्ठिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-घ की उपद्यारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रिष्ठीस:—

2. श्री पोताक चन्द्रयया

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भं अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्रत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त गन्दों श्रीर पदों हा, जो उक्त श्रिष्ठिः नियम, के अध्याय 20-रु में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-डांर सं. 10, स्पटर टांगा रोड, मद्रास-31 डाक्रूमेड सं. 899/81।

> आर. रविचन्द्रन स्क्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज्ना, मक्सस

तारीख : 19-3-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधिन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, मदास

मद्रास, दिनांक 19 मार्च 1982

निर्देश सं. 84/जूलै/81---यतः म्भे, आर. रवि-चन्द्रन,

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त श्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क॰ से अधिक है

और जिसकी सं. 10 स्परटांग रोड, भद्रास है, जो सद्रास में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरीयमेंट, म्द्रास में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1981

को पुर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त जिभ-नियम के घंधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए। ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो-जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री चन्द्रमंगर और अदर्स

(अन्सर्क)

2. श्री पोट्ररू रागवयया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तम्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भृमि और निर्माण-डोर सं 10, स्परटांग रोड, मद्रास-31 इक्त्रमेंट सं. 900/81।

आर. रिक्चन्द्रन सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।, मक्सास

नारीख . 19-3-82 मोहर : प्ररूप धाई०टी०एन०एस०---

न्नायकर **पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की धा**रा 269-**म**(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज, मद्राम

मद्रास, दिनांक 19 मार्च 1982

रिद'श मं. 85/जूलै/81—यतः म्भे, आर. रहिचन्द्रन, आयकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रविनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रवीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से श्रविक है

और जिसकी सं. डोर सं. 10, स्परटांग रांड मद्रास-31 है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरीय-मेंट, मद्रास में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है घोर प्रस्तरक (प्रन्तरकों) धीर धम्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे ध्रम्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है।-

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसो म्राय या किसा घन या म्रन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर म्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर म्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मृशिधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त ग्रिधिनियम को धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, धक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के ग्रिधीन, निम्मितिखत व्यक्तियों, अर्थात :—
28—36GI/82

1. श्री एस. चन्द्रसंगर और अदर्स

(अन्तरक)

2. श्री वी. रामचन्द्र राव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के **सर्ज**न के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रक्रिनियम के ६०माय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनसची

भूमि और निर्माण-डोर सं. 10, स्परटांग रोड, मद्रास-31 डाक्रमेंट सं. 901/81।

आर. रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{प्}ज-।, मद्रास

तारीख: 19-3-82

वक्ष नार्<u>च</u> टी. एत्. एस., <u>स्ट</u>न-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, मम्रास

मद्रास, दिनांक 19 मार्च 1982

निदोश सं. $87/\sqrt{3}$ ली $^{2}/81$ —यत. मुभ्ते, आर. रिव-चन्द्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स. डार मं. 10, स्परटांग रोड, मद्रास-31 है, जो में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यातय, पेरीय-मेंट, मद्रास-31 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे अचने में सुविधा के लिये; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिमित व्यक्तियों अधीत् :---

1. श्री एस. चन्द्रसेगर और अदर्स

(अन्तरक)

2. श्री नाग प्रसाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि और निर्माण-10, स्पर्टांग रोड, मदास-31 - डाकू-मेंट सं. 902/1981।

आर. रविचन्द्रम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र^उज-।, मद्रास

तारीख : 19-3-82

प्रकप बाई• टी० एन• एस•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 मार्च 1982

निद्धाः सं. 86/जूलै/81---यतः मुक्ते, आर. रवि-चन्द्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से घष्टिक है

और जिसकी सं. 10, स्परटांग रोड, मद्रास-31 है जो मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, परीयमेंट, मद्रास में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तयपाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रिष्ठ-नियम के प्रधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आमा चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः, अव, उक्त अधिनियम, धारा की 269-ग के अनुमरणं में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत !——

श्री एस . चन्द्रसंगर और अदर्स

(भ्रन्तरक)

2. श्रीजे. लकशमण राव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप।--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस भश्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी और निर्माण-डोर सं. 10, स्परटांग रोड, मद्रास-31 डाक्-मेंट सं. 903/81।

> आर. रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रांट-।, मद्रास

तारीख: 19-3-82

प्रस्प आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 289-ष (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, मधास

मद्रास, दिनांक 20 मार्च 1982

निवंश स. 11506/1982--यतः मूझि, रविधन्द्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन असम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं एस स. 388/1, सगानूर गांव कायमबल्तूर है, जो मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्तिपुरम, कायमबल्तूर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 8-7-81

को पूर्वो वित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करा का कारण है कि यथाप्यों क्स सम्परित का उचित बाजार, मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मतिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपत अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में चृविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घाय-कर श्रिष्ठित्तियम, 1922 (1922 का 11) या खन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निक्नलिखित व्यक्तियों,अधीस !— 1. श्री एस. चन्द्रसंगर और अवर्स

(अन्तरक)

2. श्री आर. श्रीनिवासन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के र जपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य त्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का आं उक्त, अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुसूची

भूमि एस. सं. 388/1, संगाजूर गांव, कोयम्बत्तूर डाकू-मंट सं. 3064/1981।

> आर. रवि**चन्द्रन** सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) जर्जन र^नज-।, मद्रास्

तारीच : 20-3-82

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आय्कर आयुक्त (निरीक्षण्) अर्जन रोज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 मार्च 1982

निदश सं 11507/1982—यतः मुक्ते, रविचन्त्रन, बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रपए से धिकक है

और जिसकी एस. सं. 388/1 (डाक मेंट सं. 3063/1981) हैं), जो संगानूर गांव कारे म्बद्धतूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्तिपुरम, कारे म्बद्धतूर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 8-7-81 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का नम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

1 शीवी राजाराम और अनदर

(अन्तरक)

2. डाक्टर एस. स्वतन्द्रातेवी

(अन्स्रिरती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के टिलए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षोप ए--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अन<u>ु</u>सूची

भूमि एस. 386/1, संगानूर गांव, कोयम्बस्तूर डाकू-मेट सं. 3063/1981।

> आर. रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-।, मद्रास

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिवत व्यक्तियों. अर्थात् :---

तारीख : 20-3-82

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

न्नायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, मद्रास

मदार, दिनांक 20 मार्च 1982

निदंश स 11508/1982—यतः मुके, आर. रिवचद्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस्की स 388/1, सगोजूर गांव, कायम्बत्तूर है, जो मन्नास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप स वर्णित है), रिजस्ट्रीकार्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्ति-पूरम, कायम्बत्त्र में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 8-7-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त विभिन्न नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्तं अधिनियमं की धार 269 ग के अनुसरण में मैं, उक्तं अधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) क अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः-- 1. श्री वी. राजाराम और अनदर

(अन्तरक)

2. डाकटर एस. चन्द्रातेवी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के म्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना व राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मा समापत हाती हा, का भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मा सार्विशी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिम्बित में किए जा सकरेंगे।

स्पब्सीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी एस. स. 388/1, संगानूर गांव, कायम्बत्तूर डाकू-मेट स. 3062/1981।

> आर. रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन र^नज-।, मद्रास

तारीख · 20-3-82 मोहर : प्ररूप आहर्ष. टी. एम. एस्. -----

आयुकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के सुधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, मद्रास

मद्रास्, दिनांक 20 मार्च 1982

निद्शेष सं. 11519/1981—यतः मुभे, रिविचन्द्रन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. 245, अविनाशी रोड कायम्बर्तूर है, जो भद्रास में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमबर्तूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 15-7-81

को पूर्विक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके इद्यमान प्रतिफल से, ऐसे इद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्राविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. मंं, अवत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री जे. वालटर

(अन्तरक)

2. श्रीमृती जोत्रल्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो 'उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा ग्या है।

मन्सूची

भूमी और निर्माण डोर सं. 245, अविनाशी रोड, कायम्ब-त्तूर डाकूमेंट सं. 4138/81।

आर. रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।, मदास

तारीख: 20-3-82

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • --

मायकर मिश्रियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय सहार्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, एरणाकालभ, कोचिन

कोचिन-16, दिनांक 11 मार्च 1982

निदेश सं. एल. सी. 564/81-82---यतः मुफ्ते, टी. जेड, माणि.,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- दे० से अधिक है

और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, तथा जो एरुमें नि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वििर्णत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, काजिरपिल्ल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन, तारील 9-7-1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐते अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण खिखित में वास्तिकक
स्य से कचित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बावत उक्त श्रिष्ठ-नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिश के लिए;

थत: थव, उक्त प्रश्नितियम, की घारा 269-ग के प्रमुसरण में में, इक्त प्रश्नितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के भूषीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—— 1. मोसर्स दावनकोर रबोर्स लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. श्रीको. ओ. मात्यु।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के **अर्जन के लिए** कार्यवा**हियां कर**ता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उकत श्रिधिनियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6 acres 75 cents of rubber estate as per schedule attached to document No. 2820/81.

टी. जेड. माणि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे, एरणाकालम

तारील : 11-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, एरणाकाुलम, कोिमन कोिचन-16,, दिनांक 16 मार्च 1982

्रिवरेश सं. एल. सी. 565∕81-82—–यतः मुक्ते, टी.

जेड, माणि,,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मम्पित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. में अधिक हैं

और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, तथा जो कललिलक जून में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कालिकट में रिअस्ट्रीकरण अधिरियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 4-7-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार पूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक खप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तं अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री महम्मद और अदर्स।

(अन्तरक)

2. केरल ट्रान्सपोर्ट कम्पनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और एवों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुसूची

58 cents of land as per schedule attached to Doc. No. 810/81,

टी. जेड. माणि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, एरणाकालम

तारीब : 16-3-1982

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

ब्राय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269य(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, एरणाकालम, कोचिन कोचिन-16, दिनांक 15 मार्च 1982

निवंश सं. एल. सी. 566/81-82--यतः मुक्ते, टी. जेड, माणि.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर बाद 'उक्द पिश्वित्यम' कहा गया है), की बारा 269-व के अधीत मक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कर से अधिक हैं और जिसका सं. अनुसूची के अनुसार हैं, तथा जो चगझाचेरी में स्थित हैं (और इसमें उपाइद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणिक्त हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यान्य, चाना में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-7-1981

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य कम से कम के दृश्यमात प्रतिकृत के तिए प्रन्तरित को गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का प्रदृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिवित उहेश्य से उक्त अन्तरण निम्निति में बास्तिक रूप से किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिध-नियम के भिधीन कर देने के भन्तरक के धायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किमी घन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) ए उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, या घनकर अधिनियम, वा घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रत्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अय, उक्त अभिनियम की धारा 269-ज के **अनुसरण में,** मैं उक्त अ**धिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधी**न ^{रं}ग्म्नलिखित क्ष्मि**वित्यों**. ग्रि**शीत्: --** 1. श्रीएसं. वी. दास।

(अन्तरक)

2. श्री पी. सी. प्रभाकरन नायर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के प्रजा के खिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबन सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या नरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन के भीतर उका स्थावर मंगत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रश्रोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टी तरगः — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पहों का, जो उक्त ग्रिक्षितियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है बी प्रयंहोगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

13 cents of land with a building in Sy. No. 785/ABC of Chengahachery Village.

टी. जेंड. माणि सक्षम प्राधिकारी स्हायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, एरणाकुलक्ष

तारीख: 16-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, एरणाक लम, कोचिन कोचिन, दिनांक 22 फरवरी 1982

निदंश सं. एल. सी. 567/81-82--यतः मुभ्ते, टी. जेड, माणि,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिस्की सं. अनुसुची के अनुसार ही, तथा जो पेरावनतानम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)., रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पीरमंड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम्, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-7-1981

को पुर्वकित संपत्ति को उद्मित बाजार मृल्य में कम को इत्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गुई है और मुक्केयह विद्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उस हे दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उददोश्य से उक्त अन्तरण लिखित मी वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है. --

- (क) अन्तरण सं हुई किमी आयकी दावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (का) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधाके लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1 श्रीतोमज।

(अन्तरक)

2. श्री वरुगीज फिलिए।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हि्त∸ बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठ-नियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुस्ची

4.75 acres of land in Sy. No. 1017 of Peruvanthanam Village.

> टी. जंड. माणि सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज, एरणाकालम

तारीख : 22-2-1982

प्ररूप आइं.टी.एन्.एस्. ------

आयुकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निर्द्रीक्षण) अर्जन रॉज, एरणाक लम, कोचिन कोचिन-16, दिनांक 16 मार्च 1982

निद्देश सं. एल. सी. 568/81-82--यतः मुक्ते, टी. जंड, माणि,

नागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अभिक है

और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है, तथा जो परिज्यानाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पीरमेड में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-7-1981

को पूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रितिश्त के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते बहु विषयात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके इदयमान प्रतिश्तल से, ऐसे इदयमान प्रतिश्तल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्सरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिश्तल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे सास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना जाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निरिखित व्यक्तियों, अर्थात् ु— 1. श्री वोमास।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मरियाम्मा जोण।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कित सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्यव्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और परों का, जो उनत अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, बही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4.75 acres of land in Sy. No. 1017 of Peravanthanam village.

टी. जेड. माणि सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, एरणाक लग

तारी**ब**ः 16-3-1982

प्ररूप बाई .टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज., लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 20 मार्च 1982

निद्येष: सं. चण्डी./93/81-82--अतः मृक्षे, सुखदेव चन्दः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं. प्लाट नं. 1103 है, तथा जो सेक्टर 36-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाइद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है), र जिम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारी जुलाई, 1981

अधीन, तारील जुलाही, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

विंग कमां जितन्द्र सिंह सुपूत्र श्री प्रहलाद सिंह,
 निवासी 1845, सैक्टर 34-इन, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

 श्री हरबंस सिंह सृपृत्र सः दशौंधा सिंह, निवासी 162, सैक्टर 9-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 110, सैक्टर 36-सी, चण्डीगढ़ में हैं (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 566 जूलाई, 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

> सुखबेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आवकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, लुधियाना

भतः शब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--

तारीख : 20-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

काय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज,, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 20 मार्च 1982

निर्देश सं. चण्डी./95/81-82——अतः म्फे, सुखर्दव सन्द

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परेषात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-छ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. प्लाट नं. 153 है, तथा जो सैक्टर 35-ए, चण्डीगढ़ मंं स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7/81

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है 4—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 मेजर अमर नाथ शर्मा (रिटायड) सुपुत्र श्री लक्ष्मीदास निवासी 28/77, पंजाबी बाग, नहीं दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मि. एस. एफ. ली सुपुत्र श्री एस. ए. ली एण्ड मि. जैनी ली पृत्नी श्री एस. एफ. ली., निवासी आफ 612 सैक्टर 16-डी, चण्डीगढ़।

(जन्सिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं. 153, सैक्टर 35-ए, चण्डीगढ़ में है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 587 जुलाई, 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

> स्**षद**ेव **चन्द** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^रज, लूधियाना

तारी**ख** : 20-3**-1**982

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लुधियाना

लूधियाना, दिनांक 20 मार्च 1982

निदोश सं. लूधिः /147/81-82 — अतः मुक्ते, सुखदोव चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात उक्त अधिनियम कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं।

और जिसकी सं मकान नं बी-22 692/3 ही, तथा जो वशमेश नगर, लुधियाना मो स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अन्-सूची मों और पूर्ण रूप में वर्णित ही), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना मों रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 7/81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिफल के लिए प्रन्तरित की गई है स्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भौर सन्तरक (प्रन्तरकों) भौर सन्तरिती (सन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण ने हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर वेने के श्रन्तरक के दायिख में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राप या किसी धन या श्रन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- श्री गुरचरन सिंह सुपृष् स. कपूर सिंह, निवासी बी-22.692/3, वशमेश नगर लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री सुरजीत सिंह सृपुत्र स. आत्मा सिंह, निवासी 594/6, जनता नगर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति हों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पन्टी करण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस भ्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. बी-22.692/3, दशमेश नगर, लुधियाना है। (जायबाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के दिलेख संख्या 6389 जुलाई, 1981 के अधीन वर्ज है)।

सुखबेब चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 20-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. -----

आयकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, लुध्याना

लुधियाना, विनांक 20 मार्च 1982

निदंश सं. चण्डी./96/81-82——अतः म्भे, सुसदेव

आयर्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000 के से अधिक है

और जिसकी सं. स्कान नं. 412 है, तथा जो सैक्टर 37-ए, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीह 7/81

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण से लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है ':——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिक्शित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्रीजे. एम. सेठी सृपुत्र श्री रोशन लाल सेठी, निवासी 843, सैक्टर 16-डी, चण्डीगढ़।
- श्री जगीर सिंह स्पृत्र स. केसर सिंह, ए. ओ. एंड एस. डी. ओ., बी. एम. बी., पावर हाउस, सैक्टर 28, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो, उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जनुसूची

सकान नं 412, सैक्टर 37-ए, चण्डीगढ़ में है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 590 जुलाई, 1981 के अधीन दर्ज है)।

सुखबंव चन्द सक्षम प्राधिकारी महायंक आयंकर आयंक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, लुधियाना

तारील : 20-3-1932

सोहर:

प्ररूप आई. टो. एन. एस.------

प्राप्तकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज., ल्धियाना

ल्धियाना, दिनांक 20 भार्च 1982

निदंश मं. रूपड़/11/81-82--अत: म्भे, स्बद्धेव च,त्द्

अगयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 म के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- र॰ से अधिक है और जिसकी सं मकान नं 93 फोम 2 है, तथा जो मोहाली तहमील, लग्ड मं स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप से व्यर्णित हो), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, खरड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 7/81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य सेकम के दृण्यमान अतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूरुय, उसके दुश्यमान प्रतिफल में. ऐसे दुश्यमान पतिफल का परद्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रातरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अम्लरण से हुई किसी क्षाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अल्लरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी भ्रन या भ्रन्य भ्रास्तियो को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुबिधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण

👫, मै, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात्:--

- 1. श्री कर्म सिंह राजू, आई. ए. एस. सपुत्र श्री सन्ता सिंह, निवासी 546, सैक्टर 18-बी, चण्डीगकृ। (अन्तरक)
- 2. श्री अभरजीत सिंह विरक सुपृत्र श्री वीर सिंह विरक, मकान नं. 93 फेस-।।, मोहाली, जिला रापेड्। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 फिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति ध्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

मकान नं . 93 फेस-।।, मोहाली, ज़िला रोपड़ में स्थित है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खरड़ के कार्यालय के टिलेख संख्या 2586 जुलाई, 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, ल्धियाना

तारोख : 20-3-1982

मोहर:

30 - 36G1/82

प्रूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेजा, लूडियाना

ल्धियाना, दिसंक 20 मार्च 1982

िनिदोक्ष सं. चण्डी.∕101∕81-82—–अत. म्भ्के, स्क्दोब बन्द.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मन्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस्की सं. प्लाट नं. 1733 है, तथा जो सैक्टर 34-डी, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 7/81

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मो सविधा के लिए

अतः अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मो, मो उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन गिम्नीलिखन व्यक्तियो, अर्धात :--- सब-मंजर भगत सिंह गुपत्र श्री गृता सिंह, 15 माइल टाउन, होशियारपुर, भाष्यम श्री के. के. मेर सुप्त श्री आंभ प्रकाश, विधासी 15, माइल टाउन, हाविसारपुर।

(अन्तरक)

2. श्री पूरत सिंह स्पृत्र श्री शर्मा सिंह, श्रीमती भृषिंदर कार प. श्री पूरत सिंह मार्फीय पजात्र एण्ड सिन्ध बौक, रायेप्र रानी, जिला अंबाला, नया निवासी गांव व डा भूरोबाला तह. नरीणगढ़, जिला अंबाला (हरियाणा)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी फरके प्वांक्ति सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपञ्च में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 1733, सैक्टर 34-जी, चण्डीगढ़ से स्थित है। (जायदाद जो कि रिजस्टीकर्ला अभिकारी, चण्डीगढ़ के कार्याल्ड के विलेख संख्या 605 जुलार्ड, 1981 के उधीन दर्ज हैं)।

> स्खदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, लुक्याना

तारोळ : 20-3-1982

मोहार :

प्रहल भा ३ टी • एग० एस०--

आयक्तर अभिनियम, 1961 (1961 हा 43) की धारा 269-व (1) के मधीन मुचना

भारत यरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनाक 20 मार्च 1982

निद्धा स चण्डी/92/81-82—अत सूक्षे, स्खदेव चन्द, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह 'वश्चास करने का कारण है 'क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिस्की स मकान स 268 है, तथा जा सैक्टर 9-सी, चण्डीगढ़ स स्थित हैं (और इसम उपाबद्ध उन्सूची स और पूर्ण रूप स वर्णित हैं), रिजर्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल्य, चण्डीगढ़ स रिजर्ट्रीकरण अधिनयस, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 7/81

का पूर्नोतिन सर्पात्त के उचित जाजा रमूल्य में कम के द्रयमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्रवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रातफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चक्ष प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (भ्रत्तरितियों। ४ बाच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित एदृणा में उत्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था कि या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम, का धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उप्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् —— 1 श्री गृहि मयूर सुपुत्र श्री पी एन मयूर, निवासी ई एच -218, नेहरू गार्डन, जालन्धर सिटी, पजाब।

(अन्सरक)

2 (1) श्री रमश के निलन्ज, (2) श्री भरत भूषण स /सृपुत्र स्व श्री राम लाल, (3) श्री कपिल देव, (4) श्रीमती सरोजवाला प श्री रमश के निलन्ज, (5) श्रीमती दीपा प श्री भरत भूषण, (6) श्रीमती रामी प श्री कपिल देव माध्यम श्री रमेश के निलन्ज, मकान न 145, सैक्टर 16-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

का यह मूचना जारी कार केप्रके पूर्वाक्स सपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वोक्स श्यक्तियों में में किसी व्यक्ति सुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरिस में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निवासन में किए जा सकारी

स्थब्दीकरणः--इसम प्रयाहा बच्दा और एदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान न 268, सैक्टर 9-सी, चण्डीगढ मे स्थित है। (जायदाद जा कि राजिस्ट्रीकार्ता अधिरारी, चण्डीगढ के कार्यालय के विलल् संख्या 562 जुताई, 1981 के अधीन वर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, नुधियाना

तारीख 20-3-1982 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

ग्रायकर यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-**ष** (1) के **मधी**न सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, ल्धियाना

ल्धियाना, विनांक 31 मार्च 1982

निद्धा सं. चण्डी./107/81-82—अतः मूर्फे, स्खदेव चन्द,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चाल जिन अधिनियम कहा गया है),
को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह वण्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी म. प्लाट न. 3261 है, तथा जो सैक्टर 35-डी, वण्डीगढ में स्थल है (और इसस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण इप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल्य, चडीगढ वे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 7/81 को

पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ेसे दृश्यमान प्रतिफल है। पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित मे बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम के अधीन कर रेन क अन्तरह के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रोर/या
- (ख) ऐसी किभी भ्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः। प्रवा, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के कृ वृक्षीन, निम्नुणिष्त व्यक्तियों, वृज्जि:--

- मि. सरला सिंगला ध्स्ती श्री के सी. सिंगला, निवासी मकान न 3579, सैंक्टर 23-डी चण्डीगढ़। (अन्तरक)
- श्रीमती सावित्री दोवी मलहोत्रा परनी श्री दिलबाग राय मलहोत्रा, निवासी मकान नं. 3290, सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हू।

जबत सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अओड्स्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे!

स्पर्धिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दा श्रीर पदी का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 3261, सैंक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाव जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 618 जुलाई, 1981 के अधीन वर्ण है)।

> स्लदोन घन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लुधियाना

तारीख : 31-3-1982

प्ररूप आहें.टो. एन. एस. -----

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लुक्षियाना लुधियाना, दिनांक 31 मार्च 1982

निदोश म चण्डी '88/81-82---अतः मुभ्ते, सुखदोव अन्द्र,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 626 है, तथा जो सैक्टर 33-बी, चण्डीगढ़ में म्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्मूची मीं और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 7/81

को पूर्वो कर सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-पल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुद्दै किसी जाय कर्तृ वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मि. मोहिन्दर कारे पत्नी स्व. कर्नल शमशेर सिंह एण्ड मिस शाम्निदर कारे स्पृत्री स्व. कर्नल शमशेर सिंह, श्री राजिन्दर सिंह सुपृत्र स्व. कर्नल शमशेर सिंह, सभी निवासी 40 मालराड, अंबाला कण्ट।

(अन्तरक)

5459

 मि. हरजीत कार पत्नी मेजर दिवन्दर सिंह और श्री जे. पी. सिंह स्पूत्र मेजर दिवन्दर सिंह, निवासी सकान नं. 1575, सैक्टर 33-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्म्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया ग्या

अनुसूची

प्लाट नं. 626, सैंक्टर 33-बी, चण्डीगढ़ मा स्थित है। (जायदाद जो कि राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खण्डीगढ़ के कार्यालय के विलोस संख्या 546 जुलाई, 1981 के अधीन वर्ज हैं)।

सुसदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, लूधियाना

तारीब : 31-3-1982

मोहरः

रुपए से ग्रधिक है

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 31 मार्च 1982

निदश सं. चण्डी. / 100/81-82--अतः म्फे, सुखदेव चन्द, आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर प्रमत्ति, जिसका उचित वाजार मुल्य 25,000/-

और जिसकी सं. मकान नं. 219 हैं, तथा जो संकटर 19-ए, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चडीगढ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीह 7/81

को पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का गरण है कि नथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरत (गन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) विश्वास देसे ग्रन्तरण के लिए तय पाता गर प्रतिकल, निम्तियोत उद्देग्य ने उक्त ग्रन्तरम लिखिन में वस्तिक का से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अपन्तरण से हुई किसी आय की टाबन, उदत अधिनियम के अधीन कर देने के अपन्तरक के दायर मंगो परने मंगो बवा ने सुविधा के लिए, और या
 - उ) ऐसी तियो आप पा किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों को न्हें सर्तीय प्रत्य-कर प्रश्चितियम, 1922 (1927 का 11) पा उनने अधिनियम, या जन-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिरती द्वार, प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ळिपाने में सविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमरजीत सिह वालिया (सुपृत्र स. सेवा मिह), 518, सैक्टर 11, सी. जी. एस. कलोती, अंटोप हिल, बम्बई, माध्यम उसके जनरल अटोरनी स. सेवा सिंह अहल्वालिया सुपृत्र स. केसर मिंह, निवासी डी-75, कालकाजी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै. जगदीश राज एण्ड सन्ज (मै. जगदीश राज एण्ड सज), निवासी 1019, सैक्टर 18-सी, चण्डीगढ़, माध्यम प्रो. जगदीश राज सुपुत्र श्री रामञ्बर दास। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस प्रचान के राजपव में प्रकाशन की नारील से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा:
- (छ) इस सूचना के राजण्य में अकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य ब्यक्ति द्वारा श्रद्धोह्स्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पब्टीकरण:---इनमें प्रयुक्त जब्हों और नदों का, जो खबत प्रिजितियम के अध्यात 20- ह में परिभाषित है, बही प्रथं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 219, सैक्टर 19-ए, चण्डीगढ़ में हैं। (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 601 खुलाई, 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

स्खदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, लुधियाना

तारीख · 13-3-1982 मोहर् 🛭

प्ररूप प्राई० टी० एन० एत०----

आयकः अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा ८७७५ (४) हअधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, लूपिथाना

लुधियाना, दिनाक 31 मार्च 1982

िनिदर्देश स. चण्डी./91/81-82—–अतः मुक्के, सु<mark>सद</mark>ेव **प**न्द.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं मकान नं. 2348 है तथा जो सैक्टर 22-सी, चण्डीगढ़ मा रिथन है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजम्हीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ मो रिजम्हीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख ज्लाई, 1981

16) के अधान, ताराख जुलाह, 1981 को पूर्ण कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्जीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल ने, ऐसे रूपरमान प्रतिकत का पन्दर प्रतिथान पे अधिक है और यन्तर है (उन्तर को) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चंदेश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक सण से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किया प्राप्त की सावत, उका प्राध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित में कभी करते या उनने बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या ब्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाएं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा या पा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः भव, उका प्रधितियम की धारा 269-ग क भनुसरण में,मैं, उकत श्रिवियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भर्धान निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थातः :- श्रीमती संरम्बती दावी पत्ती श्री शादी लाल साध्यम उभक्ते जनरक पावर आह अटारनी श्री शादी लाल संपुत्र श्री दावी चन्द, नियासी दांत समाज गली मांगा (पंजाब)।

(अन्तरक)

 श्रीमती पृष्पा रानी पत्नी श्री दालित राम और श्रीमती प्रमलता पत्नी श्री दलीप चन्द्र, निवासी मध्यान न. 2348, मौक्टर 22-सी, चण्डीगढ़।

(अन्सरिती)

 श्री दलीप सिह, निदासी मकान न 2348, सैक्टर 22-सी, चण्डीगढ़। (तह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मो सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उबत सम्पत्ति हे यर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि,जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इममें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि -नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रयं होगा, जो उम प्रध्याय में दिया मया है।

अनुसूची

मकान नं. 2348, मैंक्टर 22-मी, चण्डीगढ़ में हैं। (आयदाद जो कि रिजम्डोकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलंख सम्बंग 560, जुलाइ 1981 के उधीन दर्ज हैं)।

> सृबदोव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लुधियाना

ता**रो**ख : 31-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 31 मार्च 1982

निवर्षेश मं. चण्डी./99/81-82—अतः मुक्ते, स्खदेव चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृह्य 25,000/- ४० से अधिक है

और जिसकी मं. मकान नं. 2208 है तथा जो मैक्टर 15-मी, भण्डीर ह मो स्थित है (और इसम उपाबव्ध अन्सूची मा और पूर्ण रूप मो वर्णित है), रिजस्ट्रीकरी अधिकारी को कार्यालय चण्डीर ह में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील ज्लाई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का क'रण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक से है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अश्तरण से हुई किसी भ्राय की बाजन का अधिनियम के भ्रधीन कर देने के अश्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आप था किसी धन या अन्य आस्तिथों को जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिधिनयम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों. अर्चात:—— श्री राधा कृष्ण मण्डू सथ्य दीवान चन्द्र सण्ड्, जिपार्टमाट आफ पणिल्क ए.डिमिनिस्ट्रोशन पंजाब यूनीवर्मिटी, चण्डीगढ़। माध्यम जनरल पावर अटारेनी स. दिवन्दर मिह सपुत्र स. मेवक सिह निवासी मकान गं. 61, सैक्टर-1 परवानू (एच. पी.)।

(अन्तरक)

2. श्री जितन्दर कुमार नन्दा सूपूत्र श्री वजीर चन्दा नन्दा निवासी मकान नं 3383, सैक्टर-15, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इत मूबता के राजनप्र में प्रकाशन की तारों व से 45 दिन की प्रविध्या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचन। की तामीक में 30 दिन की धविष्ठ, जो भी अविध्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति द्वारा:
 - (ख) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उपन स्थानर सम्पक्षि में हितब द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे:

स्यव्हीकरण:--इममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधितियम के प्रध्याप 20-क्त में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

मकान नं. 2208, मैक्टर 15-मी, चण्डीगढ़ में है। (जायदाद जो कि रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 597, जुलाई 1981 के अधीन दर्ज ही)।

> सुखबेव धन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लुधियाना

तारीस : 31-3-1982

मोहर 🛭

प्रहप आइ°.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

अर्जन रज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 अप्रैल 1982

निदर्श सं. चण्डी./113/81-82--अत: म्फो, स्खदोव आय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनीयमं' कहा गया है), की धारा -269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल, 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं. एस सी एफ नं. 74 है तथा जो ग्रेन मार्कीट, चण्डीग्ढ में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में राजिस्ट्रीक रण अधिनलम, 1908 (1908 16) के अधीन, तारीख ज्लाई, 1981 कर पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाण्डोंक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दश्यमान प्रति-फाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्रक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गमा प्रतिकाल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्ति मे वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (का अन्तरण मा एको एकी अपना राजा, प्रवा अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए: और/या
- (क) एरी किसी अस र किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 31-36 G1/82

1. श्री राम सरूप जयरथ सपुत्र स्व. श्री नानक ना जयरथ माध्यम उसके जनरल अटारेनी मि. राज् जयरथ पत्नी श्री राम स्रूप जयरथ, निवासी कोर्ठा नं. 632, सँकटर 16-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री कृष्ण लाल रामेश कृपार, श्याम लाल सब्ज आफ श्री लछमन दास. श्रीमती स्शीला दोवी पत्नी श्री भगवात दास और श्रीमती लक्ष्मी दोवी पत्नी श्री राम मूरती, सभी निवामी आफ 97, ग्रेन माकोट, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

 मै. जैत ट्रंडिंग कम्पनी (ट्रंडरज), 97, ग्रेन मार्कीट, चण्डीगढ़।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस. सी. एफ. नं. 74, ग्रेन मार्कीट, चण्डीगढ़। (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 736, ज्लाई 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र जंज, लुधियाना

तारीख · 2-4-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, लूधियाना

लुधियाना, दिनांक 2 अप्रैल 1982

निर्दोश मं. चण्डी./106/81-82—अतः मुक्ते, सूखदोब चन्द.

आयकर आर्थानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिस्की सं. प्लाट नं. 77, इडस्ट्रीयल एरिया में तीसरा हिस्सा है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससं उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1981

का पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान णित्फल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह त्रिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार यत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किथा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री दिलवाग सिंह इहादुर सिंह सपुत्र श्री सन्त सिंह माध्यम श्री बावा सिंह, निवासी 16/3 उब्ब्यु ई. ए. करोल बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री प्रीतम सिंह भारज, संतोष सिंह सपृत्र श्री बावा सिंह, निवासी 16/3, डब्ल्यु ई. ए. करांल बाग, नई दहेली-5, अब प्लाट नं, 17, सैक्टर 6, फरीदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूसूची

प्लाट नं. 77 में तीमरा हिस्सा जो कि इंडस्ट्रीयल एरिया में स्थित है। (जायदाद को कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डी-गढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 615, ज्लाई 1981 के अधीन दर्ज है)।

> सुखदोव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, लुधियाना

नारीख : 2-4-1982

प्ररूप थाइ. टी. एन्. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, राह्तक

रोहनक, दिनांक 12 मार्च 1982

िनर्दंश सं. हिसार/115/8/1-82~—अतः मुक्ते, गो. सि. गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परिचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पात, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जिसकी मं. निर्माणाधीन मिनंमा का आधा हिस्सा है तथा जो ठण्डी सड़क, हिगार में स्थित है (और इसस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिरार में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीस नवम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विकित में बास्तिविक स्प में काथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री अनिल तायल पुत्र श्री बलराज तायल, नि. गली छबील दास, दिल्ली गंट, हिसार

(अन्तरक)

2. श्री राम दास व हर गे.बिन्द पूत्र गण, श्री ईशार दास् पूत्र शोभा राम, नि. हस भवन, रालव रोड, हिसार

(अन्तरि**ती**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित्यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति, निर्माणाधीन सिनंमा का आधा हिस्सा, जो िक ठण्डी सङ्क, हिमार में स्थित ही जिस्का अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिसार, मं रिजस्ट्री संख्या 3568 दिनांक 5-11-1982 पर दिया गया है।

गो. सि. गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहेतक

तारीख . 12-3-1982 मो**हर** ः प्ररूप आद्यं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगव्यर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, राहितक

राहतक, दिनाक 12 मार्च 1982

निदर्श मं. हिमार $\frac{90}{81-82}$ —अत. मुभ्हे, गो. सि. गापाल, आयकर ऑधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क क अधीन सक्षाभ प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक ह**ै** और जिसकी स निर्धाणाधीन सिनमा भवन का 1/6 भाग ही तथा जा हिसार मा स्थित हो (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पर्ण रूप स बीणत ही), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हिसार मा रजिस्ट्राटारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) क अभीर, तारीन जन्मवर, 1981 को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उजिन बाजार मूल्य संकाम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वावन सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान परिकल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत अधिक हो और अन्तक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किश्त नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् :—

- । श्री दंद प्रकाश पुत्र श्री रिखी कंश आह्जा, नि. 80-न्यू माडल टाउन, बहादुरगढ़ (राहतक)। (श्रन्तरक)
- 2 श्री जीवन दास पुत्र श्री इंश्वर दास, नि. हास भवन, रलवे राड, हिसार।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध् या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीक्षर उक्त स्थावर सपित्त में हितबद्ध, किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास् विखित में किए जा सकरें।

स्थव्योगारणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

सम्पत्ति, निर्माणाधीन गिनेमा भवन का 1/6 हिम्सा जो कि ठण्डी सड़क हिसार, में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिज्म्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिसार में रिजम्ट्री संख्या 3134, दिनाक 5-10-1981 पर अकित है।

गों. सि. गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहतक

नारील 12 3 1982 मोहर . प्ररूप आइ^र.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

राहतक, दिनाक 15 गार्च 1982

निदंश स. कालका 12/81-82---अतः म्भी, गी. मि. गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं प्लाट न. 776, सैक्टर-7, अर्बन एस्टेट हैं तथा जो पन्चकाला मा स्थित हैं (और इसम उपाब्द्ध अनुसूची मां और पूर्ण स्था स वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यान्त्य कालका में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीम जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्अ यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल रा, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अक्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की वायत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिका के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६--

 श्री क्षुलवन्त राय सूद पृष्ठ श्री परस राम, नि. ए/ 124, मैक्टर 30बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

 श्री यद्वश च्य प्य श्री गोविन्द, राम, श्रीमती कम च्या पत्नी श्री यदानंश च्या, नि 3320, मैक्टर 27-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ए--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास, लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ओ पी- को जनाव 20-क में परिभाषित हैं, बही अब हागा का कि क्षाय में दिल गया है।

अन्स्ची

सम्पत्ति प्लाट न . 776, सैक्टर-7, अर्बन एस्टोट, पन्चकाुला मा स्थित ही जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, कालका मो रिजस्ट्री संख्या 833, दिनोक 27-7-1981 पर दिया हो।

> गो . सि . गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहतक

धारीस · 15-3-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रॉहतक रोहतक, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्दाश सं. बल्लभगढ़/177/81-82--अतः म्फे, गो सि. गंपाल,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने जा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं प्लाट नं. 51, ब्लाक बी-। है तथा जो पैक्टर-11, फरीदाबाद मा स्थित ही (और इससे उपावद्ध अभुमूची सं और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ सा रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1981

का पूर्वीक्त संपर्तित को उचित वाजार मृल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते रह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किला निक्ता निका उद्यास्थ से उद्यास के लिए तय पाया गया प्रतिकल किला निक्ता निका स्वास्थ से उद्यास के लिए तय पाया गया प्रतिकल किला निक्ता निका सिका उद्यास्थ से उद्यास अन्तरण किला स्वास्थ से वास्तिविक हम से किशा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करन या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों लो, जिन्हों भारतीय गाम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ६। नवत आधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में मृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन शिक्तिकित व्यक्तियों अधीत् :-- श्रीमती सुकीला पत्नी श्री आर. सी. सावल, नि. दह्ली बजरिय, श्री आर. सी. सावल, महिलाओं के लिए विक्विविद्यालय हास्टिल, छत्र मार्ग, नर्द दिल्ली।

(अन्तरक)

2 क्रुमारी अल्का पुत्री श्री बी. एस. होरा, ए-28, नारायण विहार, नई दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में साकती व्यक्ति द्वारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट नं. 51, ब्लाक बी-।, क्षे. 500 घ. ग. सैक्टर-11, प्रशेदाबाद मं स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीव्ही के कार्यालग, बल्लभगढ़ मा, रिजस्ट्री संख्या 5657, दिशान्त 15-7-1981 पर दिया है।

गों . सि . गोपाल सक्षम प्राधिकारी स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज , रोहतक

नारीय : 15-3-1982

प्ररूप आइ'. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अग्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रांज, रोहतक

राहितक, दिनांक 15 मार्च 1982

निद[े]श सं. रोहतक/13/81-82---अतः मुफ्ते, गो. सि. गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगीति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं मकान ना 683, बार्ड नं 36 है तथा जो काठ मन्डी, राहतक मा स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप सं वर्णित है), रिजस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय राहतक मों रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जुलाई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल में एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरहा (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिननितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा का लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिमित व्यक्तियों, अर्थात :--

1. श्री माहर सिंह दास बालोरिया द्रस्ट, बेरी जिला—-रोहतक, बजरिये श्री मदनमोहन द्रस्टी पृत्र श्री उमराव सिंह, नि. बेरी, अब 25, बडताला स्ट्रीट, कल-कत्ता।

(अन्तरक)

2. श्री प्यारं नाल पृत्र श्री नन्द लाल श्रीमती पार्वती पत्नी श्री प्यारं लाल संश्री अजीत सिंह बेद प्रकाश पृत्रान श्री नन्द लाल, म. नं. 622, वार्ड नं. 30, काठ मन्द्री, रोहतक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :→-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिस- अष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं, 683, वार्ड नं. 36, काठ मन्डी, रोहनक में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजम्द्रीकर्ता के कार्यालय, रोहनक में, रिजम्ट्री मख्या 1959, दिनांक 2-7-81 पर दिया है।

गो सि गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

तारीख : 15-3-1982 मोहर . प्ररूप पाई ाटी • एन • एस • ----

म्रायक्षर म्रधिनियम, 1961 (1961 के 43) हो आर। 269व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, राहतक रोहतक, दिनाक 15 मार्च 1982

निर्देश सं जगाध्री/43/81-82--अत मुक्ते, गो. सि. गोपाल,

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इस के पश्चात् 'जनत ग्रिजिनयम' कहा गया है), की धारा 269-च के ग्रधीत सञ्जम प्राधिकारी की, यह विश्वाय करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भ्ल्य 25,000/-रु० से ग्रधिक है

और जिसकी सा मा न 1881, सर्काल 4, किश्चन कालौनी, है तथा जो जगाधरी मा रिध्त है (और इससे उपायद्ध अन्सूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जगाधरी मो रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जुलाई, 1981 को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफत के लिए अन्तरित को गई दृ और अझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीका यम्पति हा उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफत का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप ही बाबा, उका अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचने में सुविधा क लिए, बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, में धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिख्त व्यक्तिया, अर्थात् —

1 श्री ए आर जोस्तु, मराफ अब्दाल रहीम जोस्त् पृत्र श्री रतेह मसीह, नि जगाधरी।

(अन्तरक)

2 श्री बलवन्त सिह पुत्र छाजू राम, नि गोपीवाला, त टोहाना, श्री जगजीत सिह प्त्र ज्ग लाल, नि. रज्शल, त हासी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वीका सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवादिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इन सूचना ह राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवित्र ता तत्मम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्रविधि, जो भी अविधि बाद प्रयमाप्त निर्मे हा, क भीतर प्रवीनत व्यक्तियों में से किसी स्थिति हारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत संप्रकाशन को गारीख से 45 दिन के मीतर च≉त स्थावर पम्पत्ति के दितबढ़ किसी अन्त्र व्यक्ति हारा प्रणाहरताक्षरी के पात लिखित के किए अनकेश

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदो का, जो उदन यदि नियम के ग्रध्यात 20-क में परिभाषित है, वर अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान न 1881, सर्काल न . 4, क्रिश्चन कालौनी, जगाधरी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्री सख्या 2512, दिनाक जुलाई, 1981 पर दिया है।

गो सि गोपाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहतक

तारीख 15-3-1982 म_eर प्रकृप बाइं.टी.एन.एस.------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत तरकार

कार्यालय, महायक आयक्तर आगक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, राहनक

रोहतक, दिनाक 15 मार्च 1982

निष्टेश स करनाल/38/81-82--अत स्फे, गो सि गोपाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं ब्कान कम फ्लैट न 158, सैक्टर-11 हैं तथा जो करनाल में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप संवर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्त अधिकारी के कार्या-लय करनाल मं रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीस जुलाई, 1981

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वा अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उपससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या कत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया भवा था वा किया बाना शाहिए था कियाने में स्विभा के जिन्हें

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——
32 —36GI/82

श्री रिविन्द्र चन्द्र मित्तल पुत्र श्री ईश्वर चन्द्र, म न.
 326, हाउसिंग कालीनी, करनाल।

(अन्सरक)

2 श्री जय प्रकाश एए पवन का्मार प्त्रान श्री भदन लाल मार्फत नरवाना टिम्बर स्टार, करनाल।

(अन्तरिती)

कां यह मूचना जारी कारके पूर्वीक्त समातित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू कारता हुइ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप्र---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन की जबिंश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्कान की तामील से 30 दिन की जबिंश, जो भी अविंश नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निलक्षित में किए जा सकारी।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान कम फ्लैट न 518, सैक्टर-11 चौडा बाजार, करनाल में स्थित है जिसका अधिक दिवरण रिज्य्हें. कर्ता के कार्यालय, करनाल मा र्याजस्ट्री संख्या 2878, दिनाक 30-7-81 पर दिया है।

> गो . सि . गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्ट (गिरीक्षण) अर्जन रोज , राहतक

तारीस 15-3-1982 मोहर

प्ररूप मार्च. टी. एन्. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्गज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 मार्च 1982

निर्देश सं. दंहली/53/81-82—अतः मुभ्ने, गो. सि. गोपाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स. भूमि क्षे. 585139 व. फाट इसारत के साथ है तथा जो मथुरा रोड़, बल्लभगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण क्ष्य में वर्णित है), रिजम्द्रीकर्मा अधिकारी के कार्यालग बहेली में रिजम्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जुलाई, 1981 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्तर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दर्ग्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- 1. मैं. ग्लोब मोटर्ज, मधुरा राड, बल्ल्भगढ़। (अन्तरक)
- 2. दी स्टार थायर (इन्डिया) लि., 394, हाँज काजी, दोहली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भृमि इमारत के साथ, मधुरा रोड, बल्लभगढ़ में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, दहली में, रिजस्ट्री संख्या 660, दिनांक 10-7-1981 पर विया है।

गो . सि . गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज , रोहतक

तारो**व** : 15-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, राहतक

राहतक, दिनाक 15 मार्च 1982

निद^{क्ष}रु सं. सोनीपत/46/81-82--अतः मुभ्हे, गो. सि. गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं मकान है तथा जा होमनगर, सोनीपत में स्थित है (और इसस उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप सं वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोनीपत मो रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1981

को पूर्विक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे दघने में सृविधा के लिए; आर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के, अन्मरण मी, मी, एक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री गांबिन्द राम पुत्र श्री तंजू राम एलिया, तंज भवन, होमनगर, सोनीपत।

(अन्तरक)

2, श्रीमती शारदा कृमारी पत्नी भी कृष्ण लाल, 238/2, कटरा अनाज, मोनीपत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मम्पत्ति, एक मकान जो कि होमनगर, सोनीपत मों स्थित है। जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय सोनीपत मों रिजस्ट्री संख्या 1825, दिनांक 2-7-1981 पर दिया है।

गो. सि. गोपाल सक्षम प्राधिकारी स**हा**मक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{र्}ज, रोहतक

नारीख : 15-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज, राह्तक

राहतक, दिनाक 15 मार्च 1982

निवर्षा सं. जगाधरी/40/81-82--अतः मुभ्ते, गो. सि. गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक **ह**ै

और जिसकी म. मकान है तथा जो जगाधरी म स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीच जुलाई, 1981

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करहे का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- श्री मदनलाल गर्ग पत्र श्री साहनलाल, मकान नं. 3036-ए, सैक्टर-15-डी, चण्डीगढ़। (अन्तरक)
- 2. श्रीडा विष्णुप्रकाश गुप्ता पुत्र श्री चन्दर प्रकाश गुप्ता, जगाधरी रोड, यमुना नगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) ६५ सूचना केराजपत्र मे प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन की अवधियातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृकारा अभोहस्साक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहा अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मम्पत्ति मकान जगाधरी में स्थित हैं जिसका अधिक दिवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्री संख्या 2674, दिनोक 9-7-1981 पर दिया **ह**ै।

> गोः सिः गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहतक

नारी**स**ं 15-3-1982 मोहर :

प्रकृप बाई • टी • एन • म • -----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) घारा की 269 घ (1) के अ**धीन** सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 मार्च 1982

निदर्शि सं. पानीपत/46/81-82--अतः मुक्ते, गोः. सि: गोपाल,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने क कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल 5,000/-क से मोधिक है

और जिसकी मं. सम्पत्ति नं. 302 में 308, वार्ड नं. 5 का 1/2 हिस्सा है तथा जो मंन बाजार, पानीपत मं स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पानीपत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख ज्लाई, 1981

पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पिद्ध का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिजित में वास्ति विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी खाय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए! और/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी भन या भन्य भ्रस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के छिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीग निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- श्री महावीर गुप्ता पुत्र श्री अमर नाथ, नि. 679, सौकटर नं. 8-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

श्री सेवा राम पुत्र श्री राम किशन दास, मकान नं.
 161, वार्ड नं. 4, पानीपतः।

(ग्रन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धात्रिया तस्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धादिस, जो भी धादिस दोद में समाप्त होती हो, को मीतर पूर्वीकत व्यक्तियों ये से किया उपक्ति हारा:
- (ख) इस सूचना के राजपश्च में प्रकाणन की तारी आ से 4.5 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबा किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें

स्वष्टीकरण :--इसमें प्रभुक्त शब्दों घीर पदों का, जो छक्त ग्रिश्वियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, कड़ी धर्य होगा, जो उस अध्याय में विया गण है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं. 302 सं 307 तक का 1/2 भाग, वार्ड नं. 5, मेन बाजार पानीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्री संख्या 2454, दिनोक 1-7-1981 पर दिया है।

> गो . सि . गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज , रोहतक

तारीखं : 17-3-1982

प्ररूप् बार्ड, दी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 17 मार्च 1982

निर्दोश स. पानीपत/61/81-82--अत मुभ्ने, गो सि गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी स भूमि क्षेत्र 29 कनान 10 मरले हैं तथा जो गाय मोहाली में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यावय पानीपत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1981

की पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार म्ल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गृह है और म्फे यह विद्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के निए।

अत अच, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :--

- । श्रीकिंशोरी लाल पुत्र श्रीबेली राम, नि मोहाली। (अन्तरक)
- 2 श्री हुक्तम चन्द पुत्र श्री छोटू राम, कृष्ण कौर पत्नी शाम सुन्दर, सुमन प्त्री श्री कृष्ण कमार नि गीता कालीनी, सोनीपत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यपाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भे से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण --इसम प्रयुवत शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

सम्पत्ति, भृमि क्षत्र 29 कनाल 10 मरले, गाव मोहाली में स्थित है। जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रोकर्ता के कार्यालय पानीपत में रिजस्ट्री संख्या 2697, दिनाक 13-7-1981 पर दिया गया है।

गो सि गापाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, रोहतक

तारीख 17-3-1982 मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र^नज, राहतक रोहतक, दिनांक 17 मार्च 1982

निंद^रश सं. थानेसर $\frac{9}{81-82}$ —अतः म्भें, गो. सिं. गोपाल,

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकों सं. भूमि क्षेत्र 24 कनाल बार दीवारी सहित हैं तथा जो बंट पिपली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं),रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय थानेसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जुलाई, 1981

को प्त्रींक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मृग्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ।

गितिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- श्री राज क्यार पुत्र श्री रामेश्वर नारायण सर्वश्री बसन्त राम, नि. अम्बाला शहर, अब गांव पिपली। (अन्तरक)
- 2. मैंसर्ज मुरजीत और मुरोन्द्र इन्बेस्टमेंट प्रा. लि. टाटा डीजल व्हीकल एण्ड स्पेयर्स, यम्नानगर जगाधरी)। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृवाकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सकत् सुम्पृत्ति को अर्थन् को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि मी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

अन्स्ची

सम्पत्ति भूमि 24 कनाल, गांव बेट पिपली (जी.टी. रोड) पर स्थित है। जिसका अधिद दिवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय थानेसर में रजिस्ट्री संख्या 1463, दिनंक 15-7-1981 पर दिया है।

गो . सि . गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज , रोहतक

तारीख : 17-3-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

ग्राथकर ग्रिशिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत संग्र्धार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्रज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 17 मार्च 1982

निदंभश स रोहतक/14/81-82---अत म्भिहे, सि. गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसके परभात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुत. से अधिक हैं

और जिसकी स सकान न 536 (पी) बार्डन 14 है तथा जो डी एल एफ कालोनी, रोहतक म स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोहतक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील जुलाई, 1981 को पूर्वीक्त सपरित के उचित बाजार मूल्य मे कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार म्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिबित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्।रण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रांधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

1. श्रीदिवक राम पुत्र श्री छाजुराम, नि. **किलो**ई दिपाना।

(अन्तरक)

श्री स्भाष चन्द्र भाटिया पृत्र श्री कन्हौँया लाल मार्फात न्यु बैंक आफ इण्डिया, रोहतक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधियातत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समान्त दोनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी स्पक्ति हारा।
- (ख) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारी 🛎 से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, अओहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:---इसमे प्रयक्त शब्दों और पर्वो का, जो उन्त अधि-नियम के अध्याम 20-इ में परिकाखित है, वही अबं होगा, जो उस अध्याय में वियागवा है।

अमृस्ची

सम्पत्ति, मकान न 536 (पी) वार्ड नं 14, डी. एन. एफ कालोनी, रांहतक में स्थित हैं जिसका अधिक विवरण रिजस्द्रीकर्ता के कार्यालय रोहतक में रिजस्ट्री संख्या 2245, दिनाक 16-7-1981 पर दिया है।

> गो. सि. गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

सारीख : 17-3-1982 मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहतक

रोहतक, विनोक 17 मार्च 1982

निवर्ष्य सं. बल्लभगढ़/181/81-82--अतः मुभ्ने, गो. सि. गोपान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि है तथा जो बल्लभरक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुनाई, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विष्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :——
33—36 GI/82

 श्रीमती सन्ताप सरन पत्नी श्री शाम सरन, नि. 30, टांडर मल रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री राम गोपाल गोइनका पृत्र श्री मटरू मल गोइनका एन - 118-बी., पंचशील पार्क, नई दिल्ली।

(श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पृवर्षिकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तमील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमसर्ची

सम्पत्ति, भूमि फरीदाबाद में स्थित हैं जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बल्लभगढ़ में रिजस्ट्री मं. 5814, दिनांक 17-7-1981 पर दिया है।

गों. सि. गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहनक

तारीख : 17-3-1982

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

स्रायकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज, रोहेतक

रोहतक, दिनांक 17 मार्च 1982

निद[े]श सं. बल्लभगढ़/190/81-82--अतः मुक्ते, गो. <u>र</u>िस. गोपाल,

षायकर घष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम ताधिकारीको यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. सम्पत्ति है तथा जो फरीवाबाद में स्थित है

और जिसकी सं. सम्पत्ति हैं तथा जो फरीवाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1981

जुलाइ, 1981
को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से लम के दृष्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक कर में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के धन्नीन कर देने के भन्तरक के दायित्व मैं कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिस्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं श्रम्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

्यतः, **प्रव**, उपत धिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त धिधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा [(1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः——

- श्री गजराज पृत्र श्री हरकेश, नि. लकड़पूर। (अन्तरक)
- श्री शाम सुन्दर गोइनका पुत्र श्री मटम्ब मल गोइनका,
 नि. एन.-118-बी., पंचशील पार्क, नई दिल्ली।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रश्चोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त श्रधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति, फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बलभगढ़ में रिजस्ट्री संख्या 6258, दिनाक 23-7-1981 पर दिया है।

> गो . सि . गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज , रोहतक

तारी**ख** : 17-3-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, बंगल्र

बंगलूर, दिनांक 18 मार्च 1982

िनद्भा सं. सी. आर. 62/31382,81-82/एसीक्यूबी--यतः मभ्ते, मंज साधवन,

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 22 हैं तथा जो अलसूर रोड, बेंगलूर में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), र्राजस्त्रीक तो अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बेंगलूर में रिजिस्ट्रीक रण अधिनियम, 190 8(1908 का 16) के अधीन, तारील 24-7-1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 (1) रोस अरासूल्ला फ्रीडिल (2) फ्रोडिल अलायसिय्स फ्रीडिल (3) अलायस जान फ्रीडिल सब रोहनेवाले सं । 22, अलसूर रोड बेगलूर में

(अन्तरक)

2 मेसर्स अंबीट एस्टेंट अन्ड डवेलपुमेन्टस प्रवेट लिमिटेड जिसका प्रतिनिधि है श्री के अबदुल्ला सं, 32, म्यूसियम रोड, बेंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हैं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हा
- (त) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हों।

अनुसूची

(दस्तावेज मं. 1357 ता. 24-7-81)

घर संपित्त है जिसका सं 22, अलसूर रोड 53 वा कार-पोरोपन, डिविजन बेंगलूर चुकबंदी है।

उ. में——अलसूर राड

द. में ---प्रैवेट प्रापरटी

पु. में ---स. 21, अलसूर राड

पं. में --सं. 13, सूसर रोड

मंजु माधवन सक्षम प्राप्तिकारी स्हायक आय्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज, बोंगलूर

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों स्थितः—

तारीच : 18-3-82

प्राक्ष प्राई॰ टी॰ एत॰ एस॰--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 अप्रैल 1982

निर्देश सं. चण्डी/98/81-82--अत मुक्ते, स्खदेव चन्द,

4979—अतः मुभे, विमल विशिष्ट, क्षायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका प्रचित बाजार मूस्य 25,000/-

रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. एस सी रो 40, है तथा जो सैक्टर 31-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7/81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है और ग्रन्तरक (भन्तरकों) श्रीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तप्र पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखा में वास्तिक का से कावत नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधितियम के पंत्रीत कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के किए। और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या अग्य भ्रास्तियों कों, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधितियम, या धन-कर भ्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अव, उक्त ग्रिविनयम की घारा 269-य के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रविनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिकित व्यक्तियों, अर्थात् ह--

- श्रीमती सुमित्रा दोवी पत्नी श्री मोला राम निवासी 3368 सैक्टर 27-डी, चण्डीगढ़ (अन्तरक)
- 2. मि. मिथलेश शर्मा, 2433, सैक्टर 22-सी, चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वो</mark>क्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 विन की धविष्ठ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी करें 30 दिन की अविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाभर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हीगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

अनुसूची

एस सी ओ 40 सैक्टर 31-डी, चण्डीगढ़ में हैं। (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 595 जुलाई 1981 के अधीनदर्ज हैं)।

> मुख्य विचन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, लुधियाना

तारी**स** : 8-4-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लुधियाना

नुधियाना, दिनांक 8 अप्रैल 1982

निवदेश सं. चण्डी 110/81-82---अतः मुक्के, सुख देव इस्त

आयंकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित दाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं मकान नं 1281 है तथा जो सैक्टर 22-बी जण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से टर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जुलाई 1981

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विष्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह³ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- श्री बंअन्त सिंह सपुत्र श्री हरनाम सिंह निवासी गांव पूर्णपुर जिला पिलिभिट, (यू. पी.) माध्यम श्री अशोक कुमार शर्मा सपुत्र श्री कुन्दन लाल निवास मकान नं 2496, सैंक्टर 10-बी, चण्डीगढ़। (अन्तरक)
- श्री कान्द्रन लाल सपुत्र श्री मोहन लाल मकान नं 1281, मैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 1281 सैक्टर 22-बी, चण्डीगढ़ में है। (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 628 जुलाई 1981 के अधीन दर्ज ही)।

> सुख देव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, लुधियाना

अतः अबः, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीस : 8-4-1982

मोहरः

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 23rd March 1982

No 32013, 1/80-Admn.1.—In continuation of Union Public Service Commission Nothication No. A.120.4, 2/80-Admn.1 dated 23-2-82, the President is pleased to appoint Snit M. K. Krishnan a permanent Offace I officer of the CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate in the selection grade of CSS as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on add not basis for a period of three months w.e.t. 13th February, 1982 of until ruither orders, whichever is earlier.

The 31st March 1982

180. A. 38013/6/81-Admn, III.—The President is pleased to permit Shri B. Sundaresan, a permanent Section Officer and officiating Desk Officer of the CSS Cadre of the Umon Public Service Commission, to retire from Government service, on attaining the age of superannuation, with effect from the arternoon of the 31st March, 1982 in terms of Department of Personnel & Administrative Reforms O.M. No 33/12/75-1 sts (A) dated the 24th November, 1973.

No. P/1877-Admn. I.—Consequent upon his selection for appointment as Professor (Training & Placement) in the ludian Institute of Technology, Kharagpur, Dr. K. Bhaskaran, Lecturer, in the Civil Engineering Department of the Regional Engineering College, Calicut and at present holding the post of Deputy Secretary, Union Public Service Commission on deputation basis, has been relieved of his duties in the office of the Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 31st March, 1982.

Dr. R. Bhaskaran is also granted carned leave from 1st April, 82 to 11th April, 1982.

Y. R. GANDHI Under Secy. (Admn.) Umon Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION DEPARTMENT OF PERSONNEL AND A. R.,

New Delhi, the 2nd April 1982

No. PF/II-68/74-Ad.I.—The services of Shri II. R. Salvi, an officer of the Maharastia State Police, on deputation to CBI as Inspector of Police are placed back at the disposal of the Maharashtra State Police w.e.f. the afternoon of 28-2-82.

2. He was relieved from CBI, GOW Bombay on the afternoon of 28-2-82.

CORRIGENDUM

No. A-19036/4, 76-AD. V.—The date of superannuation of Shri Shariful Hassan, Dy. Supdt. of Police mentioned as 31-7-80 AN in this office Notification of even No. dated 14-8-1980 may be corrected to and read as "30-6-1980 AN".

R. S. NAGPAL
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRPF,

New Delhi-110066, the 2nd April 1982

No. D.I. 4/82-Adm-3.—Shri N. N Dutta an Audit Officer of Office of the Comptroller and Auditor General of India is appointed on ad-hoc basis to the grade of Audit Officer in the Central Reserve Police Force on the terms and conditions of deputation, initially for a period not exceeding one year of till this is made in accordance with the approved Recruitment Rules, whichever is earlier.

2. Shri N. N. Dutta took over charge of the above post on the forenoon of 17th March in the Office of I.G. 8/II CRPF, Calcutta.

No. D.1-5/82-Adm.-5.—Shri Gorla Aijun, an Accounts Officer of the Defence Accounts Department, is appointed on ad-hoc basis to the grade of Audit Officer in the Rentral Reserve Police Force on the terms and conditions of deputation, mitially of a period not exceeding one year or till

this is made in accordance with the approved Recruitment Rules, which-ever is earlier.

2. Shii Goila Arjun took over charge of the above post on the iorenoon of 17th March 1982 in the Office of I.G. 8/1 CRPF. Hyderabad.

J. M. QURESHI Dy. Director (Adm)

New Delhi-110022, the 30th March 1982

No. O.II-1595/81-Estt.—The President is pleased to reheve Dr. M. K. Dwivedi, GDO Grade-II of GC CRPF Neemuch with effect from the Fore-Noon of 1-3-82. on expiry of one month's notice under Rule 5(1) of the CCS(TS) Rules 19665.

The 2nd April 1982

No. O.II-3/78-Estt(CRPF).—Consequent on his appointment as Director General CRPF Shri S. Dutta Chowdhury, IPS (Guj-1948) relinquished charge of the post of IGP S/IV in the torenoon of the 17th March, 1982.

A. K. SURI Assistant Director (Estt)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENTRAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE New Delhi-19, the 20th March 1982

No. E-38013(4)/27/81-PERS.—On transfer from Visakhapatnam Shri M. M. Thapar assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Trg. Reserve, CISF HQIs, New Delhi with effect from the forenoon of 27th February, 1982.

The 31st March 1982

No. L-32015(2)/2/81-PERS.—On expiry of his term of re-comployment Shri Daljit Singh relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, BHEL, Hardwar, with offect from the forenoon of 1st March, 1982.

The 2nd April 1982

No. E-16015/14/81-PERS.—On transfer on deputation to N.F.L., Panipat, Shrt E. N. Bhardwaj relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, BCCL Jharia with effect from the afternoon of 16th February, 1982.

No. E-38013(4)/19/81/PERS.—On transfer to Ramagun dam Shri R. B. Kuruvilla relinquished the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, V.P.T., Visakhapatnam, with effect from the forenoon of 8th December, 1981.

SURENDRA NATH Director General

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF E.A.) INDIAN SECURITY PRESS,

Nasik Road, the 30th March 1982

No. 2480/A.—The undersigned is pleased to appoint Shri P. S. Murthy, Jr. Accounts Officer, P.A.O. Unit, India Security Press Nasik Road as accounts officer India Security Press on deputation with effect from the forenoon of 23rd March 1982 on ad-hoc basis for a period for one year or till regular appointment is made, whichever is earlier, on usual terms and conditions of deputation.

P. S. SHIVARAM General Manager, India Security Press.

BANK NOTE PRESS

No. BNP/G/7 72.—In continuation of this office notification of even number dt. 24-2-82 the term of ad hoc ap-

pointment of Shri R. K. Ghosal as Technical officer (Printing and Platemaking) is extended upto 13-3-82 on the same terms and conditions.

The 28th March 1982

No. BNP/C/5/82.—In continuation to this Department's Notification number BNP/C/5/81 dt. 19-9-81 the appointment of Shii S. Chandrasekaran, as Accounts Officer on deputation on the existing terms is extended upto 31-8-82.

M. V. CHAR General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENTS OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 3rd April 1982

No. CA.I/101-70.—The Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has been pleased to permit Shri M. G. Mahajan. Audit Officer (Commercial) working in the office of the Director of Audit (S&CD), Bombay to retire from Govt. service with effect from 28-2-1982 A.N. under Rule 48-A of CCS (Pension) Rules 1972.

M. A. SOMFSWARA RAO Deputy Director (Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I MADHYA PRADESH

Gwalior, the 27th March 1982

No. OE. I/GOs-Promotion/500—The Accountant General, Madhya Pradesh has been pleased to promote the following permanent Section Officers as Accounts Officers in an officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates noted against each:—

SI. Name No.	Allocation	Permanent No.	Date of joining
S/Shri 1. P. N. Shri-			
	АСМР-П	02/277	9-3-82 (FN)
2. Prem Prakash			(1.14)
Saxena .	Do.	02/278	8-3-82 (FN)
3. P. R. Jawalkar	AGMP-1	02/311	26-3-82 (FN)
	Sr. Dv. Ad	D. C	C. SAHO

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 066, the 5th March 1982

No. AN/I/1173/1/I—The President is pleased to appoint the following Junior Administrative Grade Officers of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Selection Grade of the Junior Administrative Grade (Scale Rs. 2000-125/2-2250) of that Service with effect from the dates shown against their names, until further orders:—

SI. Name No.	 	 	Date
1. Shri Prem Kumar Sabhlok			11-01-82
2. Shri Gian Swarup .			11-01-82
Shri Syed Abdul Rahman		•	27-01-82

No AN/P/1174/1/1. The President is pleased to appoint the undermentoined officer of the Indian Defence accounts Service, to officiate in the Innio Administrative Grade (Rs 1500-60-1800-100-2000) of that Service until further orders with effect from the date shown against him

Shri DEBOBROTO LAHARI . . Ist January 1982 (FN)

No AN/I/1175/1/1—The President is pleased to appoint the following Junior Administrative Grade Officers of the Indian Defence Accounts Service (on deputation as noted against their names) to officiate in the Selection Grade of the Junior Administrative Grade (Rs. 2000-125/2-2250) of that Service with effect from the dates shown against their names, until further orders. under 'Next Below Rule':—

SI. Name No.	Date	Present assignment
S/Shri		
1. Sanjib Mukherji	11-01-82	Financial Advisor, Directorate General, Naval Project,
2. M. K. Ganesan	. 11-01-82	Visakhapatnam.
3. B. G. Joshi	27-01-82	micals & Fertili- hizers , New Delhi (at present on course at HPA, New Delhi.) Integrated Financial Adviser, Department of Electronics, New Delhi.

No. AN-I/ Defence Acco mentioned Ind		to notify	the death	of the under
Name	Grade	Date of death	Date of struck off strength	Organi- sation
Shri D.P. Ghosh	D.C.D.A.	3-2-82	4-2-82 (FN)	Controller of Accounts (Factories) Calcutta.

R. K. MATHUR

Addl. Controller Genl, of Defence Accts. (AN)

OFFICE OF THE

CONTROLLER OF DEFFNCE ACCOUNTS

Madras-18, the 15th February 1982

No. AN/II/8317131/DISPN.—Shri G. PREM KUMAR, QPt. Auditor, Account Number 8317131 of this Organisation serving in the Office of the Jt. CDA In-charge, PAO (QRs) EME, Secunderabad had applied for leave from 27th December 1980 to 9th February 1981 on Medical Grounds and he did not report for duty on 10th February 1981,

atter expity of the leave applied for by him. The Memos issued to him to his last known address, asking him to Teport for duty were received back undelivered with the Postal remark. "Left". The Charge sheet for major penalty sent to him at his last known address was also returned undelivered by the Postal Authorities with the remarks "Addressee Left". Shri G. Prem Kumar also failed to be present before the Inquiry Authority as summoned by him and hence the Inquiry was held Ex-parte. He was, therefor, considered as absent without sanction of leave from 10th February 1981 as he neither reported for duty nor sent any communication, explaining the reasons for his absence. Copy of Part II Office Order No. T 'AN/1362 dated 24th December 1981, notifying his removal from service with effect from 1st January 1982 which was sent to him to his last known address was also returned undelivered. It has, therefore, been decided by the Disciplinary Authority to notify his removal from service with effect from 1st January 1982 in the Official Gazette.

S. SWAMINATHAN
Controller of Defence Accounts
(Other Ranks) South
Madras-18

New Delhi-66, the 16th February 1982 CORRIGENDUM

No. AN-II/2606/82-I.—In the Gazette Notn. No. AN-II/2606/81-I dated 23rd November 1981 published in the Gazette of India, Part III—Sec. 1 week ending December 12, 1981 on page 13804, please read the date as 31-7-81 instead of 31-7-78 as given against the name of Shri D. S. Gokhale 0/213. in Sr. No. 3.

A. JANAKIRAMAN Asstt, Controller General of Defence Accounts (Admm.)

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 30th March 1982 IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/668/62-ADMN(G)2166.—The President is pleased to permit Shri Amrit T. Nangrani, an officer of grade III of the Central Trade Service and officiating Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay, to retire from Government service with effect from the afternoon of the 28th February, 1982.

J. K. MATHUR

Dy. Chief Controller

of Imports and Exports

For Chief Controller of Imports and Exports

New Delhi, the 31st March 1982

No. 6/1096/75-Admn(G)2239.—The President is pleased to permit Shri G. S. Grewal, an officer permanent in Grade I of CSS, working as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in this office to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st December, 1981.

2. This supersedes this office Notification of even number dated 3-2-1982.

Dy. Chief Controller of Imports and Exports
For Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRIES) New Delhi, the 1st April 1982

No. A-19018(378)/79-Admn.(G).—Consequent on proceeding on deputation with the U.P. State Leather Development and Marketing Corporation Ltd., Agra as Project Officer (Schemes) Shri Om Prakash has telinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. 1) (L/F) at Small Industries Service Institute, Agra with effect from the afternoon of 23-2-1982.

C. C. ROY Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1) New Delhi-1, the 1st April 1982

No. A-1/1(1171).—Shri B. R. Das, officiating Astt. Director (Admn.) (Gr. II) in the office of the Director of Inspection, Calcutta retired from Government Service with effect from the afternoon of 31st January, 1982 on attaining the age of superannuation.

No. A-1/1(1188).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri B. K. Maitra, Superintendent in the office of Director of Inspection, Calcutta to officiate on purely ad-hoc basis as Assistant Director (Admn.) (Gr. Π) in the same office with effect from the afternoon of 4-2-1982 vice Shri B. R. Das, Asstt. Director (Admn.) (Gr. Π) retired.

MUKUL ROY
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi-1, the 1st April 1982

No. A-1/1(917).—The President is pleased to appoint S'Shri M. P. Gupta and A. K. Chohdda, Assistant Directors of Supplies (Grade III of Indian Supply Service, Group 'A' to officiate as Deputy Directors of Supplies (Grade II of Indian Supply Service, Group 'A') on ad hoc basis with effect from the forenoon of 25-3-82 and until further orders.

2. S/Shri Gupta and Chohdda relinquished charge of the post of Assistant Director of Supplies and assumed charge of the post of Deputy Director of Supplies in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 25-3-82.

Deputy Director (Administration)

(ADMINISTRATION SECTION A-6) New Delhi, the 30th March 1982

No A-6/247/(358).—Shri P. C. Ghosh, a permanent Assistant Inspecting Officer (Met-C hem) in the office of Director of Inspection. Burnpur retired from Government Service w.e.ft the afternoon by 28th Pebruary, 1982 on attaining the age of superannuation

N. M. PERUMAT Deputy Director (Administration)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 30th March 1982

No. 1601 D/A-32013 (A O)/78-80-19A—The followin Superintendents, Geological Survey of India are appointed on romotion as Administrative Officer in the same Deptt. on

pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the date shown against each, until further orders.

S. Name No.			Date of appointment
S/Shri		 	
1. A. Devasigama	m		6-2-1982(F/N)
2, K.C. Jain			8-2-1982 (F/N)
3. Ram Yatan			8-2-1982 (F/N)
4. D.C. Roy			16-2-1982 (F/N)
5. H.R. Narula			18-2-1982 (F/N

No. 1619 D/2339 (GSL)/19 B.—Shri G. S. Lodha, Geophysicist (Sr.), Geological Survey of India relinquished charge of the post of Geophysicist (Sr.) of this Department w.e.f. 13-10-77 (FN) on resignation.

J. SWAMI NATH,
Director General,
Geological Survey of of India.

SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 2nd March 1982

No. C-5796/579-A.—The undermentioned officers are appointed as Assistant Stores Officer (GCS Group 'B' post) in a substantive capacity with effect from 27th Ianuary, 1982:—

- 1. Shri V. D. Sharma
- 2. Shri Vijay Kumar Sharma
- 3. Shri B. Toppo.

The 30th March 1982

No. C-5802/718-A.—Shri G. C. Auddy Officiating Superintendent, Surveyor General's Office is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post) on ad hoc hasis in Eastern Circle, Survey of India, Calcutta in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 29th January, 1982 (F/N) in the newly sanctioned post for Printing Office.

G. C. AGARWAL Brigadier, Surveyor General of India

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 30th March 1982

No. A. 12025/2/80-Fst.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri Dipak Kumar Das as Senior Artist in a temporary capacity in the Directorate with effect from the forenoon of 22nd March, 1982 until further orders.

Y. VERMA
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRFCTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 31st March 1982

No. A 32014'4/81(SJH)Admn.1.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri M. M. Suri, to the post of Assistant Administrative Officer, Safdarjano 34—36G/82

Hospital, New Delhi, on ad-hoc basis, with effect from the forenoon of the 26th February, 1982 and until further orders.

T. C. JAIN Deputy Director Administration (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 3rd April 1982

No. F. 1(4)/82-Estt. II.—Shri Syed Anis Ahmed has be appointed as Chief Instructor Workshop Group 'B' Gazet' in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-100° -EB-40-1200 in the Extension Education Institute, Nilokheri, District Karnal (Haryana) in a temporary capacity with effect from the forenoon of 26th February, 1982 until further orders.

K. G. KRISHNA MOORTHY Director Administration

CFNTRAL WATER AND POWER RESEACH STATION

Pune-24, the 17th March 1982

No. 602/31/82-Adm.—In continuation of Notification No. 608/166/80-Adm dated 23-2-80 and dated 2-4-81 the Director, Central Water and Power Research Station, Khudakwasla, Punc-24, hereby extends the appointment of Shrl V. G. Phadke, Accounts Officer, on deputation for a further position of two months with effect from 1-2-82 to 31-3-82 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier. The terms and conditions of his appointment laid down in the above notification will remain unaltered.

J. L. SPHGAL Chief Administrative Officer for Director

FOREST SURVEY OF INDIA Dehradun-248001, the 1st April 1982

No. 0-3/77Admn.—Shri G. S. Gegi, Extra Assistant Conservator of Forests of Madhya Pradesh Forest Department, who was working as Assistant Director (Photointerpretation & Mapping) in Forest Survey of India. Dehadun on deputation basis has been relieved of his duties w.e.f. the afternoon of 11th January, 1982 from Forest Survey of India. Dehradun and his services have been replaced at the disposal of the Government of Madhya Pradesh Forest Department.

A. B. CHOUDHURI Director

BHABHA ATOMIC RESFARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 12th March 1982

No. PA/76(2)/80-R-III.—On transfer from Purchase & Stores Central Accounts Unit, Bombay, Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Kekhashru Pestonji Wadia. Assistant Accounts Officer as Accounts Officer-II in BARC (PRFFRE Expansion Project at Tarapur) with effect from the forenoon of February 24, 1982 until further orders.

No PA/79(2)81/R-III—On transfer from General Services Organisation, Kalpakkam Shri Flanagar Seshadri Narasimhan Assistant Personnel Officer assumed charge of the nost of Assistant Personnel Officer in Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of March 8, 1982.

A. SANTHAKUMARA MFNON Dy. Establishment Officer

DFPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS FNGINFERING DIVISION

Bombay-5, the 22nd March 1982

No. PPED/3(283)/76-Estt.I/3866.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri B. M. Ganatra, a permanent Accountant and officiating Assistant Accounts Officer in this Division as Accounts Officer-II in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-B-40-1200 in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 12, 1982 until further orders vice Shi R. Radhakrishnan, Accounts Officer-II proceeded on leave.

No. PPED '3(283).76-Estt.I/3868.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombav hereby appoints Shir D. L. Gavankar, a permanent Upper Division Clerk in this Division and officiating Assistant Accountant as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-FB-40-960 in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 12, 1982 until further orders vice Shri B. M. Ganatra. Assistant Accounts Officer promoted by Accounts Officer-II.

R. V BAJPAI General Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 2nd April 1982

No. Ref: DPS/23/5/81-Est./8692.—The Director. Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri P. C. Sharma, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer ad hoc in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from January 25, 1982 (FN) to February 27, 1982 (AN) vice Shri C. H. Balagopalan. Asstt. Stores Officer granted leave.

No. Ref: DPS/23/5/81-Fst./8706.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri P. C. Iain, Assistant Accounts Officer, R.A.P.S. to officiate as an Accounts Officer-II (ad-hoc) in the scale of pay of Rs. 840-90-1000-FB-40-1200 in the Kota Regional Accts. Unit of this Directorate with effect from December 14, 1981 (FN) to January 16, 1982 (AN) vice Shri B. D. Tambe, Accounts Officer-II granted leave

B. G. KULKARNI Assistant Personnel Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 2nd April 1982

No. AMD-16/3/82-Rectt.—In continuation of this office Gazette Notification of even number dated February 3, 1982 Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy extends the officiating appointment of Shri P. K. Vijayakrishnan, a permanent Assistant Personnel Officer, as Administrative Officer-II in the same Division on an ad-hoc basis upto February 21, 1982.

No. AMD-16/3/82-Rectt.—In continuation of this office Gazette Notification of even number dated February 3, 1982 Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Finergy extends the officiating appointment of Smt Kamala Schgal, a permanent Assistant, Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same Division on an ad-hoc basis upto March 31, 1982.

No. AMD-16 '3/82-Rectt.—In partial modification of this office Gazette Notification of even number dated Ianuary 19, 1982. Director Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri P. O Karunakaran a permanent Senior Stenographer and officiating Stenographer-III. Atomic Minerals Division, to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Division on an ad-hoc basis for a period of 50 days with effect from the forenoon of December 29, 1981 to February 16, 1982 vice Shri J. R. Gupta. Assistant Personnel Officer proceeded on Icave.

M. S. RAO Sr. Admn & Accounts Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION TAPP-401504, the 25th March 1982 ORDER

No. TAPS/2/1439/79.—WHEREAS Shri Vinod Dattatray Gavad, Scientific Assistant (B), TAPS submitted a letter of resignation on 21st February 1982 which was received in the Administration Section on 22nd February 1982;

AND WHI-REAS as per the agreement executed by the said Shri Gavad on 1-11-1977, he is required to serve the Department upto 9-5-1983 or retund the stipend money of Rs 5,400/- (Rupees Five thousand four hundred only) paid to him during training;

AND WHEREAS a letter was sent to the said Shii Gavad by Regd Post AD to his last known address viz. At Popharan, PO: Dandi, Taluka Palghai, Dist. Thane informing him that his resignation could not be accepted without fulfilment of the agreement executed by him;

AND WHFREAS again a letter dated 9th March 1982 was sent to Shri Gavad to his last known address by Regd. Post AD stating that he is unauthorisedly absenting from duty and acceptance of resignation can be considered only on refund of the amount due under the agreement;

AND WHERFAS the letter dated 9th March 1982 was returned by postal authorities with the remark that the addressee has gone abroad;

AND WHERFAS the said Shri Gavad has been guilty of remaining unauthorisedly absent from duty from 22nd February 1982 and voluntarily abandoning the service;

AND WHERFAS because of his abandoning the service without keeping the TAPS informed about his whereabouts the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided under Rule 14 of the CCS (CC&A) Rules, 1965;

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred vide DAF Notification No. 22(1)/68 Adm. II dated 7th July 1979 and Rule 19(ii) of the CCS(CC&A) Rules, 1965 hereby dismisses the said Shri V. D. Gavad from service with immediate effect.

P. UNNIKRISHNAN Chief Administrative Officer

Copy to:
(1) Shri V. D. Gavail
At Popharan
PO: Dandi

PO: Dandi Taluka Palghat District Thane Maharashtra

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 2nd March 1982

No. A-32013/4/81-EI.—In continuation of this Office Notification No A-32013/4/81-EI dated the 7th July, 1981, the President is pleased to sanction the continued ad hoc appointment of Shri I. R. Menon to the post of Director of Regulation & Information in the Office of the Director General of Civil Aviation for a further period from 1-10-1981 to 28-2-1982.

The 5th March 1982

No. A-35014/1/81-EI.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri B. N. Sharma, Audit Officer of the Office of the Director of Audit, Central Revenues, New Delhi, as Accounts Officer in the Headquarters Office, New Delhi, on deputation for a period of three years with effect from 26-2-1982 (forenoon).

The 27th March, 1982

No. A. 32013/14/81-E1—The President is pleased to appoint on ad-hoc basis the following officers as Director of Aeronautical Inspection for a period of six months from the dates indicated against their names or till the post are filled on a regular basis whichever, is earlier:—

S No. Name of the of taking over the charge

1. Shri M.M. Chawla

11-3-82 (FN) Office of the Director General of Civil Aviation quarters.

2. Shri T. K. K. Nair 12-3-82 (FN) Bangalore

The 31st March 1982

No. A-19011/103/80-E.I.—The President is pleased to accept the resignation from Government service of Shri I. D. Sharma, Senior Communication Officer in the Officer of the Director General of Civil Aviation with effect from 31-03-1982 (AN).

S GUPTA

Deputy Director of Administration.

New Delhi, the

April 1982

No A. 40012/1/82-FS.—Shri P. G. Kurian, Senior Aircraft Inspector in the office of the Regional Director, Bombay relinquished charge of his duties in the afternoon of the 28th February, 1982 on attaining the age of superannuation.

J. C. GARG Assistant Director of Administration

New Delhi the 24th March 1982

No. A.32014/1/81-FW.—In continuation to Notification No. A. 32014/1/81-EW dated the 14th December, 1981, the Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Vishram Singh, Senior Fire Foreman to the grade of Assistant Fire Officer on ad-hoc basis for a further period of six months from 1st March, 1982 to 31st August, 1982 or till regular appointment to the grade of Assistant Fire Officer is made, whichever is earlier.

2. The aforesaid appointment will not bestow on him a claim for regular appointment, and the service so rendered will not count for the purpose of seniority in the grade and eligibility for promotion to the next higher grade.

E. J. TRESSI OR Assistant Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Bhubaneshwar, the 30th March 1982

C No. 3 '82.—Shri Manindra Kumar Das, Superintendent Group 'B', Centres Excise and Customs, Cuttack Division will retire from Government Service from this Department on Superannuation in the afternoon of 31st March, 1982.

> SANGHAMITRA DAS Assistant Collector (Hdqrs.) Central Excise and Customs

Nagpur, the 16th March 1982

No. 3/82.—Consequent upon his transfer. Shii A. K. Kaushal lately posted as Sr. Superintendent, Central Excise, Dallarpur has assumed charge of the Office of the Sr. Superintendent, Central Excise Divisional Office, Amraoti in the afternoon of 25th Feb. 1982.

No. 4/82.—Consequent upon his promotion and posting in this Collectorate, Shri A. K. Kaushal, Sr. Superintendent, Central Excise Divisional Office, Amraoti has assumed charge of the office of the Assistant Collector Central Excise Division Amraoti in the afternoon of 28th February 1982, relieving Shri S. W. Agwan, Asstt. Collector, retired.

No. 5/82.—Having attained the age of superannuation Shri S. W. Agwan Asstt. Collector, Central Excise Division Amraoti of this Collectorate retired from Government service in the afternoon of 28th Feb. 1982.

K SANKARARAMAN Collector

MINISTRY OF ENERGY (DEPARTMENT OF COAL)

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad, the 31st March 1982

No. Admn. 12(3)79.—Shii D. K. Ruj who was earlier appointed as Assistant Secretary to Coal Mines Welfare Com-

missioner/Secretary to the Medical Superintendent Central Hospital on ad-hoc basis is allowed to continue as such on regular basis w.e f. 26-9-79 (fore-noon) until further orders.

No. Admn.12(3)79.—Shri B. P. Dasondhi who was earlier appointed as Assistant Secretary to Coal Mines Welfare Commissioner/Secretary to the Medical Superintendent Central Hospital on ad-hoc basis is allowed to continue as such on regular basis w.c.f. 31-9-79 (fore-noon) until further orders.

No. Admn.12(3)79.—Shri A. K. Sinha who was earlier appointed as Assistant Secretary to Coal Mines Welfare Commissioner/Secretary to the Medical Supdt. Central Hospital on ad-hoc basis is allowed to continue as such on regular basis w.c.f. 15-4-81 (fore-noon) until further orders.

D. PANDA Commissioner

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 5th April 1982

MERCHANT SHIPPING

No. 6(1)CRA/79.—The Director General of Shipping, Bombay hereby appoints Shri Nirmalendu Saha in temporary capacity as Dv. Shipping Master, Calcutta with effect from the forenoon of the 1st March, 1982 until orders.

B. K. PAWAR Dy. Director General of Shipping

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act 1956 and of M/s G. Roysons (Tailors) Private Limited

New Delhi, the 2nd March 1982

No. 2899-3440.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s G. Roysons (Tailors) Pvt, Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of M/s New Hindustan Oil Mills Limited

New Delhi the 25th March 1982

No. H-777/4154.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s New Hindustan Oil Mills Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

SATYENDRA SINGH Asstt. Registrar of Companies Delhi & Haryana

In the matter of Companies Act 1956 and of M/s Patel Enggehem Company Private Limited

Banglore, the 30th March 1982

No. 2077/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Patel Enggehem Company Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI Registrar of Companies Karnataka, Bangiore In the matter of Companies Act 1956 and of Antony Transport Service Private Limited Madras-600006, the 31st March 1982

No. DN/3988/560/82—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec 560 (3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Antony Transport Service Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved

In the matter of Companies Act 1956 and of Javodhava Private Limited

Madras-600006, the 31st March 1982

No DN/3595/560/82—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec 560 (3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Jayodhaya Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck of the Register and the said company will be dissolved

In the matter of Companies Act 1956 and of Andhru Malleable Castings & Forgings Private Limited

Madras-600006, the 1st April 1982

No DN/4855/82—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec 560 (3) of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Andhra Malleable Castings & Forgings Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved

Sd./- ILLEGIBLE
Asst Registrar of Companies
Taruil Nadu, Madras

In the matter of Companies Act 1956 and of

Balajl Merchants Association Private Limited

Hyderabad, the 5th April 1982

No 1083/TAI/560—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Balaji Meichants Association Private Limited

unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved

In the matter of Companies Act 1956 and of
Srl Mallikarjuna Food Grain Traders Private Limited
Hyderabad, the 5th April 1982

No 1087/fAI/560—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Sii Mallikarjuna Food Grain Traders Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved

In the matter of Companies Act 1956 and of Jayalaxmi—Leathers Private Limited

Hyderabad, the 5th April 1982

No 2073/TAI/560—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Jayalaxmi—Leathers Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved

V S. RAJU Registrar of Companies, Andhra Pradesh, Hyderabad

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Calcutta, the 30th March 1982 CORRIGENDUM

Re Notice u/s 269D(1)—Ref No 1040/Acq R-III/81 82—Property at 1B, Lovelock Place, Calcutta

Transferor Smt Ram Chatteriee

Transferee Smt Aditi Ganguly

Pleaso read-

In line 9 after the word 'on' 14-7-81 instead of 23 7-81

In page 2 at 'THE SCHEDULE'—2nd line 86 27 sq metres instead of 2 cottabs 14 chittacks 38 sq ft'

IAC, Acqn R-III, Calcutta

Debradun on 7-7-81.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSONER
OF INCOME-TAX

KANPUR.

Kanpur, the 25th March 1982

Ref. No 90/P.R./81-82/D. Dn.—Whereas I, BIBEK BANERJI,

being the campetent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at as per schedule (and more fully desribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market calue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 Act,1957 (27 of 1957);

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Daya Nath Gupta S/o Shri Gauri Lal and Dinesh Kumar Gupta, S/o Sri Dayanath Gupta, both R/o, 18, Subhash Road, Dehradun.

(Transferors)

(2) S/Shri Yudhister Kumar S/o Seth Chaman Lal and Bhim Sen S/o Seth Chaman Lal, R/o Niranjanpur, Dehradun.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as tare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property known as Natraj Theatre Building situated at 120, Narishilp Mandir Road, Dehradun, measuring 2281.84 sq. m.

BIBEK BANERJI
Competent Authority,
Inspecting Assistnt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 15.3.1982.

Scal ·

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSONER OF INCOME-TAX

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amutsar, the 29th March 1982

Ref. No. ASR/81-82 417.—Whereas, I ANAND SINGH IRS.

being the campetent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One built up property situated at Ktr. laimal Singh, ASR, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at

SR Amritsar on July, 81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market calue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Sat Pal s/o Shri Balmukand r/o Shri Baij Nath s/o Shri Radhey Sham r/o Katra Jaimal Singh, Amritsar.
 (Transferor)
- (2) Shri Surinder Pal s/o Shri Shiv Lal & Shri Shiv Lal s/o Ganpat Ram r/o Chowk Passian, Amritsar.

(Transferee)

(3) Shri Gurdial Dass Bhagat. 112/- p.m. Shri Dian Chand. 113/- p.m.

(Person in occupation of the property

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the saida property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

HYPIANATION:—The teams and expressions used herein as tare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated in Katra Jaimal Singh, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 9791 dated 21-7-81 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority,
Inspectig Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 29.3.82,

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSONER OF INCOME-TAX

3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR.

Amritsar, the 29th March 1982

Ref. No ASR/81-82 416.—Whereas, I ANAND SINGH IRS.

being the campetent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Built up property in Ktr. situated at Jaimal Singh, ASR. (and more fully desribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at SR Amritsai on July, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market calue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of: -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-bas Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Sat Pal s/o Shri Balmukand and Shri Baii Nath soo Shri Radhey Sham roo Katra Jaimal Singh, Amritsar.
 - (Transferor)
- (2) Shri Surinder Pal s/o Shri Shiv Lal & Shri Shiv Lal s/o Ganpat Ram r/o Chowk Passian, Amritsar.

(Transferee)

(3) Shri Guidial Dass Bhagat. 112/- p.m. Shri Dian Chand 113/- p.m.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as tire defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULF

One property situated in Ktr. Jaimal Singh, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 9790/dated 21-7-81 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsai.

Date: 29.3.82. Seal:

[PART III—SEC. 1

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR.

Jaipur, the 18th March 1982

Ref. No. IAC(Acq)/1148.—Whereas, I, V. K. AGGAR-WAL,

being the campetent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C-74 situated at Jaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Jaipur on 14.7.1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market calue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

moneys or other assets which have not been the purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-summolloj put of 'toy pies out to Q69Z uoisos so (1) uoisos persons, namely:—

(1) Shri Vipin Behari Gupta, S/o Shri Girdharilal Gupta, C-74, C. Scheme, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Bir Singh Bhati, S/o Shri Balbir Singh and Shiv Singh Guladia, S/o Shri Himmat Singh Guladia, Ajmer Road, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-74, Sarojini Marg, C-Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by Sub-Registrar, Jaipur, vide registration No. 1743 dated 14.7.81.

V. K. AGGARWAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur.

Date: 19-3-1982.

Scal:

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR,

Jaipur, the 18th March 1982

Ref. No. IAC(Acq)/1149.—Whereas, I, V. K. AGGAR-WAL.

being the campetent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

E-1 situated at Jaipur,

(and more fully desribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Jaipur on 3-7-81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market calue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the Transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

35-36GI/82

- Dr. A. K. Sharma, S/o Shri V. P. Sharma, R/o Satyavan Bhawan, Arya Nagar, Ajmer. (Transferor)
- (2) Shri Anand Kumar Katothi, Bajranglal Katothia, Kishore Kumar Katothia, Indra Kumar Katothia. Sons of Shri Bhawarlal, R/o Sujangarh Distt. Churu (Raj.).
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Show Room No. E-1, situated at Subhash Nagar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur, vide registration No. 1655 dated 3.7.1982.

V. K. AGGARWAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur.

Date: 19.3.1982,

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ishwar Ram, S/o Shri Baluram & Prabhudayal, S/o Shri Hardeo, R/o Karol Bagh, Delhi-5. (Transferor)

(2) Smt. Abhai Arya, W/o Shri R. K. Choudhary and Shri Sanjeev Arya, Durgapur, Jaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
JAIPUR.

Jaipur, the 20th March 1982

Ref. No. IAC(Acq)/1150.---Whereas, I, V. K. AGGAR-WAL,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hercinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

situated at Jagatpura, Sanganer,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sanganer on 14.7 81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fai market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the India Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2520 sq. mtr. situated at Khasra No. 96, Jagatpura Tch. Sanganer and more fully described in the sale deed registered by Sub-Registrar, Sanganer vide Registration No. 392 dated 14.7.1981.

V. K. AGGARWAL
Competent Author
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 20-3-1982.

FORM ITNS-

(1) Shri Devinder Singh, Vill. & P.O. Bhila, Teh. Barnala, Sangrur (Pb.). (Transferor)

(2) M/s. Syndicate Properties (P) Ltd., 92, Nehru Place, New Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th March 1982

Ref. No. IΛC/Acq.I/SR-IΠ/7-81/588.—Whereas, I. S. R. GUPTA,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-23, situated at N.D.S.E. I, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fai market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the India Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D-23, New Delhi South Extn. Part-I, New Delhi area 242 sq. yds .

S. R. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 17.3.82.

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Mahinder Kumar Taneja & Shri Prem Kumar Taneja ss/o Shri Fateh Chand Taneja r/o 34/44, Old Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Meera Singh w/o Shri N. B. Singh r/o 34/44, Old Rajinder Nagar, New Delhi and others.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 18th March 1982

IAC/Acq.I/SR-III/7-81/6641,---Whereas, I, Ref. No. S. R. GUPTA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

34/44, situated at Old Rajinder Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fai market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tansfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Govt. built Qr. No. 34/44, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

> S. R. GUPTA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 18-3-82.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 18th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-81/656.—Whereas, I, S. R. GUPTA.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

15/212, situated at Malviya Nagar, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fai market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sarwan Singh through his attorney Smt. Pushpa Rani r/o 15/212, Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Harbhajan Lal s/o Shri Gurditta Mal r/o 15/212, Malviya Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 15/212, Malviya Nagar, New Delhi.

S. R. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 18-3-82.

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Mrs. Maina Wanti r/o 21/12, Old Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferor)

(2) S/Shri Amar Nath Malik, Om Prakash Malik & Ashok Kumar Malik r/o C-48A, NDSE-I, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACOUISITION RANGE-J.

G-13, GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.f/SR-III/7-81/684.—Whereas, J. S. R. GUPTA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B-22, situated at N.D.S.F. Part-I, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in July 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2-1/2 storeyed on a plot measuring 206 sq. yds, bearing No. B-22, N.D.S.E., Part-I, New Delhi,

S. R. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-3-82.

Scal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, LP. ESTATI NEW DELHI.

New Delhi, the 18th March 1982

IAC/Acq.I/SR-III/7-81/565,--Whereas, No. Ref. S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

6589 Plot No. 121, Block No. 9-B, situated at Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely .-

(1) Smt. Ram Murti w/o Parbha d/o Shri Jug Lal r/o H. No. 6561, Block-9, Gali No 3, Dev Nagar, Katol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Kewal Kushan s/o Shii Hari Om Butta r/o 52/41, Ramjas Road, Karol Bagh, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 6589, area 80 sq. yds. on Plot No. 121, Block 9-B, in Gali No. 3 & 4, situated at Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi.

> S. R. GUPTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 18-3-82.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th March 1982

Ref. No. IAC/Aacq.I/SR-III/7-81/592.—Whereas, I, S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agrl. land situated at Village Bhati, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpoes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 192) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1557);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Lile alias Pahalad s/o Nathan, Ram Singh Jangli, Bhikkan ss/o Bharta r/o Vill. Bhati, Teh Mah., New Delhi.

(2) M/s. Anand Construction (Delhi) (P) Ltd., 1106 Ashoka Estate, 24-Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land area 10 bighas and 8 biswas khasra No. 1433, Vill. Bhati, Teh. Mahrauli, New Delhi,

S. R. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 17.3.82.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 7HE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-81/593.—Whereas, I, S. R. GUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agrl. land situated at Village Bhati, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpoes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 192) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1557);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—36—36 GI/82

(1) Lile alias Pahalad s/o Nathan, Ram Singh Jangli, Bhikkan ss/o Bharta r/o Vill. Bhati, Tah. Ma... New Delhi.

(2) M/s. Anand Construction (Delhi) (P) Ltd., New Delhi 1106 Ashoka Estate, 24-Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapetr,

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 11 bighas and 7 biswas bearing khasra No. 986, 1611, 1612, 1621, 1622, 1625, 1627, 1635, situated at Village Bhati, Teh. Mchrauli, New Delhi.

S. R. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 17th March 1982.

Scal

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-81/594.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agrl. land situated at Village Bhati, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 192) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1557).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Lile alias Pahalad s/o Nathan Ram Singh and others ss/o Bharta r/o Vill. Bhati, Teh. Mah., New Delhi.
- (Transferor)
 (2) M/s Anand Construction (Delhi) (P) Ltd., 1106
 Ashoka Fstate, 24-Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapetr.

THE SCHEDULE

Agr. land area 7 bighas and 11 biswas khasra No. 1436, Village Bhati, Teh. Mah. New Delhi.

S. R. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 17.3.82,

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,

G-13, GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. FSTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th March 1982

Ref. No. 1AC/Acq.f/SR-III/7-81, 588.—Whereas. I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agrl. land situated at Village Bhati, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at July 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpoes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 192) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1557);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chandi s/o Bishan, Mam Chand s/o Badloo, Teja, Tcka ss/o Makhan, Tekan, Amar Pal ss/o Ramji Lal, Mangoo alias Moonga ss/o Shisha r/o Vill. Bhati, Mahrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Meghdoot Properties, 1106, Ashoka Estate, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said mmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 12 bighas and 2 biswas bearing khaera No. 1389, 1448, 994, 999, 1390 situated at Vill. Bhati, Teh. Mehrauli, New Delhi.

S. R. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 17-3-82.

FORM I.T.N.S.-

 Shri Tirath Ram Ahuja (P) Ltd., 11, Friend Colony, New Delhi through its Chairman and Managing Director Shri Tirath Ram Ahuja.

(Transferor)

(2) Shri Ajay Sharma s/o Sat Parkash Sharma R/o 40/1-2, Yusuf Sarai, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(J) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

> > New Delhi, the 17th March 1982

Rcf. No. JAC/Acq.I/SR-III/7-81/584.—Whereas, 1, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Village Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and (nat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land mg. 9 bighas and 12 biswas M. No. 70, Kila Nos. 6/2(1-0), 7/2(1-0), 24(4-16), 27(0-4), M. No. 81, Killa Nos. 2/1(0-12), 4/1(2-0) with tube-well, situated in Village Mehrauli, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 17-3-1982

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THI- INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th March 1982

Ref No. IAC/Acq.I/SR-III/7-81/585 —Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agrl land situated at Village Mehrauli, New Delhi.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fail market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fail market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than gfteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the cocealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shu Tuath Ram Ahuja (P) Ltd, 11, Friends Colony, New Delhi through its Chairman and Managing Director Shu Tuath Ram Ahuja

(Transferor)

(2) Shii Ajay Shaima 5/0 Sat Parkash Shaima r/0 40/1-2, Yusuf Sarai, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of to days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

I-XPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land mg 9 bighas and 12 biswas M. No. 70, Killa No. 14(4-16), 17(4-16), situated in Village Mehrauli, New Delhi

S. R. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date 17-3-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. ESTATF, NEW DELHI

New Delhi, the 17th March 1982

Ref. No. IAC/Λcq.I/SR-III/7-81/586.—Whereas, I, S. R. GUPTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bolleve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said ianstrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons we namely:—

 Shri Tirath Ram Ahuja (P) Ltd., 11, Friend Colony, New Delhi through its Chairman and Managing Director Shri Tirath Ram Ahuja.

(Transferor)

(2) Shti Ajay Sharma s/o Sat Parkash Sharma r/o 40/1-2, Yusuf Sarai, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land mg. 5 bighas and 1 biswas M. No. 70, Killa Nos. 15/1(2-13), M. No. 81, Killa No. 3/1((2-8) situated in village Mehrauli, Teh. Mehrauli, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 17-3-1982

FORM ITNS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-81/620.—Whereas, 1, S. R. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land situated at Village Khanpur, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Ramesh Chand Kathuria S/o Shri Ram Chand Kathuria R/o A-47, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kusam Lata w/o Shri Virender Kumar R/o J-63-A, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land mg. 4 bighas and 16 biswas bearing Khasra No. 375, situated in Village Khanpur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 17-3-1982

Scal •

FORM I.T.N.S,-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-81/621.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land situated at Village Khanpur, Teh. Meh. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability, of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for he purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Meena Kathuria
 W/o Shri Ramesh Chand Kathuria,
 R/o A-47, Kırti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Virender Kumar s/o Shri Kanshi Ram R/o J-63-A, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land mg. 4 bighas and 16 biswas bearing Khasra No. 68, situated at Village Khanpur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 17-3-1982

Scal:

FORM ITNS-

(1) M/s. Capital Corporation Poultry Society Ltd., B-22, Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. South Eastern Roadways, 3/5, Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

> > New Delhi, the 17th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-81/606.—Whereas, I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Tajpul,

Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 15 Bighas 4 Biswas Kh. Nos. 243(4-16), 225(4-16), 213(4-16), 212(0-16) Village Tajpul, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

S. R. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 17-3-1982

Seal;

37-36GI/82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, LP. FSTATF, NEW DELHI.

New Delhi, the 17th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-81/595.—Whereas I, S. R. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agrl, land situated at Vill. Bhati, New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mam Chand s/o Badloo, Tcja, Teka ss/o Makhan, Tckan, Amar Pal ss/o Ramji Lal, Mangu alias Moona s/o Shisha r/o Vill. Bhati, Teh. Meh., New Delhi.

(Transferor),

(2) M/s. Anand Construction (Delhi) (P) Ltd., 1106, Ashoka Fstate, 24-Barakhamba Road, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 13 bighas and 10 biswas khasra No. 1638 (4-1), 1661(0-11), 1662(1-12), 1691(0-12), 1693(1-3), 1694 (3-13), 1695(1-3), 1696(0-15), situated in Vill. Bhati, Teh. Mehrauli, New Delhi.

S. R. GUPTA, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-1, Delhi/New Delhi.

Date: 17-3-82 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 5th March 1982

Rcf. No. IAC/Acq II/SR-II/7-81/3977.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Lawarance Road, Indl. Area, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908, in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Lachman Dass w/o Rijhu Mal R/o A-32, Risni Nagar, Shakurbasti, Delhi (Transferor)
- (2) Shri Jai Ram Dhss ,/o Peru Mall R/o A-32, Rishi Nagai, Shakuibasti, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-35/14, 90/100 share, Lawarance Road, Delhi, Measuring 570.4 sq. yds.

Smt. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, G-13A Central Revenue Building,
New Delhi.

Date: 5-3-82.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/7-81/8098.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

G. B. House No. 3, situated at Gokhale Market, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at July 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Harcharan Singh s/o Kishan Singh R/o D-8/2, Model Town, Delhi.
 - (Transferor)
- (2) M/s. United Diesel Service, 56, Gokhale Market, Delhi through its partners Shri Amrik Singh s/o Shri Kesar Singh R/o 2-C/2, New Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G. B. Shop No. 3 Gokhale Market, Delhi.

Smt. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, G-13A Central Revenue Building,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 12-3-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 9th March 1982

kef. No. IAC/Acq.II/SR-I/7-81/8108.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 18 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot 16, Block 'L', situated at Rajouri Garden, Vill. Bassai Darapur, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagdish Chander Datta s/o Amir Chand Datta R/o M-11, Rajouri Garden, New Delhi.
 (Transferor)
- (2) Smt. Maya Devi w/o Bali Ram & Sushila Rami w/o Raj Kumar, r/o R-3 7, New Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 16, Block 'L' Rajouri Garden, Vill. Bassai Darapur, Delhi (measuring 557.5 sq. yard).

Smt. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, G-13A Central Revenue Building,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 9-3-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 9th March 1982

Ret. No. IAC/Acq.II/SR-I/7-81/8108.—Whereas l, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

XV/7056-58, situated at Nabi Karim Paharganj, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pahar Ganj, Delhi on July 1981,

for an apparent consideration which is less than the furr market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nand Lal s/o Shri Jhangi Ram R/o XV-6003, Basti Mandir Satyanarain Nabi Karim, Paharganj, Delhi

(Transferor)

(2) M/s. Parkash Art Leather Store 784, Billimaran, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. XV 7056-58, 5741-46 (New), Nabi Karim, Paharganp, Delhi.

Smt. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, G-13A Central Revenue Building,
I.P. Estate, New Delhi.

Dare: 9-3-82. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE-1 G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 9th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/7-81/8108.—Whereas IVIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

B-4A/26, situated at Rana Partap Bagh, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chaman Lal Mahajan, Madan Lal sons of L Shri Ganda Mal Mahajan R/o B-4A-26, R.P.B. Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gauti Shanker Bansal & others, s/o Shri Om Parkash Bansal, Prem Prakash Bansal, ss/o Tirlok Chand Bansal R/o 5810, Jogiwara, Nai Sarak, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. B-4A/26, Rana Partap Bagh, Delhi.

Smt. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, G-13A Central Revenue Building,
I.P. Estate, New Delhl.

Date: 9-3-82.

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ram Rang s/o Shri Kesar Dass R/o 32-A, Jawahar Nagar, Delhi. (Transferor)

(2) Smt. Manju Gupta w/o Shri Som Nath Gupta R/o G-22, Bali Nagar, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 9th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/7-81/8112.—Whercas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. F-10, situated at Bali Nagar, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

July 1981,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. F-10, Bali Nagar, Delhi.

Smt. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, G-13A Central Revenue Building,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 9-3-82,

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Karam Singh Kalsy s/o Shri Narain Singh Kalsy R/o B-6/5, Rajouti Gorden, New Delhi. (Transferor)

(2) Shii Youdhisvoi Kumar & Prem Lata R/o B-5, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

G-13. GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. FSTATE NEW DILIII.

Nev Delhi, the 9th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.If ${\rm SR-J./7-81/8115.--Whoteas}$, I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing Plot No. 42. Block 'A', situated at Rajouri Garden, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at July 1981

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afort aid property by the issue of this notice under subscitum (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

38 36GI/82

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 42 Block 'A' Rajouri Garden, Delhi,

Smt. VIMAL VASISITT.
Competent Authority,
Inspecting Asstr Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II G-13A Central Revenue Building,
1.P. Estate, New Delfri.

Date · 9-3-82,

(1) Shi Nanhe Khan s/o Sh. Ali Yar Khan I/685 Gali Nal Bandan, Chhota Bazar, Kashmiri Gate, Delhi.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Soma Wanti w/o Shri Mehar Singh 9/I Kedar Building, Subzı Mandi, Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELIII

New Delhi, the 12th March 1982

Rcf. No. IAC/Acq.II/SR-1/7-81/8118.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/390/673-74, situated at Gali Nal Bandan, Chhota Bazar,

Kashmiri Gate, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1/390/673-74, Gli Nal Bandan, Chhota Bazar, Kashmiri Gate, Delhi 222 Sq. yds.

Smt. VIMAL VASISHT Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II. G-13A Central Revenue Building I.P. Estate, New Delhi

Date: 12-3-82.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13, GROUND FJ OOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DEI HI.

New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. IAC,/Acq.II/SR-I/7-81/8147.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

D-5/5, situated at Rana Partap Bagh, Delhi ,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Other at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parites has not been truly stated in the said insitument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have nor been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Shri Paras Ram s/o Shri Bhoj Raj Ratnani R/o D-5/5, Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bhagwan Dass Aggarwal s/o Shri Gian Chand, (2) Shri Vipin Kumar, (3) Shri Vinod Kumar, (4) Shri Sunil Kumar R/o D-5/5, Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovemble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. D-5/5, 2331 sq. yds., Rana Partap Bagh, Delhi.

Smt. VIMAL VASISHT,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, G-13A Central Revenue Building,
I.P. Estate, New Delhi.

Date: 15-3-82.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAN, AC F 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE G 13 GROUND FLOOR CR BUILDING, IP ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 9th March 1982

Ref. No. IAC/Acq II SR I/7 81/8150 —Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S No 19/2.

Plot No F-55, situated at Knti Nagar, Vill Bassai Deiapui, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at July 1981.

for an apparent consideration which is less than the four market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Mohan I al Aggarwal s/o Shri Jai Ram Dass Aggarwal R o L 58, Kirti Nagar, New Delhi as G A of Dr C D Passi s/o Shii D C Passi R/o 1246, Sector 8-C, Chandigarh

(Transferor)

(2) Shii Sudesh Aggarwal s/o Shii Mohan Lal Aggarwal R/o as above

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used Lerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. F. 55, Kuti Nagar, Najaigath Road, New Dellin Vill. Bassai Daraput, Delhi

Smt VIMAL VASISH1
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income Tax
Acquisition Range II, G-13A Cential Revenue Building,
IP Estate, New Delhi

Date 9-3-82 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sho Sat Naram s/o Shri Jungh Mal R/o 132 Kun-

cha Ghasi Ram, Chandni Chowk, Delhi

(1) M/s Baluja Spectrum Pvt Ltd R/o E-1, Jhande-

walan Extension, New Delhi.

(Transferce)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE G-15, GROUND 1-LOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, **NEW DELHI**

New Delhi, the 12th March 1982

Re No. IAC/Acq II/SR-I/7-81/8172 —Whereas, INMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Part of prop No 98-99, situated at Church Mission Road, Chhatta Bhawani Shankai, Fatchpuri, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Tuly 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent conthat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publicat on of this notice in the Official Gazette.

Explanation S-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of prop No 98-99, Church Mission Road, Chhatta Bhawani Shankar, Fatchputi Delhi

Smt VIMAL VASISHT, Competent Authority Inspecting Assit Commissioner of Income Tax Acquisition Range-U, G-BA Central Revenue Building, JP. Estate New Delhi.

Date: 12-3-82 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOMP-TAX

ACQUISITION RANGE-II G 13 GROUND FLOOR CR BUILDING IP ESTATE, NEW DELHI

New Delhi the 15th March 1982

Ref No IAC/Acq II/SR-I/7 81/8180 --- Wheteas, I, VIMAI VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

Plot No 5, 260 Sq. yds. situated at Mahatma Gandhi Road, Adarsh Nagar, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto' has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said $\lambda \downarrow 1$ hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shu Inder Kumar Malhotra s/o Kanshi Malhotra R/o B 239, Greater Kailash Part I, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Agin Ram Obeioi s/o Shri Ishar Dass Obeioi R/o B-1/3 Rana Partap Bagh, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No 5, 260 sq yds Mahatma Gandhi Road, Adarsh Nagar, Delhi

Smt. VIMAL VASISHT,
Competent Authority.
Inspecting Assit Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II G 13A Central Revenue Building,
IP Estate, New Delhi.

Date 15-3-82 Senl.

FORM I.T N S

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

(1) Shir Brij Mohan Khera syo Shir Dewan Chand R/o C 303, Defence Colony, New Delhi (Transferor)

(2) Shii Vijiy Kumai s/o Shii Chander Bhan, Bhaiat Bhushan /o Shi Mohan Lil R o 35/21/22 West Latel Nagar, New Delhi

(Pransferee)

GOVIENMENT OF INDIA

TAX ACT 1:61 (13 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR OR BUILDING IP ESTATE, NEW DELHI

New Delhi the 9th March 1982

Ref No IAC/Acq II/SR I 781/8161 - Whereas, I, VIMAL, VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

35/21-22, situated at West Patel Nugar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

GBM No 35/21-22, West Patel Nagai, New Delhi

Sm! VIMAL VASISITT,
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income Tax
Acquisition Range II, G 13A Central Revenue Building,
IP Estate, New Delhi

Date 9-3-82 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 249D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1461 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I P ESTATE, NEW DELHI

New Delin the 15th March 1982

Ref. No IAC/Acq II/SR-I 7 81/8167.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority ander Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Mpl. Nos 1/2-1565 to 1/2-1567, situated at Church Road, Kashmere Gate, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering

Officer at July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) Smt. Gurjit Kaur w/o Shri L. S. Pritam Singh R/o 1566-67, Church Road, Kashmere Gate, Delhu

(Transferor)

(Transferee)

(2) Shri H P Singh s/o Shri Gurbax Singh R/o 197, Devawal Nagar, Delhi, (2) Miss Amor Jyoti R/o F-1/22, Model Town, Delhi, (3) Mrs Inderjeet Kaur R/o F-2/15, Model Town, Delhi, (4) Mrs Harjeet Kaur r/o K-3/7 Model Town, Delhi and (5) Mrs Sheel Luthra R/o F-1/22, Model Town, Delhi

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Two flats bearing No. Mpl No 1/2-1565 to 1/2-1567, Church Road, Kashmere Gate, Delhi

Smt. VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, G-13A Central Revenue Building
I.P Estate, New Delhi

Date 15-3-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DFI HI.

New Delhi, the 9th March 1982

Ref. No. IAC Acq II/SR-I/7-81/8185.—Whereas, J. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 65 Block 'C' situated at Bali Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfers with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 icspect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

39-36GI/82

(2) Smt. Gurbachan Kaur Mathuru w/o Shii Boor Singh Mathuru r/o C-65 Bali Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Davinder Kumar Makkar s/o Shri Krishan Lal Makkar R/o 8/12, South Patel Nagar, New Delhi.

· Feausferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 65 Block 'C' Bali Nagar, New Delhi.

Smt VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax.
Acquisition Range-II, G-13A Central Revenue Building,
I.P. Fstate, New Delhi.

Date: 9-3-82.

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DFLHI

New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. IAC, Acq.II/SR-I/7-81/8196.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-rnd bearing No.

No. S.S.H. No. 6/32 situated at Punjabi Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on July 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Sita Devi w/o L. Dr. Ram Chander R/o 4 '37 W E A., Katol Bagh, New Delht.

(Transferor)

(2) Shii Ram Lubhaya Aroia and Smt. Shashi w/o Shri Ram Lubhaya, R/o 44/44, Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.S.H. No. 6/32, Punjabi Bagh, New Delhi 279.55 sq. vds.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 15-3-1982 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE

New Delhi, the 9th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/7-81/9201.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rq. 25,000/and bearing

No. 6/16 situated at Mpl. No. 11275 Roop Nagar, Delhi, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on July 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jai Kishan Dass Aggarwal s/o L. Sh. Lachman Dass Aggarwal & Nawal Kishore Aggarwal R/o 7/11, Roop Nagar, Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Shri Ghanshyam Dass Saraogi S/o L. Nath Mal & Shri Gopal Dass Saraogi R/o D-10, Ashok Vihar, Delhi and Ashok Kumar.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/2 share of property No. 6/16, Mpl. No. 11275 at Roop Nagar, Delhi.

SMT VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 9-3-1482

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE

New Delhi, the 9th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/7-81/9203.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 2 Block 23 satuated at Shakti Nagar, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Chand Rattan Aggarwal s/o Siri Narain Aggarwal, 18, Doctors Lane, New Delhi.

 (Transferor)
- (2) Shri Bajrang Lal Parek 8/0 Ram Chand Parek & others, 81-D, Kamla Nagar, Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storeyed constructed House on Plot No. 2 Block 23, Shakti Nagar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 9-3-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-FAX,

ACQUISITION RANGE-II,

G 13, GROUND FLOOR CR BUILDING, 1P ESTATE, NFW DELHI

New Delhi the 9th March 1982

Ref No IAC/Acq II SR II/7 81/4918 — Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

No C 88 situated at Inderpuri, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed bereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such it insteads agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt Shakuntla Mithal B-8 Anand Niketan, New Delhi

(Transferor)

(2) Dr Suiesh Chandei Gupta & Dr Wimita Gupta 10/G Fast Punjabi Bagh, New Delhi (Transfeice)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No C-88, Inder Pun, New Delhi

SMT VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
G-13A Central Revenues Building IP State,
New Delhi

Date 9-3-1982 Scal .

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Dharam Pal s/o L. Sh. Harphool R/o Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi.

 (Transferor)
- (2) M/s Textile Traders (India), Katra Shahan Shahi, Ch. Ch. Delhi.

 (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th March 1982

Ref. No. IAC Acq.II/SR-II/7-81, 4940.—Whereas, I, VIMAL VASISITT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri. land situated at Kh. Nos. 36/13, 22/1 & 27 Vill. Sahibabad Daulat Pur. Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on July 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that this consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land 8 Bighas & B Biswas, Kh. Nos. 36/13, 22/1, 27 Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
G-13A Central Revenues Building I.P. State,
New Delhi

Date . 12-3-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th March 1982

Ref. No. IAC / Acq II/SR-II. /7-81/4846.—Whereas. I, VIMAL. VASISH $\Gamma_{\rm c}$

being the Competent Authority under Section 26°B of the Income-tox Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. C., 15, 436.3 Sq. yds. situated of Krishna Park, Vill Pe singipin, Bodella, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at on July 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shii Mulakh Raj Kapur s/o Nanak Chand R/o 2/ (1) Old Rajnder Nagar, New Delhi
 - (Transferor)
- (2) Shii Satya Bhushan, Shii Subhash Chander sons of Devki Nandan F-3 Rattan Park, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the zervice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C/15, 436.3 Sq. yds Krishna Park, Vill. Possangipur Bodella, Delhi State, Delhi,

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
G-13A Central Revenues Building 1 P. State,
New Delhi

Date : 12-3-1982

Seal

FORM I.T.N.S .---

NOT: TE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR OR BUILDING, IP ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 9th March 1982

Ref No. IAC/Acq.II/SR-II/7-81/4972 —Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plots 139 & 140 situated at New Multan Nagar, Rohtak Road, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Suimder Kumai Dua s'o I Sh. Amai Nath Dua & Smt. Shashi Dua R/o H. No. 16, Rd. No 28, Punjabi Bagh, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Manju Gupta d/o Om Paikash Gupta W/o Jagdish Kumai Gupta R/o No. 15, Rd. No. 29, Punjabi Bagh, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective pursons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plots No. 139 & 140 New Multan Nagar, Rohtak Road,

SMT. VIMAL VASISHT Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 9-3-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF-II, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th March 1982

Ref. No IAC/Acq.II/SR-II/7-81, 4873.—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. WZ-216 (G/109, 110, 111) situated at 'G' Block, Hari Nagar, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on July 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Manohar Lal Chaudhary s/o Daulat Ram Chaudhary R/o WZ-216, 'G' Block, Hari Nagar, New Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Pd. Gupta s/o L. Sh. Jit Bahadur Gupta, Sh. Hari Shankar Gupta s/o Basdev Gupta R/o W/61, Maya Puri, Phase II, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. WZ-216 (G/109, 110, 111) 'G' Block, Hari Nagar, New Delhi,

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhl/New Delhi

Date: 12-3-1982

Scal:

40-36GI/82

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. LSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/7-81/4876.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 11, Rd. No. 63 situated at Punjabi Bagh, New Delhi, Vill. Madipur. Delhi State, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at on July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurroses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sudershan Kumar Anaud s/o Amar Nath Anand R/o 11/63, Punjabi Bagh, New Delhi at present 17 Sardar Griha L.T. Mang, Bombay-2. (Transferor)
- (2) Shri Gyasi Ram Sharma s/o Kishan Lal R/o 313/ 101-D, Tulsi Nagar, Rohtak Road, Delhi. (Trausferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on plot No. 11, Road No. 63, Punjahi Bagh, New Delhi area of village Madipur, Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 12-3-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II

New Delhi, the 12th March 1982

Ref No IAC/Acq II/SR-II/7-81/5018 --- Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tox Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and beging

No Agri land situated at Vill Ibrahim Pur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shii Jai Chand, Haiman, Tulsi & other sons of Har Phool & others R/o Mukhinel Pur, Delhi (Transferoi)
- (2) Shii Achal Kumai Jam 8/0 Lakhpat Rai Jam 5245, Bara Tooti, Sadai Bazai, Delhi (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 NPI ANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agii Land 9 Bighas 12 Biswas Vill Ibrahim Pur, Delhi

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax.
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date 12-3-1982 Seal .

Raghb r

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor) (2) Shij Master Pankaj Jain s/o Fateh Chand R/o 29

sons of Sh Harphool, Sh Brahma Singh s/o Jar Lal R/o VPO Mukhmelpur, Delhi.

Tulsı,

(1) Shu Jai Chand, Haiman

Park, Karol Bagh, Delhi

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE II G 13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I P ESTATE

New Delhi the 12th March 1982

Rei No 1AC/Acq II SR II/7-81/5020 —Whereas I, VIMAI VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No Agri land situated at Vill, Ibrahim Pur, Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed nereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in July 1981.

for an apparent consideration which is less than the full market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferoi to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation -- the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri land 9 Bighas 12 Biswas Vill Ibiahim Pur, Delhi

VIMAL VASISHT Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date 12 3 1982 Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOM! -TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE

New Delhi, the 9th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II 7-81/5074.--Whereas I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter seferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 44/44 situated at Punjabi Bagh Vill. Madipur Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income attising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Ram Lubhya Arora s/o Ram Narain and Smt. Shashi Arora R/o 44/44 Punjabi Bagh, New Delhl. (Transfetor)
- (2) Shii Inlok Kumar Soo Harnam Singh R/o B-104, Ashok Vihar, Phase-I, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within n per.od of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 44/44, Punjabi Bagh, Vill. Madipur Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 9-3-1982

NOTICE UNDI'R SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri Jai Chand s/o Hai Phool R/o Vill. Mukhbelpur, Delhi.

(Transferor)

(2) Master Pankaj Jain (under the guardianship of Sh-Fateh Chand, Park Area, Karol Bagh, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE

New Delhi, the 12th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/7-81/5017.---Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fan market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Ibrahim Pur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days fdom the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land. 9 Bighas 12 Biswas Vill. Ibrahimpur, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 12-3-1982

FORM I.T.N S -

NOTICE UNDER SECTION 269D₍₁₎ OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, LP ESTATE

New Delhi, the 12th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/7-81/4981,—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri, land, situated at Vill, Gihewra, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Surat Singh, Ajit Singh, Mahabir Singh, Parkash sons of Rattan Singh R/o Vill, Ghewra, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Kumar s/o Behari Lal R/o 21/24, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land. 14 Bighas, Vill. Gihewra, Delhi.

VIMAL VASISHT Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 12-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE

New Delhi, the 12th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/7-81/5019.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri. land. situated at Vill. Ibrahim Pur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi in July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chand, Haiman, Tulsı & others sons of Harphool & others R/o VPO Mukhmel Pur, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Fateh Chand Jain & sons (HUF) through its karta Fateh Chand Jain 29-Park Area, Karol Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land. 9 Bighas 12 Biswas Vill, Ibrahim Pur, Delhi,

VIMAL VASISHT Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-fl, Delhi/New Delhi

Date: 12-3-1982

Seal

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DFLHI

New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/7-81/5059.—Whereas I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. GB House situated at House Built by the Ministry of Rehabilitation, Government of India,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—41—36G1/82

 Shri Anant Ram Anad s/o Hukam Chand of 14-E/ 24-25, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Bishan Dass & Kishan Singh s/o Gurcharan Singh of 31/1-1A, Teher-II, (Ashok Nagar), New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Qi. No 31/1-1A, Tehar-II, Ashok Nagar, New Delhi,

SMT. VIMAL VASISIII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 15-3-1982

FORM ITNS----

NOTICF UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF-II G-13, GROUND FI OOR CR BUILDING, I P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II 7-81/5062.--Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

No. D-78 200 Sq. yds. situated at Ajay Enclave, New Delhi Vill. Tihar, Delhi State.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rajinder Singh s/o Saudagar Singh R/o D-78, Ajay Fnclave, New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Shii Saidaii Lal Khanna s/o Mangal Sain R/o D-78 Ajay Enclave, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Property No D-78, 200 Sq. yds. Ajay Fnclave, New Delhi Vill. Tihar, Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISITT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Runge-II, Delhi/New Delhi

Dath 12-3-1982

Scal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II G-13, GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 12th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-IJ/7-81/4856.—Whereas 1, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Tilangpur Kotla, Delhi,

No. Agr. land situated at Vill. Tilangpur Kolla, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more, than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bharat Singh & Shri Narain Singh, sons of Nanak Chand R/o Tilangpur Kotla, New Delhi, Teb. Mehrauli.

(Transferor)

(2) Shrimati Raj Kumari w/o Sham Bihari, 3609, Swarup Nagar (Tti Nagar), Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land 29 Bighas, Vill. Tilangpur Kotla, Delhi,

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 12-3-1982

Seal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/7-81/5083.—Whereas I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Holambi Khurad, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the afo esaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chinta Ram s/o Balwant Singh R/o Vill. Holambi Khurad, Delhi on behalf of Iagbir Singh s/o Charahi Singh R/o Sulatan Pur Delhi.

(fransferor)

(2) Rajdhani Motors Pvt. Ltd. Through M. D. Shri Pramod Kumar at 2720 Lattian Road, K. Gate, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land. 1/3rd share of 24 Bighas & 10 Biswas Kh. No. 31/17, 18, 23, 24 53/3 & 4 Vill. Holambi Khurad Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 15-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. IAC Acq.II/SR-II/7-81/4930.—Whereas I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Agri. land situated at Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dharam Pal s/o Harphool R/o Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Textile Traders (Ind.a), Kt. Shahan Shahi, Ch. Ch. Delhi.

 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land. 8 Bighas and 3 Biswas, Kh. Nos. 36/12 & 19/2 Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 15-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/7-81/5021.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Agri. land situated at Vill. Rithala, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)) in the office of the Registering Officer at Delhi in July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Maklul s/o Ghisa Vill. Rithala, Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Hukam Chand s/o Narain Dass & Sh. Om Parkash s/o Ishwar Dass & Sh. Kesar Dass s/o Sh. Attar Singh r/o Rani Bagh Shakurbasti, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land, 3 Bighas, Kh. No. 1126, Vill. Rithala, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 15-3-1982

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. 1AC/Acq.11/SR-II/7-81/4979.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Burari, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office, at New Delhi on July 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Pawan Kumar Gupta GA of Malkhan s/o Khachey Vill. Burari, Delhi.
 (Transferor)
- (2) Shii Shukla Saune w/o R. K. Saune 240 Greater Kailash, New Delhi & othehs.

 (Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land, 2 Bigha, Kh. Nos. 487 & 488 Vill. Burari, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 15-3-1982

Sen1;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/7-81.4969.---Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri. land, situated at Vill. Burari, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Om Dutt s/o Nand Kishore R/o Vill Burari, Delhi. (Transferor)
- (2) Shrimati Swaran Lata Sham w/o R. L. Shani R/o 10A 37, Shakti Nagar, Delhi.

 ('Iransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Agri, land I Bigha in Vill. Burari, Delhi.

SMT. VIMAL VASISIII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 15-3-1982

FORM No. I.T.N S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE

G-13, GROUND FLOOR OR BUILDING, LP. ESTATE
NFW DELHI

New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. 1AC/Acq II/SR-II/7-81/4966.—Whereas I, VIMAI VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 '- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Burari, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agretd to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-αx Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—
42-36GI/82

 Shri Pawan Kumar Gupta s/o Tilak Ram Gupta R o 156, Part-II, Gujranwala Town, Delhi and others

(Transferor)

(2) Shrimati Sudeishan Rani w/o Geshar Raj R/o A-5, Model Town, Delhi and Smt. Mahesh Rani w/o Laxmi Narain R/o A-2, Part-I, Guiranwala Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THF SCHEDULE

Agri. land 1 Bigha 6, 1/2 Biswas, Kh. Nos. 788 (GO-10) 789 (1-2) and 791 (1-2) Vill. Burari. Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 15-3-1982

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS

SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, LP FSTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th March 1982

Ref No. IAC Acq II/SR-II/7-81/5042 —Whereas I. VIMAI VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. Iand situated at Vill. Buraii, Delhi, (and more fully described in the Scheduled annexed hereta), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at New Delhi on July 1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Bishan Chand S/o Nihal R/o Vill, Buraii, Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Daulat Ram s/o Ram Chander 420 Naya Bans, Khaii Baoli, Delhi (Transfeige)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agii land 1 Bigha 8 Biswas, Vill Burari, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date 15-3-1982 Seal:

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Dolhi, the 15th March 1982

Ref. No. IAC 'Acq.II/SR-II/7-81/5043.—Whereas I, VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Agri. land situated at Vill, Burari, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

New Delhi on July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Udai Raj Tvagi s/o Khushal R/o Vill, Burari, Delhi State, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vishwa Nath Aggarwal, Raj Kumar Aggarwal, Om Patkash sons of Gauri Shankai Aggarwal R/o B-44, Ashok Vihai, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- able property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Agri. land 2 Bighas 9 Biswas, Kh. No. 816 Vill. Burari, Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 15-3-1982

FORM INTS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'I OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. IAC ACQ.II/SR-II/7-81/4920.—Whereas, I, VIMAL VASISH Γ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri, land situated at Vill. Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than rifteen per cent of such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.

(1) Shri Pawan Kumar Gupta s o Tilak Ram, 156 Part-H, Guraranwalan Town, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s, Prime Plastic Industries through partner Sh. Prem Kumar R. O. 29-19, New Rohtak Road, Gali No. 6, Indl. Area, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl, land 1 Bigha, Vill. Burari, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date: 15-3-1982

FORM 1.T.N.S. -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND I LOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 15th, March 1982

Ref. No ICC/Acq. II 'SR-II/7-81/5024, —Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

No. Agri, land situated at Vill. Irodat Nagar Alica Naya Bans, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delh on July, 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shii Suraj Bhan Sarod Kumar through its partners R/o 5049, Rui Mandi, Delhi.
 - (Transferor)
- (2) M/S. Pooja Enterprises through its partners
 - 1. Sh. Kewal Krishan
 - 2. Raj Kumar,
 - 3. Gulshan Kumed 4. Prem Bala,
 - 5. Suman Kapon R/o
 - 20/22-23, Irodat Nagar, Naya Bans, Delhi

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land 9 Bighas 14 Biswas, Vill, Irodat Nagar Alias Naya Bans, Delhi Kh. No. 20/22 and 20/23.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date: 15-3-1982

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI.

New Dolhi, the 15th March 1982

Ref. No. 1AC/Acq. [I/SR-II/7-81/3532,—Whereas, I. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agni. land situated at Vill. Mundka Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the ntoresaid property and I have icason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

 Shri Daryao Singh S/o. Chhatter R/o. Vill. Mundka Delhi State, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jasbir Singh S/o Ciurbachan Singh, Smt. KanwalJit Singh w/o Jasbir Singh, Kulwant Sethi d/o Gurbachan Singh & Smt. Haibans Kaui w/o Gurbachan Singh all R/o 60/42, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land 9 Bighas and 10 Biswas bearing Nos. 64/6, 7, 14 and 15 Vill Mundka, Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Narinder Kumar Ahluwali s/o Phool Chand Ahluwalia R o C-25, Shakti Nagar Extn. Delh'

(Transferor)

(2) Shri Amarjit Singh s'o Gurdit Singh, R/o F-1 22, Model Town, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE IF G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II/7-81/4828.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri. Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land. l $\,$ Bigha $\,1/2\,$ Biswas, Kh. No. 775 Vill. Burari, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date: 15-3-1982

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Rizak Ram s o Bhartu & others, R/o Vill. Palam, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shii Dharam Dev Solanki s o Hari Shankar Solanki R/o VPO Nasir Pur, Delhi

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/, II/SR-II/7-81/4831.—Whereas, I, VIMAL VASISIIT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Nasir Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on July 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-rax Act, 1957 (27 of 1957);

Now inerefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ENPIANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land. 10 Biswas, Vill. Palam, Delhi.

SMT. VIMAI VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range II
Delhi New Delhi

Date: 15-3-1982

LORM LINS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ΛCT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND LLOOR OR BUILDING LP ESTATE. NEW DELHI

New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. 1 C/Ncq. II/SR-II 7-81/4923.— Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agri, land, situated at Vill, Samepur, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

43-36GI/82

- (1) Shir Ram Nath s'o Pat Ram & others.

 (1) Thambo & Abhey Ram both sons of Dalpat.

 (Transferors
- (2) Shri Amariit Singh & Kawarjit Singh both sons of Sant Singh 12 Prem Puri, Gali Peepat Wali, Meerii, City, UP

(Transferces)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- the by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agril, land 1 Bigha 2 Biswas (1111 sq. yds.) Kh. Nos 33 11, 33/20 Vill, Samepur, Delhi State, Delhi

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-lax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date : 15-3-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-I/7-81/8178.—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

,No. 947, 948 & 949 situated at Chhota Chhipiwara Khurd, Chhatta Shahji, Chawri Bazar, Ward No. IV, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delbi on July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shii Daulat Ram s/o L. Mannu Lal (1/3rd share) & Ashok Kumar s/o Daulat Ram (2/3rd share) R/o H. No. 2210 Gali Bari Paharwali, Chowk Raijinai Sarak, Delh'.

(Transferor)

(2) M's. Suri Construction Co. (P.) Ltd., 454/55 Chitla Gate, Chawri Bazar, Delhi. through its Director Joginder Pal Suri.

(Transferee)

- (3) 1. Subash Gill
 - Om Parkash Banarsi Dass
 - 3. Ram Lubhaya & others
 - Lakhi Ram
 - Ram Swaroop
 - Madan Lal
 - Ramesh Chand Dinesh Kr.
 - Jagan Nath
 - Lala Ram (Died)
 - 10. Paras Ram Kundal Lal
 - 11. Kunal Lal Paras Ram
 - 12. Ram Chander
 - 13. Raghu Nandan
 - 14. Chuni Lal Amir Chand
 - 15. Kanta Dhawan
 - 16. Chiman Lal
 - 17. Hem Rai

 - 18. Chandu I.al19. Everest Traders
 - 20. Sukh Lal

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No. 947, 948 and 949, meg. 560 sq. yds. Chhota Chhipiwara Khurud, Chhatta Shahji, Chawri Bazar, Ward No. IV, Delhi,

> SMT. VIMAL VASISHT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Date: 15-3-1982

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND LLOOR CR BUILDING, LP ESTAIL, NEW DI'LHI

New Delhi, the 15th March 1982

Ref No IAC /Acq II SR-I/7-81/8113 —Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

No. 100-101 situated at Church Mission Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any inoneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Baluja Charitable Trust, E-1, Jhandewalan Extn., New Delhi

(Transferor)

(2) Naram Associates, 1330-A, Ch. Ch. Delhi.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 100-101, Church Mission Road, Delhi

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date 15 3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. IAC Acq. II 5R-1/7-81 8106.---Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beorng

No 1807 situated at Checrakhana, Maliwara, Ch. Ch. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Tribeni Devi W o Ram Kumar. R/o 992 Kucha Natwa, Ch. Ch. Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Rama Bunsal w o P R. Bansal, Prabha Bansal w/o S. N. Bansal Kanta Bansal W/o O. P. Bansal Santosh Bansal W/o J. P. Bansal all r/o 1807, Cheerakhana, Mahwara, Ch. Ch. Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 1807, Cheerakhana, Maliwara, Ch. Ch. Delhi 125 sq. yds, Pucca Built.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspect ng Assist int Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date: 15-3-1982

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P ESΙΛΊΓ, NEW DFLHI.

New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/Acq. II SR-I 7-81/8200.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

,No. E-31 situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kaushalaya Devi wd/o Rattan Chand Kapoor R/o E-31, Kirti Nagar, New Delhi

(Transferor)

(2) Vmod Kumar & Surinder Kumar 9/o Kashmiri Lal R o 1/55-A, Moti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

1/3rd undivided share of house No. 1/-31, Kirti Nagar, New Dethi, 312-1/2 sq. yds.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range If
Delhi/New Delhi

Date: 15-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND 1:1 OOR CR BUILDING, I.P. ESTATI:, NEW DELHI.

New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/7-81/4848(A).—Whereas, I, SMT. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A91 situated at Shankar Garden, Vill. Pasangipur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Nirmal Bakshi w/o K. C. Bakshi, R o A/93, Vikas Puri, New Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Vijay Mittal S/o K. C. Mittal, R/o A/91, Shankar Garden, New Delbi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. A/91, Shankar Garden, Vill. Possangipur, Delhl 241, $1/9~{\rm sq.}$ yds.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range II
New Delhi

Date: 15-3-1982

Delhi in July 1981.

FORM JTNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-1AX,

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, EP. ESTATE, NEW DELIII.

New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. IAC Acq. II/SR-II 7-81/4865 —Wherem I, SMT, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at VII, Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shru Bhagat Singh s/o Milkha Singh, 888 Mukherjee Nagar, Delhi-9, Gen. Attorney of Sh. Kharku s/o Kanhiya R/o VPO Butari, Delhi

(Transferor)

(2) Shri Amar Singh s o Dharam Singh, Sh. Roop Laf s o Behari Laf both R/o 865/19 Guru Nanak House, S P. Mukherjee Marg, Delhi.

(Transferee)

Objection, if ayn, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publicution of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land 2 Bighas 17 Biswas, Part of Kh. No. 846 of Vill. Burari, Delhi,

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
New Delhi

Date : 15-3-1982 Seal :

(1) Shri Daryao Singh s/o Chhatter R o Vill, Mundka, Delhi,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMINT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND LLOOR CR BUILDING, LP FSTATE, NEW DFLHI.

New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/7-81 4869.—Whereas I, SMT. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri, land situated at Vill. Mundka, Delhi State, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belieze that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Smt. Nirmala w o Jaswont Singh, Satinder Singh

s'o Jaswant Singh both

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

I-XPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land 8 Bighas and 19 B swas, Kh. Nos. 64/9, 10 Min., 11, and 12, Vill. Mundka, Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAI. VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
New Delhi

Date: 15-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/7-81/SR-II/5082.—Whereas I, SMT. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri. land situated at 1/3rd share Vill. Holambi Khurad, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
44—36GI/82

 Shri Chinta Ram s/o Balwant Singh, R/o Vill. Holambi Khurad, Delhi on behalf of Sumer Singh s/o Cheragh Singh R/o Sultan Pur, Delhi,

(Transferor)

(2) M/s. Rajdhani Motors P. Ltd. at 2720, Leathan Road, Kashmeri Gate, Delhi through its M.D. Sh. Premod Kumar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share of land meg. 24 Bighas 10 Biswas Kh. Nos. 31/17, 18, 23, 24, 53/3 and 4 at Vill. Holambi Khurad, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition, Range-II
New Delhi

Date: 15-3-1982

(1) Shri Dalel Singh s/o Harphool R/o Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi

(2) Sudhir Chand & Co., Katra Shahanshai, Ch. Ch., Delhi. (Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NFW DELHI.

New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/7-81/4995.—Whereas I, SMT. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partic, ha, not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land. 7 Bighas and 6 Biswas. Kh. Nos. 37/14/2, 17/1, 24/2 and 25/1 Vill. Sahibabad Daulat Pur, Delhl.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range II

New Delhi

Date: 15-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-J/7-81/8099.—Whereas I, SMT, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 98-99 situated at Chhatta Bhawani Shanker, Church Mission Road, Delhi, 15 sq. yds.

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s, Baluja Spectrum Pvt. Ltd., through MG Charan Adhar Baluja, E-1, Jhandewalan Extn. New Delhi.

(Transferor)

(2) Kamal Narain Kapoor, 1330-A, Ch. Ch., Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 98-99, Chhatta Bhawani Shanker, Church Mission Road, Delhi, 15 Sq. yds.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
New Delhi

Date: 15-3-1982

(1) Smt. Raj Rani w/o Krishan Kumar R/o 817, Mukerjee Nagar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sudhish Kumar Gupta s/o R. C. Aggarwal R/o 4869/24, Ansari Road, Darya Ganj, Delhi. (Transfereo)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-II/4893.—Whereas I, SMT. VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Burari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-rex Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land. 19 Biswas, Kh. No. 430/3, Vill. Burarl, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/7-81, 8126.—Whereas, I, SMT, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. GF room on extreme cast side portion meg. 407.96 sq. ft. situated at 4598-12H, Darya Ganj, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Dharam Pa¹ Gola, Smt. Devi Rani Gola both 'o 4598-12-B, Darya Ganj, Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Ncelam Sachdeva w/o Vinod Kumar r/o 295, D.S. New Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Ground Floor room on extreme east side portion meg. 407.96 sq. ft. (On the side of Shanti Vana) being property No. 4598-12B, Darva Ganj, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISTH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, New Delhi

Date: 15-3-82

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFIC) OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/7-81/8193.—Whereas, I, SMT. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 5126/2 situated at

S/Mandi Harphool Singh Bldg, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Lakshmi Soap Factory, through its partners R. o D-11/2, Model Town, Delhi. (Transferor)
- (2) Kanta Pershad Gupta, Bimal Kumar Gupta sons of Ganga Sharan and Man Mohan Kumar s/o R. K. Jindal R/o 5A/5 Darya Ganj, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mmmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 5126/2, S/Mandi Harphool Singh Bldg. Delhl.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Runge II, Delhi/New Delhi.

Date: 15-3-82

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELIII

New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-J/7-81/8170,—Whereas, I, SMT, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 578, Present No. 1052 situated at Kucha Natwa, Ch. Ch. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at in July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Ishwar Dass Khanna s/o Hari Ram E-21, Nawin Shahdara, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Manju Koshik w/o Atom Parkash R/o 1088, Kucha Natwa, Ch. Ch. Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old Property No. 578, Present No. 1052, Kucha Natwa, Ch. Ch. Delhi 196 sq. yds.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Date: 15-3-1982

(1) Sh. Daryao Singh s/o Chhatter R/o Vill. Mundka, Delhi State, Delhi.

(2) Sh. Kartar Singh s/o Ram Singh & others R/o 16/31 Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/7-81/4870.—Whereas, I, SMT. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at 10 Bighas & 6 Biswas, Kh. Nos. 64/7, Vill. Mundka, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Officer at in July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land 10 Bighas & 6 Biswas Kh. Nos. 64/7 out of 1 Bigha and 16 Biswas, 8, 13 and 14, out of 4 Bigha & 16 Biswas, Vill. Mundka, Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Date: 15-3-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi the 15th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II 'SR-II 7-81/5029. —Whereas, I, SMT. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at

Vill. Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at in July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

45-36G1/82

(1) Sh. Radhey Sham s/o Baliam R/o Vill. Burati, Delhi

(Transferor)

(2) Smt. Kaushalya Ahuja w/o D. D. Ahuja R/o D-F/93, Tagore Garden, Delhi 2, Tehil Chand R/> BL/13, Tagore Garden, New Delhi 3. Shakuntala Ahuja R o BF/13, Tagore Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Vill. Burari, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tive
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Date: 15-3-82

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II SR-II/7-81 4830—Whereas, I, SMT. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agii. land situated at Vill. Palam, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registratoin Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at on July 81

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-pursons, namely:—

- s 1) Sh. Rizak Ram s/o Bhaitu, Khazan Singh s o Dunger for sell and G.A. of Chhote & Ram Pd. sons of Hira Bodan s o Lala Mukhtiar Singh s o Bhaitu & Mu Singh Risal sons of Shri Kallu all r/o VPO Palam, New Delhi.
- (2) Sh. Sushil Kapoor s/o I. R. Kapoor, B. K. Mehra s/o Ganga Ram Sh. Subhash Chander s o Kewal Kishin all r/o A-B, South Extr. Part-1, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land 10 Biswas of Vill. Palam, New Delhi.

SMT. VIMAI VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Runge II, Delhi New Delhi.

Date . 15-3-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/Acq II/SR-II 7-81 '8141.—Whereas, I, SMT. VIMAL VASISHT.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. I 48 200 sq yds, situated at Kirti Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Sh. Sohan Singh & Sajjan Singh sons of Sh. Attar Singh r/o L-48, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Raj Kumai Khera s/o Sain Ditta Mal 1 o H-70 Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

L-48, 200 Sq. yds. Kirti Nagar, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Date : 15-3-82 Seal -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELIII

New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. IAC Acq.II/SR-II/7-81 5089.—Whereas, I, SMT. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

No. Agri, land situated at Vill. Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

in July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration sherefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh Mohinder S/o Giani R/o VPO Burari Delhi self and Gen. A. of Hari Chand & Arjun Singh s/o. Giant Ram both R. o Burari, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Thakar Dass s/o Bhajan Ram R/o St. No. 9, Mohalla Kamal Pur, Jullundur Road, Hoshiarpur, Pb.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land 1 Bigha 5 Biswas of Vill. Burari, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Date : 15-3-82 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-II/7-81/4827.—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri, land situated at

Vill. Burari, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on July 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Narinder Kumar Ahluwali s o Phool Chand Ahluwalia R/o C-84, Shakti Nagar, Extn. Delhi through Sh. S. S. Luthura s/o Sh. Gurdit Singh R/o F-1/22, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. S. P. Singh s, o Pritam Singh 2. V. K. Arora s/o Amar Nath 3, Jaswant Kaur w/o Amarjit Singh R/o F-1/22, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land One Bigha of Kh. No. 775 Vill. Burari, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Date: 15-3-82

more in July 1981

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th February 1982

Ref. No IAC/Acq.II SR-II/7-81/5047.—Whereas, I, SMT, VIMAL VASISHT

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Agri. land situated at Vill Pulam, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Mir Singh s/o Pat Ram for self and GA of Sub Ram, Lachi Ram sons of Bihar Singh & Hoshiar Singh s/o Bhartu R/o Vill. Palam, New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Smt Sneh Narula w/o B. D. Narula R o B-1-602/Λ Janak Puri, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agui, land 1 Bigha 17 Biswas, part of Kh. No. 84/23 Vill. Palam, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Date: 15-3-82

FORM I.T.N.S.---

NOΓICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-IAX, ΛCT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/7-81 8102. - Whereas, I, VIMAL VASISH I

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 3/7 situated at Fast Patel Nagar,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at in July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Veran Bai wd o Ram Asia lessee of property No. 3/7 East Patel Nagar, New Delhi through Sh. Ligdish Chander's o Khanaiti Ram R/o I-8/77-B, Rajouri Garden, New Delhi (Transferor)
- (2) Smt. Jutinder Kaur wd o Harminder Singh R/o 3 7 East Patel Nagar, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lease hold property bearing No. 3/7, Fast Patel Nagar, New Delhi 200 sq. yds.

SMT VIMAI VASISTH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomestax,
Acquisition Range II, Delhi New Delhi.

Date: 15-3-82

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, NFW DELHI

New Delhi, the 15th March 1982

Ref. No. IAC Acq.II/SR-I 7-81 8124 Whereas, I, SMT. VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. E/56 300 sq. yds. situated at Kirti Nagar, Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at in July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Krishan Kumar Naran s/o L. Sh. Bulaki Ram Narang AG Des Raj Sharma R/o J-9/6, Rajouri Garden, New Delhi,

(Transferor)

(2) Sh. Ved Parkash & Devi Bai R/o F 56, Kirti Nagat, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. E/56, 300 sq. yds. Kirti Nagur, Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

> SMT. VIMAL VASISHT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Delhi New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 15-3-82

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 1st March 1982

Ref. No. AC-50/R-II/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

P-68A, situated at C.I.T. Scheme No. VII(M), Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering S.R.A. Calcutta on 31-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—
46—36G1/82

 Sureswar Saha & Ors. P-68A, C.I.T. Scheme No. VII (M), Calcutta.

(Transferor)

(2) Narayan Chandra Das, 20/20E. Muraripukur Road, Calcutta.

(Transferee)

(3) Sandya Saha.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3/20th share of 116.79 sq. mtr. of lands with building at P-68-A, C.I.T. Scheme No. VII(M), Calcutta. More particularly described in deed No. 6428 of S.R.A. Calcutta of 1981

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissio of of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date: 1-3-82

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd March 1982

Ref. No. AC-92/ACQ R-IV/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4 situated at Ratan Halder Lane, Howrah (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 30-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Sri Hari Prosad Murarka, 28, Lake Avenue, Calcutta.

(Transferor)

(2) M/s. Andul Fabricators (P) Ltd., 14/1, Guha Park, Liluah, Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 1 Bigha 2 cottah with building.

Address: 4, Ratan Halder Lane, Liluah, P.S. Bally, Dist.

Howrah.

Deed No.: 6384 of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date: 3-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-FAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
CALCUTTA

Calcutta, the 5th March 1982

Ref. No. AC-55/R-II/Cal/81-82.—Whereus, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8A, Burdwan Road situated at Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

R.A. Calcutta on 6-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Krishna Debi Bajaj & Ors. 45, Shakespear Sarani, Calcutta;

(Transferor)

(2) Kabari Pvt, Ltd. 7, K.S. Roy Road, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Chiliston.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of 13 cottans land being premises No. 8A, Burdwan Road, Calcutta. More particularly described in deed No. 5640 of R.A. Calcutta of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of 1: come-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta

Dated 5-3-82 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 5th March 1982

Ref. No. AC-56/R-II/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

8A, Burdwan Road situated at Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta on 6-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 169C of the said Act; I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Bhagwan Debi Lodha & Ors. Chakulia, Bihar.

(Transferor)

(2) Kabari Pvt. Ltd. 7, K.S. Roy Road, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of 13 cottahs land being premises No. 8A, Burdwan Road, Calcutta. More particularly described in deed No. 5639 of R.S. Calcutta of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Dated: 5-3-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

CALCUTTA

Calcutta, the 9th March 1982

Ref. No. 7R-110/81-82/\$I.606/IAC/Acq.R-1/Cal.—Whereas, I, M. AHMED,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat 2A situated at 5A Robinson Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-7-1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ganeshlall Purshottamdas, H.U.F.

(Transferor)

(Transferce)

- (2) M/s. Jet Age Trading Co. Ltd.
- (3) Smt. Uma Devi.
 (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One flat bearing No. 2A, admeasuring 1636 sq. ft. at premises No. 5A, Robinson Street, Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta on 18-7-1981 vide Decd No. I-6004.

M. AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date 9-3-1982 Seal:

(2) Akbar Ali,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Sri Ashoke Kr. Chandra.

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) 1. Md. Ira.
2. Process

2. Process & Print (P) Ltd.
(Persons in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, CALCUTTA

Calcutta, the 9th March 1982

Ref. No. TR-229/81-82/Sl.608/IAC/ACQ.R-I/Cal.—Whereas, I, M. AHMED,

being the Competent Authority under

section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5 situated at Blockman Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-7-81

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed dwelling house with land measuring 4 cottabs 6 chittacks 8 sq. ft. more or less being premises No. 5, Blockman Street, Calcutta registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta on 13-7 1981 vide Ded No. 5825.

M. AHMED
Commetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 9-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE-I

CALCUTTA

Calcutta, the 10th March 1982

Ref. No. TR-103/81-82/Sl.607/IAC/Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, M. AHMFD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

52 situated at Weston Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 8-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate procedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Bindu Bashini Guin.

(Transferor)

(2) Mrs. Amina Siddique Alias Mina Jalal.

(3) Tenants. (Transferee)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed brick built building with land measuring 3 cottans 4 chittacks more or less at premises No. 52 Weston Street, Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta on 8-7-81 vide Deed No. 5726.

M. AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 10-3-1982

(Person in occupation of the property)

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 10th March 1982

Ref. No. TR-111/81-82/S1.605/IAC/Acqn.R-I/Cal.—Whereas, I, M. AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. Rs. 25,000/and bearing No.

27 situated at Rowland Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 18-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

(1) Smt. Kumkum Mukherjee.

(Transferor)

(2) M/s, Yeshasvi Towers (P) Ltd.

(Transferee) (3) Mr. Ram Rakha Juneja.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed dwelling house together with land measuring 7 cottahs 14 chittacks 6 sq. ft. at premises No. 27, Rowland Road, Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta on 18-7-81 vide Deed No. 6029,

> M. AHMED Competent Authority Inspecting Assistant countissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 10-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 10th March 1982

Ref. No. TR-108/81-82/Sl.609/JAC/Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, M. AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat 1A situated at 5A Robinson Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 20-7-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
47—36G1/82

(1) Ganeshlal Purshottamdas, H.U.F.

(Transferor)

(2) Ravi Shankar Jhunjhunwala & Sanjoy Kr. Thunjhunwala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

One flat being No. 1A admeasuring 1636 sq. ft. at premises No. 5A, Ronbinson Street, Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta on 20-7-81 vide Deed No. 8001

M. AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Coloutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Coloutta-700016

Date: 10-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 15th Maich 1982

Ref. No. TR-96 81-82/SI 610 IAC/Acq.R-I/Cal -- Whereas I, M. AHMAD

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

90A situated at Madan Mohan Burman Street, Calcutia

(and more fully described in the Schedule annexed bereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1508) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 2-7-1981

for such transfer as agreed to between the parties has not been value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income of an moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Res. Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sice Properties Pvt, Itd

(Transferor)

(2) Beitul Mal Kela Pagan, a registere l Society. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chipter A section the said Act shall have the time meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Premises No. 90A, Madan Mohan Burman Street, Calcutta with land measuring 12 cottabs 1 chittack 10 sq. ft. registered before the Registrar of Assurances, Calcutta on 2-7-81 vide Decd No. 5482.

M. AHMAD
Competer: Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwa Road, Calcutta-700016

Date: 15-3-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

Calcutta, the 17th March 1982

Ref. No. 1042 Acq.R-III/81-82,—Whereas J, M. AHM VD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000 - and bearing No

10-B situated at Pramothesh Barua Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutti on 23-7 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afcressid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appa ent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appa ent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

- (1) Shri Somesh Rai Sahgal.
 - (Transferor)
- (2) Smt. Asha Dhody.

(Transferee)

Objections, if any, to 'he acqisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 Mys from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interest I in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the covered space on ground floor of the building known as 'Shobhana' situate lying at and being the portion of premises No. 10-B, Pramothesh Barua Sarani, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 17-3-1982

FORM NO. ITNS-

(1) Shri Somesh Rai Sahgal,

(Transferor)

(2) Sti Surinder Singh.

(Transfere)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 17th March 1982

Ref. No. 1043/Acq.R-IU/81-82.—Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

10B situated at Pramothesh Barua Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering office at Calcutta on 23-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under such Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acuisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, that have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the covered space in basement floor of the building known as 'Shobhana' situate lying at and being the portion of premises No. 10-B, Pramothesh Barua Satani, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700015

Date: 17-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2393,--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 3,

situated at Shanker Nagar Colony, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Indare on 10-7-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair man' et value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurvoses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereofre, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) (1)Dr. Liladhar S/o Narayanji, R/o 152, Imli Bazar, Indore.
 - (2) Shri Suresh S/o Shri Narayanji, R/o Village Khajarana,
 - (3) Shri Naresh S/o Shri Narayanji, R/o Village Khajarana.
 - (4) Meera Boi D/o Shri Shankerlalji, R/o 6, Kanoongo Bakhal.
 - (5) Smt. Lila Rao Wd/o Shri Shankerlalji, R/o 6, Kanoongo Bakhal.
 - (6) Shri Manoj Kumar S/o Shri Ramesh Kumar, R/o 152, Imli Bazar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Hemant Kumar S/o Shri Niranjanlal Jain, 132, Jaora Compound, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3, situated at Shanker Nagar Colony, Indore.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 15-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL Bhopal, the 15th March 1982

Ref No IAC/ACQ/BPL/2394 —Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No Plot No 6,

situated at Shankai Nagar Colony, Indoic,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Ind we on 10 7-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excee is the apparent consideration, therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) (1) Dr. Liladhor S/Narayann, R o 152, Imli Bazai, Indoie.
 - (2) Shii Suresh S'o Shii Narayanji, R/o Village Khajarana.
 - (3) Shii Naiesh S/o Shii Narayanji, R/o Village Khajarann
 - (4) Meera Bai D/o Shri Shankerlalji, R/o 6, Kanoongo Bakhal
 - (5) Smt. Lila Bar Wd/o Shri Shankerlalji, R/o 6, Kanoongo Bakhal
 - (6) Shii Manoj Kumar Soo Shri Hamesh Kumai, R/o 152, Imli Bazar, Indore.

(Transferor)

(2) Smt Sorabhlata Jain W/o Shii Kirthi Kumai Juin, 132, Iaora Compound, Indore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of rublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot number 6 at Shankar Nagar Colony, Indore, Area 2400 square fect.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotre Building
> T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 15-3-1982

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER. OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th March 1982

Ref. No. IACMACQffBPL/2395.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tay Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 18.

situated at Shanker Nagar Colony, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 10-7-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afcresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Nov. therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, name !: : --

- (1) (1) Dr. Liladhar S/o Narayanji. Village Khajaram.
 - Shri Suresh S/o Shri Narayanji, Village Khajarana.
- (3) Shri Naresh S/o Shri Narayanji, R/o Village Khajarana. (4) Meera Bai D/o Shri Shankerlalji, R/o 6. Kanoongo Bakhal. (5) Smt. Leela Bai Wdfllo Shri Shankerlalji
- - R/o 6, Kanoongo Bakhal.

 (6) Shri Manoj Kumar S/o Shri Ramesh Kumar, R/o 152, Imli Bazar, Indore.

(Transferee)

(2) Shri Yogesh S/o Shri Brijlalji Bhatia, R/o 11, H.I.G. Colony, Indore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 18 situated at Shanker Nagar Colony, Indore.

D. P. PANTA Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range 4th Floor, Gangotri, Building, T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 15-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2396.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 14,

situated at Shanker Nagar Colony, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 10-7-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any, moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 569D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Liladhar S/o Narayanji,
 R.o. 152, Imli Bazar, Indore.
 (2) Shri Suresh S/o Shri Narainji,
 - R/o Village Khajarana Indore.

 (3) Shri Naresh S/o Shri Narainji,
 - R o Village Khojarana, Indore.
 (4) Smt. Lila Bai Wd o Shti Shankerlalji,
 - R/o 6, Kanoogo Bakhai, Indoic.
 - (5) Meera Bai D/o Shri Shankerlalji, R/o 6, Kanoongo Bakhal, Indore.

(6) Shri Manoj Kumar S/o Shri Hamesh Kumar, R/o 152, Imli Bazar, Indoic. (Transferor)

(2) Smt. Radha Devi W/o Shri Navneethlalji, R/o 3/5, North Raj Mohalla, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

ffixplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 14 (open plot) situated at Shanker Nagar Colony, Indore measurement 2630 sq. 1t.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 15-3-1982

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2397.—Whereas, I, D., P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 15,

situated at Shanker Nagar Colony, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at Indore on 10-7-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—
48—36GI/82

- (1) (1) Dr. Liladhar S/o Narayanji,
 - (2) Suresh S/o Shri Narainji, R/o Village Khajaranai, Indore.
 - (3) Shri Naresh S/o Shri Narainji, R/o Village Khajaranai, Indore.
 - (4) Smt. Lila Bai Wd/o Shri Shankerlalji, R/o 6, Kanoongo Bakhai, Indore.
 - (5) Meera Bai D/o Shri Shankerlalji, R/o 6, Kanoongo Bakhai, Indore.
 - (6) Shri Manoj Kumar S/o Shri Hamesh Kumar, R/o 152, Imli Bazar, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Chandrakanta Devi W/o Shri Murlidharji, 3/5, North Raj Mohalla, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 15, (open plot) at Shanker Nagar Colony, Indore measurement 2620 sq. ft.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangetri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 15-3-1982

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2398.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269£ of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 13,

situated at Shanker Nagar Colony, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Indore on 10-7-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Dr. Liladhar S/o Naravanji,
 R/o 152, Imli Bazar, Indore.
 - (2) Shri Suresh S/o Shri Narayanji, R/o Village Khajarana.
 - (3) Shri Naresh S/o Shri Narayanji, R/o Village Khajarana.
 - (4) Meera Bai D/o Shri Shankerlalji, R/o 6, Kanoongo Bakhal.
 - (5) Smt. Lila Bai Wd/o Shri Shankerlalji, R/o 6, Kanoongo Bakhal.
 - (6) Shri Manoj Kumar S/o Shri Hamesh Kumar, R/o 152, Imli Bazar, Endore.

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar S/o Shri Navneetlal, 5, Over Bridge, Shastri Market, Indore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 13, at Shanker Nagar Colony, Indore.—Area 2640 square feet.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/NPL/2399.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 8.

situated at Shanker Nagar Colony, Indore.

and more fully described in the Schodule annexed hereto), has boots Wansferred under the Registration Act. 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 10-7-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) (1) Dr. Liladhar S/o Narayanji,
 - R/o 152, Imli Bazar, Indoic.
 (2) Shri Suresh S/o Shri Narayanji,
 R/o Village Khajarana,

 - (3) Shri Naresh Sfflo Shri Narayanji,
 R/o Village Khajarana,
 (4) Meera Bai D/o Shri Shankerlalji,
 R/o 6, Kanoongo Bakhal,
 (5) Smt Lila Bai Wd/o Shri Shankerlalji,
 R/o 6, Kanoongo Bakhal,
 (6) Shri Manoi Kuman S o Shei Hanat Ka
 - Shri Manoj Kumar S o Shri Hamesh Kumar, R/o 152, Imli Bazar, Indore.

(Transferce)

(2) Smt. Chandia W/o Shri Kashipiasad Poddar, R/o 16, Valabh Nagar, Indore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 8 situated at Shanker Nagar Colony, Indoremeasurement 2400 sq. ft.

> P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 15-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2400.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 16,

situated at Shanker Nagar Colony, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 10-7-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

- (1) (1) Dr. Liladhar S/Narayanji, R/o 152, Imli Bazar, Indore.
 - (2) Shri Suresh S/o Shri Narayanji, R/o Village Khajarana.
 - (3) Shri Naresh Kumar S/o Shri Narayanji, R/o Village Khajarana.
 - (4) Meera Bai D/o Shri Shankerlalji, R/o 6, Kanoongo Bakhal.
 - (5) Smt. Lila Bui Wd/o Shri Shankerlalji, R/o 6, Kanoongo Bakhal.
 - (6) Shri Manoj Kumar S/o Shri Ramesh Kumar, R/o 152, Imli Bazar, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Kishore S/o Shri Mulkidharji, R/o 5, Over-Bridge, Mahatmagandhi Marg, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 16, situated at Shanker Nagar Colony, Indore. measurement 2600 sq. ft.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 15-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2401.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 12,

situated at Shanker Nagar Colony, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 10-7-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Λct, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Dr. Liladhar S/Narayanji, R/o 152-Imli Bazar, Indore.
 - (2) Shri Suresh S/o Shri Narayanji, R/o Village Khajarana.
- (3) Shri Naresh Kumar S/o Shri Narayanji, R/o Village Khajarana.
 - (4) Mecra Bui D/o Shri Shankerlalji, R/o 6, Kanoongo Bakhal.
 - (5) Smt. Lila Bai Wd/o Shri Shankerlalji, R/o 6, Kanoongo Bakhal.
- (a) Shri Manoj Kumar S/o Shri Ramesh Kumar, R/o 152, Imli Bazar, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Sandhya Jain W/o Hemant Kumar Jain, 132, Jaora Compound, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12, situated at Shanker Nagar Colony, Indore--measurement 2625 sq. ft.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 15-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2402.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No.7.

situated at Shanker Nagar Colony, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 10-7-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitaiting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Liladher S/Narayanji, R/o 152, Imli Bazar, Indore.
 (2) Shri Suresh S/o Shri Narayanji,
 - R/o Village Khajarana,
 - Shri Naresh Kumar S/o Shri Narayanji,
 R/o Village Khajarana,
 - (4) Mecra Bai D/o Shri Shankerlalji, R/o 6, Kanoongo Bakhal.
 - (5) Smt. Lila Bai Wd/o Shri Shankerlalji, R/o 6, Kanoongo Bakhal.
 - (6) Shri Manoj Kumar S/o Shrl Ramesh Kumar, R/o 152, Jmli Bazar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Banwarital S/o Shri Thakurlal Poddar, R/o 16, Vallabh Nagar, Indore,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7, situated at Shanker Nagar Colony, Indore-measurement 2400 sq. ft.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Phopal

Dated: 15-3-1982

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Phopal, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2403.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 5.

situated at Shanker Nagar Colony, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 10-7-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Dr. Liladhar S/Narayanji, R/o 152, Imli Bazar, Indore.
 - R/o 152, Imli Bazar, Indore.
 (2) Shri Suresh S/o Shri Narayanji,
 - R/O Village Khajarana.

 (3) Shri Naresh Kumar S/O Shri Narayanji,
 R/O Village Khajarana
 - R/o Village Khajarana.

 (4) Mecra Bei D/o Shri Shankerlalji,
 R/o 6 Kangongo Bakhal
 - R/o 6, Kanoongo Bakhal.
 (5) Smt. Lila Bai Wd/o Shri Shankerlalji,
- R/o 6, Kanoongo Bakhal.

 (6) Shri Manoj Kumar S/o Shri Ramesh Kumar,
 R/o 152, Imli Bazar, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Madan Kuwar Bai W/o Shri Niranjanlalji, 132, Jaora Compound, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5, situated at Shanker Nagar Colony, Indoremeasurement 2400 sq. ft.

D. P. PANTA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated : 15-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2404,--Whereas, I. D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 24

situated at Shanker Nagar Colony, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 10-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) (1) Dr. Liladhar S/o Shri Narayanji, R/o 152, Imli Bazar, Indore.
 - Shri Manojkumar S/o Shri Rameshkumar, R/o 152, Imli Bazar, Indore.
 - (3) Shri Sureshkumar S/o Shri Narayanji, R/o Vill. Khajarana Indore.
 - (4) Shri Nareshkumar S/o Shri Narayanji, R/o Vill, Khajarana Indore.
 - (5) Meerabai D/o Shankerlal, R/o 6, Kanoongo Bakhal.
 (6) Leela Bai Wd/o Shri Shankerlalji,
 - R/o 6, Kanoongo Bakhal.

(Transferor)

(2) Shri Harbeer Kaur Harcharan Singh, 126, Palsikar Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- anic (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 24 situated at Shanker Nagar Colony, Indore which has been mentioned in the form No. 37-G verified by the transferee.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 17-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. Bhopal, the 17th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2405.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Plot No. 17,

situated at Shanker Nagar Colony, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 10-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--49---36GI/82

(1) (1) Dr. Liladhar S/o Shri Narayanji,

R/o 152, Imli Bazar, Indore.
(2) Shri Manojkumar S/o Shri Rameshkumar, R/o 152, Imli Bazar, Indore.

Shri Sureskumar,

R/o Village Khajarana, Indore.

(4) Shri Nareshkumar S/o Shri Narayanji,
R/o Kanoongo Bakhal, Indore.

(5) Smt. Leela Bai Wd/o Shri Shankerlalji,

R/o Kanoongo Bakhal, Indore

Meera Bai S/o Shri Shankerlalji, R/o Kanoongo Bakhal, Indore,

(Transferor)

(2) Shri Rajesh S/o Shri Bholaram Bhatia, 29, M.T. Market, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Officiol Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 17 situated at Shanker Nagar Colony, Indore, which has been mentioned in the form number 37-G verified by the Transferce Sri Rajesh S/o Bholaram.

> D. P. PANTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 17-3-1982

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL Bhopal, the 17th March 1982

Ref. No. LAC/ACQ/BPL/2406.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 11,

situated at Shanker Nagar Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 10-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Dr. Liladhar S/o Shri Narayanji,
 R/o 152, Imli Bazar, Indore.
 - (2) Shri Manojkumar S/o Shri Rameshkumar, R/o 152, Imli Bazar, Indore.
 - (3) Shri Sureshkumar,R/o Village Khajarana, Indore.
 - (4) Shri Narcshkumar S/o Narayanji, R/o Village Khajarana, Indore.
 - (5) Smt. Leela Bai Wd/o Shri Shankerlalji, R/o 6, Kanoongo Bakha, Indore.
 - (6) Meera Bai S/o Shri Shankerlalji, R/o 6, Kanoongo Bakha, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Devi Goyal W/o Shri Mahadev Goyal, 37, Siyaganj, Indore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land number 11 at Shanker Nagar Colony, Indore, which has been bentioned in the form number 37-G verified by the Transferec Smt. Santosh Devi Goyal W/o Shri Mahadev Goyal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Dated: 17-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BIIOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2407.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 21,

situated at Shanker Nagar Colony, Indorc,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 10-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Dr. Jiladhar S/o Shri Nareyanji, R/o 152, Imli Bazar, Indore.
 - (2) Shri Manojkumar S/o Shri Rameshkumar, R/o 152, Imli Bazar, Indore.
 - (3) Shri Sureshkumar, R/o Village Khajaranna
 - (4) Shri Nareshkumar S/o Shri Narayanji,R/o Village Khajaranna
 - (5) Meera Bai D/o Shri Shankerlal, R/o 6, Kanoongo Bakhal, Indore.
 - (6) Leela Bai Wd/o Shri Shankerlal, R/o 6, Kanoongo Bakhal, Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Prakash S/o Shri Kalyanmalji Bedpathiya,
- Shri Prakash S/o Shri Kalyanamalji Bedjathiya, jathiya, 146, Jaora Compound, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 21, situated at Shanker Nagar Colony, which has been mentioned in the form 37-G and verified by the transferee, Shri Prakush S/o Shri Kalyanmal and Shri Padamkumar S/o Shri Kalyanmalji Badjathiya.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotti Euilding
T. T. Nagar, Shopal

Dated: 17-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2408.---Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 4.

situated at Shanker Nagar Colony, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 10-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Dr. Liladhar S/o Shri Narayanji, R/o 152, Imli Bazar, Indore.
 - (2) Shri Sureshkumar S/o Shri Narayanji R/o Village Khajarana.
 - Shri Nareshkumar S/o Shri Narayanji, R/o Village Khajarana,
 - (4) Meera Bai D/o Shri Shankerlalji R/o 6, Kanoongo Bakhal.
 - (5) Smt. Leela Bai Wd/o Shri Shankerlalji, R/o 6, Kanoongo Bakhal.
 - (6) Manoj Kumar S/o Shri Ramesh Kumar, R/o 152, Imli Bazar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Niranjanlal S/o Shri Mannalalji Jain, 132, Jaora Compound, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4 situated at Shanker Nagar Colony, Indore-measurement 2400 sq. ft.

D. P. PANTA
Acquisition Range
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 15-3-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2409.-Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 19.

situated at Shanker Nagar Colony, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), bas been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Indore on 10-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ough o be disclosed by he transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ac, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initaite proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) (1) Dr. Liladhar S/o Shri Narayanji,
 - R/o 152, Imli Bazar, Indore.
 (2) Shri Manojkumar S/o Shri Rameshkumar,

R/o 152, Imli Bazar, Indore.

(3) Shri Sureshkumar,

R/o Village Khajarana.

(4) Shri Nareshkumar S/o Shri Narayanji,
R/o Village Khajarana.

- (5) Meerabai D/o Shankerlal, R/o 6. Kanoongo Bakhal, Indore, (6) Smt. Leela Bai Wd/o Shri Shankerlal, R/o 6, Kanoongo Bakhal, Indore,

(Transferor)

(2) Shri Shriram Goyal S/o Shri Fatechandji Goyal, Vallabh Nugar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 19, situated at Shanker Nagar Colony, Indorewhich has been mentioned in the form number 37-G verified by Sri Ram Goyal,, transferce.

> B. P. PANIA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 17-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2410.-Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 22,

situated at Shanker Nagar Colony, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Indore on 10-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- (1) (1) Dr. Liladhar S/o Shri Narayanji,
 - R/o 152, Imli Bazar, Indore. Shri Manojkumar S/o Shri Rameshkumar, R/o 152, Imli Bazar, Indore.

- (3) Shri Sureshkumar, R/o Village Khajarana, Indore.
- (4) Shri Nareshkumar S/o Shri Narayonji, R/o Village Khajarana, Indore,
- (5) Smt. Leela Bal Wd/o Shri Shankerlal, R/o Village Khajarana,
 (6) Kum. Meera Bai D/o Shri Shankerlalji, R/o Village Khajarana,

(Transferor)

(2) Smt. Varsha Chawla W/o Shri Jaykumar Chawla, 195, Palsikar Colony, Indorc.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 22 situated at Shanker Nagar Colony, Indore, which has been mentioned in the form number 37-G verified by the Transferce.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 17-3-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPI./2411.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1,

situated at Shanker Bagh, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 22-7-1981.

for an apparent consideration which is less that the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Dr. Liladhar (2) Shri Suresh (3) Meera Bai (4) Manoj Kumar (5) Lila Bai (6) Shri Naresh, R/o 152, Imli Bazar, Indore.
- (2) Km. Radhika Singh D/o Shri Jagdish Singh,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

R/o 45, South Tukogani, Indore.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1, situated at Khajarana Khasra No. 777—Shankar Bugh which has been mentioned in the form No. 37-G verified by the transferee and which according to aforesaid form No. 37-G verified by the transferee measures 2610 sq. ft.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 2-3-1982

(1) (1) Dr. Liladhar S/o Shri Narainji (2) Shri Suresh S/o Shri Narayan (3) Mecra Bai (4) Shri Manoj Kumar S/o Shri Rameshkumar (5) Shri Naresh S/o Shri Narainji (6) Leela Bai Wd/o Shri Shanker Lal, 152, Imli Bazar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Dr. Kusim Singh W/o Jagdish Singh, R/o 4/5, South Tukoganj, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 2nd March 1982

Ref. No. IAC 'ACQ BPI '2412.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25,000/- and No. Plot No. 2,

situated at Shanker Bagh, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 22-7-1981,

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2, situated at Shanker Bagh, Khajarana Khasra No. 777, which has been mentioned in the form No. 37-G verified by the transferee Dr. Kusum Singh.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated : 2-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPI /2413 —Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No 1, situated at Bhagwandin Nagar, Indote, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 14-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: -50-36GI/82

(1) Shri Govind Prasad S/o Shri Radhakrishanji, 61, Old Land, Agrawal Nagar, Indore.

Transferor)

(2) Shri Gurumukhdas S/o Shri Holatamji & Lalchand, S o Holatamji, R/o 117, Katju Colony, Indore. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter λXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1 situated at Bhagwandin Nagar, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangatti Building
T. T. Nagar, Thopal

Dated : 3-3-1982 Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 26+D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th March 1982

Ref. No. IAC ACQ, BPI /2414,—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 65, situated at Triveni Colony, Indote, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 3-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sint Badami Bai Wio Shii Bhawarlai Dagdi, 78, Radha Nagar, Indore

(Transferor)

- (2) (1) Shir Avthar Singh S o Shir Sidhir Singh,
 - (2) Shri Niibhaya Singh S.o Shri Sadhii Singh, Both R o 65, Triveni Colony, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 65, Triveni Colony, Indore and House thereon,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated . 15-3-1982 Seal :

FORM HNS -----

(1) Shri Vishandas S/o Shri Vasantmalji, R/o House No. 10, Ganji Compound, Indore, (Transferor)

(2) Shri Purushottamdas S/o Shri Tehalramji, R/o Katju Colony, House No. 25, Indore. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th March 1982

Ref. No. IAC ACQ/BPL/2415. - Whereas, J. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 168, situated at Palsikai Colony, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Indoic on 3-7-1481

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 168, situated at Palsikar Colony, Indore, and house thereon.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Dated: 15-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT 1961 (13 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME 1.3X, ACQUISITION RANGE,

BHOPAL, MP

Bhopal the 15th March 1982

Rel No JAC/ACQ BPI 2416 —Whereas, I D PPANIA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Sid Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

House No 107, situated at Sitalamata Bazat, Indote, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indote on 2 7 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shii Balmukund Ihalana, Gyan Piasai Ashram— Chauman—Swami Jagatgutu, Shri Dhii acharya Mahana Ihalanya Math Didwana, Rajasthan Vice Chaiman—Shri Piahlad Das Pasari S/o Laxminaiayan Pasari 48 Suhukumchand Maig Indote (Transferor)
- (2) Smt Premlata W/o Shii Vimalchand Bakhwal (2) Sushila Rani W/o Nemichand Bakhwal, 107, Sitlamata Bazar, Indoie (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid pursons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this natice in the Official Gazette

EXPLANATION - The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No 107 situated at Sitlamata Bazar, Indote

D P PANTA, Competent Authority Inspection Asstt Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Flox | Gangotii Bldg, TT Nagar, Bhopal

Dated 15 3 1982 Seal *

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal the 3rd March 1982

Ref. No IAC / ACQ/BPI 2417 - Where, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25000 - and bearing No 207/2, situated at Vill Kharakhedi, Ratlam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 6-7-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Ratan Singh, Kalusingh, Balusingh, Genda Bai, Vardi Bai w/o Nathu Singh, Sajjan Bai, Bhayag Kunwar, R/o Mangiol, Ratlam

(Transferor)

(2) Shii Rajendrakumai S/o Amaichand Jain, Manak Chowk, Ratlam

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here n as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and at Vill: Kharakhedi, Ratlam, Survey No. 207/2, which has been mentioned in the 10 m No. 37-G verified by the transferce Shri Rajendra Kumar.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotti Bldg.,
T.T. Nagar, Bhop d.

Date: 3-3-1982

FORM 1.T.N.S. --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPI /2418.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

207/2, situated at Vill: Kharakhadi, Ratlam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 6-7 81.

for an appuint consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the Inir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) lacilitating the induction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income prising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other- assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shu Ratan Singh, Kalusingh, Balusingh, So Nathusingh, Vardi Bai Wd/o Nathusingh, Sajan Bai, Genda Bai, Bhayag Kunwar S/o Nathusingh, R/o Mangrol, Ratlam.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpalata Bai W/o Mohanlal Gadia, Kasara Bazar, Ratlam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vill: Khara Khedi—Ratlam Survey No. 207/2, which has been mentioned in the form No. 37-G verified by the transferee.

D. P. PANTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Bldg., T.T. Nagar, Bhopal.

Date: 3 3-1982.

Seul:

FORM INTS---

<u>---</u> - - - - -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 3rd March 1982

Ref. No. IAC, ACQ BPI, 2419. Whereas, ID. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

Land No. 12.1 situated at Vill. Hafukhedi, Ratlam. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registra ion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 3-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any nicome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following per one namely:—

(1) Smt. Dhapu Bai, (Father : Ukarji) Karamdi, Ratlam.

(Transferor)

(2) Shii Sushil Kumar Soo Mohanlalji Dalal, Chandni Chowk, Ratlam,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used betten as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vill. Hapukhedi, Ratlam Survey No. 12/1.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 3-3-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 3rd March 1982

Ref. No 1AC/ACQ/BPL/2420.—Whereas, J. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land No 12'1 situated at Vill. Hasukhedi, Ratlam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registratoin Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 3-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Acτ in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt Dhapu Bai, (Father: Ukarji Kulambi) R/o Karamdi, Ratlam.

(Transferor)

- (2) Shri Natendiakumat S o Sujanmal Porwal,
 - Sanjay Kumar S/c Basantlal Porwal, R/o. Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Land at Vill, Hapukhedi, Ratlom Survey No. 12/1.

D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gaugutti Builling T. T. Nagar, Bhopel,

Dated: 3-3-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 15th March 1982

Re. No. IAC/ACQ/BPL/2421.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 5, situated at Dhanwantri Marg, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 22-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—51—36GI/82

 Shri Anantlal S/o Choteledji Maheshwari, Self & Karta of Family, Deshara Maiden, Ujjain.

(Transferor)

(2) Shri Harshad Kumar S/o. Chandu Bhai Patel, R/o. H. No. 5, Dhanwantri Marg, Ujjain. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of house No. 5, at Dhanwantri Marg, Ujjain,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 15-3-1982,

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 15th March 1982

Ref. No IAC/ACQ/BPL/2422 —Whereas, I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No 32 New No. 6/335 situated at Bhojmarg, Madhav Nagar, Ujjain.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ujjain on 28-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namley:—

 Shri Anandlal Maheshwari S/o Chotelalji,
 Ajay Kumar S/o. Anandlalji Maheshwari R/o. Deshara Maiden, Ujjain.

(Transferor)

 1. Shri Omprakash S/o Moolchandji
 2. Smt. Mangi Bai W/o Omprakash, R/o. 8, Indore Darwaza, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 32 New No. 60335, situated at Bhojmarg, Madhav Nagar, Ujjain.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 15-3-1982,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Bhopal, the 2nd March 1982

Ref No IAC/ACQ/BPL/2423 -- Whereas, I, D P PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land Survey No 865/1, 874, 1277/874/4 situated at Kasuva Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 23-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shrı Ambaram S/o. Dhuljı Ramesh S/o Dhulji, Jath Gadi, R/o Shantipura,

(Transferor)

(2) Vardhman Land & Financing through its partners 1 Sanjay S/o Hukumchand Jain

Smt Shahsibala

W/o Rajendrakumar Jain

- Smt
- Shobha W/o Sureshkumar Shibala-alias Saritha W/o Kailashchandra Smt Jain,
- 5 Smt Madhun W/o Durga Shanker Gupta, Dewas

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kasuva Dewas measuring 143 Acres Survey No 865/1, 874 and 1277/874/4 as mentioned in form. No 37-G verified by the transferees

> D P PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T T Nagar, Bhopal

2-3-1982 Dated

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2424.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of House No. 5, situated at Dhanwantri Marg, Ujjain.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ujjain on 22-7-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Kanchan Bai W/o Anantlalji Maheshwari, R/o Dashora Maidan, Ujjain,
- (2) Shri Chandrakant S/o Bhika Bhai Patel, House No. 5, Dhanwantri Marg, Ujjain. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions—used herein as are defined in Chapater XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 5, situated at Dhanwantri Marg, Ujjain,

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 15-3-1982.

NOTICE UNDER SLCTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 15th March 1982

Ref No IAC ACQ/BPL/2425—Whereas, I, D P PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Part of House No 5, situated at Dhanwantri Marg, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 22 7 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market vilue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilit of the transferor to pay tax under the said Act, h respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt Kanchan Bai Woo Anantlalji Maheshwari, R/o Dashera Maidan, Ujja n
- (2) Shri Ulfatlal Shankarlal, House No 5, Dhanwantri Maig, Ujjain (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aiousaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Part of house No 5, situated at Dhanwantri Marg,

Inspecting Asstt Competent Authority
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T T Nagar, Bhopal

Dated: 15-3 1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 3rd March 1982

Ref. No. JAC/ACQ/BPL/2426.—Whereas, J. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land situated at Vill. Hafukhedi, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 6-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on he said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Santosh Bai Wd/o Sitaram Kulambi and minor son and daughter Devilal & Kailasi, Children of Shri Sitaram Kulambi, R/o Karmadi, Ratlam. (Transferor)
- (2) Shri Sajjad Hussain, Manichowk, Ratlam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vill. Hafut Khedi—Ratlam which has been mentioned in the form No. 37-G verified by the transferee Sri Sajjad Hussain.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 3-3-1982

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 3rd March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2427.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land situated at Haput Khedi, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 6-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pattles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Santosh Bai Wd/o Sitaram Kulambi and minor son and daughter Devilal & Kailasi, Children of Shri Sitaram Kulambi, R/o Karmadi, Ratlam. (Transferor)
- (2) Shri Ravindrakumar, Bajaj Khana, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vill: Hafutkhedi which has been mentioned in the form No. 37-G verified by the transferee Shri Ravindra Kumar.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 3-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION PANGE SHOPAL

Bhopal, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2428.—Whereas, I, P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 1 situated at Likendra Bhawan Compound, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 27-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Jagdish Chander S/o Kishanlal Ozha, R/o Maliwas Chakkıwaligali, Ratlam M.P.

(Transferor) (2) 1. Lalit Prasad S/o Lokamanji
 2. Smt. Nirmala W/o Shri Lalit Prasad Pant,
 R/o Lokendra Bhawan Compound, Ratlam. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on Plot bearing No. 1, situated at Lokendra Bhawan Compound, Ratlam

> D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopel.

Dated: 15-3-1982, Seal:

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 15th March 1982

Ref. No. IAC'ACQ'BPI /2429.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 24 situated at Nazar Bagh, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 13-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any increase or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

52-36GI/82

 Shri Babulal S/o Khemrajji Dga Maheshwari, R/o Ratlam Mohalla, Palace Road, Power House Road.

(Transferor)

(2) J. Smt. Badam Bai Wd/o Chandmalji

2. Shyam Sunder

 Ramakant Shashi Kant S/o Chandmalji Agarwal, R/o Ghosala Road, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal House No. 24, at Palace Road, Nazar Bagh, Ratlam,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.; T. Nagar, Bhopal.

Dated: 15-3-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAI

Bhopal, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPI /2430.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Office, shed on Block No 27 and 34 situated at Industrial Estate, Pologround, Indore,

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on 20-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Steel Tubes of India Ltd., Dewas.

(Transferor)

(2) Shii Jugalkishore S.o Surajmal Jajoo, M.s. Impellers India, 120, Kanchan Bagh, Indore

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office, shed etc. constructed on plot No. 27 & 34 situated at Industrial Estate, Pologround, Indore measurement 20,000 Sq. ft.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal,

Dated: 15-3-1982,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Abdul Haq S/o Mohammad Umar, R/o. Shokatmahal Bhopal.

(Transferor)

(2) Sardar Surendra Singh S/o Sardar Asasa Singh, R/o. Mamidia Road, Bhopal,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL 2431.—Whereas, J., D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shed at Plot No. 34 and Plot situated at Idgah Hills, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 25-7-81.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot and Shed on plot No. 34 at Idgah Hills, Bhopal Area 1500 Sq. ft.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Dated: 15-3-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2432.—Whereas, 1, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 35 and Shed situated at Idgah Hills, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 25 7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Abdul Haq S.o Mohammad Umar, R.o. Shokatmahal Bhopal.

(Transferor)

 Smt. Avinash Kaur W/o Sardar Surendia Singh R/o. Hamidia Road, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot and Shed on plot No. 35 situated at Idgah Hills, Bhopal measurement 2000 Sq. ft.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 15-3-1982

PART III—SEC. 1]

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal the 15th March 1982

Ref. No IAC/ACQ/BPL/2433.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 67. situated at Bhopal, Arera Colony, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 7-7-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rambo S/o Shri Guhira, R/o 46/18, South T. T. Nagai, Bhopal. (Transferor)
- (2) Shri Pramod Kumar Agrawal S/o Shri R. P. Agarwal R/o Γ-6/66, Arera Colony, Bhopal. (Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovab, property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Faplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 67 Arera Colony, Bhopal with construction or plinth Area and 120 Sq. ft. unfinished construction Area—418.063 Sq. metre.

D. P. PANTA.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangoiri Bldg.,
T.T. Nagar, Bhopal.

Date: 15-3-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal the 15th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2434.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Trible storied House, situated at Near Laxmi Talkies, Bhonal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on 28-7-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Phoolwati Bai W/o Shri Shankerlal, (2) Kum. Mecna, (3) Ashok Gupta, (4) Santosh Gupta, (5) Satish Gupta, (6) Dinesh Gupta, (7) Kum. Anitha, (8) Kum. Babitha, (9) Ritha, (10) Ritesh Gupta—Minor Sons & Daughters of Shri Shankerlal R/o Bhopal.
- (2) Shri Mohammad Rizwan S/o Mohd. Rafiq, R/o Bhopal.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Thible storied house situated near Laxmi Takies, Bhopal, Measurement-1322 Sq. ft.

D. P. PANTA, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Bldg., T.1. Nagar, Bhopal.

Date: 15-3-1982.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal the 15th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2435.—Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Thrible storied House, situated at Near Laxmi Talkies, Bhopal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 28-7-1981.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Phoolwati Bai W/o Shri Shankerlal, (2) Kum. Meena, (3) Ashok Gupta, (4) Santosh Gupta, (5) Satish Gupta, (6) Dinesh Gupta, (7) Kum. Anitha, (8) Kum. Babitha, (9) Ritha, (10) Rithesh Gupta, Minor Sons & Daughters of Shri Shankerlal R/o Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Nazma Rafiq w/o Mohd. Rafiq. Bhopal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of the Thrible Storied building situated near Laxmi Taikies, Bhopal-measurement 1430 Sq. ft.

D. P. PANTA.
Competent Authority,
Inspection Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Bldg.,
T.T. Nagar, Bhopal.

Date: 15-3-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONFR OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal the 15th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2436.—Whereas J, D. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agrl. land 12, situated at Vill. Guda Gwalior,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gangadhar Rao S.o Shri Vaman Raoji Dhanshwar R/o Madhavganj Nagar, Lashkar, Gwalior.
- 12) Proposed Ramakrishna Griha Nirman Sahakari Samithi Maryadit, Maina Gali, Lashkar through (1) Shri Mahesh Chandra Garg S/o Laxmandas Garg. (2) Totharam S/o Gangaramji Garg. (3) Kalicharan S/o Shri Ramlalji Agrawal, (4) Omprakash S/o Motilalji Garg. (5) Ramjidas Agrawal S/o Shri Hiralalji, (6) Upendra Kumar Garg S/o Laxmandas Garg. (7) Laxmandas Garg S/o Sampatlalji Garg. (8) Kishanlal Sahu S/o Pannalalji Sahu, (9) Kum. Pushpalata Garg D/o Laxmandasji Garg. (10) Smt. Chamelidevi W/o (Late) Shri Ramnathji Vaisya, (11) Shri Balkrishna Agrawal S/o Totharamji Agrawal, (12) Rajaram Sharma, All R/o Lashkar, Bhopal.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land No. 12 Rekba 1/465, Hector situated at Vill: Guda, Pargana, Gwalior.

D. P. PANTA, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gango'ri Bldg., T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 15-3-1982,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

BHOPAL, M.P.

Bhopal the 15th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2437.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Portion of agrl. land, situated at Vill: Guda, Gwalior, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely: 53—36GI/82

(1) Shri Gangadhar Rao S/o Shri Vaman Raoji Dhanshwar R/o Madhayganj Nagar, Lashkar, Gwalior.

(Transferor)
(Tran

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 12 situated at Vil: Guda, Pargana, Gwalior

D. P. PANTA, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Bldg., T.T. Nagar, Bhopal.

Date: 15-3-1982,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER TAX, ACQUIS BHOPAL, M.P. ACQUISITION OF INCOME RANGE,

Bhopal the 15th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2438.—Whereas 1, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 10, situated at Rajgarh Kothi Compound, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed, hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Indore on 15-7-1981,

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposcs of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sant Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- Shri C Gopalkrishna Menon B. Madhavan S/o Nambiar 6, Great Tirupati Colony, Indore. (Transferor)
- (2) M/s. Shivram Apartments, 13, North Hathipala Road, Indore,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein in are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 10, situated at Rajgarh Kothi Compound, Indore comprising of 8546 Sq. ft.

> D. P. PANTA. Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Ganyotri Bldg., T.T. Nagar, Bhopal.

Date: 15-3-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal the 15th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2439.—Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

32/925-2 situated at Laskar Gwalior,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 24-7-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealht-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Indrajit & Shivaji Rao Bhasle, S/o Sambhajirao Bhasle R/o Vill: Hera-Kolhapur, M. H.

 (Transferor)
- (2) Shri Kripaldas S/o Shri Motah Das Sindhi, Lala-ke-bazar, Lashker, (2) Ashok Kumar S/o Kedarnath, Chavadi Bazar, Lashkar, (3) Rajiv S/o Yaknath Kamle, Madhavganj, Lashkar, (4) Mathadin S/o Shyamlal Garg, Dahi Mandi, Lashkar.
 (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 42/923—2 situated at Maha dik ki Ghat Lashkar.

D. P. PANTA.
Competent Authority,
Inspection Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Bldg.,
T.T. Nagar, Bhopal.

Date: 15-3-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal the 15th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2440.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No 1396, situated at Laxmi Colony, Gwalior, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 10-7-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than influen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. naturally:—

- Smt. Chandrakala Sahai Wd/o Late Shri Bhagwat Sahai, R/o Laxmi Bai Colony, Gwalior. (Transferor)
- (2) Shri Chandraprakash Agrawal S/o Bengalimal—Agrawal, R/o 81, Kherapathi Colony, Gwalior.
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. 1396 House No. 22 situated at Laxmibal Colony, Gwalior.

D. P. FANTA, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Bldg. 1.T. Nagar, Bhopal.

Date: 15-3-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal the 16th March 1982

Ref. No IAC/ACQ/BPL/2441.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 47/1062 (Portion), situated at Kampoo Road, Lashkar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 21-7-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Khanchand S/o Gangal Mal Kasim khan-ke-Bada, Dal Bazar, Lashkar, Gwalior.
 - (Transferor)
- (2) Shri Amarjit Singh Sodhi, S/o Mukhtiar Singh Sodhi R/o Shriram Colony, Lashkar, Gwalior.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 47/1062 situated at Kampoo Road, Lashkar, Gwalior.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Bldg.
T.T. Nagar, Bhopal.

Date : 16-3-1982.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal the 16th March 1982

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL, 2442.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 26, situated at Jhansi Road, Shriram Colony, Lash-kar.

(Pud more fully described in the Schedule annexed hereto), Las been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalor on 28-7 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sachidanand Valsayan S/o Shri Hiranandji Shastri, R/o Kevaters East Kavanter Line, Sardar Patel Marg, New Delhi.

(Transferor)

Smt. Sumtha Tiwari W/o Suresh Mohan Tiwari, R/o
 I.A. Hospital Compound, Lashkar, Gwalior.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I-XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property, situated at Shriram Colony, Jhansi Road, Lashkar, Gwalior. (Plot No. 26)

D. P. PANTA, Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Bldg., T. T. Nagar, Bhopal

Date: 16-3-1982.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M.P.

Bhopal the 17th March 1982

Ref. No. $IAC/\Lambda CQ/BPL/2443$.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Lashkar, Gwalior,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 4-7-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, rherefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Shivaji Rao Khadke S/o Narayan Rao Khadke, (2) Smt. Nirmala Bai Khadke Wd/o Shri Narayan Rao Khadke, (3) Smt. Jayamala W/o Ani Kumar Dhavan, (4) Smt. Shanta Bai Khadke Wd/o Krishnarao Khadke, All R/o Nimbalkar ki goth, Lashkar.

(Transferor)

 Smt. Ramshri Devi Bhaigav W/o Shri Rameshwar Bhargav R/o Mama ka Bazar, Lashkar, Gwalior,
 Smt. Chandra Jain W/o Shri P. C. Jain, Gast Ka Tajia, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property measuring 5581.2 Sq. ft. situated at Lashkar, Gwalior.

D. P. PANTA, Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Bldg., T.T. Nagar, Bhopal.

Date: 17-3-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2444.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

House No. 36/377/2, situated at Sath Bhai ki Goth, Lashkar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 6-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Smt. Gayatrı Devi Dhagat W/o Shri Kuber Shankar Dhagat, R/o F-2, Jawahar Nagar Colony, Lashkar. (Transteior)
- (2) Shri Parmanand Dawani S/o Jiwanmal Dawani, Falsh gali, Madhavganj, Lashkar, Gwalior. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No 36/377/2 situated at Sat Bhai Ki Goth Lakkad Khana, Lashkar, Gwalior.

D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax 4th Floor, Gangotri Building T. T. NAGAR, BHOPAL

Date 15-3-1982

FOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. Bhopal, the 17th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2445.—Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land No. 6/2 & 20/2 situated at Vill; Parsikhera, Guna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Guna on 17-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believ that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

54---36GI/82

- (1) Shri Amarjit Singh Sto Vichathar Singh, Manjitsingh Sto Vichathar Singh, R to Chakra Parsi Khera, Pargana, Guna, (Trapsfero))
- (2) (1) Ripudaman Singh (2) Harjindia Kaur (3) Guiucharan Singh (4) Pittamsingh (5) Balbindersingh (6) Sikandar Singh (7) Baldeo Singh (8) Harnek Singh (9) Guimelsingh (10) Harmindarsingh (11) Harbansingh (12) Bhupendersingh (13) Smt. Kalwant Kaui (14) Mukhtar Singh (15) Nikshetia (16) Tarasingh, R/o Ludhiana at present Village: Parsikheda, Teh: Guna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12-548 Hector at Vill: Parsikhera, Guna. No. 6.2 & 20/2.

D. P. PANTA.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
4th Floor. Gangotri Building
T. T. NAGAR, BHOPAL

Date: 17-3-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th March 1982

Ref IAC/ACQ/BPL/2446.--Whereas I, D No. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tar Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Land No. 6/2-9-13-2 situated at Vill: Chakra Parsi Khera

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Guna on 17-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(1) Shri Bachthai Singh S'o Sardar Chandan Singh Sikh, R/o Vill: Chakia Parsi Khera, Pargana, Guna. (Pansteror)

(2) Shri RipJaman Singh, Harginder Kaur, Gurucharan Singh, Prithamsingh, Valvinder Singh, Sikander Singh, Baldev Singh, Harneksingh, Gurumel Singh, Harminder Singh, Harvensh Singh, Bhupendiasingh, Kulwant Singh, Bhukthar Singh, Nikshetia Singh Tarasingh, R/o Ludhiyana at present Chakraparsi Khera, Pargana, Guna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 6/2-9-13-2/2, situated at Vill: Charka Parsl Khera, Guna-Rekba 16.721 Hector.

> D. P. PANTA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, 4th Floor, Gangotri Building T. T. NAGAR, BHOPAL

Date: 17-3-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th March 1982

Ref. No IAC/ACQ/BPL/2447.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

I and No. 18-19-33 & 20 situated at Vill: Chakra Parsi Kheia, Guna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guna on 17-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pusons, namely:—

(1) Shri Haijit Singh S/o Bichethai Singh, R/o Paisi Khera self and Kaita, Bichthai Singh, S/o Chandan Singh Sika.

(Transferor)

(2) Shii Ripdaman Singh, Haiginder Kaui, Guruchaian Singh, Pintamsingh, Valvinder Singh, Sikander Singh, Baldev Singh, Haineksingh, Guimel Singh, Haimander Singh, Haivesh Singh, Bhupendrasingh, Kulwant Singh, Bhukthar Singh, Nikshetra Singh, Tarasingh, Rio Ludhiyana at piesent Chakraparsi Khera, Pargana, Guna

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and No. 18-19-33-20 22/1-24-25/1 at Vill: Chakra Paisi Khera, Guna, Robka—12 227.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
4th Floor, Gangotri Building
T. T. NAGAR, BHOPAL

Date: 17-3-1982

FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th March 1982

fAC/ACQ/BP1/2448.--Whereas I, D. P. Rcf. No. ΡΑΝΤΑ,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 300, Plot No. 74, Block No. 1, situated at Civil Lines, Chindwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chindwara on 18-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the cor ideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Kuldeep Kam W/o Harbhajan Singh Arora, (2) Harindersingh Atora S/o —do— (3) Paramjit Singh Atora, S/o —do-All R/o Chakkar Road Chindwara,

(Transferor)

(2) (1) Shri Vishwanath Tiwari S/o H. Mohanlal Tiwari, (2) Smt. Vrinda Tiwari W/o Vishwanath Tiwari, (3) Shri Purushottam Yog, S/o Shri Mar-thand Jog (4) Smt. Meena Jog W/o Purshottam Jog, All R/o Nagput.
(Tropsfores)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said imamovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Double storied House situated at Civil Lines, Chindwara. In front of Parade Ground, bearing House No. Plot No. 74, Block No. 1, Mucl Ward No. 9.

> D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. 4th Floor, Gangotri Building T. T. NAGAR, BHOPAL

Date: 15-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMA, TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Liladhar, Deviprasad & Govind Prasad, Damole, All S/o Murhdhar Damole, R/o Chotapara, Raipur.

(2) Shri Kriparam S/o Tulsiram Sahu, Baijnathpara, Raipur.

(Transferee)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th Match 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPI /2449.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,600/- and bearing

House No 131/8 situated at Chotapara, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 25-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b), facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 131/8, situated at Chotapara, Raipur-measurement 4100 Sq. ft.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. NAGAR, BHOPAL

Date: 17-3-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th March 1982

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/2450.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Land Kh. No. 521/3 situated at Khandwa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khandwa on 6-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than intern per cent of such apparent consideration and that fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Sardar Saroop Singh (2) Malk Singh (3) Gurjeet Singh & (4) Jagjit Singh All Sons of Shri Gian Singh Chabra, R/o Khandwa.

(Transferoi)

(2) Anupam Grihanirman Sahkari Samiti Ltd., Through President Madhav Dinkar Sole, R/o Khandwa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforested persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the a Act, shall have the same meaning as gin that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khasra No. 521/3, at Khandwa.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. NAGAR, BHOPAL

Date: 15-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAI MP

Bhopal, the 17th Ma ch 1982

Ref No IAC/ACQ BPI/2451 -- Whereas, I, D FANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No

Double storied House situated at Ganj Basoda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officei at Ganj Basoda on 4 7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Girwar Singh S/o Tarwaisingh Sodan Singh S o Girwar Singh, Raghuvanshi, R o Basoda at pi sent kotichar khuid (11ansferor)
- (2) Smt. Laxmidai W. o. Shii. Gulabchand. Jain. R/o. Ganj. Basoda. (Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storied house at ward No 3, Vidisha

D P PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range
4th Floor, Gangeth Building
T. T. NAGAR, BHOPAI

Date 17-3-1982 Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAI, M.P.

Bhopal, the 15th March 1982

Ref. No IAC/ACQ/BPL/2452.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Inconie-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

House No. 59 situated at Bada Bazar, Vidisha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vidisha on 15-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Premila Devi W/o Chandramohan Swarnakar R/o Vidisha—at present residing at Schore.

 (Transferor)
- (2) Smt. Asha Rani W/o Vasant Kumar Jain, R/o Madhavganj, Vidisha

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storied house No. 59 at Ward No. 11, at Bada Bazar, Vidisha.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. NAGAR, BHOPAL

Date: 17-3-1982.

5655

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 296 D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th March 1982

Ref. No. JAC/ACQ/BPL/2453.—Where I, D. P PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing House No. 614/A (Portion), Kh. No. 11/3 situated at Kamla

House No. 614/A (Portion), Kh. No. 11/3 situated at Kamla Nehru Nagar, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 20-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—
55—36GI/82

(1) Smt. Kamla Bai Wd/o Govindrao Khandekar Smt. Subas Thakur D/o —do— (3) Smt. Jyethi Khujaradekar & Kum: Maya khadekar, R/o Kamla Nehru Nagar, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Sureshchand S/o Shri Dhannalad Jain, Shri Sunil Kumar S/o Shri Sureshchandra Jain, Lordgani, Jabalpur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built at Corporation No. 614/A (portion)—Kamala Nehru Nagar, Kh. No. 11/3 at Vill: Hinotiya, Jabalpur.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. NAGAR, BHOPAL

Date: 17-3-1982

5656

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th March 1982

Ref. No. IAC/ΛCQ/BPL/2454.—Whereas I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 730-A, 730-B, 730-C & 730-D situated at Marhathal Ward, Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 16-7-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Shrimati Kalawati W/o Shri (Late) Rajgopal Yadav, 49, Shrikrishna Nagar, Bapat Road, Puna. (Transferor)
- (2) 1. Shri Keshavdas S/o Shri Savandas.
 2. Shri Harish Kumar S/o Shri Savandas.
 3. Shri Rameshkumar S/o Shri Savandas, All R/o 12, Lajpatkunj, Jabalpur,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 730-A, 730-B, 730-C and 730-D alongwith Water pump, Hand pump, Electricity and Sanitary fittings on plot No. 160, Nazul Sheet 82 situated at Marhathal, Jabalpur, Area 1550 Sq. ft.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal

Date: 17-3-1982

FORM NO. IT.N.S-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 17th Match 1982

Ref No IAC/ACQ/2455 —Whereas I, D P PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No House on land No 286 situated at Neemuch Cantt (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Neemuch on 3-7-1981,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Ser on 269°C of the said Act, I hereby initiate proceeding of the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) Major Jagat Prakash Beri S/o Lala Goidhan Prasad Beri, R/o Bunglow No 37, Neemuch Cantt, Par-Cantt, Pargana, Neemuch (Transferor)
- (2) Smt Pukhraj Khabiya W/o Arunkumarji Khabiya

R/o Tilak Marg, Neemuch Cantt, Pargana, Neemuch (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein 84 are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House constructed on part of land of 17, Radha Krishna Nagar of No. No 17, Radha Krishna Nagar at No Neemuch, measuring 176 51 Sq. f

> D P PANTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building TT Nagar, Bhopal

Date 17 3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1982

No. AR-II/3200/81-82.—Whereas, I, M. M. SHUKLA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 1194, New Survey No. 1/80 situated at Mahim, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 3-7-1981, for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration property as aforesaid exceeds the apparent consideration consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

which other assets which have not been or the purposes he disclosed by the transferee for (11 of 1922) or andian Incometax Act, 1922 Act, 1957 (27 of 1957); Act, or the Wealth-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Vivian Joseph Ferrira,

(Transferor)

- (2) Mignonette Co-op Housing Society Ltd.
- (3) Tenants
 (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. 2205/71 and the same is registered with Sub-Registrar, Bombay on 3-7-1981.

M. M. SHUKLA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 15-3-1982

(1) Shri Roshan Fali Palia and others.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 17th March 1982

Ref. No. AR-II/3216-17/81-82.—Wheeras, I, M. M. SHUKLA, being the Competent Authority under Section 269(B) of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 38, C.T.S. No. 510/7 situated at Juhu, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 31-7-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby inltiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Silver Sand Hotels and Investment Pvt. Ltd.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in the registered deed No. S-1089/80 and the same is registered with the Sub-Registrar, Bombay on 31-7-1981.

M. M. SHUKLA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 17-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, POONA Poona, the 6th March 1982

Rcf. No. IAC/CA5/SR. Thane/July 81/601/81-82.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 5/1 (P) C.S. No. 93/1, Tikka No. 15, H. No. 32 Mun. Ward No. 2

situated at Naupada, Thane,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Thane in July 1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infleen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shantaram Mahadeo Tamhane and Smt. Malini Shantaram Tamhane, Old Bombay Agra Road, Thane.

(Transferor)

 Shri Popatlal Deoji Dedhia. 4, Mahajan Apartments, V. S. Road, Thanc.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 5/1 (P) C.S. No. 93/1, Tikka No. 15, House No. 32 Municipal Ward No. 2, situated at Naupada Thane.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 131 in the office of the Sub-Registrar, Thane in the month of July 1981).

R. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date: 6-3-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, POONA

Poona, the 8th March 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR. Jelgnon/July 81/607/81-82.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shet Get No. 332/2B situated at Mouja Pimprale Tal, & Dist Jelsson

(an I more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Jelgaon in July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shankar Yadav Koli & Others 2, At & Post Pimprale, Tal. & Dist. Jelgaon.

 (Transferor)
- (2) Shri Satishkumar Bhikamchand Jain, 7, Shivajinagar, Jalgaon. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Shet Gat No. 332/2B situated at Mouia Pimprale Tal & Dist. Jalgaon.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2857 in the Office of the Sub Registrar, Jalgaon in the month of July 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 8-3-1982

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1.

Pune-1, the 8th March 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Jalgaon/July 81/609/81-82.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shet Gat No. 153 situated at Pimprale, Tal. & Dist. Jalgaon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR, Jalgaon on July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Onkar Kashiram Mali, 70, Maroti Peth, Jalgaon, (Transferor)
- (2) 1. Shri Vitthaldas Vishnudas Gujrathi.
 - 2. Shri Vasanti Balmukund Gujrathi.
 - 3. Shri Namdeo Munik Sonar.
 - 4. Shri Chandrakant Popat Bhamare.
 5. Smt. Manjulabai Vitthalrao Shinde.
 - 6. Shri Motiram Dhanji Patil.
 - 7. Shri Vijaya Bharat Patil.
 - 8. Shri Dayaram Motiram Patil, All at Jalgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Shet Gat No. 153 situated at Pimprale Tal. & Dist. Jalgaon.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 3045 in the office of the Sub Registrar, Jalgaon in the month of July 1981).

R. K. AGGARWA1
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 8-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Dinanath Bapubhai Talajiya, Old Tambat Ali, Nasik.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Sunderlal Sharma, Sou, Sunita Subhash Sharma, Ambedkar Road, Nasik. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE-1 Punc-1, the 8th March 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR Nasik/July 81/611/81-82.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 2588 Mun. No. 2333 situated at Mouja Deolali, Nasik Road, Dist, Nasik,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Nasik in July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this noitce under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
56—36GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing C.S. No. 2588 Mun. No. 2333 situated at Mouja Deolali, Nasik Road, Dist. Nasik.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2782 in the office of the Sub Registrar, Nasik in the month of July 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Popna

Date: 8-3-1982

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune-1, the 8th March 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Karvir/July 81/610/81-82.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act), have regson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

C.S. No. 2100-C/47 situated at E-Ward, Ruikar Colony, Kolhapur,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Karvir in July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Actual hereby initiate proceedings for the acquisition of the approperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Shri Mahaveer Appa Patil, House No. 2100 C/47, E-Ward, Ruikar Colony, Kothapur, (Transferor)
- Shri Ramchand Balumal Basantani.
 Shri Lachhamandas Balumal Basantani.
 Kasabe Vadgaon, Tal. Hathanagale, Dist. Kolhapur.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing C.S. No. 2100 C/47 situated at E-Ward, Ruikar Colony, Kolhapur.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2543 in the office of the Sub Registrar, Karvir in the month of July 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 8-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune-1, the 12th March 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Bombay/July 81/613/81-82.—Whereas, I.R. K. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 7 R.S. No. 108 (Part) situated at Khandala, Tal. Mayal, Dist, Pune,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Bombay in July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Chhabildas Jagjivandas Shah, Kamalkunj, JeejeeBhoi Road, Bombay-400 019. (Transferor)
- (2) Sahney Kirkwood Pvt. Ltd., 27, Kirol, Vidyavihar (West), Bombay-400 086. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. 7, R.S. No. 108 (Part) situated at Khandala, Tal. Maval. Dist. Pune.

(Property as described in the sale deed registered under document No. R 1733 in the office of the Sub Registrar, Bombay in the month of July 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 12-3-1982

Scal:

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune-1, the 12th March 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Wai/July 1981/614/81-82.— Whereas, I R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 31, Plot No. 94 (1/2 Share) situated at Village Bhose Near Panchagani, Tal. Mahabaleshwar, Dist. Satara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR. Wai in July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Baldeoraj Sitaram Malhotra, Koregaon Park, Pune.

(Transferor)

(2) The International Society for Krishna Consciousness Public Charitable Trust, Harekrishna Land, Juhu, Bombay-400 049.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 31 Plot No. 94 situated at Village Bhose, near Panchgani, Tal. Mahabaleshwar Dist. Satara (1/2 share).

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1072 in the office of the Sub Registrar, Wai in the month of July 1981).

R. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date: 12-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, POONA

Pune-1, the 12th March 1982

Ref. No. 1AC/CA5/SR.Wai/July 81/615/81-82.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 31, Plot No. 92 (1/2 share) situated at Village Bhose Near Panchgani, Tal. Mahabaleshwar, Dist. Satara,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Wai in July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Baldeoraj Sitaram Malhotra, Koregaon Park, Pune. (Transferor)
- (2) The International Society for Krishna Consciousness Public Charitable Trust, Harekrishna Land, Juhu, Bombay-400 049.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 31 plot No. 92 situated at Village Bhose, near Panchgani, Tal. Mahabaleshwar, Dist. Satara (1/2 share).

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1073 in the office of the Sub Registrar, Wai in the month of July 1981).

R. K. AGGARWAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Poona

Date: 12-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 12th March 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Wai/July 81/616/81-82—Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

 No. 31, Plot No. 93 (½ share) situated at Village Bhose Near Panchgani, Tal Mahabaleshwar, Dist. Satara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at SR. Wai, on July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Baldeorai Sitaram Malhotra, Koregaon Park, Pune. (Transferor)
- (2) The International Society for Krishna Consciousness Public Charitable Trust, Harekrishna Land, Juhu, Bombay-400 049. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 31, Plot No. 93 situated at Village Bhose, near Panchgani, Tal. Mahabaleshwar, Dist. Satara (1/2 share).

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1074 in the office of the Sub Registrar, Wai in the month of July 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 12-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Satpal Sitaram Malhotra, Koregaon Park, Pune.

(Transferor)

(2) The International Society for Krishna Consciousness Public Charitable Trust, Harckrishna Land, Juhu, Bombay-400 049.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.COMMISSIONER.
OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, PUNE-1

Punc-1, the 12th March 1982

Ref. No. IAC 'CA5/SR.Wai/July 81/617/81-82.— Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the campetent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 31, Plot No. 93 (1/2 share) situated at Village Bhose Near Panchgani, Tal. Mahabaleshwar, Dist. Satara,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at

SR. Wai in July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the Transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exprise later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 31, Plot No. 93 situated at Village Bhose, Near Panchgani, Tal. Mahabaleshwar, Dist. Satara (1/2 share).

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1075 in the office of the Sub Registrar, Wai in the month of July 1981).

R. K. AGGARWAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date: 12-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Š.

Shri Satpal Sitaram Malhotra, Koregaon Park, Pune. (Transferor)

(2) The International Society for Krishna Consciousness Public Charitable Trust, Harckrishna Land, Juhu, Bombay-400 049,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 12th March 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Wai/July 81/618/81-82.— Whereas, I R. K. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market vaule exceeding Rs. 25,000/, and bearing

S. No. 31, Plot No. 92 (1/2 share) situated at Village Bhose Near Panchgani, Tal. Mahabaleshwar, Dist. Satara,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Wai in July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpoes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 192) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1557);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 31 plot No. 94, situated at Village Bhose, near Panchgani, Tal Mahabaleshwar, Dist. Satara (1/2 share).

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1077 in the office of the Sub Registrar Wai, in the month of July 1981).

R. K. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 12-3-1982

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE-1

Pune-1, the 12th March 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR Wai/July 81 '619/81-82.-Whereas, I R. K. AGG \RWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 31 Plot No. 92 (1 2 share) situated at Village Bhose Near Panchgani, Tal. Mahabaleshwar, Dist. Satara,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR. Wai in July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabiltiy of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely 57—36GT/82

(1) Shri Satpal Sitaram Malhotra, Koregaon Park, Pune.

(Transferor)

(2) The International Society for Krishna Consciousness Public Charitable Trust, Harckrishna I and, Juhu, Bombay-400 049,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 31, plot No. 92 situated at Village Bhose, Near Panchgani, Taf. Mahabaleshwar, Dist. Satara (1/2 share).

(Property as described in the sale deed registered under document No 1075 in the office of the Sub Registrar, Wai in the month of July 1981).

R. K. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range, Poona

Date: 12-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNL

Punc-1, the 12th March 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Miraj-II/July 81/621/81-82.—Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

SR. Miraj-II in July 81

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR. Miraj II in July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fai market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Sadashiv Vasudeo Patwardhan, Brahmanpuri, Miraj (Dist. Sangle).

(Transferor)

Sh. Dattatray Suhdeo Mandale,
 Sh. Appasaheb Sahdeo Mandale,
 Malabhag,
 Miraj (Dist. Sangli).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing R. S. No. 238 situated at Miraj, Dist. Sangli.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1313 in the office of the Sub-Registrar, Miraj-II in the month of July 1981).

R. K. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Pune

Date: 12-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh Parshiam Govind Mandale,

MIRAJ (Dist. Sangli).

Brahmanpuri,

(Transferor)

Malabhag, MIRAJ (Dist. Sangli)

Sh. Sadashiv Vasudeo Patwardhan,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pupe-1, the 12th March 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Miraj-II/July 81/622/81-82.-Whereas, I, R. K. AGGARWAL,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

R.S. No. 238 situated at Miraj, Dist. Sungli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR, Miraj-II in July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing R.S. No. 238 situated at Miraj, Dist. Sangli

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1290 in the office of the Sub-Registrar, Minaj-II in the month of July 1981),

> R. K. AGGARWAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Pune

Date: 12-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune 1, the 12th March 1982

Rei No IAC/CA5/SR Miraj-II/July 81/623/81-82 — Whereas, I, R K AGGARWAL,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (13 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

RS No 238 situated at

Miraj Dist Sangli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR Miraj II in July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore suid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trinsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Sh Sadashiv Vasudeo Pa(wardhan, Brahmanpuri MIRAJ (Dist Sangh)

(Transferor)

(2) Sh Mahadeo Bhairu Mondale At Malabhag, MIRAJ (Dist Sangli)

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property bearing R.S. No. 238 situated at Miraj Dist. Single (Property as descrided in the sael deed registered under document No. 1327 in the office of the Sub-Registral Miraj II in the month of fully 1981)

R K AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Pune

Date 12 3 1982 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISTION RANGE, PUND

Pune-I, the 12th March 1982

Ref. No. IAC/CA5/Miraj-II/July 81/624/81-82.—Whereas, I, R. K. AGGARWAI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS No 238 situated at Mirai, Dist. Sangli,

(and more fully described in the Schedule annoved here(o) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Miraj-II in July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid propert by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh Deepak Narayan Patwardhan & Other s2, Brahmanpuii, MIRAJ (Dist. Sangli)

(Transferor)

(2) Sh Dagadu Ramu Mandale, Brahmanpuni, MIRAJ (Dist. Sangli).

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing R.S. No. 238 situated at Miraj, Dist. (Property as described in the sale deed registered under

document No. 1314 in the office of the Sub-Registrar, Miraj-

If in the month of July 1982).

R. K. AGGARWAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Pune

Date: 12-3-1982

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Dilip Natayan Patwardhan & Others 2, At Brahmanpuri, MIRAI (Dist. Sangii).

(Transferor)

(2) 1, Shri Vitthal Iayman Mandale, 2, Sh. Bandu Layman Mandale, Malabhaag, MIRAI.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune-1, the 12th March 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Miraj-II/Jully 81/626/8182—R. K. AGGARWA1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

R.S. No. 238 situated at

Mıraj, Dıst. Sanglı,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

SR. Miraj-II in July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as oforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property bearing R S No 238 situated at Miraj, Dist. Sangli

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1328 in the office of the Sub-Registrar, Miraj-II in the month of July 81).

THE SCHEDULE

R. K. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Data: 12-3-1982

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune-1, the 12th March 1982

Ref. No. IAC/CA5/SR.Jalgaon/July 81/627/81-82.-R. K. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Gat No. 372 and Gat No. 273 situated at Mouje Manyar Khede Tal. & Distt. Jalgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SR. Jalgaon in July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee tor the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Sh. Abhaykumar Ramchandra Joshi, 144, Navi Peth, JALGAON.

(Transferor)

(2) Sh. Jalgaon Aatonagar Company C-Group, Jalgaon, Partner Shri Moolchand Babulal Sharma, Nerinaka, Zilla Peth, JALGAON.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Gat No. 372 and 373 situated at Mouje Manyar Khede, Tal & Dist. Jalgaon.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 2212 in the office of the Sub-Registrar, Jalgaon, in the month of July 1981).

R. K. AGGARWAL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Date: 12-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE! KANNAMMAI BUILDING Hind FLOOR, 621 MOUNT ROAD MADRAS 600006

Madens 600 006 the 15th March 1982

Rof No 1: No 122/July/81—Whereas, I, R RAVICHANDRAN

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the sammovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

S Nos 47/2-A ind situated at 59-A/1, Kaverinattinam, Krishingiri Taluk Dharmapuri Dt

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kaveripattinam in July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

5 Shri 5 Shri
1 N Venkatachalum,
5/0 Nanjappa Chettrii
Valtalai Nagai Salem Fown
2 A Rijendran, S/0 Angamuthii Chettar
Kayeripattinam, Dharmapuri Dt
3 Siyapiakasam S/0 Chinnathambii Mudiliar (I) Kaveripattinam Dharam ipuri Dt 4 Krishnan S/o Kusalau (a Menusumy Mundailai Kaveripatlinam Dlarmapuri Dt Radhakushnan, S/o Inte A S Sriniyasa Chettiai, Kaveripattinam Dharmapini Dt 6 Sivaraman @ Siecr imulu, S/o Late A S Srinivasa Chettiai, Kaveripattinam, Dharmapuri Dt
7 Janakhaman S o \ S Simiyasa chettiai
Kaveripattinam Dharmapuri Dt 8 Balan (Minor) represented by his brother S No 5 9 Subramantin (Minor) represented by his bother S No 5 10 Varilakshmi D/o late A S Sitnivisa Chetijai Kaveripattinim 11 Rukkumani Do Late AS Srimiyasa Chettiai, Kaveripattinam (Transferors)

S/Shri

(2) D Srimvasan, S/o V N Doinisomy Chettrar Kayeripatanam Dhaimapiii Dt

Kaveripalinam Dhamapiii Dt

D Subramaniam S o V N Doraissamy Chettiar
Kaveripaltinam
Dhamapiii Dt

T Nagaraj S/o Thandavaraya Chettiar
13-B III Cross Vecrappa Nagar
Kiishnagiri

Kiishnagiri

Kiishnagiri

Kiishnagiri

Kiishnagiri

Kiishnagiri

Riyo T Nagaraj
13-B, Vecrappa Nagai III Crop Dharmapiii Dt

T Pavi, Kaveripaltinam

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(House site in S No 47/2 A and S No 59-A/1, Panneerselyam street Kaverinattinam Dharmapuri Dt (Document No 1112/81)

R RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range J Madras 6

Date 15 3 82 Seal

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION CQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING Hnd FLOOR, 621, MOUNT ROAD MADRAS-600006.

Madras-600 006, the 15th March 1982

Ref. No. F. No. 123/July/81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S No. 47/2A and situated at

59A/1, Kaveripattinam, Krishnagiri Taluk, Dharmapuri Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Kaveripattinam in July 81

(Document No. 1114/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

58-36GI/82

1. N. Venkatachalam, S/o Nanjappa Chettiar, Vallalar Nagar, Salem Town.

2. A. Rojendron, S/o Angamuthu Chettiar, Kaveripattinam, Dharmapuri Dt.

Siyaprakasam, S/o Chinnathambi Mudaliar, Kayeripattinam, Dharmapuri Dt.
 Krishnan S/o Kusalan @ Munusamy Mudaliar,

Kaveripattinam, Dharmapuri Dt. 5. Radhakrishnan, S/o Late A. S. Srinivasa Chr.

Kaveripattinam, Dharmapuri Dt.
6. Sivaraman & Sreciomulu, S/o Late A. S. Srinivasa

Chettiar, Kaveripattinam, Diarmapuri Ot. 7. Janakiraman, S/o A. S. Srinivasa Chettiar, Kaveripattinam, Dharmapuri Dt.

8. Balan (Minor) represented by his bother Sl. No.

Subramanian (Minor) represented by his brother

Sl. No. 5. 10. Varalakshmi, D. o Late A. S. Srinivasan Chettiar, Chr. Kaveripattinam,

11 Rukkumani, D/o Late A. S. Srinivasan Chettiar, Chr. Kaveripattinam.

(Transferor)

S/Shn
(2) 1. D. Srinivasan, S/o V. N. Doraisamy Chr. Kayeripattinam Dharmapuri Dt.
2. D. Subramaniam, S/o V. N. Doraisamy Chr. Kuyeripattinam Dharmapuri Dt.
3. T. Nagaraj, S/o Than lavaraya Chettiar,
13-B IIII Cross, Veerappa Nagar,
Krishnagii

Krishnagiri,

4. Karthikeyini, W/o T. Nagaraj Dharmapuri Dt.

T. Ravi, Kaveripattinam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(House site in S. No. 47/2A and S. No. 59A 1, Panneerselvam Street, Kaveripattinam, Dharmapun Di.-Document No. 1114/81)

> R. RAVICHANDRAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 15-3-82

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

CQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDIN IInd FLOOR, 621, MOUNT ROAD MADRAS-600006. ACQUISITION BUILDING

Madras-600 006, the 15th March 1982

Ref. No. 124/July/81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing S. No. 47/2A and situated at

59A/1, Kaveripattinam, Krishnagiri Tk.

and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Kaveripattinam in July 81 (Document No. 1120/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

S/Shri

Vallalar Nagar, Salem Town
2. A Rajendran, S/o Angamuthu Chettiar,
Kaveripattinam, Dharmapuri Dt
3. Sivaprakasam, S/o Chinnathambi Mudahar,
Kaveripattinam, Dharmapuri Dt.
4. Krishnan, S/o Kusaian @ Munusamy Mudaliar, Kaveripattinam, Dharmapuri Dt. 5. Radhakrishnan, S/o Late A. S Sriniyasa Chr. Kaveripattınam, Dharmapuli Dt.
6. Sivaraman @ Sreeramulu, S/o I ate A.S. Srinivasa Kaveripattinam, Dharmapuri Dt. Janakiraman, S/o A S Srinivasa Chettiar, Kaveripattinam, Dharampuri Dt.

N Venkatachalam, S/o Nanjappa Chettiar,

Balan (Minor) represented by his bother Sl No. Subramanian (Minor) represented by his brother

Sl. No. 5. 10. Varalakshmi, D/o Late A. S. Srmivasan Chettiar, Chr Kaverinattinam

11. Rukkumani, D/o Late A. S. Stinivasan Chettiar, Chr. Kaveripattinam

(Transferor)

S/Shii (2) 1 D. Srmivasan, S/o V. N. Dotaisamy Chr. Kaveripattinam, Dharmapuri Dt. 2. D Subromaniam, S/o V N Doraisamy Chr. Kaveripattinam, Dharmapui Dt. 3 T. Nagaraj, S/o Thandavaraya Chettiar, 13-B IIII Cross, Veerappa Nagar, Kıishnagiri, 4 Karthikeyini, W/o T. Nugaraj Dharmapuri Dt T. Ravi Kaveripattinam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(House site in S. No. $47/2\Lambda$ and S. No. 59A/1, Punneerselvam Street, Kaveripattinam. Dharmapuri Dt -Document No. 1120/81)

> R. RAVICHANDRAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range I, Madras-6.

Date: 15-3-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING JING FLOOR, 621, MOUNT ROAD MADRAS-600006.

Madras-600 006, the 15th March 1982

Ref. No. 117/July/81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. Nos. 21/1-A, 36/1, situated at 36/2 and 36/3, Kamakkapalayam village, Salem Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Thalaivasal in 9-7-81 (Document No. 626/1981)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. P. Nalliappan, Kamakkapalayam, Athur Taluk, Salem District,

(Transferor)

 Sh. Kali Gounder, S/o Sh. Sengoda Gounder, Palappatti Mannarpalayam, Salem Taluk, Salem Dt.
 Sh. K. Ramasamy, S/o Sh. Kalianna Gounder, Veerapandi, Salem Taluk, Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and Building in S. No. 21/1A, 36/1,36/2 and 36/3 Kamakkapalayam village, Salem District—(Document No. 626/1981).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 15-3-82

FORM JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING IInd FLOOR, 621, MOUNT ROAD MADRAS-600006.

Madrus-600 006, the 15th March 1982

Ref. No. 59/July/81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000- and bearing No. S. Nos. 252 and 253, situated at

Kodaikanal Township, Kodaikanal Taluk, Madurai Dt. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodaikanal on July 81

(Document No. 258/81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

 Mr. M. Mohammad Yusuf, 7/163A, Anna Salai, ΚΟDΛΙΚΑΝΑL (Madunai Dt.).

(Transferor)

(2) SANDUR MANAGANESE & IRON WORKS LTD., Eswath Nagar, SANTHUR, Bellary Dt. Karnataka State.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Fixplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land in S. No. 252 and 253, Kodaikanal Township, Kodaikana Tlaluk, Madurai Dt. (Document No. 258/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 15-3-82

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE-I. KANNAMMAI BUILDING IInd FLOOR, 621, MOUNT ROAD MADRAS-600006.

Madras-600 006, the 15th March 1982

Ref. No. 58/July/81.—Whereas, 1, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing No.

S. No. 252, Kodaikanal situated at Township, Kodaikanal Taluk, Madurai Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at in July 81 (Document No. 257 81)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealht-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. M. Mohammad Yusuf, 7/163A, Anna Salai, KODAIKANAL (Madurai Dt.),

(Transferor)

(2) Mr. M. Y. Ghorpade, Santhur, Santhur Taluk, Bellary Dt. (Karnotaka State).

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(I and in S. No. 252, Kodaikanal Township, Kodaikanal Tk. Maduarai Dt.—Document No. 257/81).

R. RAVICHANDRAN Competent Authority, Inspection Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 15-3-82

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madius-600 006, the 15th March 1982

Rcf. No. 16498.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

RS 2375 situated at (part), Jawaharlal Nagar Karaneeswarar Koil St., Mylapore Madras (Doc. 1362/81) (and more fully described in the Schedule annexed, hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1980) in the Office of the registering

Officer at Mylapore in July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Munalı Parthasarathi Mudalira, 26, Kasturi İyengar Road, Madras 18.

(Transferor)

(2) Sh. P. Narayanan
V. Muthusami,
M. Rajagopal,
14, S. S. Road, Madras-18.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein in are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at RS 2375, Karaneeswarar Koil St., Mylapore Madras. (Document 1362/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 15-3-82

 Sh. A. Rajagopal Chettiar, S/o Sh. Appavu Chettiar, No. 20, Singarapettai Street, Shevapet, SALLM.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. N. Bhuvoneswaran, S/o P. Natesa Chetty, 5-A, Solappadi Subramaniya Chetty Street, Shevapet, SALEM-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING lind FLOOR, 621, MOUNT ROAD MADRAS-600006.

Madras-600 006, the 16th March 1982

Ref. No. 101/July/81.--Whereas, I. R. RAVICHANDRAN

Officer at J.S.R. III, Salem in June 81

(Document No. 2765/81)

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T.S. No. 16/2 and situa ed at 16/6, Pallapatti village, Salem Taluk, Salem Dt. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the oflice of the Registering

for an apparent consideration which is less than the fair market calue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building in T.S. No. 16/2 and 16/6 and Door No. 38-B, Pallapatti village, Salem Taluk, Salem District—Document No. 2765/1981).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Dato: 16-3-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING Hnd FLOOR, 621, MOUNT ROAD MADRAS-600006.

Ref. No. 12/July/81.-Whereas, I, R. RAVICHANDRAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5, XIII Avenue situated at Harrington Road, Madras-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at J.S.R. 1I, Madras North in July 81 (Document No. 3027/81)

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Sh. M. M. H. Namazi. 2. Sh. M. H. J. Namazi, 3. Sh. M. N. Namazi, No. 5. Harrington Road, Madras-31.

(Transferor)

(2) M/s. East Coast Construction and Industries, No. 4, Moore Road, Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 5, XIIII Avenue Harrington Road, Madras6—Document No. 3027/81).

R. RAVICHANDRAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 15-3-82

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING IInd FLOOR, 621, MOUNT ROAD MADRAS-600006.

Madras-600 006, the 16th March 1982

Ref. No. 132/July/81 — Whereas, I, R RAVICHANDRAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Door No. 46 (Old No. 2/4) situated at Malayaperumal Street, Madras-600 001

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office o fthe Registering

Officer at Sowcarpet, Modras in July 81 (Document No. 457/1981)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:
59—36GI 82

 Mr. K. Mohammad Abdulla, S/o Mr. K. Ahmad Hussam Sahib, I 4. Malayaperumal Street, Madras-600 001.

(Transferor)

(2) Mi. S. Khaja Mohideen, S/o Mi. A. Sikkanthai Batcha, M/s. Sikkanthai Stores, No. 39, Malayaperumal Street, Madras-600 001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Door No. 46 (Old No. 2/4), Malayaperumal Street, G.T., Madras-1) (Document No. 457/81)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 16 3 82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX(

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th March 1982

Ref. No. F. No. 79/July/81.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

26-27, situated at Poonamelle High Road, Madras-600 003. (Document No. 837/1981)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Periamet, Madras on 24-6-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concenlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. K. G. Ganga Devi, No. 64, Commander-in-Chief Road, Madras.

(Transferor)

Sh. Champalal,
 Sh. Futermal,
 Smt. Vimla Bai and
 Smit. Leela Bai and
 Represented by Power of Attorney Shri B. Kantilal Jain, No. 400, Mint Street, Madras.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a preiod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Door No. 26-27, Poonamalle High Road, Madras-600 003—Document No. 837/1981).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 17-3-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 17th March 1982

Ref. No. F. No. 16700/July/81.--Whereas, I, R. RAVICHANDRAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 47 (Old No. 10) situated at Bazulla Road, T. Nagar, Madras-17 (Document No. 2800/1981)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

J.S.R. I, Madras North, 15th Juyl 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

 1. Mrs. A. G. Nirmala, Shri A. K. Gopalan, No. 10, Srinivasa Nagar, T. V. Naidu Road, Chetpet, Madras-600 031.

(Transferor)

 I. S. E. S. A. Balkees Ammal,
 A.V.M. Ahmmed Kabeer,
 A.V.M. Nazimuddin and 4. A.V.M. Zubaida, All are residing at Door No. 87, Harrington Road, Chetpet, Madras-600 031. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land building at Door No. 47 (Old No. 10) Baz-lullah Road, T Nagar, Madras-17. (T.S. No. 7991 Part)— Document No. 2800/1981).

R. RAVICHANDRAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 17-3-82

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Mrs. Sarada Bai 29, Ekambareswarar Agraharam Madras-3.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Raj Construction 3, Spur Tank Road, Madras-31.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGI-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th March 1982

Ref. No. F. 16526.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 37 situated at Barnaby Road,

Kilpauk, Madras-10 (Doc. 1462/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Pura awalkam in July 81

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PARTANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 37, Barnaby Road, Kilpauk, Madras-10. (Doc. 1462/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-11, Madras 6

Date : 16-3-82 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Binny Ltd., 65, Armenian St, Madias-1.

(Transferor)

M/s Balan Corporation,
 Begum Sahib St., III Lane,
 Mount Road, Madras-2

(Fransferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006 the 16th March 1982

Rcf. No F 11515 -Whereas, I, R RAVICHANDRAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No RS situated at 744, Thottipalayam (Doc 2087/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Truppur in July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than littern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or very moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acuistion of the attributed property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FARMATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, Building and Machinery at RS 744, Thottipalayam. (Doc. 2087/81)

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Mad188-6

Date · 16-3-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th March 1982

Ref. No. 16529.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 289 situated at Purasawalkam High Road, Vepery, Madras 7 (Doc. 1571/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pumasawikam in July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Sh. C. Thiruvenkadam Chetty, C. Venkateswar, C. Vishnuprasad, C. Sundareswari, 8, 15th Avenue, Harrington Road, Madras-31.
- (2) Sh. Narender Maher, Rajni Maher, Navin Maher, Surendra Maher, Daksha Maher, Jagdish Maher, 11,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Chinna Nayakaran St., Madrus-1.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 289, Purasawalkam High Road, Vepery, Madras-7. (Doc. 1571/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 16-3-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 16th March 1982

Ref. No. F. 16582.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Mo. 96 & 104 situated at Nungambakkam High Road, Madras-34 (Doc. 2889 and 2890/81).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North in July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Swathi Thirunal, Shobhana Varma, Sreekumar Varma & Fudrabai Varma 104, Nungambakkam High Road, Madras-34.

(Transferor)

(2) Sh. P. Govindaswamy, Mohini Amarlal L. Shoba, Kavita, Ashok Kumar 3/3, Perumal Agraharam, Madras-77.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 96 and 104, Nungambakkam High Road, Madras-34. (Doc. 2889, 2890/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 16-3-82

FORM NO. I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I KANNAMMAI BUILDING, IIND FLOOR 621, MOUNT RAOD, MADRAS

Madras-600006, the 19th March 1982

Ref. No. F.82/July/81,—Whereas, I R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 10 situated at Spurtank Madras-31 (1/6th undivided Chetput in the land of 4 grounds 340 Sq. ft. and flat No. 1), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Periamat Document No. 898/81 on July 81 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. Chandrasekar, Smt. S. Kamala, Sri S. Vinod, Shri S. Madan and Shri S. Pralap 142 A. Luz Church Road Mylapore, Madras-600 004.

(Transferoi)

(2) Shri Vemuu Venkateswara Rao AC 66 Shanthi Colony, Annanagar, Madras-600 040.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHFDULE

1/6th undivided share in the land of 4 ground and 340 sq ft. and flat No. 1 in the ground floor in No. 10 Spurtank Road Madras-31 Measuring 2260 Sq. ft.
(Doc. No. 898/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 19-3-1982

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

KANNAMMAI BUILDING, IIND FLOOR 621, MOUNT RAOD, MADRAS

Madras-600006. the 19th March 1982

Ref. No. F. No. 83/July/81.—Whereas I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 10 situated at

10 Spurtank Road, Madras-31,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Periamet (doc. 899/81 in July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—60—36GI/82

(1) Shri Chandrasekar, Smt. S. Kamala, S. Vinod, S. Madan and S. Pratan, 142A Luz Church Road, Madras-4.

(Transferor)

(2) Shri Potru Chandriah, AC 66 Sbanthi Colony, Annanagar, Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 10, Spurtank Road, Madras-31. (Doc. No. 899/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Runge-I, Madras-6

Date: 19-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACOUISITION RANGE-I

KANNAMMAI BUILDING, IIND FLOOR 621, MOUNT RAOD, MADRAS

Madias-600006, the 19th March 1982

Ref. No. F. 84/July/81.—Whereas I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10 situated at

Spurtnik Road Chetpet, Madras-31 (1/6th undivided share in the land of 4 grounds 340 Sq. ft. Flat No. 3 in the first floor).

(Doc. No. 900/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Periamat, Madras in July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitaitng the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Shri Chandra Sekar.

 - 2. Smt. S. Kamala.
 3. Shri S. Vinod.
 4. Shri S. Madan.
 5. Shri S. Pratap.
 142 A Luz Church Road, Mylapore, Madras-4 (Transferor)
- (2) Shri Potru Raghavaiah S/o Shri Seshiah 'MIRMAR' 54 Arundalanagar Kalakeshtra Colony Besant Nagar, Madras-90. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building (1/6th undivided share in land of 4 ground 340 Sq Ft. 10 Spurtank Road Madras 31 flat No. 3 in First Floor measuring 2112 Sq. ft.) Doc. No. 900/81.

> R. RAVICHANDRAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, Madras-6

Date: 19-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J

KANNAMMAI BUILDING, IIND FLOOR 621, MOUN'T RAOD, MADRAS

Madras-600006, the 19th March 1982

Ref. No. F. 85/July/81.—Whereas I, R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at 10. Spurtank Road, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc 901/81 in July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- S. Chandra Sekar, Smt. S. Kamala, S. Vinod S. Madan. S. Pratap, 142 A. Luz Church Road, Mylapore, Madras-4.

 (Transferor)
- (2) Shri V. Ramachandra Rao, 'Mirmar' 54, Arurdel Nagar, Besant Nagar, Madras-90 (Kalakshetra Colony).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 10. Spurtank Road, Madras. (Doc. No. 901/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Dated: 19-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

> ACOUISITION RANGE-I KANNAMMAI BUILDING, JIND FLOOR 621, MOUNT RAOD, MADRAS

Madras-600006, the 19th March 1982

Ref. No. 86/July/81.—Whereas, I R. RAVICHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 10. Spurtank Road, situated at Madras-31, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Periament (Doc. No. 902/81) in July 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri S. Chandra Sekar, Smt. S. Kamala, S. Vinod, S. Madan, S. Pratap, 142, A. Luz Church Road, Madras-4.

(Transferor)

(2) Shri N. Naga Prasad, IInd floor, No. 10. Spurtank Road, Madras-31.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 10 Spurtank Road, Madras. (Doc. No. 902/81).

> R. RAVICHANDRAN Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 19-3-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

KANNAMMAI BUILDING, IIND FI,OOR 621, MOUNΤ RAOD, MADRAS

Madras-600006, the 19th March 1982

Ref. No. 87/July/81.—Whereas I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10 situated at Spurtank Road Chetpet Madras-31, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamat Madras in July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) 1. Shri S. Chandrasekar,

- Shri S. Vinod,
 Smt. S. Kamala.
 Shri S. Madan,
- 5. Shri S. Pratap,

142 A. Luz Church Road, Mylapore, Madras-4, 600004,

(Transferor)

(2) Shir Jesta Lakshmanara 3rd Floor, No. 10 Spurtank Road Madras-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Buliding No. 10, Spurtank Road, Chetpet, Madras-31 (Southern portion of the second Floor i.e. Flat No. 6 measuring 2112 Sq. ft. and also a room and abath room in third floor measuring 225 Sq. ft.) 1/6th undivided share.

(Doc. No. 903/81).

R. RAVICHANDRAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 19-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Rajaram S/o Venkata Rao, 2. Bhavani Bai W/o Venkata Rao, Kuniyamuthur, Coimbatore. (Transferor)

 R. Srinivasan S/o Rangaswamy Naidu, 2/51, Pappanaichen palayam, Coimbatore.
 (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 20th March 1982

Rcf. No. 11506.—Whereas, I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

G.S. No. 388/1, at Sanganur Village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. No. 3064) on July 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that this consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in G.S. No 388/1 Sanganur Village, Coimbatore. (Doc. No. 3064).

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 20-3-82.

FORM 1.T.N S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 20th March 1982

Ref. No. 11507/1981.—Whereas, I, R. RAVICHAN-DRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

G.S. No. 388/1, situated at Sanganur village, Coimbatore, (Doc. No. 3063/1981),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram, Coimbatore on 8.7.81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Mr. Rajaram, S/o Mr. Venkata Rao, (2) Smt. Bhayani Bai, W/o Mr Venkata Rao, Kuniyamuthur, Coimbatore.
- (2) Dr. S. Swathanthira Devi, W/o Mr. R. Srinivasan, 2 '51, Pappanaickenpalayam, Coimbatore

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land in G.S. No. 388/1, Sanganur village, Coimbatore—Document No. 3063/1981).

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 20-3-82.

Scal

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 20th March 1982

Ref. No. 11507/1981.—Whereas, I, R. RAVICHAN-DRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 388/1, situated at Sanganur village, Coimbatore Dt., (Doc. No. 3062/81),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Gandhipuram, Coimbatore on 8-7-81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) (1) Shri V. Rajaram, S/o Sri Venkata Rao, (2) Smt. Bhavani Bai, W/o Sri Venkata Rao, Kuniyamuthur Village Coimbatore.

(Transferor)

(2) Dr. S. Chandradevi, W/o Shri R. Srinivasan, 2/51, Pappanayakkanpalayam, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land in S. No. 388/1, Sanganur village, Coimbatore---Document No. 3062/1981).

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 20-3-82,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR, 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 20th March 1982

11519/1981 —Whereas I, R. RAVICHAN-Ref No DRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T.S. No 1/22-G and, situated at Door No. 245, Avinashi Road, Coimbatore,

(Document No 4138/1981).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore on 15.7 81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfers with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-61-36GI/82

(1) Mr. J. Walter, S/o Mr. Y. D. Jasudasan, No. 52, K. B. Dasan Road, Alwarpet, Madras-18.

(Transferor)

(2) Mrs. Jothirlatha, W/o Mr. C. R. Madangopal, No. 31, Kannuswamy Road, R. S. Puram, Coimbatore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 245, Avinash Road, Coimbatore-Document No. 4138/1981.

> R. RAVICHANDRAN Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 20-3-82.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. The Travancore Rubbers Ltd., Kottayam. (Transferor)

(2) Shri K. O. Mathew, Kadooraparambil, Baker Hill, Kottayam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016.

Cochin-682 016, the 11th March 1982

Ref LC 564/81-82 - Whereas I, T. Z. MANIA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Erumely.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanjirappally on 9-7-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days fdom the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6 acres 75 cents of rubber estate as per schedule attached to document No. 2820/81.

T. Z. MANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 11-3-1982,

PORM ITMS-

 Mohammed & others, Srambikkal Maliyakkel, Kozhikode. (Transferor)

(2) M/s. Kerala Transport Co., Kozhikode. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE "ANHPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016.

Cochin-682 016, the 11th March 1982

Ref. L.C. 565/81-82.—Whereas I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 'Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Kalathilkunnu,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kozhikode on 4-7-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely '---

may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

58 cents of land as per schedule attached to document No. 810/81.

T. Z. MANI,
Competent Authority,
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.)

Date: 11-3-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016, Cochin-682 016, the 15th March 1982

Ref. L.C. 566/81-82.—Whereas I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

Sy. No. as per schedule situated at Chengazhacherry,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chalai on 9-7-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri H. V. Das, M/s. Lenox Incorporated, New Jersy, U.S.A. (Transferor)
- (2) Shri P. G. Prabhakaran Nair, T.C. 15/829, Ramnivas, Thycaud, Trivandrum. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

13 cents of land with a building in Sy. No. 785 ABC of Chengazhasserry village.

T. Z. MANI.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 15-3-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE-1 "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682016.

Cochin-682 016, the 22nd February 1982

Ref. L.C. 567/81-82.—Whereas I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Peruvanthanam.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Peermadu on 9-7-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Thomas, Angadicherril, Aymanam, Kottayam.
 (Transferor)
- (2) Shri Varghese Philip, Vadakkeparambil, Anicadu, Mallappally.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 acres 75 cents of land in Sy. No. 1015 & 1017 of Peruvanthanam village.

T. Z. MANI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 22-2-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016.

Cochin-682 016, the 22nd February 1982

Ref. L.C. 568/81-82.—Whereas I, T. Z. MANI, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at

Peruvanthanam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Peermadu on 9-7-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Thomas, Angadicherry, Aymanam, Kottayam. (Transferor)

(2) Smt. Marjamma John, Nodumtharayil, Nattassery, Kottayam. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 acres 75 cents of land in Sy. No. 1017 of Peruvanthanam village.

T. Z. MANI, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 22-2-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 20th March 1982

Ref. No. CHD/93/81-82 —Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 1103, situated at Sector 36C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Chandigarh in July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Wing Commander Jaitnder Singh S/o Shri Parhlad Singh R/o 1845, Sec. 34D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Singh S/o S. Dasaundha Singh R/o 162, Sector 9B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1103, Sector 36C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 566 of July, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 20th March 1982

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 20th March 1982

Ref. No. CHD/95/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 153, situated at Sector 35A, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- (1) Maj. Amar Nath Sharma (Retd.) S/o Shri Laxmi Dass R'o 28/73, Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferor)
- (2) Mrs. S. F. Lee S/o Sh. S. A. Lee and Mrs. Jenny Lee W/o Sh. S. F. Lee, residents of 612, Sector 16D, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 153, Sector 35A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 587 of July, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 20th March 1982

Shal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 20th March 1982

Ref. No. LDH/147/81-32.—Whereas, I. SUKHDEV CH-AND.

being the Competent Authority under Section 269E of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinsiter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House No. B. 22 692/3, situated at Dashmesh Nagar, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Luadiana in July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than gfteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the cocealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—62—36GI/82

- (1) Shri Gurcharan Singh S/o S. Kapoor Singh, R o B.22.692/3, Dashmesh Nagar, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Surjit Singh S/o S. Atma Singh R/o 594/6, Janta Nagar, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period ef 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

I-APLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No B.22.692/3, Dashmesh Nagar, I udhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 6389 of July, 1981 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDFV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Orta: 20th March 1982

FORM I.T.N.S.

(1) Shri J. M. Sethi S o Sh. Roshan I al Sethi R/o 843, Sector 16D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Jagir Singh S/o S. Kesar Singh, NO & SDO, BMB, Power House, Sector 28, Chandigath.

(Transicree)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 20th March 1982

Rot. No. CHD/96/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No 412, situated at Sector 37A, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer is at Chandigarh in July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—I'the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 412, Sector 37A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 590 of law, 1981 of the Registering Authority, Chandigath).

SUKIIDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

D to: 20th March 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, J UDHIANA CENTRAL REVENUF BUILDING

Tudhiana, the 20th March 1982 Ref. No KIIR'11 81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said A.t') have reason to believe that the immovable paraprity, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

H. No. 93 Phase 2, situated at Mohali Tch, Khaiar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khaiar in July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Karam Singh Raju, I.A.S. S/o Shri Santa Singh R/o 546, Sector 18-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Amarjit Singh Virk S/o Shri Veer Singh Virk, H. No. 93, Phase II, Mohali Distt. Ropar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said lmmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 93, situated in Phase-2, Mohali Distt. Ropar. (The property as mentioned in the registered deed No. 2 36 of July, 1981 of the Registering Authority, Kharar).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 20th March 1982

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 20th March 1982

Ref. No. CHD/101/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 1733, Sector 34-D, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 192) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1557);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sub. Maj. Bhagat Singh S/o Shri Suba Singh, 15, Model Town, Hoshiarpur, through Sh. K. K. Mer S/o Sh. Om Parkash, R/o 15, Model Town, Hoshiarpur.

(2) Sh. Puran Singh S/o Shri Sharan Singh Smt. Bhupinder Kaur W/o Shri Puran Singh ('/o Punjab & Sind Bank, Raipur Rani Distt. Ambala now R/o VPO, Bhurewala Teh. Naraingarh Distt. Ambala (Haryana). (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice In the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whicheve period expires later:
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1733, situated in Sector 34-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the registered deed No. 605 of July, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 20th March 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 20th March 1982

Rcf No CHD 92/81-82 - Whereas, J. SUKHDEV

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

House No 268 Sector 9-C, situated at Chandigath, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Chandiguh in July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen her cent of such apparent consideration and that the constitution for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of translet with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

(1) Shii Ravi Mayor S/o Shri P. N. Mayot R/o EH-218, Nehru Garden, Jullundur City, Punjab.

(Transferor)

(2) (1) Shri Ramesh K. Nikhanj

(ii) Shri Bharat Bhushan

(iii) Shri Kapil Dev SS/o Late Sh. Ram Lal (iv) Mrs. Saloj Bala W/o Sh. Ramesh K. Nikhani (v) Mrs. Deepa W/o Shli Bharat Bhushan

 (vi) Mrs. Romi W/o Shri Kapil Dev through Shri Ramesh K. Nikhanj rs/o House No 145, Sector 16-Λ, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 268, situated in Sector 9-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the registered deed No. 562 of July, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 20th March 1982

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVINUE BUILDING

Ludhiana, the 31st March 1982

Ref No CHD 107/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Plot No. 3261. Sector 35-D situated at Chandigath (and more tully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs Sarla Singla W/o Shri K. C. Singla R/o H. No. 3579, Sector 23-D, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Smt Savitri Devi Malhotia W/o Shri Dilbagh Rai Malhotia R o House No. 3290, Scetoi 35-D, Chandigaih.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 42 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plet No. 3261, situated in Sector 35-D, Chandigath.
(The property as mentioned in the Registered deed No. 618, ct July, 1981 of the Registering Authority, Chandigath).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 31st March 1982

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACF, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 31st March 1982

No CHD/88 81-82.—Whereas, I, SUKHDEV

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/rand bearing

Plot No. 626. Sector 33-B, situated at Chandigath, tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1905). In the office of the Registering Office at

Chandigath it July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Mohinder Kaur W/o Lt. Col. Shamsher Singh & Miss Shaminder Kaur D/o It. Col. Shamsher Singh Sh. Rajinder Singh S/o Lt. Col. Shamsher Singh ad R/o 40, The Mall Road, Ambala Cantt.

 (Transferor)
- (2 Mrs. Harjit Kam W/o Major Divender Singh and Sh. J. P. Singh S o Major Davinder Singh R/o H. No. 1575, Sector 33-D, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 626, situated in Sector 33-B, Chandigarh. (The property as mentioned in the registered deed No. 546 of July, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 31st March 1982 Stall:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDIIIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 31st March 1982

Ref. No CHD/100/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being he Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House No. 219, situated at Sector 19A. Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigach in July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Amarjit Singh Walia, (Son of S. Sewa Singh) 118 Sec. II, CGS Colony, Antop Hile Bombay, Puodga Lis Genera, Attorney S. Sewa Singh Abluwaha Soo S. Kesar Singh R o D-75, Kalkaji, New Delhi.

 (Transferor)
- (2) M/s. Jagdish Raj & Sons, (M/. Jagdish Raj & Sons) R.o 1019, Sector 18C, Chandigarh, through Prop. Sh. Jagdish Raj S/o Sh. Rameshwar Dass.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the late of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 219, Sector 19A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 601 of July, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 31st March 1982

Ƙ⊃aI:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 31st March 1982

Ref. No. CHD/91-81-82 —Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No. House No. 2348, situated at Sector 22C, Chandigath, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigath in July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposs of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 192) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1557);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—63—36GI/82

- (1) Smt. Saraswati Devi W/o Sh. Shadi Lal through her General Power of Attorney Sh. Shadi Lal S/o Sh. Devi Chand. R/o Dev Samai Street, Moga (Punjab). (Transferor)
- (2) Smt. Pushpa Rani W/o Sh. Daulat Ram & Smt. Prem I ata W 'o Sh. Dalip Chand, R/o House No. 2348, Sector 22C, Chandigarh.

(Transferee)

(3) Shri Dalip Singh R/o H. No. 2348, Sector 22C, Chandigath.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapetr,

THE SCHEDULE

House No. 2348, Sector 22C, Chandigarh

(The property as mentioned in the sale deed No 560 of July, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Direct 31st March 1982 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

SFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 31st March 1982

Ref No CHD/99/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No House No. 2208 situated at Sector 15C, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said ianstrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Radha Krishan Sapru S/o Diwan Chand Sapru, Department of Public Administration, Punjab University, Chandigarh. Through General Power of Attorney S. Devinder Singh S/o S. Sewak Singh R/o House No. 61, Sec 1, Parwanu (H.P.).

(Transferor)

(2) Shri Jatinder Kumar Nanda S/o Sh. Wazir Chand Nanda, R/o House No. 3383, Sec. 15D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2208, Sector 15C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 597 of July, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 31st March 1982

Scal;

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 2nd April 1982

Ref. No. CHD/113/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S.C.F. No. 74, situated at Grain Market, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Saroop Jairath S/o Late Sh. Nanak Chand Jairath, through his General Attorney Mrs. Raj Jairath W/o Sh. Ram Sarup Jairath, R/o Kothi No. 632, Sector 16D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) S/Shri Krishan Lal, Ramesh Kumar, Sham Lal Ss/o Shri Lachhman Dass, Smt. Sushila Devi W/o Sh. Bhagwan Dass & Smt. Laxmi Devi W/o Sh. Ram Murti, all residents of 97, Grain Market, Chandigarh.

(Transferee)

(3) M/s. Jain Trading Company (Traders), 97, Grain Market, Chandigarh.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.C.F. No. 74, Grain Market, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 736 of July, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 2-4-1982

Seal

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 2nd April 1982

Ref. No. CHD/105/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV (HAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3rd share Plot No. 77, Indl. Area situated at Chandi-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigath in July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration tor such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sh. Dilbag Singh, Bahadur Singh Ss/o Sh. Sant Singh through Sh. Bawa Singh R/o 16/3, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Pritam Singh Bharaj, Santokh Singh Ss/o Sh. Bawa Singh R/o 16/3, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi-5, New Plot No. 17, Sector 6, Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 77, 1/3rd share situated at Indl. Area, Chandigath.

(The property as mentioned in the registered deed No. 615 of July, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspeciting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 2-4-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 12th March 1982

Ref. No. HSR/115/81-82. -Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1 3rd share in incomplete cinema situated at Thandi Sarak, Hissar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in Nov. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Anil Tayal S/o Sh. Balraj Tayal, R/o Gali Chhabil Dass, Delhi Gate, Hissar.

(Transferor)

(2) Shii Ram Dass & Hargobind Ss/o Shri Ishar Dass S/o Sobha Ram, Hans Bhawan, Railway Road, Hissar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1/3rd share in incomplete building of cinema situated at Thandi Sarak, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3568 dated 5th November 1981 with the Sub Registrar, Hissar.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 12-3-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,

ROHTAK

Rohtak, the 12th March 1982

Ref. No. HSR/90/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/6th share of incomplete building of Cinema situated at Hissar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hissar in October 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Jucome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:—

- (1) Shri Ved Parkash S/o Sh. Rikhi Kesh Ahuja, R/o 80-New Model Town, Bahadurgarh (Rohtak). (Transferor)
- (2) Shri Jiwan Dass S/o Sh. Ishwar Dass, R/o Hans Bhawan, Railway Road, Hissar, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1/6th shale of incomplete building of Cinema situated at Thandi Salak, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3134 dated 5th October 1981 with the Sub Registrar, Hissar.

G. S. GOPALA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date: 12-3-82

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Kulwant Rai Sood S/o Sh. Paras Ram R/o Λ/124 Sector 30B, Chandigarh. (Transferor)

(2) Yaduvansh Chug S/o Sh. Govind Ram, Smt. Kamlesh Chug W/o Sh. Yaduvansh Chug, R/o 3320 Sector 27-D, Chandigarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 15th March 1982

Ref. No. KLK/12, 81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herenafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 776 Sect. 7 Urban Estate, situated at Punchkula (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalka in July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 776 Sect. 7 Urban Estate Punchkula and as more mentioned in the sale deed registered at No. 833 dated 27th July 1981 with the Sub Registrar, Kalka.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 15-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Sushila W/o Sh. R. C. Sanwal R o Delhi through Shri R C. Sanwal, University Hostel for Women, Chhatra Marg, New Delhi.

(2) Kumari Alka D/o Sh. B. S. Hora, A-28, Narain Vihar, New Delhi.

(Transfero)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 15th March 1982

Ref. No. BGR/177/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 51 Block B-1, situated at Sector 11, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabhgarh in July 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ait, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 51 Block B-1 measuring 500 sq yds situated in Sector 11, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5657 dated 15th July 1981 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-3-1982

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 15th March 1982

Ref. No. RTK/13/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House No. 683 Ward No. 36, situated at Kath Mandi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak in July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposs of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 192) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1557);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—
64—36GI/82

(1) Sh. Mohar Singh Dass Balotia Trust Beri Distt. Rohtak through Sh. Madan Mohan Trustee S/o Shri Umrao Singh R/o Beri now at 25 Badtala Street,

(Transferor)

(2) Shri Piare Lal S/o Shri Nand Lal Smt. Parbati W/o Sh. Piare Lal, S/Sh. Ajit Singh Ved Parkash Ss/o Shri Nand Lal R/o H. No. 622 Ward No. 30, Kath Mandi, Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires tater:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 683 Ward-36, Kath Mandi, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1959 dated 2nd July, 1981 with the Sub Registrar, Rohtak.

G. S. GOPALA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 15th March 1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 15th March 1982

Ref. No. JDR/43/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 1881 Circle 4, Christian Colony, situated at Jagadhari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering

Officer at

Jagadhari in July, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lasue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Shri A. R. Jostu, Maruf Abdul Rahim Jostu, S/O Sh. Rateh Masih, R/O Jagadhari,

(Transferor)

(2) Shri Balwant Singh S/O Chhaju Ram R/O Gopiwala Teh. Tohana. Sh. Jagjit Singh S/O Jug Lal. R/O Vill, Rajthal Teh. Hansi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 1881 Circle 4, Christian Colony, Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2512 dated July, 1981 with the Sub Registrar, Jagadhari,

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 15-3-1982

Soal:

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.I.F. COLONY

Rohtak, the 15th March 1982

Ref. No. KNL/38/81-82.—Whereas 1, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop-cum-flat No. 158 Sector-11, situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Karnal in July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property, and I have reason to believe that the fair market, of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Shri Ravinder Chander Mittal S/O Sh. Ishwar Chander, H. No. 326, Housing Colony, Karnal.
- (2) Shri Jai Parkash & Pawan Kumar Ss/O Shri Madan Lal C/O Narwana Timber Store, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop-cum-flat No. 518 Sector-11. Chorn Bazar, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2778 dated 30-7-81 with the Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitlon Range, Rohtak

Date: 15-3-1982

(1) M/S. Globe Motors, Mathura Road, Ballabgarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) The Star Wire (India) Ltd. 394 Hauz Quasi Delht.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 15th March 1982

Ref. No. DLI/53/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 5,85,139 sq. ft. and super structure situated at Mathura Road, Ballabgarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July, 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

en or or the (11 of , 1957

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLAÑATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being and building situated at Mathura Road, Ballabgarh and as more mentioned in the sale deed registered at No. 660 dated 10-7-1981 with the Sub Registrar, Delhi.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-3-1982

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Gobind Ram S/O Shri Teju Ram alia Tej Bhan, Hem Nagar, Sonepat.

(Transferor)

(2 Smt, Sharda Kumari W/O Shri Krishan Lal, 238/2 Katra Anaj, Sonepat. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 15th March 1982

Ref. No. SPT/46/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House at situated at Hemnagar, Sonepat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sonepat in July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or atily moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house situated in Hem Nagar, Sonepat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1825 dated 2-7-1981 with the Sub Registrar, Sonepat.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 15-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 15th March 1982

Ref. No. JDR/40/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Jagadhari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in July 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Madan Lal Garg S/o Sh. Sohan Lal House No. 3036-A, Sector 15-D, Chandigarh

(Transferor)

(2) Shri (Dr.) Vishnu Parkash Gupta S/O Shri Chander Parkash Gupta, Jagadhari Road, Yamunanagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house at Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2674 dated 9-7-1981 with the Sub Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 15-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 17th March 1982

Ref. No. PNP/46/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason-te-believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Sale of 1/2 share of property No. 302 to 307 Ward No. 5, situated at Main Bazar, Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Panipat in July, 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mahavir Gupta S/o Sh. Amer Nath R/o 679 Sector No. 8-B, Chandigarh.

 (Transferor)
- Shri Sewa Ram S/o Sh. Ram Kishan Dass House No. 161 Ward No. 4, Panipat;

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being sale of 1/2 share of house No. 302 to 307 Ward No. 5 Main Bazar, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2454 dated 1-7-1981 with the Sub Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-3-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 17th March 1982

Ref. No. PNP/61/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land area 29 K 10 M. situated at Vill. Mohali (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Panipat in July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (5) Iacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kishori Lal S/o Shri Beli Ram R/o Mobali.

(Transferor)

(2) Shri Hukam Chand S/o Sh. Chhotu Ram. Krishan Kaur W/o Sham Sunder. Suman D/o Shii Krishan Kumar, Geeta Colony, Sonepat.

(Transferee,

Objections, if any, to the acquisition of the said propertmay be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days Trom the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immover able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as at are defined in Chapter XXA of the saided Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 29 K, 10 Marla situated at Vill. Mohali and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2697 dated 13-7-1981 with the Sub Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohak

Date: 17-3-1982

Scal:

FORM I.T.N.S.---

N°TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.I.-F. COLONY

Rohtak, the 17th March 1982

₩5. No. TSR /9/81-82.---Whereas I, G. S. GOPALA

the Competent Authority under Section

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinreferred to as the 'said Act'), have reason to believe ne immovable property having a fair market value ding Rs, 25,000/- and bearing

Property being land measuring 24 kanala with boundary situated at Bet Pipli

more fully described in the Schedule annexed hereto), seen transferred under the Registration Act 1908 f 1908) in the office of the Registering Officer at tesar in July, 1981

- n apparent consideration which is less than the fair et value of the aforesaid property, and I have reason to e that the fair market value of the property as aforesaid eds the appearent consideration therefor by more, than en per cent of such apparent consideration and that the ideration for such transfer as agreed to between the cas has not been truly stated in the said instrument of fer with the object of:—
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- v therefore, in pursuance of Section 269C of the said cby initiate proceedings for the acquisition of the property by the issue of this notice under sub(1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely:—

(1) Shri Raj Kumar S/o Sh. Rameshwar Narain S/Sh. Basant Ram R/o Ambala City, Now Vill, Pipli,

(Transferor)

(2) M/s Surjit & Surinder Investment (P) Ltd. Tata Diesel Vehicles & Spares, Yamuna Nagar (Jagadhari).

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 24 kanals at Village Bet Pupli (GT. Road), Pipli and as more mentioned in the sale deed registered at No 1463 dated 15-7-1981 with the Sub Rogistrar, Thanesar

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak

Date: 17-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 17th March 1982

Ref. No. RTK/14/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House No. 536(P) Ward No. 14, DLF Colony, situated at Rohtak

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)) in the office of the Registeting Officer at Rohtak in July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Dewak Ram S/o Sh. Chhaju Ram, R/o Kiloi Depana.

(Transleror)

(2) Shri Subhash Chander Bhatia S/o Sh. Kanhya Lal C/o New Bank of India, Rohtak.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 536(P) Ward No. 14, DLF Colony, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2245 dated 16-7-1981 with the Sub Registrar, Rohtak.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tam
Acquisition Range, Rohte¹⁻¹

Date: 17-3-1982

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, ROHTAK D / COFONA

> > Rohtak, the 17th March 1982

Ref. No. BGR/181/81-82 — Whereas I, G. S. GOPALA ing the Competent Authority under Section 269B of the come tax Act, 1961. (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable -operty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No Property land situated at Ballabgarh

(and more fully described in the schedule annexed hereto). tas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 908) in the Office of the registering Officer at

'allabgarh in July, 1981

or an apparent consideration which is less than the fair harket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid xceeds the apparent consideration therefor by more than fteen per cent of such apparent consideration and that the ensideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trans-'fe_ with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Shri Santhosh Saran W/o Sh. Sham Saran R/o 30 Todar Mal Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Ram Bopala Goenka S/o Shri Matru Mal Goenka, N-118-B. Panchsheel Park, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land situated at Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5814 dated 17-7-1981 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-3-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 17th March 1982

Ref. No. BGR/190-81/82.—Whereas 1, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property situated at Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ballabgarh in July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gajraj S/o Shri Harkesh R/o Lakarpur.
- (2) Shri Sham Sunder Goenka S/o Shri Matru Mal Goenka, R/o N-118-B, Panchsheel Park, New Delhi.

(Transic.

(Transf

Objections, if any, to the acquisition of the said promay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforemeld persons within a perior. 45 days from the date of publication of this ne in the Official Gazette or a period of 30 days f the service of notice on the respective pert whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immor able property, within 45 days from the date of t publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said A shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Faridabad and as more mentioned in the saideed registered at No. 6258 dated 23-7-1981 with the Sucregistrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-3-1982

E UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bungalore, the 18th March 1982

⁴R No. 62/31382/81-82|ACQ|B.—Whereas, I, MANJU HAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Acquisition Range; Bangalore

I the Competent Authority under Section 269B of the ome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 'he 'said Act'), have reason to believe that the immovable erty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/d bearing

7 22 situated at Ulsoor Road, Bangalore

nd more fully described in the Schedule annexed hereto). Seen transferred under the Registration Act, 1908 (16 of in the office of the Registering Officer at

gar Under document No. 1357/81-82 on 24-7-1981 apparent consideration which is less than the fair cet value of the aforesaid property and I have reason to e that the fair market value of the property as aforesaid As the apparent consideration therefor by more than per cent of such apparent consideration and that the ideration for such transfer as agreed to between the 2e3 has not been truly stated in the said instrument of sfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

low, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said I hereby initiate proceedings for the acquisition of the resaid property by the issue of this notice under subion (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :---

- (1) 1. Rose Ursula Friedel 2. Fredrick Aloysious Friedel 3. Alois John Fridel all r/o No. 22, Ulsoor Road, Bangalore. (Transferor)
 - (2) M/s. Ambit Estates and Developments Pvt. Ltd. Represented by Mr. K. Abdullah, No. 32, Museum Road, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1357 Dated 24-7-81] All that property bearing No. 22, Ulsoor Road, 53rd Corporation Division, Bangalore. Bounded by:

on North—Ulsoor road on South—Private property on East—No. 21, Ulsoor Road, on West—No. 13, Ulsoor Road.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 18-3-1982

(1) Smt. Sumitra Devi W/o Shri Mela Ram R/o 3368, Sector 27D, Chandigarh.

(Traff

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mis. Mithlesh Sharma, 2433-34, Sector 22C, Chandigath.

(Tra

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said r may be made in writing to the undersigned:--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th April 1982

Ref. No. CHD/98/81-82.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S.C.O. 40, situated at Sector 31D, Chandigath

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in July, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period days from the date of publication of this in the Official Gazette or a period of 30 days the service of notice on the respective p whichever period axpires later;
- (b) by any other person interested in the said immover property, within 45 days from the date of the recation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used he are defined in Chapter XXA of t' shall have the same meaning that Chapter.

THE SCHEDULE

S.C.O. 40, Sector 31D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 5 July, 81 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAN
Competent Authoriti
Inspecting Assistant Commissioner of Incom
Acquisition Range Lud'

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-4-1982

Ι

ij

FORM ITNS

UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME NOTE TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-)FF SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

- Ludhiana, the 8th April 1282

, MA No. CHD/110/81-82 -- Whereas I, be: I Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, in Range, Ludhiana

the Competent Authority under Section 269B of Properme tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaf er referred at the said Act'), have reason to believe that the immovotoperty, having a fair market value exceeding "", '- and bearing No.

nas (1281, situated at Sector 22B, Chandigarh

.1908)rilly described in the Schedule annexed hereto), Shivajina sferred under the Registration Act, 1908 (16 of for an the office of the Registering Officer at

A in July, 1981

belie. parent consideration which is less than the fair ilue of the aforesaid property, and I have reason to fi. that the fair market value of the property as aforesaid co 3 the apparent consideration therefor by more na. teen per cent of such apparent consideration and that isidenation for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of . Wth the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tionect of any income arising from the transfer; and/o.
- i) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said I hereby initiate proceeding for the acquisition of the by the issue of this notice under sub-

(1) of Section 269D of the said Act, to the followersons, namely :-

(1) Shri Beant Singh S/o Sh. Harnam Sin R/o V. Puranpun, Distt. Pilbhit, (U.P.) Shri Ashok Kumar Sharma S/o Sh. Kundai R/o House No 2496, Sector 19B, Chandigarh. (Transfero

(2) Shri Kundan Lal S/o Sh. Mohan Lal, House No 1281, Sector 22B, Chandigaih. (Transferce)

(3) 1. Smt. Bhagwati Sharma W/o Sh. B. K. Sharma, 2 Sh. B K. Bhandarı residents of H. No. 1281, Sec. 22B, Chandigarh (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1281, Sector 22B, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 628 of July, 1981 of the Registering Authority, Chand garh).

> SUKHDEV (Competent-Inspecting Assistant Commissioner of Acquisition R

Date: 8-4-1982 Seal:

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1982